

जैमिनीय साम प्रकृति गानम्

Contents

आग्नेयपाठः	4
प्रथमं खण्डः	5
॥गौतमस्यपर्कः ॥	5
॥कश्यपस्यबर्हिषीयम् ॥	5
॥गौतमस्यचैवपर्कः ॥	5
॥सौपर्णञ्च ॥	6
॥वैश्वमनसञ्चादित्यसामवा ॥	6
॥श्रौतर्षाणित्रीणि ॥	6
॥औशनञ्च ॥	7
॥शैरीषेच ॥	7
॥इन्द्रस्यसंवर्गौवात्रघ्ने ॥	8
॥साकमश्वस्यशौनःशोपेःसामनी द्वे ॥	8
॥वत्सस्यकाण्वस्यसामनीद्वे ॥	9
॥अग्रेश्ववैश्वानरस्यार्षेयम् ॥	9
॥सुमित्रस्यचवार्द्धश्वेस्साम ॥	10
द्वितीय खण्डः	11
॥अग्रेश्वसंवर्गः ॥	11
॥वैश्वमनसञ्च ॥	11
॥श्राभाश्रौष्टेद्वे ॥	11
॥वैश्वामित्रञ्च ॥	12
॥अग्रेश्वजराबोधीये ॥	12
॥मारूतञ्च ॥	12
॥भार्गवेच ॥	13
॥अग्रेश्ववारवन्तीयम् ॥	13

॥और्वस्यवैधारेस्सामनीद्वे ॥	14
॥अत्रेश्वासङ्गम् ॥	14
॥प्रजापतेश्चनिधनकामम् ॥	15
तृतीय खण्डः	16
॥सैन्धुक्षितानित्रीणि ॥	16
॥अग्नेर्हरसीद्वे ॥	16
॥इहवद्वामदेव्यंतृतीयम् ॥	17
॥यामेद्वे ॥	17
॥अग्नेराक्षोग्नेद्वे ॥	18
॥वैश्वम्नसञ्च ॥	18
॥अग्नेश्चार्षेयम् ॥	18
॥सोमसामच ॥	19
॥गोपवनञ्च ॥	19
॥सूर्यसामनीद्वे ॥	19
॥कावञ्च ॥	20
॥वसुरोचिषस्सौर्यवर्चस्यसामनीद्वे ॥	20
॥गौराङ्गिरसस्यसामनीद्वे ॥	21
चतुर्थ खण्डः	22
॥भारद्वाजस्यौपहवौद्वौ ॥	22
॥श्रुष्टीगवम् ॥	22
॥अग्नेश्चयज्ञायज्ञीयम् ॥	23
॥कार्तवेशञ्च ॥	23
॥नामधञ्च ॥	23
॥महाकार्तवेशञ्च ॥	24
॥भारद्वाजस्यपृश्नीद्वे ॥	24
॥उरोराङ्गिरसस्यसाम ॥	25
॥गौतमस्यपौरुमुद्वेदेपुरुमुद्गस्यवाङ्गिरसस्य देवानांवा ॥	25
॥मण्डोर्जामदग्न्यस्यसामनीद्वे ॥	26
॥भारद्वाजस्यगाधम् ॥	27
॥गौतमेद्वे ॥	27
॥अग्नेरायुः ॥	28

	॥अग्नेर्हरसीद्वे ॥	28
	॥दैर्घश्रवसेद्वे ॥	29
पञ्चम खण्डः		30
	॥अग्नेराग्नेयेद्वे ॥	30
	॥गौतमस्यमनार्येद्वे ॥	30
	॥दैवोराजञ्च ॥	31
	॥गाधिनश्चकौशिकस्यसाम ॥	31
	॥बार्हदुत्थेद्वे ॥	32
	॥पौरुमीढञ्च ॥	32
	॥कार्णश्रवसम् ॥	33
	॥दैवोदासञ्च ॥	33
	॥सौकृतवञ्च ॥	33
	॥काण्वेद्वे ॥	34
	॥मानवेद्वे ॥	35
षष्ठ खण्डः		36
	॥अग्नेश्चद्रविणम् ॥	36
	॥बार्हस्पत्यञ्चब्राह्मणस्पत्यंवा ॥	36
	॥वसिष्ठस्यचवीङ्गम् ॥	36
	॥विस्पर्धञ्च ॥	37
	॥ऐतवृधञ्च ॥	37
	॥मनसश्चदोहः ॥	38
	॥समन्तानित्रिणिअग्नेरेकमिन्द्राग्न्योर्वाप्रजापतेर्वावरुणस्यद्वे ॥	38
	॥वमृस्यवैखानसस्यसाम ॥	39
सप्तम खण्डः		40
	॥श्यावांश्चञ्च ॥	40
	॥ऋतुसामनीच ॥	40
	॥यामञ्च ॥	41
	॥अग्नेश्चाग्नेयम् ॥	41
	॥अग्नेर्वैश्वानरस्यसामनीद्वे ॥	42
	॥ऐटतेद्वे ॥	43
	॥वामदेव्यञ्च ॥	43
	॥वैश्यज्योतिषेच ॥	44
	॥यामेद्वे ॥	45

अष्टम खण्डः	॥प्रजापतेराशिमरायेद्वेमरायराशिनिवा ॥	46
	॥श्येनञ्च ॥	47
	॥वासोक्रञ्च ॥	47
	॥पौष्णञ्च ॥	47
	॥कौत्सञ्च ॥	48
	॥काश्यपेद्वे ॥	48
	॥घृताचेराङ्गिरसस्यसामनीद्वे ॥	49
	॥भारद्वाजस्यप्रासाहम् ॥	50
नवम खण्डः	॥पाथेद्वे ॥	51
	॥बृहच्चाग्रेयम् ॥	51
	॥कौन्मुदम् ॥	52
	॥बृहचैवाग्रेयम् ॥	52
	॥कौन्मुदञ्चैव ॥	52
	॥अग्रेयद्वाहिष्ठीयेद्वे ॥	53
	॥अग्रेश्चविशोविशीयम् ॥	53
	॥प्रजापतेःकनीनिकेद्वेअत्रेर्वा ॥	54
	॥श्रौतर्वणञ्च ॥	54
	॥कश्यपस्यसयोनिः ॥	55
दशम खण्डः	॥बार्हस्पत्यञ्च ॥	56
	॥ऐषञ्चारूढवदाङ्गिरसम् ॥	56
	॥आसीतेद्वे ॥	56
	॥त्वाष्ट्रीसामच ॥	57
	॥मानवञ्च ॥	57
	॥अगस्तस्यचराक्षोघ्नम् ॥	58
एकादश खण्डः	॥तौदेद्वे ॥	59
	॥दैर्घतमसानित्रीणि ॥	59
	॥श्यावाश्वस्यप्रहितौद्वौ ॥	60
	॥प्रजापतेःश्रुधीयेद्वे ॥	60
	॥प्रजापतेःसदोहविधानानित्रीणिसदःपूर्वहविधाने उत्तरे ॥	61

॥त्वष्टुश्चातिथ्यम् ॥	62
॥अदितेश्वसाम ॥	62
॥अगस्तस्यचराक्षोघ्नम् ॥	62
॥वाक्जभञ्च ॥	62
॥बृहदाग्नेयञ्चसङ्कृतवा ॥	63
॥अगस्तस्यचैवराक्षोघ्नम् ॥	63
द्वादश खण्डः	64
॥वसिष्ठस्यप्रमंहिष्ठीयानिचत्वारि ॥	64
॥भरद्वाजस्यवाजभृत् ॥	65
॥सौभराणित्रीणि ॥	65
॥पथस्यसौभरस्यसामनीद्वे ॥	66
॥दैवानीकञ्च ॥	66
॥साधञ्च ॥	67
॥जमदग्नेश्चसंवर्गः ॥	67
॥अगस्त्यस्यचराक्षोघ्नम् ॥	67
॥अग्नेश्चश्रैष्ठ्यम् ॥	67
॥आदित्यस्यचरुचिरोचनंवा ॥	68
तद्वपाठः	68
प्रथमं खण्डः	69
॥मर्गीयवञ्च ॥	69
॥रौद्रेद्वे ॥	69
॥मार्गीयवञ्चैव ॥	69
॥आश्वञ्च ॥	70
॥ऐटतेद्वे ॥	70
॥श्रौतकक्षेद्वे ॥	71
॥तन्वस्यपाथस्यसामनीद्वे वसोवार्षेः ॥	71
॥अङ्गिरसान्निवेष्टौद्वौ इळा नांवासङ्कारौ ॥	72
॥शय्यातानित्रीणि ॥	72
॥इन्द्राण्यास्साम ॥	73
॥गोषूक्तम् ॥	73
॥आश्वसूक्तञ्च ॥	74
॥गौरीवितम् ॥	74
॥गौराणित्रीणि ॥	74

द्वितीय खण्डः	76
॥सौपर्णानि त्रीणि ॥	76
॥शाकलम् ॥	76
॥आभरद्वसवेद्वेऐन्द्रकग्रेर्वा ॥	77
॥तान्वेद्वे ॥	77
॥रौहितकूलियेद्वे ॥	78
॥इन्द्राण्यास्सामनीद्वे ॥	78
॥इन्द्रस्यसहस्रबाहवियम् ॥	79
॥धृषतोमारूतस्यसामनीद्वे ॥	79
॥भारद्वाजस्यदारसन्तित्रीणि ॥	79
॥ऐध्मवाहानि त्रीणि ॥	80
॥अहेःपैण्वस्यसाम अहिहनोवाबैल्वस्य ॥	81
तृतीय खण्डः	82
॥ऐषञ्च ॥	82
॥पौषञ्च ॥	82
॥मरूताञ्चसंवेशीयम् ॥	82
॥हाविष्मतेद्वे ॥	83
॥हाविष्कृतेद्वे ॥	83
॥काक्षीवतञ्च ॥	84
॥उषसश्च साम ॥	84
॥भारद्वाजस्यमौक्षेद्वे ॥	84
॥भारद्वाजानित्रीणि ॥	85
॥शौक्तसामनीद्वे ॥	85
॥वार्षाहरेद्वे ॥	86
॥कूत्सस्यप्रतोदौद्वौ ॥	87
चतुर्थ खण्डः	88
॥सौश्रवसेद्वे ॥	88
॥त्वाष्ट्रीसामच ॥	88
॥त्वष्टुरातिथ्येद्वे ॥	89
॥पौष्णेद्वे ॥	89
॥श्यावाश्वेद्वे ॥	90

॥प्रजापतेस्सुतरयिष्ठीयेद्वे ॥	90
॥आप्सरसञ्च इष्टाहोत्रीयंवा आपांवानिधि ॥	91
॥प्रजापतेर्निधन कामम् ॥	91
॥वाजिदापर्यञ्च ॥	91
॥सोमापौष्णञ्च ॥	92
पञ्चम खण्डः	93
॥वैतहव्यानि त्रीणि ॥	93
॥शौक्तानित्रीणि ॥	93
॥गौरीवितानित्रीणि ॥	94
॥काण्वेद्वे ॥	95
॥सौमित्रेद्वे दैवोदासं तृतीयं श्रौतकक्षाणिवा ॥	96
॥वैष्णवानि त्रीणि इहद्वाम दैवोदासन्तृतीयं और्ध्वसद्वानिवा ॥	97
॥औदलेद्वे वैणवेद्वे वैणव औदलइतीवा ॥	97
॥दैवोदासानित्रीणिआर्षभाणिवायदिवावार्ध्यश्चानि ॥	98
॥कौत्सेद्वे पाञ्चवाजेवा ॥	99
॥सौमेधानित्रीणि पौर्वतिथानिवा ॥	100
॥दैवातिथम्मैधातिथं वा ॥	101
षष्ठ खण्डः	102
॥माधूच्छन्दसङ्गौञ्चसौपर्णवा घृतश्रुन्निधनंआङ्गिरसानिवा ॥	102
॥प्रैयमेधानित्रीणि शौक्त सामानिवा उत्गातृदमनंवातृतीयम् ॥	102
॥गौरीवितेद्वे ॥	103
॥आपालवैणवेद्वे ॥	104
॥धुरशशम्येद्वे ॥	104
॥महागौरीवितं तृतीयम् ॥	105
॥वाचस्सामनीद्वे ॥	105
॥महावामदेव्यंतृतीयम् ॥	106
॥इन्द्रस्यसत्रासाहीयेद्वे ॥	106
॥माहावामदेव्यञ्च ॥	107
॥वैर्यश्चञ्च ॥	107
॥गौतमस्यच भद्रम् ॥	108
॥अश्विनोश्च साम ॥	108

सप्तम खण्डः	109
॥त्वाष्ट्रीसामच ॥	109
॥गोधासामच ॥	109
॥सवितुश्चसाम ॥	109
॥उषसश्चसाम ॥	110
॥त्वष्टुरातिथ्येद्वे ॥	110
॥सौमित्रञ्च ॥	110
॥इन्द्रस्यचमाया ॥	111
॥वैश्वामित्रेच ॥	111
॥शौनश्शेषञ्च ॥	111
॥प्रतीचीनेषञ्च काशीतम् ॥	112
अष्टम खण्डः	113
॥सौमित्रञ्च ॥	113
॥श्यावाश्वेद्वे ॥	113
॥शैखण्डिनञ्च ॥	113
॥वैतहव्यञ्च ॥	114
॥भारद्वाजञ्च ॥	114
॥अरूणस्यचवैददश्वेस्साम ॥	114
॥सौभरञ्च ॥	115
॥पाष्ठौहेच ॥	115
॥साकमश्वन्धुरावासाम ॥	116
नवम खण्डः	117
॥यामञ्च ॥	117
॥आङ्गीरसञ्चइन्द्रस्यवा हरिश्रीर्निधनम् ॥	117
॥वैरूपञ्च ॥	117
॥असीतञ्चसिन्धुसामवा ॥	118
॥यमस्याकौद्वौ ॥	118
॥सौमित्रेद्वे ॥	118
॥इन्द्रस्याभयम् ॥	119
॥त्वाष्ट्रीसामनीद्वे ॥	119
॥इन्द्राण्यास्सामा ॥	120
दशम खण्डः	121
॥श्यावाश्वञ्च ॥	121
॥वैरूपञ्च ॥	121

॥सौमित्रञ्च ॥	121
॥स्तौभञ्च ॥	122
॥श्रौतञ्च ॥	122
॥आभीशवञ्च ॥	122
॥ऐषञ्च ॥	123
॥इन्द्रस्यचक्षुरपवी ॥	123
॥सौमित्रे ॥	123
एकादश खण्डः	125
॥कौत्सञ्च ॥	125
॥ऐषञ्च ॥	125
॥उषसश्चसाम ॥	125
॥बार्हदुक्थञ्च ॥	125
॥वरुणसामच ॥	126
॥उषसश्चैवसाम ॥	126
॥मित्रावरुणयोश्चसंयोजनम् ॥	126
॥ऋतुसामच ॥	127
॥विष्णोश्चसाम ॥	127
द्वादश खण्डः	128
॥कौत्सञ्च ॥	128
॥काश्यपञ्चआप्सुरसंवा ॥	128
॥बार्हदुक्थेद्वे ॥	128
॥और्ध्वसद्गनेद्वे प्रहितोर्वा संयोजने ॥	129
॥कौत्सानिचत्वारि ॥	129
॥अभिवादस्यचऔदलस्यसाम ॥	130
॥सोमसामच ॥	130
बृहतिपाठः	131
प्रथमं खण्डः	132
॥इन्द्रस्यार्कोद्वौ ॥	132
॥भारद्वाजेद्वे ॥	132
॥सन्नतेद्वे ॥	133
॥शैतन्त्रृतीयम् ॥	133
॥नाविकञ्च ॥	134
॥प्रजापतेश्चाभीवर्तः ॥	134

॥भागञ्च ॥	135
॥इन्द्रस्याभीवर्तः ॥	135
॥नौधसम् ॥	135
॥लौशेद्वे ॥	136
॥धानाकेद्वे ॥	136
॥कालेयानित्रीणि ॥	137
॥एषिरेद्वे ॥	138
॥गौश्रृङ्गेद्वे ॥	138
॥प्रष्ठमेकम् ॥	139
॥शुक्लएकम् ॥	139
॥जमदग्नेरभिवर्तएकम् ॥	140
॥कौन्मुलबर्हिषेद्वे ॥	140
॥वसिष्ठस्यजनित्रेद्वे ॥	140
॥मैधातिथम् ॥	141
द्वितीय खण्डः	142
॥वैखानसम् ॥	142
॥प्राकर्षम् ॥	142
॥सात्यम् ॥	142
॥भारद्वाजानिचत्वारि कण्वब्रह्मद्वितीयम् ॥	143
॥वाम्नाणित्रीणि ॥	144
॥गौङ्गवम् ॥	144
॥साध्नाणि त्रीणि ॥	144
॥विरूपस्य समिचीन प्राचीनेद्वे ॥	145
॥यौक्तास्रजमिन्द्रस्येन्द्रियंवा ॥	146
॥आत्राणित्रीणि ॥	146
॥वासिष्ठानित्रीणि ॥	147
॥वत्सस्यकाण्वस्य सामनीद्वे गौतमस्यवामनार्ये ॥	148
तृतीय खण्डः	149
॥हारायणानि त्रीणि ॥	149
॥वाम्नाणित्रीणि ॥	149
॥वरुणसामानित्रीणि ॥	150
॥वषट्कारनिधनञ्च साकमश्वम् ॥	151

॥बृहतश्चमारूतस्यसाम ॥	151
॥संश्रवसे वीश्रवसे सत्यश्रवसे श्रवस इतिवार्यानां सामानिचत्वारी सांशानानिवा ॥	152
॥वासिष्ठानि त्रीणि भार्गवं वा तृतीयम् ॥	153
॥स्ववस आज्ञीकस्यसामनीद्वे ॥	153
॥काण्वम् ॥	154
॥वैष्टम्भेद्वे ॥	154
॥काण्वश्चैव ॥	155
॥श्रुष्टिगवश्च ॥	155
चतुर्थ खण्डः	157
॥इन्द्रस्यचवृषकम् ॥	157
॥द्वैगतेच ॥	157
॥कार्तवेशश्च ॥	158
॥इन्द्रस्यच शरणम् ॥	158
॥श्रायन्तीयश्च ॥	158
॥आक्षीलन्वबाभ्रंवा ॥	159
॥शौक्तानि त्रीणि शुक्लानिवा आश्वानिवा ॥	159
॥प्रजापतेर्निधन कामम् ॥	160
॥गौतमस्यमनार्याणित्रीणि ॥	160
॥वैरूपाणित्रीणि ॥	161
पञ्चम खण्डः	163
॥पौरूहन्मनश्च ॥	163
॥प्राकर्षश्च ॥	163
॥इन्द्रस्यचाभयङ्करम् ॥	163
॥कावर्षेद्वे ॥	164
॥सूर्यसामच ॥	164
॥नैपातिथेद्वे वाशेवा ॥	164
॥कौन्मुदेद्वेस्वर्जोतिषीवा ॥	165
॥अनूपेद्वे ॥	166
॥वैरूपश्च ॥	166
॥वाचश्चसाम ॥	167
॥आक्षीलेद्वे ॥	167
षष्ठ खण्डः	168
॥गौरीवितेःप्रहितौद्वौ ॥	168

॥आत्रेद्वे ॥	168
॥गौतमेद्वे ॥	169
॥वामदेव्यञ्च ॥	170
॥अश्विनोश्चसाम ॥	170
॥वसिष्ठस्य वज्राणि त्रीणि ॥	170
॥सौबभ्रवेद्वे ॥	171
॥वैर्यश्वम् ॥	172
॥इन्द्रस्यसहस्रायुतेद्वे प्रजापतेर्वा महोविशीये ॥	172
॥इन्द्राण्यास्साम ॥	173
सप्तम खण्डः	174
॥सोभरञ्च ॥	174
॥गात्समदञ्च ॥	174
॥वाचश्चसाम ॥	174
॥बार्हदुक्थञ्च ॥	175
॥नैपातिथञ्च ॥	175
॥तौरश्रवसञ्च ॥	175
॥त्वष्टार्याश्चसाम ॥	176
॥अदितेश्चसाम ॥	176
॥आजीक्तञ्च ॥	176
॥माधुच्छन्दसञ्च ॥	177
अष्टम खण्डः	178
॥उषसंश्चसाम ॥	178
॥अश्विनोश्चसाम ॥	178
॥अश्विनोश्चसंयोजनम् ॥	178
॥अश्विनोश्चैवसाम ॥	179
॥सोमसामच ॥	179
॥आजामायवञ्च ॥	180
॥समुद्रस्यच प्रैयमेधस्य साम ॥	180
॥वैरूपेच ॥	180
॥वैश्वदेवञ्च ॥	181
॥पुरीषञ्चाथर्वणम् ॥	181
असाविपाठः	182
प्रथम खण्डः	183
॥प्राकर्षञ्च ॥	183

॥वसिष्ठस्यचनिन्हवम् ॥	183
॥गृत्समदस्ययोनिनीद्वे ॥	184
॥औरूक्षयेद्वे ॥	184
॥पाथेद्वे ॥	185
॥सौमित्रेद्वे ॥	185
॥वात्सप्राणित्रीणि ॥	186
॥वैदन्वतञ्च ॥	187
॥सौपर्णञ्च ॥	187
॥यामञ्च ॥	187
॥ऋतुसामनिच ॥	188
॥इन्द्रस्यवारवन्तीयम् ॥	189
द्वितीय खण्डः	190
॥इन्द्रस्यचक्षुरपविनीद्वे ॥	190
॥सौरश्मेद्वे ॥	190
॥बृहतोमारूतस्यसामनीद्वे ॥	191
॥सोमसामनीद्वे ॥	192
॥इन्द्रस्यवज्रेद्वे ॥	192
॥भृष्टिमतस्यस्सौर्यवर्चस्यसामनीद्वे ॥	193
॥वसिष्ठस्यां कुशौद्वौ ॥	194
॥भारद्वाजञ्च ॥	194
॥वासिष्ठञ्च ॥	195
॥पुरीषञ्चाथर्वणम् ॥	195
तृतीय खण्डः	196
॥आदित्याः सामनीद्वे ताक्ष्यसामनिवा ॥	196
॥इन्द्रस्यचत्रातम् ॥	196
॥वाक्त्रतुरम् ॥	197
॥द्युतानस्य मारूतस्य सामनीद्वे ॥	197
॥आत्रम् ॥	198
॥गृत्समदस्यसमिधौदौ ॥	198
॥वैश्वामित्रम् ॥	199
॥सावित्राणिषट्त्रैय्यमेधानिवा ॥	199

॥कूतिवारस्यवैरूपस्यसाम ॥	200
॥वामदेव्यम् ॥	200
चतुर्थ खण्डः	202
॥शैखण्डिनेद्वे ॥	202
॥उद्वंशीयन्तृतीयम् ॥	202
॥शैखण्डिनीत्रीणि ॥	203
॥आष्टादंष्ट्रेद्वे ॥	204
॥महावैश्वामित्रेद्वे ॥	204
॥गृत्समदस्यवीकानिचत्वारिवसिष्ठस्यवाप्रियाणी ॥	205
॥वसिष्ठस्यवीकानिचत्वारिइन्द्रस्यवाप्रियाणिआकूपाराणिवा ॥	206
॥तिरश्चेराङ्गिरसस्यसामनीद्वेदेवानांवादेवपुरे ॥	207
॥वैश्वामित्रम् ॥	208
॥काण्वेद्वे ॥	208
॥वैश्वामित्रञ्च ॥	209
॥इन्द्रस्यशुद्धाशुद्धीयेद्वे ॥	209
॥गौतमस्यरयिष्ठेद्वे ॥	209
पञ्चम खण्डः	211
॥कौलमलबर्हिषेद्वे ॥	211
॥नानदन्तृतीयम् ॥	211
॥शाकपूतञ्च ॥	212
॥कौलमलबर्हिषेद्वे ॥	212
॥मधुश्चुन्निधनञ्च प्राजापत्यम् ॥	213
॥उषसश्चसाम ॥	213
॥गौतमम् ॥	213
॥अग्रेष्वदधिक्रम् ॥	214
॥मारूतंवैश्वामित्रंवा आङ्गीरसानांवा साम मैधातिथंवा ॥	214
षष्ठ खण्डः	215
॥वामदेव्यञ्च ॥	215
॥काश्यपञ्च ॥	215
॥अग्रेर्वैश्वानरस्यसामनीद्वे ॥	215
॥शाकपूतेद्वे ॥	216

॥प्रैय्यमेधञ्च ॥	216
॥बार्हदुक्थञ्च ॥	217
॥वरूणान्याश्चसाम ॥	217
॥उषसश्चसाम ॥	217
॥देवानाञ्चरुचिरोचनंवा ॥	218
॥ऋक्सामयोस्सामनीद्वे ॥	218
ऐन्द्रपाठः	219
प्रथमं खण्डः	220
॥त्रैशोकम् ॥	220
॥शैखण्डिनेद्वे ॥	220
॥अत्रेर्विवर्त्तोद्वौ ॥	220
॥महासावेदसेद्वे ॥	221
॥शैरीषेद्वे ॥	222
॥इन्द्रस्येन्द्रियाणीत्रिणि ॥	223
॥वैरूपाणित्रीणि ॥	223
॥बार्हदुक्थञ्च ॥	224
॥त्रासदस्यवेच ॥	224
॥सौभरेद्वे ॥	225
॥वरूणसामनीद्वे द्यावापृथिव्योर्वासामनी ॥	225
॥इन्द्रस्यचश्येनः ॥	225
॥वैरूपम् ॥	226
द्वितीय खण्डः	227
॥यामम् ॥	227
॥गृत्समदस्यमदौद्वौ ॥	227
॥आभीशवेद्वे ॥	227
॥आभीकेद्वे ॥	228
॥बार्हगिराणित्रीणी ॥	228
॥इन्द्रस्यचस्वाराज्यम् ॥	229
॥कश्यपस्यचधृष्णुम् ॥	229
॥वैदन्वतम् ॥	229
॥यामेद्वे ॥	229
॥त्रैतानित्रीणि ॥	230

॥सौपर्णेद्वे ॥	230
॥लौशम् ॥	231
तृतीय खण्डः	232
॥इन्द्रस्यसञ्चयेद्वे सेनुदेवा वामदेव्येवा ॥	232
॥अङ्गिरसान्निवेष्टौद्वौ ॥	232
॥सत्यश्रवसोवार्यश्चसाम ॥	233
॥उषसश्चसाम ॥	233
॥लौशञ्च ॥	233
॥यामञ्च ॥	233
॥अङ्गिरसाञ्चैवनिवेष्टः ॥	234
॥गौरयश्चाङ्गिरसस्यसाम ॥	234
चतुर्थ खण्डः	235
॥वसिष्ठस्यसङ्क्रमौद्वौसौहविषाणित्रीणि सर्वाणिवासौहविषाणि ॥	235
॥वाकानित्रीणि ॥	236
॥प्रजापतेर्धर्मविधर्माणिचत्वारि ॥	236
॥भागञ्च ॥	237
॥वाजिनाञ्चसाम ॥	237
॥प्रजापतेर्हिकनिकविकानित्रीणि ॥	238
॥आश्वेद्वे ॥	238
॥वाजिनाञ्चसाम ॥	239
॥आदित्यानाञ्चपवित्रम् ॥	239
पञ्चम खण्डः	240
॥इन्द्रस्यक्रोशानुक्रोशेद्वे ॥	240
॥कौत्सन्तृतीयम् ॥	240
॥प्रहितोःसंयोजनेद्वे ॥	240
॥दैवोदासेद्वे ॥	241
॥हारिवर्णानिचत्वारि ॥	241
॥त्रैतानिचत्वारि ॥	242
॥सराधसःप्रराधस्यश्चाङ्गिरसयोस्सामानित्रीणि ॥	243
॥वैश्वमनसम् ॥	243
॥सौमित्राणित्रीणि ॥	243
॥त्रैककूभानित्रीणि ॥	244

	॥औक्षोरन्धराणित्रीणिऔक्षोनिधनानिवा ॥	244
षष्ठ खण्डः	246
	॥इन्द्राण्यास्सामनीद्वेइन्द्रस्यवासांवर्त्ते संवर्तस्यवाङ्गीरसस्य ॥	246
	॥दैवोदासानिचत्वारि ॥	246
	॥रेवञ्च ॥	246
	॥आक्षारञ्च ॥	247
	॥रेवञ्चैव ॥	247
	॥आक्षारञ्चैव ॥	247
	॥यामम् ॥	247
	॥भारद्वाजस्यशुन्ध्यु ॥	248
	॥आदित्यानाञ्चापामीवम् ॥	248
	॥वसिष्ठस्यचवैराजे ॥	248
सप्तम खण्डः	249
	॥इन्द्रस्याभ्रातृव्यम् ॥	249
	॥शार्करेद्वे ॥	249
	॥बृहत्कम् ॥	249
	॥सौयवसानिचत्वारिपुनरींळवातृतीयम् ॥	250
	॥मरुताञ्चसंवेशीयंककूभंवा ॥	250
	॥इन्द्रस्याभरेद्वे ॥	250
	॥ऐषिराणित्रीणि ॥	251
	॥प्रजापतेस्सीदन्तीयेद्वे ॥	251
	॥पथस्यसौभरस्यसामनीद्वे ॥	252
अष्टम खण्डः	253
	॥वसिष्ठस्याभरेद्वे ॥	253
	॥वासुमन्देद्वे ॥	253
	॥कावर्षाणित्रीणि ॥	253
	॥प्रजापतेःश्र्योकानुश्र्योकानित्रीणि ॥	254
	॥वाचस्सामनीद्वे ॥	255
	॥मरुताञ्चसाम् ॥	255
	॥वैश्वामित्रञ्च ॥	255
	॥मारूतञ्चैव ॥	256
	॥उद्वंशपुत्रञ्च ॥	256
नवम खण्डः	257
	॥धुरश्शम्येद्वे ॥	257

॥प्रजापतेर्गूदः ॥	257
॥विश्वामित्रस्यचार्दः ॥	257
॥प्रजापतेश्चैवगूदः ॥	257
॥विश्वामित्रस्यचैवात्यर्दः ॥	258
॥प्रजापतेस्सन्तनीकेद्वे ॥	258
॥प्रजापतेर्धनधर्मेद्वे ॥	258
॥उषसश्चसाम ॥	258
॥वैश्वामित्रञ्च ॥	259
॥भारद्वाजञ्च ॥	259
॥इन्द्रस्यचरातिः ॥	259
॥भारद्वाजञ्चैव ॥	259
॥इन्द्रस्यचवैराजे ॥	260
दशम खण्डः	261
॥प्रजापतेर्वाजसनी ॥	261
॥गौराङ्गीरसस्यसामनीद्वे ॥	261
॥प्रयस्वच्चप्राजापत्यम् ॥	262
॥अक्षय्यञ्चरेवत् ॥	262
॥सवितुश्चसाम ॥	262
॥वाक्रतुरञ्च ॥	263
॥ऐषञ्च ॥	263
॥यामम्मरूताञ्चसाम ॥	263
॥भारद्वाजस्यविषमाणित्रीणि इन्वक्वातृतीयम् ॥	263
॥पारूच्छेपेद्वे ॥	264
॥बार्हस्पत्येद्वेअग्नेर्वाराक्षोघ्ने ॥	265
पवमानपाठः	265
प्रथमं खण्डः	266
॥आजीकञ्च ॥	266
॥आभीकञ्च ॥	266
॥ऋषभश्चपवमानः ॥	266
॥आभीकञ्चैव ॥	267
॥बाभ्रवेद्वे ॥	267
॥इन्द्राण्यास्साम ॥	267
॥शैशवेद्वे ॥	268
॥प्रजापतेर्दोर्होदोहीयेद्वे ॥	268

॥इन्द्राण्याश्चैवसाम ॥	269
॥आमहीयवञ्च ॥	269
॥आजीकञ्च ॥	270
॥सूरूपेद्वे ॥	270
॥जमदग्नेश्शिल्पेद्वे ॥	270
॥संहितञ्च ॥	271
॥वसिष्ठस्यशकूनः ॥	271
॥जमदग्नेश्चगम्भीरम् ॥	271
॥संहितञ्चैव ॥	272
॥सोमसामनीद्वे ॥	272
॥आशुभार्गवंतृतीयम् ॥	273
॥वैश्वदेवेद्वे ॥	273
॥इन्द्रसामनीद्वे ॥	274
॥यौक्ताश्चेद्वे ॥	275
॥भासञ्च ॥	275
॥सोमसामच ॥	276
॥प्रजापतेश्चसहोरयिष्ठीयम् ॥	276
॥मादिलम् ॥	276
॥सोमसामचैव ॥	277
॥प्रजापतेश्चैवसहोरयिष्ठीयंसोमसामवा ॥	277
॥वैष्टम्भेद्वे ॥	277
॥पाष्ठौहेद्वे ॥	278
॥वैष्टम्भञ्चैव ॥	278
॥पाष्ठौहञ्चैव ॥	278
॥इषोवृधीयञ्च ॥	278
॥इन्द्रसाम ॥	279
॥वैश्वदेवेच ॥	279
॥इन्द्रसामचैव ॥	279
॥आग्नेयानित्रीणि ॥	279
॥आश्वानिचत्वारि ॥	280
॥च्यावनानिचत्वारि ॥	280
॥प्राजापत्येद्वे ॥	281

॥वैदन्वतानिचत्वारि ऋषभोवावैदन्वतश्चतुर्थः ॥	281
॥रजेराङ्गीरसस्यपदस्तोभौद्वौ ॥	282
॥और्णायवेद्वे ॥	282
द्वितीय खण्डः	283
॥सौभरेद्वे ॥	283
॥इन्द्रस्यवृषकाणित्रिणि ॥	283
॥बभ्रोःकुम्भस्यसामानित्रीणि ॥	283
॥बभ्रोःकार्तवेशानित्रीणि ॥	284
॥शार्म्मदे द्वे ॥	284
॥वसिष्ठस्यजनित्रेद्वे ॥	284
॥मरूताम्प्रकीळास्त्रयःसङ्कीळावानिक्लिळावा ॥	284
॥औशनम् ॥	285
तृतीय खण्डः	286
॥यामानित्रीणि ॥	286
॥अङ्कतेवैरूपस्यसाम ॥	286
॥औशनेच ॥	286
॥सोमसामच ॥	287
॥काष्णेच ॥	287
॥भारद्वाजश्च ॥	287
॥वैश्वामित्रश्च ॥	287
॥इन्द्रस्यवात्रघ्नम् ॥	287
॥सोमसामानित्रीणि ॥	288
॥भारद्वाजश्चैव ॥	288
चतुर्थ खण्डः	289
॥वार्षाहरम् ॥	289
॥वार्शानित्रीणि ॥	289
॥वैरूपेचदेवानांवाञ्जसायिनी ॥	289
॥तरन्तस्यचवैददश्चेस्साम ॥	290
॥सोमसामच ॥	290
॥सूर्यसामच ॥	290
॥दाढ्यच्युतानित्रीणि ॥	290
॥इन्द्रस्यचवृषकम् ॥	291

॥ऐषञ्च ॥	291
॥श्यावाश्वञ्च ॥	291
॥सोमसामच ॥	291
॥आग्नेयञ्च ॥	291
॥आयास्येच ॥	292
॥भारद्वाजञ्च ॥	292
पञ्चम खण्डः	293
॥आयास्यञ्च ॥	293
॥वसिष्ठस्यचापदासे ॥	293
॥माण्डवञ्च ॥	293
॥उद्वञ्च ॥	293
॥माण्डवञ्चैव ॥	294
॥प्रजापतेश्वसदोविशीयम् ॥	294
॥जमग्नेस्सवासिनी द्वे ॥	294
॥आयास्येद्वेसोमसामनीवा ॥	295
॥कण्वरथन्तरम् ॥	295
॥आयास्यञ्च ॥	295
॥रौरवम् ॥	295
॥यौधाजयञ्च ॥	296
॥वसिष्ठस्यचप्लवम् ॥	296
॥अच्छिद्रञ्च ॥	296
॥रयिष्ठञ्च ॥	296
॥भारद्वाजेद्वे ॥	297
॥आभिशवेद्वे ॥	297
॥अङ्गिरसामधीवासपरीवासौद्वौ ॥	297
॥माण्डवेद्वे ॥	298
॥वैनसोमकृतवेद्वे ॥	298
॥प्रजापतेर्गूदौद्वौ गौतमस्यवाप्रतोद्वौ ॥	298
॥मरूताङ्गोष्ठापुंसिनिद्वे ॥	299
॥महारौरवञ्च ॥	299
॥महायौधाजयञ्च ॥	299
॥आश्वानिचत्वारि ॥	300
॥आग्नेयञ्च ॥	300
॥सोमसामच ॥	300

॥द्विहिङ्गारञ्चवामदेव्यम् ॥	301
॥अङ्गिरसामुत्सेधनिषेधौ द्वौ ॥	301
॥सोमसामानिषट् ॥	301
॥विष्णोररणीद्वे ॥	302
॥आङ्गिरसानित्रीणि ॥	303
॥औक्षणोरन्ध्राणित्रीणि ॥	303
॥औक्षणोनिधनानित्रीणि ॥	303
॥वाजजिञ्चा ॥	304
॥द्वभ्यासञ्चसौहविषंवसिष्ठस्यवापिप्पलि ॥	304
॥वैश्वदेवेच ॥	304
॥इन्द्रसामच ॥	305
॥वैश्वदेवञ्चैव ॥	305
॥इन्द्रसामानित्रीणि ॥	305
॥स्वःपृष्ठमाङ्गिरसम् ॥	306
॥सोमसामच ॥	306
॥आदित्यानाञ्चपवित्रम् ॥	306
॥सोमसामनीद्वे ॥	306
॥स्वःपृष्ठञ्चैवाङ्गिरसम् ॥	307
॥सोमसामचैव ॥	307
षष्ठं खण्डः	308
॥औशनानित्रीणि ॥	308
॥प्रशस्यजानस्याभीवर्तौद्वौ ॥	308
॥प्रजापतेर्वाजसनिनीद्वे वाजजितौद्वौ वाराहाणिवा ॥	309
॥अङ्गिरसांसङ्गोशास्त्रयः देवानांवा सामसुरसे द्वे ॥	309
॥वेणोर्विशालेद्वे ॥	310
॥गौतमस्यतन्त्रातन्त्रेद्वे ॥	311
॥अगस्त्यस्ययमिकेद्वे ॥	312
॥मरूताङ्गालकाक्रन्तौ ॥	312
॥वासिष्ठानिषट् ॥	313
॥आश्वञ्च ॥	314
॥सोमसामनीद्वे ॥	315
॥ऐषञ्च ॥	315

॥माधुच्छन्दसम् ॥	315
॥सोमसामानिचत्वारि ॥	316
॥मरूतां व्रतोपोहस्सम्पद्वा ॥	316
सप्तम खण्डः	317
॥कूत्सस्याधिरथ्यानित्रीणि ॥	317
॥वैश्वज्योतिषाणित्रीणि ॥	317
॥वाचस्सामनीद्वे ॥	318
॥दाशस्पत्यानिषट् ॥	318
॥कश्यपस्यचशोभनम् ॥	319
॥आत्रम् ॥	319
॥अपांसाम् ॥	320
॥श्रौष्टाणित्रीणि ॥	320
॥वासिष्ठम् ॥	321
अष्टम खण्डः	322
॥नकूलस्यवामदेवस्यप्रैखौद्वौ ॥	322
॥महाकार्तवेराञ्च ॥	322
॥और्ध्वसन्ननञ् ॥	322
॥श्यावाश्चञ्च ॥	322
॥आन्धीगवञ्च ॥	323
॥क्रौञ्चानित्रीणि ॥	323
॥गृत्समदस्यसूत्राणि चत्वारि ॥	323
॥आकुपारम् ॥	324
॥त्वाष्ट्रीसामनीद्वे ॥	324
॥सोमसामानिचत्वारि वासिष्ठानिवा मदाईनिधनानिवा त्वाष्ट्रीसामानी ॥	324
॥त्वाष्ट्रीसामनीचैव ॥	325
॥क्रौञ्चेद्वेशर्मदेवा ॥	325
॥सोमसामानि त्रीणि ॥	326
॥क्रौञ्चैव उद्वद्ववा ॥	326
॥सोमसामचैव ॥	326
॥प्रैय्यमेधानि त्रीणि ॥	326
॥औशनं वैरूपम् ॥	327
नवम खण्डः	328
॥कावम् ॥	328

॥प्रजापतेर्वाजसनिनीद्वे ॥	328
॥वाजिजितौद्वौ ॥	328
॥कावञ्चैव ॥	329
॥सामराजानित्रीणि विशालानिवा उद्वन्तिवा सम्पद्वा तृतीयम् ॥	329
॥आङ्गीरसानित्रीणि ॥	330
॥औशनम् ॥	330
॥प्रवत्भार्गवम् ॥	330
॥विरूपस्यचतन्त्रे ॥	331
॥भार्गवञ्चैव ॥	331
॥यामम् ॥	332
॥दार्शशीर्षेद्वे ॥	332
॥सैन्धुक्षितानित्रीणि ॥	332
॥यामानित्रीणि ॥	333
॥मरूतान्धेनुनीद्वे ॥	333
॥वसिष्ठस्यापामीवेद्वे वायोर्वाभिकृन्दौ ॥	334
॥अञ्जतेव्यञ्जतेस्समञ्जतइति काक्षीवतानांसामानि त्रीणि शार्ङ्गाणिवा ॥	334
॥आदित्यस्यार्कपुष्पे देवानांवा ॥	334
दशम खण्डः	336
॥वसिष्ठस्यपदेद्वे ॥	336
॥वसिष्ठस्यानुपदेद्वे ॥	336
॥पौष्कलम् ॥	336
॥ऐषिराणिपञ्च ॥	337
॥शौक्तानिपञ्च ॥	337
॥कार्णश्रवसानित्रीणिगौलोमानिवा ॥	338
॥वैश्वदेवेद्वे ॥	338
॥इन्द्रसामनीद्वे ॥	339
॥मरूताम्प्रेङ्खःवसिष्ठस्यवा ॥	339
॥आग्नेयञ्च ॥	339
॥सोमसामच ॥	340
॥सुज्ञानेद्वे ॥	340
॥द्यौतेद्वे ॥	340
॥आतीषातीयेद्वे ॥	341

॥सोमसामानिचत्वारि ॥	341
॥सोमस्ययशांसित्रीणि ॥	341
॥औशनंवासिष्ठंवा ॥	342
एकादश खण्डः	343
॥वासिष्ठेद्वे ॥	343
॥सभानित्रीणि ॥	343
॥एषिराणिचत्वारिच्यावनानिवा ॥	343
॥शौक्तानित्रीणि ॥	344
॥वाचस्सामानित्रीणि ॥	344
॥कौन्मलबर्हिषाणिपञ्च शंकुतृतीयंसीदन्तीयंवा तृतीयेतराणिपञ्चा त्यर्थः ॥	345
॥दीर्घेद्वे ॥	346
॥सोमसामानित्रीणि ॥	346
॥शैतेष्याणिचत्वारि ॥	346
॥सोमसामानित्रीणि ॥	347
॥गायत्रपार्श्वञ्च ॥	347
॥सन्तनिच ॥	347

आग्नेयपाठः

प्रथम खण्डः

॥गौतमस्यपर्कः ॥

ओग्राइ ।आया हीवाइ ।तायाइतायाइ ।

त त श थाच् चा श टा टि श

गृणानोहव्यादा ।तायाइतायाइ ।

चा श चि टा टि श

नाइहोता ।सात्साइबाऔहोवा ।

कि च ट ट खा शि

हीषि ॥१ ॥

ख श

॥कश्यपस्यबर्हिषीयम् ॥

अग्रआयाहीवी ।तायाइगृणानोहव्यदाता

तू षू टी

याइ ।नीहोतासत्सीबर्हाइषी ।बर्हाइ

त श चि टी ता टा

षाऔहोवा ।बर्हीषी ॥२ ॥

खा शि च खा

॥गौतमस्यचैवपर्कः ॥

अग्रआयाहीवाइतायाइ ।गृणानोहव्यदाताये ।

तू ति श यू प श

निहोतासात् ।साइबाऋहाआइषो ।हाइ ॥३ ॥

खि ण ट ता पा ङ्गि शा

॥सौपर्णञ्च ॥

त्वमग्नेयज्ञानां त्वमग्नाइ । यज्ञानां होता
 षू ति श
 विश्वेषां हाइताः । देवाइ भाइर्मा ।
 षृ टा ता क टि ता
 नुषे । जनाओहोवा । ओइळा ॥४॥
 ताच् क टा खल्ल ल्ल शा

॥वैश्वमनसञ्चादित्यसामवा ॥

अग्निन्दूताम् । वृणीमहाइ होतारांवी । श्वा
 टि त षू टि त
 वे दसाम् । अस्ययाज्ञाओओहोवा ।
 चा चा टि त का त त
 स्यासूकृतूमिळाभा । ओइळा ॥५॥
 चा टी खण प ल्ला

॥श्रौतर्षाणित्रीणि ॥

अग्निर्वृत्रा । णाइजाओहोवा । घा
 ती ट खा शि ख
 नात् । द्रविणास्युर्वीप न्यायाओइसमि
 शा च श क कि टा
 द्वाइशू । क्रायाहुताइळाभा । ओइळा ॥६॥
 दु त चा टी खण प ल्ला
 अग्नीरौहोवाहाइवृत्राणी । जङ्घा
 खा शि शु टा
 नादौहोवाइ । द्रविणास्यूः । ओइवाइ
 त टा त श पि ण षी

पन्याया ।सामाइद्धाश्शूऔहोवा ।क्राया

टि टीद ख शि

हूताः ॥७॥

टि ख

ओग्रीः ।वृत्राणीजङ्घनादौहोऔहो

त त कि की खि

वा ।द्रवीणास्युर्वीप न्ययाऔहोऔ

श चा क कि चा क

होवा ।समिद्धाश्शुक्रयाऔहोऔहो

खि श चि चि क खि

बाहूतो ।हाइ ॥८॥

प्ल प्ला शा

॥औशनञ्च ॥

प्रेष्ठवाः ।अताइथीम् ।स्तुषे मित्रमिव

ति टा ता चा

प्रायाम् ।अग्नाइराथान्नावाहा इ ।दा

टु त भी त टा खण श प

आयाम् ।हाइ ॥९॥

प्ला शा

॥शैरीषेच ॥

प्रेष्ठवयोहाइ ।अताइथीम् ।स्तूषा

ती त श टा ता ता

इ मीत्रामीवाप्रायाम् ।औहोइ ।अग्रे राथा

श ता टा खण थ च श था टा

न्नावे ।दायाम् ।हाइ ॥१०॥

प श ख श शा

प्रेष्ठं वोहाबु । आतिथाइंस्तूषेमि
 तित श षु
 त्रामीवप्रायाम् । अग्राइरा थाऔहोवा ।
 टू त टीट् ख शि
 नावेदीयाम् ॥११॥
 टि ख

॥इन्द्रस्यसंवर्गौवात्रघ्नेद्वे ॥

त्वन्नोया । ग्रेमाहोभिः पाहाइवीश्वा ।
 ति च था टु त
 स्याआराते रूताद्वाइषाः । मार्तया
 च थिच् चाय टा क थ
 स्याइळाभा । ओइळा ॥१२॥
 टि खण् प शा
 त्वांत्वन्नोअग्रेमहोभाइः । पाहिविश्वा
 षि ती त श क
 औहो । स्याऔहो । त) आराते रूता
 टी त टा किच् चा
 द्वाइषाः । मर्तो याऔहोवा । स्या ॥१३॥
 य टा टाट् ख शि ख

॥साकमश्चस्यशौनःशेपेःसामनी द्वे ॥

एह्युषुब्रावाणाइताइ ।
 फा खि शी
 अग्रइत्थेतरागाइराः । एभाइर्वाधा । सयाहा इ ।
 षी टि चा टा चि टा खण् श
 दोभो । हाइ ॥१४॥
 प प्ल शा

एहूपू ब्रवौहोणाइताइ ।अग्रइत्थेतरागीराः ।एभिर्वादधा ।सयाहा
 षि ती ता श यू प श खि ण टा खण्
 इ ।दोभोहाइ ॥१५॥
 श प प्ल शा

॥वत्सस्यकाण्वस्यसामनीद्वे ॥

आतेवत्साः ।मानोयमत्पारा माच्चित्साधा
 ती च श ची थ टि
 स्थात् ।अग्राइत्वाङ्का ।मयोबागाइरो
 त भी त पा प्ल णि
 हाइ ॥१६॥
 शा
 आतेवत्सोमनोयमदय्याहाइ ।पारामा
 षी तू त श षि
 चित्सधस्थादय्याहो इया ।अग्रेत्वाङ्का
 दू कच् शा षी
 मायाअय्याहो इया ।गीराइळाभा ।
 दूच् कच् शा का टा खण्
 ओइळा ॥१७॥
 प शा

॥अग्रेश्चवैश्वानरस्यार्षेयम् ॥

त्वामग्रेपुष्कारादधी ।आथर्वानाइरा
 तु ति च चा
 मान्धाता ।मूर्धनोवाइश्वा ।स्यावोबाघातो ।हाइ ॥१८॥
 टी ख ण ख प्ल ख णा पा प्ल प्ला शा

॥सुमित्रस्यचवार्द्धश्वेस्साम ॥

अग्नेविवस्वदाभरोवाहाइ ।अस्माभ्या

षी तू त श चा

मू तायाइमहाओवाहाओवाहाइ ।दा

काच् चा टि टा त टा त श च

इवोहियाओवाहाओवाहाइ ।साइ

या टा टा त टा त श ट

नाऔहोवा ।दृशे ॥१९ ॥

खा शि ताच्

द्वितीय खण्डः

॥अग्रेष्वसंवर्गः ॥

नमस्तौहोग्राइ ।ओजासाइगृणान्ताइ
 तित श कि टि ख
 दे ।वाकारिष्टायाः ।आमाइरा माओहो
 णा च य टि टीट् ख
 वा ।त्रमर्दया ॥१ ॥
 शि स्त्री

॥वैश्वमनसञ्च ॥

दूतांवोविश्ववेदसाम् ।हान्यावाहाम्
 णफ ख शु थ
 मार्ततायम् ।याजिष्ठमृञ्जसेहाइ ।गीराओहोबा ।होइळा ॥२ ॥
 टु ख ण च टु त श च टा ख ष्ठ ष्ठ शा

॥श्राभाश्रौष्टेद्वे ॥

उपत्वाजा ।मयोगीराः ।ओइयायूर्दा
 ती टा टा षु
 इदिशतीर्हाविष्कृताः ।ओइयायू र्वायो
 तू टि क टिचक
 रानी ।कयास्थाइरान् ।अश्वागावाः ॥३ ॥
 टात खि त्रा थ ट ख
 उपत्वाजामा ।योगीराः ।दाइ दिशा
 तू ति च श का
 ताइर्हाविष्कार्ताः ।वायोरनाहाइका
 टी ख ण ती

या ।स्थाइराऔहोवाइळा ॥४ ॥

ती टि खा शि

॥वैश्वामित्रञ्च ॥

ऊपात्वाग्नेदिवेदिवाइ ।दोषावास्ताद्धी

पि शू टा टा

यावायम् ।नामोभारा न्ताएमासा इ ।

चा चा टा टाच्च कट खण्श

ओइळा ॥५ ॥

प शा

॥अग्नेश्चजराबोधीये ॥

जारा ।बोधाबोधाताद्वीविट्ठाइ ।वी

ता टा टा चा चाश

शेवाइशेयज्ञोयायाऔहोवा ।

का टि टा खा शि

स्तोमं रूद्रायदृशीकाम् ॥६ ॥

का कू च

जराबोधोवा ।ताद्वीविट्ठाइ ।वीशाइवा

ती त च चि श टी

इशे ।याज्ञीयायास्तोमंरूद्रायादृ ।शीकोइळा ॥७ ॥

ता थ श किच्च य प ण श खा शा

॥मारूतञ्च ॥

प्रातित्याञ्चामरूमध्वराम् ।

पि शु

गोपीथायाप्राहुयासाइ ।मारूत्भीराग्रायागहा
 था चिकख ण श चाक टि च
 औहोबाहोइळा ॥७॥
 टा ख ण्ण शा

॥भार्गवेच ॥

आश्वाऔहोवा ।नात्वाऔहोवा ।
 टा खाश टा खाश
 वारवन्तंवन्दध्यै ।आग्राऔहोवा ।
 षी ति टा खाश
 नमोभिस्सम्प्राजन्ताम् ।आध्वराणामौहो
 षि तु कि पा
 बाहोइळा ॥८॥
 ण्ण शा
 अश्वन्नत्वावारवन्ताम् ।वन्दध्याअग्निन्नमोभा
 षी ती षि चु
 इः ।सम्प्राजन्तामाध्वरा औहोवाइ हो
 श क थाच् चा खा खु
 हाइ ।औहोयाऔहोवा ।णाम् ॥९॥
 ण श क ट ख शि ख

॥अग्रेश्ववारवन्तीयम् ॥

अश्वन्नत्वाबुहोहाइ ।वारावान्तंवन्द
 तू त श खिश का
 ध्योहाइ ।अग्राइन्नमाऔहोवाइहोहाइ ।
 प ण श पु खु ण श
 उहुवाभीः ।सम्प्राजन्तामाध्वराऔ
 खिण क था पी

होवाइहोहाइ ।उहुवाणामेहि

खु ण श पि

याहा ।होइळा ॥१० ॥

प्ली श प्ल शा

॥और्वस्यवैधारेस्सामनीद्वे ॥

और्वभृगुवदोहाइ ।शोचिम् ।आप्ता

चू त श ख श

वानावादाहुवाइहुवायोइ ।अग्ना

टि क टा टा ची श टा

इंसामू सामूओद्रावासासाबु ।बा ॥११ ॥

टिच् चि चाक त श ख

और्वभृगुवच्छुचिमे शुचिम् ।आप्तावाना

षु ति ता कि च

वादाहुवाइहुवाइहुवाए ।अग्नाइं

टा ता टि टि त

सामूसामूसामूए ।द्रावाऔहो

टी त टा टा त ट् ख

वा ।सासामे ॥१२ ॥

शि च ट ख

॥अत्रेश्वासङ्गम् ॥

अग्निमिन्धानोमनसौहोऔहोवाहाइ ।

षि ते त श

धीयंसचेतमौहोहाहोवार्तयाः ।

टू ट त टा ता

अग्नाइमा इन्धाऔहोवा ।वीवास्वाभीः ॥१३ ॥

टीट् खा शि टि ख

॥प्रजापतेश्चनिधनकामम् ॥

आदिप्रत्नास्यरे तसाः ।ज्योतिःपश्यन्तिवा

फी शा का षी

साराम् ।पारोयातिध्यताइ ।दिविहोइ

टि च टि चि श

होऔहोऔहोवाहाबु ।बा ॥१४ ॥

कू का पा लू श ख

तृतीय खण्डः

॥सैन्धुक्षितानित्रीणि ॥

अग्रिवोवृधान्ताम् ।आध्वाराणां पूरू
तु त चा थाच् का

तामौहोवाहाइ ।आच्छानासूरे ।सा
य ट टा त श टा टा क

होबास्वातोहाइ ॥१॥

प प्ल प्ला शा

अग्रिवाए ।वृधन्तामध्वराणांपूरूतमम
ति त षि कू

च्छाहोइनासूरे ।साहास्वाताइ ।ईति ॥२॥

टीच् य टा त पि त्र श ख श

अग्रिवोहाइ ।वृधान्ताम् ।आध्वराणां
ति त श टा त

पूरूतामाम् ।अच्छानसूरो हाइ ।साहोहाइ ।स्वाताऔहोबा ।होइळा ॥३॥

यू प श खीण श क प च श क टा ख प्ल प्ल शा

॥अग्नेर्हरसीद्वे ॥

आग्नाउवोवा ।तिग्मे नाशोचाइषा
टा खा श थाच् क टी

उवोवा ।यंसाउवोवा ।वाइश्वान्या
खा श टा खा श

त्राइणाउवोवा ।अग्रिर्नोवंसते
टू खा श टि किच्

रायीम् ॥४॥

चा

ओहायाग्रीः ।ताइग्मेनाशोचाइषा ।यं
ती ख शा खि णा

साद्वाइश्वानीयात्राइणम् । अग्निर्नो
 टा ख शा खि णा टि
 वंसाताऔहोवा । रायिम् ॥५॥
 टाट् ख शि ख श

॥ इहवद्वामदेव्यंतृतीयम् ॥

अग्निस्तिग्मेनशोचिषाइहा । यंसद्विध्वन्य
 षी तू षी
 त्रीणामिहा । अग्निर्नोवंसताइहा ।
 टि ता दू ता
 राआयाइं । हाइ ॥६॥
 प णि शा

॥ यामेद्वे ॥

अग्नाइमृळामहंयासी । आयआदाइवयु
 टु खि ण टी
 न्जानम् । ईयेथाबार्हिरासादाम् ॥७॥
 खी ण टी खि त्र
 आग्नेमृळामाहंयासिओहाओहा । आया
 ण फ फि फि खा ख श ण फ
 आदेवायुन्जनामोहाओहा । इयाईथा
 फि फि ख खा श टी
 बर्हिरासा । दाम् ॥८॥
 खा त्र

॥अग्रेराक्षोघ्नेद्वे ॥

अग्रेराक्षानोअंहासः ।प्रातिस्मदे वारीषाताः ।तापाइष्ठाइरा ।जरोदाहा ।ओइळा ॥९ ॥

खी श ण्णि की टि त टी ता टि खण् प शा

अग्रेयूङ्क्वाहीयेतावा ।अश्वासोदे

खी श ण्णि ची

वासाधावाः ।आरंवाहान्तीयाशावाः ।

टि त टि त क टा खण्

ओइळा ॥१० ॥

प शा

॥वैश्वम्नसञ्च ॥

नित्वाहोइनक्ष्या ।वाइस्पाताइ द्यूम

खि शि च चि श क

न्तन्धाइमाहेवायम् ।सुवोहाइ ।

था चि क ख ण ता त श

रामग्राओबाहूतोहाइ ॥११ ॥

चि प ण्णि शा

॥अग्रेश्चार्षेयम् ॥

अग्निर्मूर्धादीवःककूत् ।पातीःपार्तथी

तु ति टा टा

व्याअयाम् ।आपांराइतांसीजिन्वाता

चि टा टि क टा खण्

इ ।ओइळा ॥१२ ॥

श प प्ला

॥सोमसामच ॥

इममूषू ।त्वामास्माकाम् ।सानिंहोइ
 ती टि त टा
 गायाहोतृन्नव्यांसाम् ।आग्नेहोइ
 टी क थ टा ता टा
 देवाहो षुप्रावोचाः ।ओइळा ॥१३ ॥
 टी कथ् टि खण् प प्ला

॥गोपवनञ्च ॥

तन्त्वागोपा ।वानोगाइराः ।जना
 ती टा ख णा चा
 इष्ठादग्नायाङ्गाइराः ।सपौवाउवोवा
 टू ख णा खु श
 कौवाउवोवा ।श्रुधीहवांहोइळा ॥१४ ॥
 खि ण प्ली प शा

॥सूर्यसामनीद्वे ॥

परियौहोइवाजा ।पाताइःकावीः ।
 षी ति चा या ट
 अग्नीर्हव्यान्नायःक्रमीत् ।दधाद्रा त्ना
 चा था ट टि टिट्
 औहोवा ।निदाशूषे ॥१५ ॥
 शि ता टास्
 उदुत्यमोहाइ ।जातावे दासम् ।दे.
 ती त श कि ख ण क
 वंवहन्तीकेतावाः ।दार्शेहाइ ।वाइ
 कु ख ण पा ण श

श्वा यासूर्यामौहोवा ।होइळा ॥१६ ॥

किच्क् पि प्ला प्ल शा

॥कावञ्च ॥

कविमग्रीम् ।उपास्तूहाऔहोवा ।

ती टिट् ख शि

सत्याधर्माणमाध्वारे ।देवाममी ।वाचा

चा क चि चा ती

ताना म् ।ओइळा ॥१७ ॥

टि खण् प प्ला

॥वसुरोचिषस्सौर्यवर्चस्यसामनीद्वे ॥

शन्नोदेवीः ।आभीष्टायाइशन्नोभुवाम् ।

ती टि ख शु

तूपीतायाइशय्योरभीः ।श्रावान्तूना

टि ख शु टिट् ख

औहोवा ।रूपा ॥१८

शि ख श

हुवाहोइशन्नोदेवीरभिष्टयाइ ।

ता प पु डि श

हुवाहोइशन्नोभुवान्तूपीतायाइ ।

ता प पु डी श

हुवाहोइशय्योरभीसवन्तुनाः ।

ता प पु डि श

हुवाहोयाऔहोवा ।रूपा ॥१९ ॥

ता ट ख शि ख श

॥गौराङ्गिरसस्यसामनीद्वे ॥

कस्यानूनाम्पारीणासी ।धीयोजिन्वा

टी खि ण टी

सीसात्पाताइ ।गोषातायास्याता

खि ण श च चा टाट् ख

औहोवा ।उप्पीराः ॥२० ॥

शि खा श

ओहोवाइहुवाइहुवाए ।कस्यनू

क था टि चित

नाम्पारीणासी ।ओहोवाइहुवाइहुवा

खी चा फा क था टि चि

ए ।धीयोजिन्वासीसात्पातीम् ।ओ

त खी चा फा क

होवाइहुवाइहुवाए ।गोषाता

था टि चित ष

यस्यतागाइराः ॥२१ ॥

खू श त्र

चतुर्थ खण्डः

॥भारद्वाजस्यौपहवौद्वौ ॥

यज्ञायज्ञा ।वोग्रयाईगीरागिरा हा
 ती त ता टि खा शङ्क
 हाइचादक्षासाइ ।प्रप्रा वायममृत
 त चा खा ण श टाच क षी
 न्जातावेदासाम् ।प्रीयाम्मित्रान्नाशंसिषा
 यि टा चा कि कि
 मे ।हियाऔहोऔहोइळा ॥१ ॥
 की खू प्ला
 यज्ञायज्ञा ।होइवोग्रायाएहिया ।
 ती त ता काख णा
 गीरा गीराचादाक्षासाइ ।प्रप्रा वा
 काच च टा च चा श थाच
 यामामृतन्जातावेदासम् ।प्रीय म्मित्रान्ना
 चा क टु ख ण चा कि
 शंसिषामे हियाऔहो ।इळा ॥२ ॥
 की खा प्ला

॥श्रुष्टीगवम् ॥

याज्ञायाज्ञावोअग्रायाइ ।गाइरागाइ
 टी टी श
 राचादक्षासाइ ।प्रप्रावाया मामृतन्जा
 टू टी श टीच क कि
 तावेदासम् ।प्रायाम्माइत्रान्नाशांसा
 टाख ण च य ची य ट
 इषा म् ।ओइळा ॥३ ॥
 खाण् प प्ला

॥अग्रेश्चयज्ञायज्ञीयम् ॥

यज्ञायज्ञावोअग्रायाइ ।गाइरागीरा

णा णा फ खा ण श

चादाक्षासाइ ।प्रप्रा वायममृतन्जाता

टू पा शा टाच् क पू

वा ।हिम्माइ ।दासाम् ।प्रायम्भिन्नान्नाशां

श चा श त त कू

सिषाबु ।बा ॥४ ॥

का श ख

॥कार्तवेशञ्च ॥

पाहिनोआग्राएकया ।पाह्युतचिताइयाया ।पाहीगीर्भिस्तिसृभीरूर्जापाता

खी ह्री च ची या ट टि चु क य ट

इ ।पाहीचातौहोवा ।स्रभिर्वासा

श का का त त टि खण्

बु ।ओइळा ॥५ ॥

श प प्ला

॥नार्मधञ्च ॥

पाहीनोअग्रएकयाए ।पाहाउताद्वि

षि तु त क टि

ताइयाया ।पाहाइगाइर्भीः ।ताइसृभी

पी श टा खा णा

रूर्जाम्पाताऔहोऔहोवा ।पाही

कु टि खी ण प

हाइ ।चातासृभाऔहोऔहोवा ।

चा श क टि खी ण

वासावेहियाहा ।होइळा ॥६॥

प णु णु शा

॥महाकार्तवेशञ्च ॥

पाहिनोअग्रएकयापाह्युतद्वीतीया

फू ता प फू ड

या ।पाहिगीर्भीषी)स्तिसृभिरूर्जाम्पाताइ ।

श खू ण श

पाहाइ ।चाताहाओवा ।सृभिर्व

चा श ख शी

सो ।रूपा ॥७॥

ती ट ख

॥भारद्वाजस्यपृश्नीद्वे ॥

बृहात्भीरग्रेरर्चिभीर्हाबु ।शुक्राइणा

पि श्रु

देवाशोचिषाभाराद्वाजेहोवाहाइ ।

कु ची काय ट टा त श

समीधानोयावीष्टियाहोवाहाइ ।

चा था च य टा टा त श

रेवात्पावाहोवाहाइ ।कादीदिहीइळा

चाय ट टा त श कि टि

भा ।ओइळा ॥८॥

खण् प शा

बृहत्भीरग्रेरर्चिभीरे ।शुक्राइणा

षु ति त

देवाशोचिषाभाराद्वाजेओवा ।

कु चीक च य ट का

समीधानोयावीष्ठियाओवा ।रेवात्पावाओ

चा था च य टा का चा य ट

वा ।कादीदिहीइळाभा ।ओइळा ॥९ ॥

का कि टि खण् प झा

॥उरोराङगिरसस्यसाम ॥

त्वय्याग्नेस्वाहुताहाबु ।प्रियासा

पा श्रु

सन्तुसूरायोयन्तारोयाई माघावा

ची का चा का य प फ

नोजनानाम् ।ऊर्बान्दयाहा न्तागोना

फी ता त च य टा तच्च का

मीळाभा ।ओइळा ॥१० ॥

टा खण् प शा

॥गौतमस्यपौरुमुद्वेद्वेपुरुमुद्गस्यवा ङ्गीरसस्य देवानांवा ॥

अग्नेजरितर्विस्पतिरौहोवाएहिया

षृ तू

हाबु ।तपानोदेवारक्षसा ।

त श का टा च चि

अप्रोषाइवान् ।गार्हापाताइर्मा

का य टा टी

हं यासी ।दीवास्पायौवाउवोवा ।हा

कि ख ण चा का खिळ् त

हाइ ।दुरोणयूः ।होइळा ॥११ ॥

त श ङ्गी ङ्ग शा

अग्नेजरितार्वीस्पतीस्तापानोदेव

फू ता प

रक्षसाः ।तापानोदेवरक्षसाअप्रोषी
 शू षु दू
 वान् ।गृहापताइर्माहंयासी ।ओहा
 त चा ची क ख ण ख ण
 हाहाइ ।दीवस्पायूः ।ओहाहाहाइ ।
 त त श चि ट ख ण त त श
 दुरो णायूः ।ओहाहाहा इ
 टाच् क च ख ण खाण् श
 ओइळा ॥१२ ॥
 प शा

॥मण्डोर्जामदग्र्यस्यसामनीद्वे ॥

अग्नेवीवाहाबु ।स्वादूषासा
 ती त श क टा त
 श्वाइत्रांहाइराधोहाअमार्तायम् ।आ
 टि त टि त टा ख ण च
 दाशुषेजातावेदो वाहातूवाम् ।
 य टा चा थाच् कायट
 अद्याहोइदाइवम् ।ऊषार्बु धा
 टु ता क टाट् ख
 औहोवा ।हुवेवासूः ॥१३ ॥
 शि ता टाख्
 अग्नेविवस्वदुषासाः ।चित्रंराधो
 षी ति त की
 अमात्तर्यामादाशूषे ।जातावेदो
 का काय टा चा थाच्
 वाहातूवाम् ।अद्यादाइवम् ।ऊषार्बु
 कायट टि ता क टाट्
 धाऔहोवा ।विदावासूः ॥१४ ॥
 ख शि ता टाख्

॥भारद्वाजस्यगाधम् ॥

त्वन्नाश्चित्रऊत्या ।वासोराधां

पा शी चा क च

सिचोदाया ।आस्यारायाइ ।त्वामा

का य ट का ख ण श च

ग्रे राथाइरासीवीदागाधम् ।तुचो

काच् का या ट का ख ण ता

हाइ ।तूनाऔहोबा ।होइळा ॥१५ ॥

त श क टा ख ण् ण् शा

॥गौतमेद्वे ॥

हाबुत्वमित्सप्रथायसिहाबु ।अग्ने

षी तू श

त्राताऋताःकवाइर्हाहाइ ।त्वांवि

चि क का पा ण्ड श च

प्रासस्सामीधानदीदीवाहाहाइ ।आवीवा

का चा का पी ण्ड श

साहाहा न्तीवोबाधासो ।हाइ ॥१६ ॥

पी ण् तच् क प ण् ण् शा

त्वन्त्वामे ।इत्साप्राथायासो

ति की चा का

यासी ।अग्ने त्राताऋताःचा)कावाइःकावीः ।

ख ण चा क च का खा ण

त्वांविप्रासस्सामीधानादीदीवोदाइवाः ।

च का की च कि ख णा

आविवासाहा न्तीवेधासाः ।ओइळा ॥१७ ॥

कि ट तच् क टा ख ण् प शा

॥अग्नेरायुः ॥

आनोअग्नेवयोवृधमेरायाइम् ।पा वा
 षी तु खाश तच्
 काशांसायाम् ।रास्वाचनउपामातेपू
 का य ट त चा ची था
 रूस्पृहाम् ।सूनाइताइसूहाइ ।या
 या टा दू त श
 शास्तारामौहोबा ।होइळा ॥१८ ॥
 चा क पा प्ला प्ला शा

॥अग्नेर्हरसीद्वे ॥

योवीस्वादायातेवासू ।होता
 स्त्री शी टा
 मन्द्रो जनानाम् ।माधोर्नापा
 टाच् चाश टा टा
 त्राप्रथमान्यस्मै ।प्रास्तोमाया न्तू
 चू टा टाचक
 वोबाग्रायो ।हाइ ॥१९ ॥
 प प्ला प्ला शा
 योविश्वादयतेवसुहाबु ।होताम
 षू ति श टा
 न्द्रो जनानामोवाओवा ।माधोर्नापा
 टाच् ची क का टा टा
 त्राप्रथमान्यस्माओवाओवा ।प्रास्तोमा
 चू का का टा
 या न्तूवोबाग्रायो ।हाइ ॥२० ॥
 टाच्क प प्ला प्ला शा

॥दैर्घश्रवसेद्वे ॥

योविश्वाद्यतेवस्वोहाओहाए ।

षू तु त

होतामन्द्रोजनानामोहाओहाए ।

टा क कि टा त ट खा

मधोर्नपा ।त्राप्राथमान्नायास्माओ

खा ता का काच का ट

हाओहाए ।प्रास्तोमाया न्तूवोवोबाग्रायो ।हाइ ॥२१ ॥

त ट खा खा ताच्क प प छु छु शा

योविश्वाद्यतेवसूए ।होता

तू त चा

मन्द्रोजनाम्माधोर्नापौवा ।

ची क च तित्

त्राप्राथमान्यस्मैप्रास्तोमायौवा ।

चू क त तित्

त्वग्रायाइळाभा ।ओइळा ॥२२ ॥

चा टि खण् प शा

पञ्चम खण्डः

॥अग्रेराग्रेयेद्वे ॥

एनावोअग्निन्नाओमसा ।ऊर्जोनपातामा

तू ति की या

हुवे ।प्रायन्चेतिष्ठामारतिसूआध्वारां ।विश्वाचा)स्यादू ।तामामृतामिळाभा ।ओइळा ॥१ ॥

टा चि टा चि मि य ट च चाक टा खण् प शा

एनावोअग्निन्नामसाहाबु ।ऊर्जोन

षु तू त श

पातामाहुवेहाबु ।प्रायन्चेतिष्ठा

की या टा त श चि टा

मारतिसूआध्वारांहाबु ।विश्वास्या

चि ट मि त श चा य

दूहाबु ।तामामृतामिळाभाखण्) ।ओइळा ॥२ ॥

ट त श च चाक टा प शा

॥गौतमस्यमनार्येद्वे ॥

एनावोअग्निम्मेनमसा ।ऊर्जोनपा

तू ति क टिच्

तामाहुवे प्रायाम् ।चाइतीष्ठामारतिं

चा काट त चि का टाच्

सूआध्वाराम् ।विश्वाका)स्यादू ।तामामृता

का य ट य ट च चाक

मिळाभा ।ओइळा ॥३ ॥

टा खण् प शा

एनावोअग्निन्नमसऊर्जोनपोवा ।ता

षू तू त

माहुवे प्रायाम् ।चाइतीष्ठामारातीं ।

चा काट त चि काट त

स्वाध्वारंविश्वस्यादू ।तामामृ तामिळाभा ।

थ टु त च चाक टा खण्

ओइळा ॥४ ॥

प शा

॥दैवोराजञ्च ॥

शेषेवनाइषुमातृषू ।सान्त्वामार्ता

फी कु का काच्

साइन्धाताइ ।आतन्दूरो हव्यंवहासाइ

क टा त श किच् चा का

हावीष्कार्ताः ।आदिदे वाइ ।षूराजाजा

टी ख ण किच् श टि टि

सा इ ।ओइळा ॥५ ॥

खण् श प शा

॥गाधिनश्चकौशिकस्यसाम ॥

अदर्शिगातुवित्तमाए ।यास्मिन्वूरा तान्या

षी तु त की टाच्

दधुरूपोषूजाहाहाइ ।तामार्या

किय टा त त श चाक

स्यावार्धानामग्नाइन्नक्षाहाहान्तुनो

चा का का टि त

गीराइळाभा ।ओइळा. ॥६ ॥

ची टि खण् प शा

॥बार्हदुत्थेद्वे ॥

अग्निरुक्थाइ ।पुरोहाइताः ।ग्रावा
 ती श खि णा क
 णोबर्हीराध्वाराइ ।ऋचायामिमरुतो
 का च खि ण श षी
 ब्रह्माणास्पाताइ ।दाइवं आवो वा
 चु य टा श टि टाच्च क
 रोबाणायाम् ।हाइ ॥७॥
 प ण्ण णा शा
 अग्निरुक्थाबुहोहोहाइ ।पुरौवाउ
 तू त त श
 वोवाहितः ।ग्रावाणोबर्हीरौ वाउ
 खु शि क का कि
 वोवाध्वराइ ।ऋचौहोयामिमरुतो
 खि शी टा त षु
 ब्रह्माणास्पाताइ ।दाइवं आवो वा
 यि टा श टि टाच्च क
 रोबाणायाम्हाइ ॥८॥
 प ण्ण णा शा

॥पौरुमीढञ्च ॥

अग्निमीळिष्वाऔहोवा ।अवसे गाधाभी
 फि खा ण फ श कि चि
 रशीराशोचाइषाम् ।अग्निंरायाइपुरूमा
 थ क टा ता ष टि
 इढा ।श्रूतन्नरोअग्निस्सूदीतायाइच्छादी ।
 ता दू त पी त्र
 दक्षाया ॥९॥
 ता टाख्

॥कार्णश्रवसम् ॥

श्रुधीश्रुधिश्रुत्कर्णवन्हिभाइः ।दे
 ता प श्रु क
 वैराग्रे सायावाभीः ।आसीदतुबर्हिषि
 कि टि त क षू
 मित्रोअर्यामा ।प्रातर्यावा ।भाइरा
 टी त क टा त ट खा
 औहोवा ।एध्वराया ॥१० ॥
 शि त ताख

॥दैवोदासञ्च ॥

प्रदैवोदासोअग्नीः ।देवइन्द्रो
 ष तू क कि
 नामज्मानाम् ।आनूमा तारं पृथिवीं
 ची टिच्क च टि
 विवावृताइ ।तस्थौनाका ।स्याशर्मणि
 ची श भि त का
 इळाभा ।ओइळा ॥११ ॥
 टि खण प शा

॥सौकृतवञ्च ॥

अधज्माओवा ।आधावादाइवाः ।बृहतो
 तु च काय टा
 रोचानादाधि ।आयौहोऔहोवा ।
 चु य टा कि ता त
 वार्धस्वातन्वागाइराममा ।आजातासौ
 चि था च य टा की

होऔहोवा ।हाहाउवा ।कृतोपृणा ॥१२ ॥
ति त फ ति खी

॥काण्वेद्वे ॥

कायमानोवनातुवाम् ।यन्मातृराजाग
फी की क टा कि

न्नापाः ।नतत्तयाग्राइ ।प्रमृषेहाइ ।
ख ण ती त श टि त श

नीवार्तानम् ।यदूराइसान् ।इहा भू
टा ख ण टि ता काच्क

वाऔहोवा ।होइळा ॥१३ ॥
टा ख ण्ण ण्ण शा

एकाया ।मानोवनातूवामोइतू
ति का का ख ण्ण खी

वामुहुवाहाइ ।औहोइयन्मातृराजा
शू ट त टी

ग न्नापाआपाउहुवाहाइ ।औहो
कि ख ण्ण ख शू ट तच्

इनातत्तयाग्राइप्रमृषाइनीवार्ताना
का टि टी टी ख ण्ण

आन्तानामुहुवाहाइ ।औहो इयदूरे
खा शू ट तच् की

सन्निहाभूवाआभू वाउहुवाहाइ ।
टि ख ण्ण खा शू

औहोया औहोवा ।रूपा ॥१४ ॥
ट त टख् शि ख श

॥मानवेद्वे ॥

नित्वामग्राइ ।मनुर्दाधाइ ।ज्योतिर्जना

ती श खि ण श की

याशाश्वाताइ ।दीदाइथाकण्वाऋतजातऊ

च य टा श क की टी टा

क्षाइताः ।यन्नामास्यान्ताइकृ औहो

ख णा टि त टट् खा

वा ।ष्टायाः ॥१५ ॥

शि ख ण

होवाइनित्वामग्रेमनुर्दधेहोवाइ ।

षू तू त श

ज्योतिर्जनायशस्वतेदाइदेथाकण्वाऋत

षु चू कि

जाओतऊक्षाइताः ।यन्नामास्यान्ताइकृ

टि टि ख णा चि त टट् ख

औहोवा ।ष्टायाः ॥१६ ॥

शि ख ण

षष्ठ खण्डः

॥अग्रेष्वद्रविणम् ॥

देवो वोद्रविणोदाः । पूर्णाविव

णफ ख शी क

ष्ट्वा सीचमूद्वासिन्वा । ध्वामुपावापृ

टीच् क यि टा टी

णाध्वामादीद्वोदे । वाओहताइळाभा ।

का चा य टा चा टी खण्

ओइळा ॥१॥

प प्ला

॥बार्हस्पत्यञ्चब्राह्मणस्पत्यंवा ॥

प्रैतूब्राह्मणास्पातीः । प्रादाइ

खि प्ली

व्ये तूसूनृताअच्छावाइर म् । नर्यप

टीच् क कि टा ख णा तिच्

न्तीराधासाम् । देवायाज्ञम् । नायाओहो

चा य ट टा ख ण ट ख

वा । तूनाः ॥२॥

शि ख श

॥वसिष्ठस्यचवीङ्कम् ॥

ऊर्ध्वऊषुणाऊतायाइ । तिष्ठादेवो

कु पा ण श

नसःविताऊर्ध्वोवाजा । स्यासानिता

षू टु त च क का

या

च

दान्जीभीः ।वाघात्भीर्वीभायामाहा इ ।

य टा क ट क च टि खण् श

ओइळा ॥३॥

प प्ला

॥विस्पर्धञ्च ॥

प्रयोरायाइनिनीषताइ ।मक्तोयस्ते

फी तु श की

वासोदाशात्सावीरान्धा ।तायग्रेउक्थाशं

कु टा त कू

सीनंत्मानासाहा ।स्नापोषाइणा म् ।

था टि त टि खाण्

ओइळा ॥४॥

प शा

॥ऐतवृधञ्च ॥

प्रवाः ।यम्भंपुरूणाम् ।वीशान्देवाय

ता टी त क टा

ताइनाम् ।अग्रिसूक्तेभिर्वचोभिर्वृणी

टि ता षी की

माहाइ ।यांसामाइदान्याइ न्धताइ

टि ता श टा टि का

ळाभा ।ओइळा ॥५॥

टी खण् प प्ला

॥मनसश्चदोहः ॥

अयमग्निस्सुवीर्यस्यहाबु ।आइशे हीसौभ

षी तु श किच्

स्याहोवाहाइ ।रायई शेस्वाप

चु टा त श कि

त्यास्यागोमाताहोवाहाइ ।ई शे

की क य टा टा त श क

हाइवृ होवाहाइ ।त्राहाथानामि

टा ता टा त श चाथ

ळाभा ।ओइळा ॥६ ॥

टा खण् प प्ला

॥समन्तानित्रिणिअग्नेरेकमिन्द्राग्न्योर्वाप्रजापतेर्वावरुणस्यद्वे ॥

त्वमग्नेगृहपताइः ।त्वंहोतानो

षि ती श क कि

अध्वराइत्वाम्पोता ।वाइश्वावाराप्रचाइ

दू त कु

ताऔहोवाहाइ ।यक्षाइयासीहो

भी क फ प्ल ण श टी त

वाहाइ ।चावाराया म् ।ओइळा ॥७ ॥

टा त श टी खण् प प्ला

त्वमाग्नेगृहपताइः ।त्वंहोता

खा शू क का

नोअध्वरे त्वाम्पोताऔहोऔ

की प फा फा

होवाहाइ ।वाइश्वावाराप्रचाइता

फा त त श कु पी

औहोऔहोवाहाइ ।यक्षाइयासा

फा फ त त श यी प

औहोऔहोवाहाइ ।।चावाराया म् ।

फा फ त त श टि खण्

ओइळा ॥८ ॥

प प्ला

त्वमग्नेगृहापतीः । त्वंहोतानोअध्वा

तु ता खा श खि

राइ । त्वाम्पोताविश्वावारा । प्राचेता

ण श खा श खि ण किथ्

यक्षाइयाटीट्)साऔहोवा ।

ख श

चावारीयाम् ॥९ ॥

टि ख

॥वमृस्यवैखानसस्यसाम ॥

सखायस्त्वाबुहोहोहाइ । ववृमाहा

तू त त श खि ण

इ । देवम्मर्कृताहासऊतायाइ । अपान्न

श क टि त टा ख ण श चा

पातम् । सुभगौवाहाइ । सूदं सासम् ।

खा श ती त श का ख ण

सुप्रातूर्कृतीम् । आनेहासा म् । ओइळा ॥११ ॥

टि त टि खण् प प्ला

सप्तम खण्डः

॥श्यावाश्वञ्च ॥

आजुहोता ।हविषामर्जया ध्वांवा ।
 ती दूच य ट
 निहोतार इहापातिन्दधा इ ध्वांवा
 षी दूच च य प
 इळास्पाताइ नामसाराताहाओव्याम् ।
 खा ता श चि टि टा
 सापरीयातायाजत म्पास्त्योबा ।
 की की प प्ला
 ओनाम् ।हाइ ॥१ ॥
 प्ला शा

॥ऋतुसामनीच ॥

ओइ चित्रइच्छाइशोस्तरुणास्यावाक्षा
 षा यू पि कि
 थाः ।ओइनयोमातारावनुवाइतीधाता
 फ यू पि की
 वे ।ओअनुधायादजीजनादधाचीदा ।
 फ यु पी चाक फ
 ओइववक्षसाद्योमाहीद्यूत्यान्चारान् ।
 ष यू टा खि त्र
 दुत्यन्चरन्माही । ॥२ ॥
 टु ख
 चित्राए ।एएइच्छिशोस्तरूणस्य
 ता त त प
 वक्षथक्षथोहीहीहीयाहाबु ।एए
 षे तू त श त प

नयोमातरावन्वेतिधातवेतवेहीहीहीया
 षे तू
 हाबु ।एएअनूधायदजीजनदधाचिदा
 त श तप षे
 चिदाहीहीहीयाहाबु ।एएववक्षस्सद्यो
 तू त श तप
 महिद्युत्यन्चरन्चरन्हीहीहीयाहाउवा ।
 षे तू ति
 एऋतू ॥३॥
 त टाख्

॥यामञ्च ॥

ओहा हाहाइ ।ईदन्तआइकांपाराऊत
 ख शल्लत त श तू कि
 ए कम् ।तृतीयेनज्योतीषासंवीशास्वा ।
 खाश टु चा खि श
 संवेशनास्तान्वेचारुरे धि ।ओहा हा
 क टी का खाश ख शल्लत
 हाइ ।प्रियोदेवानांपरमाइजानाइ ।
 त श टु पि खि श
 त्राइ ॥४॥
 त्र श

॥अग्नेश्चाग्नेयम् ॥

इमंस्तोमामर्हाते जा ।तावे दसे
 खि श खि ण का चा
 होये ।रथामीवा ।सम्माहे मा ।मानीष
 टा खि श खि ण का

याहोयेभद्राहीनःप्रमातीरा ।स्या
 चा टा खिश खिण
 संसदीहोयेअग्नाइसाख्याइ ।माराइ
 का चा टा खिण श
 षामा ।वाय न्तवावहोइळा ॥५॥
 खिण का टा ख शा

॥अग्नेर्वैश्वानरस्यसामनीद्वे ॥

मूर्धाहोहाइ ।नन्दाइवाः ।आरताइम्पृ
 तित श खा णा
 थीव्यावैश्वानरमृतआजातामाग्नीम् ।
 टू क थष कू टा त
 कार्विसम्मुराजमातिथाइ न्जनानाम् ।आ
 षी कु ट त क
 सन्नापात्रन्जनयान्तादाइ ।वाः ॥६॥
 टी पि खाश त्र
 होवाइमूर्धाहोहाइ ।नन्दाइवो
 तू त श का टा
 आरातिंपृथीव्याः ।इहोइहाइ
 कि खापू का काट
 यावै श्वानरमृतआजातमाग्निम् ।इहोइ
 थाष कू खाश का
 हाइयाकार्विसम्प्राजामातिथिन्जनानाम् ।
 काट था की कि खाश
 इहोइहाइयाआसन्नापात्रं जानाय
 का काटक थ की कि
 न्तदे वाः ।इहोइहाइयाऔहोवा
 खापू का काटखा शि
 ।ई ॥७॥
 ख

॥ऐटतेद्वे ॥

वित्त्वदोहाइ । आपोनपर्वतास्यापा

ति त श कू टा

ष्ठात् । उत्थेभीरग्रेजनायन्तादाइवाः ।

ता पु की ट ता

तन्त्वागीर स्सुष्टुतयोवाजयान्ती । आजिन्नगा

षी कु टा त क

इर्ववाहोजाइग्यूरा औहोवा ।

दू त टिट् ख शि

अश्वाः ॥८ ॥

टाख्

हायायाइदीवोहाइवित्त्वात् । आपोना

फ खु शी का

पार्वतस्यपारिष्ठात् । हायायाइदि

का खी शा फ

वोहाइउक्थाइ । भीराग्रेजानाय न्तदे

खु शु टि कि खा

वाः । हायायाइदीवोहाइतन्त्वा । गीरा

फ फ खु शी का

स्सुष्टुतयोवाजयान्ति । हायायाइदीवो

कु खा श फ खु

हायाजिम् । नागाइर्ववाहो । जाइग्यूरा

शि टु त टिट् ख

औहोवा । अश्वाः ॥९ ॥

शि टाख्

॥वामदेव्यञ्च ॥

आवोराजा । नमध्वारस्यरूद्रम् । होता

ती खू श क

राम् ।सत्ययजंरोदसीयोः ।अग्निंपूरा
 च ष खू ण् चा चा
 तनइत्नोराचीक्तात् ।हिर ण्यरूपामव
 खू श चा टि
 साइकार्णू ।ध्वाम् ॥१० ॥
 पि खि त्र

॥वैश्यज्योतिषेच ॥

इन्धाओइहाबुहाबुहाबु ।राजासम
 ता प णा शु
 र्योनमोभीयोभीयोभीः ।यस्याओहा
 षू तू ता प ण
 बुहाबुहाबु ।प्रतीकमाहुतङ्गुता
 शु पै
 इनाइनाइना ।नराओहाबुहाबुहा
 तू ता प ण
 बुहव्येभीरिढतेसबाधाबाधाबाधाः ।
 शु षू तू
 अग्राओहाबुहाबुहाउवा ।अग्रामूष
 ता प ण तू चा
 सामशोउवा ।ची ॥११ ॥
 टि का ता ख
 हाबुहोवाहाबुहोवाहाबुहो
 की की
 वा ।इन्धेराजासमर्योनामोभीयोभी
 की षी चिक क ट टा
 योभीः ।यस्यप्रतिकमाहुतङ्गुताइ
 टा षु कू क
 नाआइनाआइना ।नरोहव्येभीरीढते
 टा टि टि षु चि

साबाधाबाधाबाधाः ।हाबुहो

क क ट ट टा

वाहाबुहोवाहाबुहोवा ।अग्निरा

की की की

ग्रामूषसामशोउवा ।ची ॥१२ ॥

ची टि का ता ख

॥यामेद्वे ॥

प्राकेतुनाबृहतायातीयग्राइ होइ

की की पी

होवाहोइ ।आरोदसाइ ।वृषा

की च श था चा श

भोरो राविताइ होइहोवाहोइ ।दी

की पी टी च श क

वश्चिदान्तादूपामामुदानाहोइहोवाहोइ ।

की कि पि की च श

अपामुपास्थेकि)माहीषोवावर्धहोइ

चा कि पु

होइहोवा हाउवा ।देदिवा म् ॥१३ ॥

की च य टा त टा ख

हाहायौहोवाइप्राके ।तुनाबृह

पु खा ण का

तायातियाग्निः ।हाहायौहोवाआरो ।

खू प्ल पु ख ण

दसाइवृषभोरोरवीति ।हाहायौ

चा खू श

होवाइदीवाः ।चिदान्तादूपामामुदानाट् ।हाहायौहोवाआपाम् ।उपास्थे

पु खा ण भि कि खा श पु ख ण भि

माहिषोवावार्धा ।हाहायौहोवा

कि खा श पु

हाऔहोवा ।एदिवा म् ॥१४ ॥

ख शि त टाख्

॥प्रजापतेराशिमरायेद्वेमरायराशिनिवा ॥

हाबुहाबुहावाग्रीम् ।नरोनरोनरोदी

षी ती षी कि

धितिभीरराण्योः ।हाबुहाबुहाबु

कि ता च षी

हास्तात् ।च्युतान्चुतान्चुतान्जनायातप्रा

ति त षी कि की

शा म् ।हाबुहाबुहाबुदूराइ ।

त स्त(च षी तित श

दृशान्दृशान्(षी)दृशान्गृहापतीमाथा

कि की त

व्यूम् ।हाबुहाबुहाउवा ।ई । ॥१५ ॥

च षी ति ख

हाबुहाबुहावाग्रीम् ।नरोदीधीतिभीररा

षी ति ति कि ता

ण्योण्योण्योः ।हाबुहाबुहाबु

ट ट च षी

हास्तात् ।च्यूतान्जनायातप्राशास्तंस्तं

ति त चा क की त ट ट

स्तम् ।हाबुहाबुहाबुदूराइ ।दृशान्

च षी तित श

गृ हापतीमाथान्यून्यून्यून्यम् ।

की की त ट ट च

हाबुहाबुहाउवाति) ।ई ॥१६ ॥

षी ख

अष्टम खण्डः

॥श्येनञ्च ॥

अबोधिया ।ग्राइस्समीधाजनानाम् ।प्रताइ

ती कु भा त

धे नूम् ।इवायातीमूषासंयह्वाई वा ।

भी त का चा क था भि त

प्रवयामुज्जिहानाःप्रभान्नावाः ।सस्त्रा

चु था भि त

ते नाकामाच्छाइळाभा ।ओइळा ॥ १ ॥

कि का च टि खण् प शा

॥वासोक्रञ्च ॥

प्रभूर्जयन्ताम् ।माहां विबोधाम् ।मू

तु णाफ् खा श क

रैरमूरम्पुरान्दर्माणाम् ।नाया न्तङ्गी

षू टा त णाफ् खा

भिः ।वाणा धियान्धाः ।हरिश्मश्रुन्नवर्मणा

श णाफ् खा ष्टु शु फि

हाउवा ।धनार्चचीम् ॥२ ॥

शि ता ख

॥पौष्णञ्च ॥

शुक्रन्तेअन्यद्यजतन्तेअन्यात् ।विषुरूपे

षु तू षी

अहनीद्यौरीवासी ।विश्वाहिमायाअवसा

की टा त शु

इस्वधावान् ।भद्रातेपुषान्नीहा

दू त टि टा

रातीरास्तु ।तीरास्तुहाबु ।बा ॥३ ॥

कि खाश प्लीश श

॥कौत्सञ्च ॥

इळामग्नाइ ।पुरूदंसंसनीङ्गोः ।शश्वक्तमं

ती श खू ऋ षी

हवमानायसाधाः ।स्यानस्सूनुस्तनयो

खू ऋ षि

वीजावाग्नाइसाताइ ।सूमा तिर्भु

कू ख शु णाफ् ख

तुहाउवा ।स्माइ ॥४ ॥

शी ख श

॥काश्यपेद्वे ॥

प्रहोताजाताः ।माहान्नभोवाइनृषद्वा

तु षू टि

सी ।दा दपांविवर्ताइदधद्योधा ।याइ

त तच्च क षु टि त

सूतेवयांसियन्ताउवा ।वासूनीवीधा

षी कु ता कीच

तोयाऔहोवा ।तनूपा ॥५ ॥

टद् ख शि ताख

प्रहोताजातउहुवाहाइ ।माहान्न

षु तित श टा

भोवाइनृषद्वासीदपांवीवार्ताइ ।ओ

टा टु की टा त श

औहोइहा ।दाधाद्योधायाइसुते
 का त ता टा टा षी
 वयांसियन्तावासूनी ।ओऔहोइहा ।
 कु द त का त ता
 वीधाताइतनू पाऔहोवा ।हाविष्मा
 का टीट्ख शि टि
 ते ॥६ ॥
 ख

॥घृताचेराङ्गिरसस्यसामनीद्वे ॥

प्रसम्प्राजाम् ।आसुरस्यप्राशास्तम् ।पुंसः
 ती खू श
 कृष्टाइनमानुमादीयास्या ।इन्द्रस्येवा
 दू कि खाश खी
 प्रातावासःकृतानि ।वन्दद्वीरावन्दमाना
 खू श चा था चा था
 विवाष्टू औहोवा ।दीशआः ॥७ ॥
 टा ख शि ख प्ला
 अरण्योः ।निहितोजातवे दाः ।गर्भइ
 ति खी खाप्ल
 वेत्सुभृतोगर्भिणाइभीः ।दीवेदीवई
 षी फु खा प्ला षी
 ढ्योजागृवात्मीः ।हावीष्मात्मीः ।मनुष्ये
 कि टा त ख प्ल ख ण
 भीरग्निरिहियाहा ।होइळा ॥८ ॥
 षू प्ल प्ल शा

॥भारद्वाजस्यप्रासाहम् ॥

अहावोअहावोअहा ।सानादग्नाइ ।

षू ता कु

मृणासीयातूधानान् ।नत्वारक्षांसी

की खा श कु

पार्तानासुजीग्युः ।अनुदहासहमू

कि खा ण् की

राङ्कयादाः ।अहावोअहावोअहा ।मा

की खा ण् षू ता क

ताइहे त्यामुक्षतदाइवीया ।याः ॥९ ॥

कि पु खि त्र

नवम खण्डः

॥पाथेद्वे ॥

आग्राउवोवा ।ओजीष्ठामाभाराउवो
 टा खाश चा टा खा
 वा ।द्युम्रमस्माभ्यमघ्रिगोओइप्राना
 श क चि ती टी
 उवोवा ।रायेपानीयसे ।ओइरात्सा
 खाश क कि ता
 उवोवा ।वाजा यापन्धाम् ॥१ ॥
 खाश थाच् क ट ख
 अग्रेहाबु ।ओजीष्ठामाभाराओहोवा ।
 तात श यी टा खाश
 द्युम्रमस्मभ्यामाध्रीगाओहोवा ।प्रा
 यू टा खाश
 नोरायेपानीयासाओहोवा ।रात्सी
 यू टा खाश टा
 वाजा यापोबान्धायां ।हाइ ॥२ ॥
 टाच् क प प्ला शा

॥बृहच्चाग्रेयम् ॥

यदिवीरोअनुष्यादय्याई या ।अग्निमिन्धीतमौ
 षी खु खश चू
 होहाहोवार्तयाः ।आजुबाक्ताव्या
 ट त टा त टा टा
 मानूषात् ।शर्मभक्षाइतादाहाइवाओ
 टा खण क टू त ता प
 बा ।व्याम् ॥३ ॥
 प्ल ख

॥कौन्मुदम् ॥

त्वेषास्तेधूमऋण्वतीहाबु ।दिविसन्शू

क पा शृ ची

क्राआतातासूरोनहिहाबु ।द्युता

का य प शू चा

तूवाङ्कृपापवाहाबु ।कारोचासा

य प शृ टि खण्

इ ।ओइळा ॥४ ॥

श प प्ला

॥बृहचैवाग्नेयम् ॥

त्वंहिक्षैतवद्यशइयइय्याहाइ ।अग्नाइमि

षू तु त श

त्रोनापात्यासाइ ।ओऔहोइया

कू खा ण श का ख प्ला

हाइ ।त्वंविचार्षणेश्रावाः ।ओऔहोइयाहाइ

ण श कु ख ण का ख प्ला ण श

वासोआपुष्टाइन्नापूष्यासी ।ओऔ

का प कु ख ण का

होइयाहाहोइळा ॥५ ॥

ख प्लि प्ला शा

॥कौन्मुदश्चैव ॥

प्रातरग्नाइःपूरूप्रीयाः ।वीशास्तवे

तू ति का टा

ताअतिथाइः ।वाइश्वेयास्मिन्नामार्ता

ती श की टि ख

याइ ।हाव्यांहोइमर्ताहो साइन्धा

ण श टा टी कथ् टि

ता इ ।ओइळा ॥६ ॥

खण् श प प्ला

॥अग्नेर्यद्वाहिष्ठीयेद्वे ॥

यद्वाहिष्ठन्तदा ।ग्रायाइ बृहदर्चावीभावा

तू षि तु टा

साबु ।माहीषाइवात्वद्रयिस्त्वाद्वाजाः ।

त श टा टि दू त

ऊदीराता इ ।ओइळा ॥७ ॥

टि खण् प शा

यद्वाहिष्ठन्तदग्नयेयद्वाहिष्ठोवा ।तादग्नया

षु तू त

इबृहदर्चावीभावासाबु ।

षु टि तच् क च चा श

महीषाइवात्वद्रयीस्त्वाद्वाजाः ।ऊदीरा

टि ता दु त टि

ता इ ।ओइळा ॥८ ॥

खण् प प्ला

॥अग्नेश्चविशोविशीयम् ॥

विशोविशोहिंवोअतिथाइम् ।वा जय

तू खि श तच का

न्ताःपूरूप्रीयाम् ।अग्निंवोदूरायाहि

टा प श टि पा श

म्माइ ।वाचास्तूषेहाइ ।

चा श त त प णा श

ओहोवाइशूषा ।हिम्माइ ।स्या
 का खिण चा श त
 मान्माभाणहियाहा ।होइळा ॥९ ॥
 त ख प्ली श प्ल शा

॥प्रजापतेःकनीनिकेद्वेअत्रेर्वा ॥

बृहद्वयाः ।हीभानावाइ ।अर्चादेवाया
 ती टि त श
 ग्रायाइ ।यम्मित्रन्नप्राशास्तायाइ ।
 टू त श यू टा श
 मर्तासोदा ।धीरो बापूरोहाइ ॥१० ॥
 पि श खा प्ल प्ला शा
 बृहद्वयोहिभानवाए ।अर्चादेवा या
 पी ती त चा था च्च क
 अग्रायाइ ।यम्मित्र न्नप्राशास्ता
 टा त श कि का य टा
 इ ।मार्त्तासोदधाइरे पुराऔहो
 श क था यी टा
 हाऔहोवा ।वाहाः ॥११ ॥
 खि शि त टख

॥श्रौतर्वणञ्च ॥

अगन्मवृत्राहन्तामम् ।ज्याइष्ठामाग्निमा
 ती त पा श कि
 नावम् ।यास्माहोइश्रु
 पी श टा च्च क का
 तर्वन्नाक्षाइबृहा द्योयानीकयाआउवाए ।ध्याते ॥१२ ॥
 पी टू च्च का ता भी ख श

॥कश्यपस्यसयोनिः ॥

जाताःपरे णाधाई हा मर्णाइ हा

चा टाक्क टाक्क टि

योनिम् ।योनिमिन्द्राश्च गच्छथो

खाश कीक्क की

यस्तावृद्धिसाहाई हा भूवाई हा

टा टाक्क टाक्क टि

योनिम् ।योनिमिन्द्राश्च गच्छथाः ।

खाश कीक्क कि

पितायात्काश्यापाई हा स्याग्नाई हायो

टिक्क टिक्क टिखा

निम् ।योनिमिन्द्राश्चगच्छथाश्चद्दामाता

श कीक्क कू थाक्क

मानाई हा कावाई हायोनिम् ।

क टाक्क टिखाश

योनिमिन्द्राश्चगच्छथाः ॥१३ ॥

की खी

दशम खण्डः

॥बार्हस्पत्यञ्च ॥

सोमंराजानंवरुणाम् ।अग्नीमन्वारभाम

षी ती की

हे ।होवाहाइ ।आदित्यंविष्णुंसूर्यं

ची टा त श थ की का

होवाहाइ ।ब्रह्माणाञ्चाहोवाहाइ ।

टा त श टि त टा त श

बृहाउवा ।स्पातिम् ॥१॥

टा ता ख श

॥ऐषञ्चारूढवदाङ्गिरसम् ॥

आरू ह न्नारूह न्नारू हन् ।इतए

टाच् क टा क टाच् क

ताऊदा रूहान् ।दीवाःपृष्ठान्नि

ची काच् य ट चा

यारूहान् ।प्राभु र्जयो याथा

कीय ट का काच् का

पाथा ।उद्यामङ्गी रासोयायूः ।

य ट चा काच् का य ट

आरू ह न्नारूह न्नारू हाऔहोवाऊपा ॥२॥

टाच् क टा क टाट् ख शिख श

॥आसीतेद्वे ॥

रायेअग्नेमाहाइ ।त्वादानायसमीधीमाही

तू श कू टा त

आइळिष्वाहीमाहेवृषान् ।द्यावा

टि टा क च चा टा

होत्रा याप्रोबाथावाइ ।हाइ ॥३॥

टाच् क प प्ल्ला श शा

रायायाग्रेमहेत्वाहाबु ।दानायसमी

का प शू कु

धीमाहाइ ।आइळाइष्वाहाइ ।

टा त श टू त श

माहे वार्षान् ।द्यावाहोत्रायाप्रोबाथावाइ ।हाइ ॥४॥

का ख ण भि त क प प्ल्ला श शा

॥त्वाष्ट्रीसामच ॥

दधन्वेवायदीमनू ।वोचत्त्रहोतीवेरूतत्पा

फी की षी तु

रीविश्वा नीकाव्या ।नाइमीचक्राउवा ।

टिच् चा श षि कू

मीवा ।भूवादौहोबाहोइळा ॥५॥

ख श पि प्ल्ला श शा

॥मानवञ्च ॥

त्वमग्नेत्वमग्नाइ ।वासुरिहारुद्रंआदीत्यं

तू श षी टि त च

ऊतायाजासूआ ।ध्वारन्जनामानुजा

का टि त क चि टि

ताम् ।घृतप्रू षामिळाभा ।ओइळा ॥६॥

त चि टि खण् प प्ल्ला

॥अगस्तस्यचराक्षोघ्नम् ॥

प्रत्याग्रे होइहरसाहराए ।श्रृणा

फिप्ल खु प्लि

हिवाइश्वताः ।प्राती ।यातूधानाचि) ।

टी खाणफप्ल ख श ट

स्यरक्षसोबालाम् ।न्युब्जाओबा ।रीयम् ॥७ ॥

ची ट त ता प प्ल ख श

एकादश खण्डः

॥तौदेद्वे ॥

पुरू ।त्वादाशिवंवोचाएदारीरग्राइ ।

ता क पू शु

तोदसेयवशरणयाहोइ ।महाहोये

क दू च श टा टा

स्योयाऔहोवा ।ई ॥ १ ॥

खा शि ख

पुरूत्वादाशिवंवोचेत् ।आरीरा ग्राइ

षी तु खि शा

तावास्वाइदा ।तोदसेयव शरणयाहाइ

खि णा षी स्त्री ण श

माहाहोयेस्योयाऔहोवा ।ई ॥ २ ॥

ट त टा खा शि ख

॥दैर्घतमसानित्रीणि ॥

पुरूत्वादाशिवंवोचेत् ।आराइराग्राइ ।

षी तित पी शा

तावास्वाइदा ।तोदास्याइवाशाराणा

खि णा खि शा खि

या ।माहास्या ।ए ॥३ ॥

ण खात्र तच्

पुरूत्वादाशिवंवोचेत् ।अरिरग्राइतवा

खि शु षी टि

स्वाइदा ।तोदास्याइवा

ख णा ख ऋ ख शा

शाराणाया ।माहास्या । ॥४ ॥

खि ण खात्र

पुरूत्वादाशिवं वोचेद्वाबु । हाबुहो
 पि श्रु क टा
 हाउवोवा । अरिरग्ने तवास्वीदा । हा
 खिण की कि च क
 बुहोहाउवोवा । तोदस्येवशराणाया
 टा खिण क का कि चा
 । हाबुहोहाउवोवा । ए माहास्या ॥५॥
 क टा खित्र तच्चक ट ख

॥ श्यावाश्वस्यप्रहितौ द्वौ ॥

प्रहोत्रेपूव्यंवचोग्रया । इभाराता
 ती टु चाकच
 बृहात् । वीपान्जोतीम् । षीबाइभ्रा ताख)
 चा टि त टीट्
 औहोवा । नवे धासे ॥६॥
 शि ताच् ट ख
 प्रहोत्राइपूर्वीयंवाचाः । आग्रयेभारता
 खु प्ली टि च काच्
 बृहात् । वीपान्जोतीषीबीभ्रताइ ।
 कट फू ता श
 नावेधासोहाइ ॥७॥
 प श ख फू शा

॥ प्रजापतेः श्रुधीयेद्वे ॥

अग्नेवाजास्यागोमातोवा । ईशानस्साहसो
 फी ची श क कु
 याहो अस्मेदेहीजातावेदोमहा
 का का का चा था टा

इश्रवाउवा ।श्रोधियाएहिया ।ओ

टि ता च टा ट खाण् प

इळा ॥८ ॥

शा

अग्नेवाजस्यगोमतोहोवा ।ई शान

षी ती त त क

स्साहसोयाहो ।आस्मेदाइहीजाता

कु ख श च य पि प्ला

वेदो ।माही ।श्रावो ।हाइ ॥९ ॥

ता प श ख प्ल शा

॥प्रजापतेःसदोहविर्धानानित्रीणिसदःपूर्वहविर्धाने उत्तरे ॥

अग्नेयजिष्ठोअध्वराए ।देवान्देवायाता

षु तित ची का

इयाजा ।हुवाहोवा ।होतामन्दूरो

या ट ता का चा थाच्

वीराजासीहुवाहोवा ।आतिस्राइधाः ।ओइळा ॥१० ॥

काय ट ता का टि खाण् प शा

आग्नाइयाई यायाजिष्ठोअध्वाराइदेवान्दे

फा खाखश षू ती

वायतेहाबुहोवा ।याजाहोतामन्दूरो

टि की टा टा था

वीराजासी ।आतीयाऔहोवा ।स्त्रीधाः । ॥११ ॥

क पा श ट खा शि ख प्ल

अग्नियाओवा ।याजिष्ठोअध्वराइदेवान्दाइवा ।

तु षू टी ता

आयाते याजाहोताउवा ।मन्दूरो

चि टा पा शा थाच्

वीराजासाऔहोवा ।आतिस्रीधाः ॥१२ ॥

काट ख शि थ टिख्

॥त्वष्टुश्चातिथ्यम् ॥

जज्ञानस्सा ।समा तृभाइर्मेधामाशा
 ती काचू क की ख ण
 सातस्त्रायाअयान्ध्रुव)वाः ।रयाइणाम्
 चि ट टा ण टा ता
 चिकाइता दाऔहोवा ।ऊपा ॥१३ ॥
 टीट् ख शि ख श

॥अदितेश्वसाम ॥

उतस्यानोदीवामातिः ।आदीतिरूतियागामात्साशान्ताता ।
 खी प्ली क कि चाय ट टि त
 मायास्कराउवोवा ।अपास्त्रिधाः ।होइळा ॥१४ ॥
 फा खी श प्ली प्लु शा

॥अगस्तस्यचराक्षोघ्नम् ॥

ईळाइष्वाहिप्रतिव्याम् ।याजस्वा
 का पा शि कि
 जातावे दसाम् ।चरिष्णुधूमामग्रभाइ ।ताशोऔहोवा ।चीषम् ॥१५ ॥
 कि टा खु ति श ट ख शि ख श

॥वाक्जभञ्च ॥

नतोवा ।स्यामा ।यायाचानारी
 ता त ख श टी च
 पुरीशीतमाआउवा ।तीयाः ।
 कि ता टि ख प्लु

योअग्रयेददाशहन्यदोबा ।ताये ॥१६ ॥

षी पू ऋ ख श

॥बृहदाग्रेयञ्चसङ्कृतंवा ॥

अपत्यं ब्रजिनं रिपुं स्तेना मग्नाइ ।दूराधा

षू खी ता श टि

यान्दिविष्ठमत्स्यासात्पताइ ।कार्दधी ।

ख फू ता श प श

सूगाम् ।हाइ ॥१७ ॥

ख ऋ शा

॥अगस्तस्यचैवराक्षोघ्नम् ॥

हाबुश्रुष्ट्याग्रेनवस्यामेहाबु ।स्तो

षु त त श क

मास्यवाईरविस्पतायेऐहिहाबुहोवा

कि पू शू

नीमाईनास्तापसाराऐहिहाबुहोवा ।

का का पी शू

क्षासाऐहीहाबुहोवा ।

प शू

दहणहियाहा ।होइळा ॥१८ ॥

षु श ऋ शा

द्वादश खण्डः

॥वसिष्ठस्यप्रमंहिष्ठीयानिचत्वारि ॥

प्रमंहाइष्ठायगायता ।ऋतान्ने बृहते
खि शू टिच् कि

शुक्राशोचाइषाइ ।उपाओहो
पा श त ता श पि श

स्तुतासोआ ।ग्रायोहाइ ॥१॥
पि श ख ण् शा

प्रमंहिष्ठायगा ।याताऋतान्ने बृहाता
तू च टि टच् काय

इशूक्राशोचाइषाइ ।ऊपा
टा क टा ता श चा

स्तुतौ हुवाए होवा ।सावोबाग्रायो ।हाइ ॥२॥
टाच् क टा का क प ण् प्ला शा

प्रमंहिष्ठायगाइय्याई या ।या
फु खा ख श थ

ताऋतान्ने बृहतेशूक्राशौहौहुवा
की टी टा ट टी

इचाइषाइ ।उपाहोइस्तुताहोसो
टी श का की क थ

अग्राया इ ।ओइ ॥३॥
टा खण् श प शा

प्रमंहिष्ठायगायतप्रमंहिष्ठोवा ।यागा
षू तू त का

यताऋतान्ने ईबृहते शुक्राशोचा
टी ख णी फि त

इषाइ ।उपौहोवाहाइ ।स्तुतौ
ता श फा ता त श फा

होवाहाइ ।सओबाग्रायो ।हाइ ॥४॥
ता त श प्ला फ़ि शा

॥भरद्वाजस्यवाजभृत् ॥

प्रासोहाआग्नेहाइ ।तवाआउवा

टा त टा त श ता टि

तीभीः ।सूवीराभिस्तारातीवाजक

ख ण् च श चि चा का

र्माभिर्यास्याहाइ ।त्वंसाख्यमोबावाइथो ।हाइ . ॥५ ॥

चि ट त श पा णि णि शा

॥सौभराणित्रीणि ॥

तङ्गू धायास्वर्णारोवा ।देवासो

णाफ् खा ण्ना ड श क चा

देवामाराताइन्दधाहोइन्वाइराइ ।

क टी टि टि ता श

देवात्राहव्यमूहाहाइ ।हाइषा

थ टु त त श ट खा

औहोवा ।ऊक् ॥६ ॥

शि ख

तङ्गूर्धयास्वर्णाराम् ।देवासोदा

तू त क का क

इवामाराताइन्दधन्विराउवाइ ।देवा

चि टा श्रु ख श ण्

त्राहाव्यमोबाहाइषोहाइ ॥७ ॥

त प णि णि शा

तङ्गूर्धयास्वौहोआर्णाराम् ।देवा

कु ति त टा

सोदे ।वामारताइन्दाधान्वा

ख ण टी खा ण् ख

इराइ ।हाहोहाइ ।देवा

शि खा ण श टा

त्राहा ।व्यमूहा इ ।षाइ ॥८॥
 ख ण खिणफड्डु श ख श

॥पथस्यसौभरस्यसामनीद्वे ॥

मानाः ।हणीथाआतिथिंवासुरा
 ता का ट कि टा ख
 ग्रिः ।पुरौहोवाहाइ ।प्रशौ
 श फा ता त श फा
 होवाहाइ ।स्तओबाआइषोहाइ ॥९॥
 ता त श छि छि शा
 मानोहाबु ।हारणीथाआतिथिं ।
 ता त श प णा ण फाड्डु
 वासुरा ग्राइः ।पूरोहाहोइ प्राशो
 खिण श चा चाशक थ
 हाहो स्तायेषाएहियाहा ।होइळा ॥१०॥
 काथ् पा फ्ली श फ्लु शा

॥दैवानीकञ्च ॥

भद्रोनोओहोअग्रिराखी)हुताए ।भा
 फिड्डु छि क
 द्वाराताइ ।सुभगाभद्रोअध्वा
 थाच श क टा टा खा
 राः ।भद्राऊता ।प्राशास्तायो ।हाइ . ॥११॥
 ण टि त प श ख फ्लु शा

॥साधञ्च ॥

याजीष्ठन्तवावावृमहाइ ।दे

णा फा ख शी क

वन्देवत्राहोताराम् ।आमार्कृत्यामास्ययाज्ञा

दू च चा क टी

स्यासुक्रातूम् ।हाइ . ॥१२ ॥

प श ख ऋ शा

॥जमदग्नेश्वसंवर्गः ॥

तदग्रेचून्नामाभारो वा ।यत्सासाहा

फी ची श टी त

सादानाइ ।कञ्चिदत्राङ्गणाम् ।

टा त श थ टि ता

मन्यूञ्जनास्यदू होढायामेहियाहा ।होइळा ॥१३ ॥

का चा टा च्च प ङ्गी श ऋ शा

॥अगस्तयस्यचराक्षोघ्नम् ॥

यद्वाऊविशपतिरिशितः ।सुप्रीतोमानुषो

पि शु कि किच्

वीशेवीश्वेदाग्रीः ।प्रातिरक्षांसिसे धाताऔहोबा ।होइळा ॥१४ ॥

चा टि त कूच्क टा ख ऋ ऋ शा

॥अग्रेष्वश्रेष्ठ्यम् ॥

आयं अग्निश्रेष्ठातमोहो आय म् ।

चा चिक चा टच् चा

वामधुमत्तमोहो आयम् ।साहास्रासा
 ट कु टच् चा चा चा
 तमोहो आयम् ।अस्मिन्नास्तुसुवी)
 टा टच् चा की काथ्
 र्यामौहो ।ओइळा ॥१५ ॥
 टा त प शा

॥आदित्यस्यचरुचिरोचनंवा ॥

आदित्यश्शू ।क्राउदगात्पुरुस्तात् ।
 ती च खूश
 ज्योतिःकृण्वान्वितमोबाधमानाः ।आ
 क कि खू ण् क
 भासमानाः ।प्रादीशोनुसार्वाः ।
 टी कि खा ण्
 भद्रस्यकार्तारूचयान्नायागात् ॥१६ ॥
 की त पि खा त्र

तद्धपाठः

प्रथम खण्डः

॥मर्गीयवञ्च ॥

तद्वौहोवा ।गायासुताइ चा ।पुरूहू
ती टा खिण कि

ता यासात्वानाइ ।शय्यदोऔ
तच्च का य ट श की

होइगावाइ ।नाशाऔहोवा ।ए कीने ॥१ ॥
खिण श टट्ख शि तच्चट ख

॥रौद्रेद्वे ॥

तद्वोगाया ।सुताइसचापुरूहुताहा
ती ता ति टा खाशष्

हाइयासत्वानाइ ।शंयत्गावे ।
त चा खा ण श क टा त

नाशौहौ हूवोबाकाइनोहाइ ॥२ ॥
टा टच्चकप प्ल णि शा

तद्वोगायसुतेसाचाए ।पुरूहु तायसत्वाने ।
षी ती त कि कु

पुरूहुतायासात्वानाइशंया
चा था च य ट ख फि

तगौवाउवोवा ।नाशाकाइनो ।हाइ . ॥३ ॥
खीण प श ख प्ला शा

॥मार्गीयवञ्चैव ॥

तद्वौगायसुतेसाचाए ।पूुरूहु तायसत्व
षी ती त कि

नाइशंयत्गावे ।ऐहायाऐहि ।नाशा

षू टि त चय ट ता

काइनाऔहोवा ।ई ॥४ ॥

टिट् खा शि ख

॥आश्वञ्च ॥

यस्तेनूनांशताकृताबु ।इन्द्रद्युम्नीतामोमा

फी की श षी टि

दाः ।तेननूनाम्मादाइमाउवा ।देः ॥५ ॥

च क भि त टि ता ख

॥ऐटतेद्वे ॥

गावणगावाः ।उपावदावादाऔहोवा ।

तु ती ट ख शि

वाटे ।महीयाज्ञा ।स्यरास्यारा

ख श खि ण ताट् ख

औहोवा ।प्सुदाउभाकार्णाहिरा

शि ख श खि ण ता

हाइरा औहोवा ।ण्याया ॥६ ॥

ट खा शि ख श

ओइगावाः ।उपा वादावाटा

खि ण ताच् का टा

उवोवा ।माहीयज्ञास्याराप्सूदाओ

खा श चा का ता टा

यू भा ।कर्णाउवोवाहिर ण्यया ॥७ ॥

खा श टा खा श का टाख्

॥श्रौतकक्षेत्रे ॥

अरामश्वयगायाता ।श्रुताकक्षाराङ्गा

खा ष्टी ङ श टी य

वाआरम् ।हाहाइन्द्रास्याधा ।

काख ण त त पि श

होयेमोयाऔहोवा ।ईति ॥८ ॥

क ट खा शि ख श

अरमश्वयगायतअरमश्वोवा ।यागाया

षू तू त का च

ताश्रुताकक्षाहाहा ।आराङ्गावा

कि टा त त काख ण

इ ।आरामिन्द्राटी)हाहास्याधाम्नाऔहोवा ।होइळा ॥ ९ ॥

श त त क थ टा ख ण्ड षू शा

॥तन्वस्यपाथस्यसामनीद्वे वसोवर्षेः ॥

तामिन्द्रांवाजयामसि ।माहे वृत्रा याहा

पि शु चा थाच् का

न्तावे ।सावार्षावृ ।षाभोवा

य ट चाय ट क प प

बाभूवात् ।हाइ . ॥१० ॥

षू ष्ठा शा

तामिन्द्रांवाजयामसिहाबु ।माहे वृत्रा याहा

पि शू चा थाच् का

न्तावेहोवाहाइ ।सावार्षावृ

य ट टा त श चाय ट

होवाहाइ ।षाभोभू वाऔहोवा ।

टा त श टिट् ख शि

एदावासू ॥११ ॥

ता टाख्

॥अङगिरसान्निवेशौद्वौ इळा नांवासङ्कारौ ॥

तमिन्दूरं वाजयामसीए ।महाहाइवृत्राया

षि तु त ता चि क

होवाहन्तवे ओवाई या ।

च क क टा काट्ट

ओमोवासहे वार्षाओवाई या ।ओमोवा

कु टा काट्ट

वृ षाभोयाओहोवा ।भूवात् ॥१२ ॥

की टा ख शि ख श

ओहोवाइहुवाहोइतमिन्द्रंवा जायामासी ।

तू की खा का फा

ओहोवाइहुवाहोइमहे वृत्रायाहन्तावे ।

तू की चा का फा

ओहोवाइहुवाहोइसवार्षावृ ।षाभोभू

तू की ख ण टिट्

वादिळाभाएहिळा ।होइळा ॥ १३ ॥

त प्ला प्ली प्ल शा

॥शय्यातानित्रीणि ॥

हाबुत्वमिन्दूरा ।बलादधिहाबुहाबु ।सहा

तु कु ता श का

साजाताओजासाहाबुहाबु ।त्वांसान्वार्षान्हाबुहाबु ।वृषाइदा साओहोवा ।वृधे ॥१४ ॥

था ट मि ति श च य टा ति श टीट् ख शि ताच्

त्वमिन्दूर बलादधीए ।सहासाजाता

षि ती त का था ट

ओजसाइयाहोइयाइयोवा ।

मि का कि खा श

त्वांसान्वार्षान्इयाहोइयाइयोवा ।

च य टा का कि खा श

वृषाइदा साऔहोवा ।महे ॥१५॥

टीट् ख शि ताच्

त्वमिन्द्रं बलादधीसहसा ।जाताओजासा

षू तु का का ख

इहोइहा ।त्वांसा न्वार्षानिहोइहा ।

शी काच् क ख शी

वृषाइदा साऔहोवा ।ई हा ॥१६॥

टीट् ख शि ख श

॥इन्द्राण्यास्साम ॥

यज्ञेन्द्र मवर्धायात् ।यत्भूमिं वायवा

षी ति त दू

र्तायात् ।चाक्राणाओ ।पाश

ख ण ख ण ख ण काच्

न्दीवीचक्रा णाओपाशाऔहोवा ।दीवि ॥१७॥

क किच् का खा शि ख श

॥गोषूक्तम् ॥

यदिन्द्राहं यथौहोऔहोवाहाइतुवाम् ।ई शीया

षी तू ती क

वास्वायौहुवाइहुवाइकाई त् ।स्तो

कि टा टा टि टि क

तामेगोसाखौहुवाइहुवाइ ।साया

टि टा टा टि श टा

द्धोयाऔहोवा ।अग्निराहुताः. ॥१८॥

ट ख शि कि टाख्

॥आश्वसूक्तञ्च ॥

आबुहौहोवाहायदिन्द्राहाम् ।याथात्वामै
 ख शृ टी
 हीऐही ।आइशीयावास्वाआइकइदै
 तिच् कि का दू
 हीऐही ।ओइस्तोतामाइगो साखा
 तिच् ट टि टिच् का
 सायाऔहोवा ।शुक्रआहुताः. ॥१९ ॥
 टट् ख शि कि टाख्

॥गौरीवितम् ॥

पन्यम्पन्यमित्सोताराः ।पन्यम्पन्यमित्सोता
 षी ति त यू प
 राः ।आधावतमाद्यायासोमं वीरा
 श का खीश का टा
 यशूरा या. ॥२० ॥
 खि त्र

॥गौराणित्रीणि ॥

इदंवसाबु ।सूतमान्धाः ।पीबासुपू
 ती श टि त चा का
 र्णामुदारामनाभयाईन् ।ररोबा
 टि ख खा ता श प्ला
 मातोहाइ ॥२१ ॥
 फ्लि शा
 ईदां वसोसूतमन्धाः ।पीबासूपू
 णाफ् खा शी टि त

र्णामूदारम् । आनाभायाइन् । रराहाउवा । माते ॥२२॥

टाख ण ट त ट च ट टा ति टाख

इदंवसोसुतमन्धाए । पीबासुपूर्णा

षी ती त का काक

मूदरौहोवा । पीबासुपूर्णा

क टात त चु

मूदरौहोवा । आनाभाईन् । ररिमा

थित त भित चि

ताऔहोवा । होइळा. ॥२३॥

टा ख ण् ण् शा

द्वितीय खण्डः

॥सौपर्णानि त्रीणि ॥

उत्थेद्भयोवा ।श्रूतामाघम् ।वृषाभन्नार्यापासम् ।आस्तारामे ।षाइ
 ती त का ख ण दु ख ण ट टा त

सूर्याऔ ।होबाहोइळा ॥१ ॥

कि टा ख ष्टु ष्टु शा

उत्थेदभिश्चूतामाघाम् ।वृषाभन्नार्या
 पी त त चिक फल्लु

हिं ।पासम् ।आस्ताउवा ।रा
 च प श ष्टा शा क

माइषिसू ओबारायोहाइ ॥२ ॥

की प ष्टु ष्टा शा

उत्थेदभिश्चूतामघमियइयाहाइ ।वृषा
 षू तु त श

भन्नार्या हाहाइ पासम् ।

चिक फल्लु त त श प श

आस्ताउवा ।रामाऔहोवा ।षिसूर्या ॥३ ॥

ष्टा शा ट ख शि टिख्

॥शाकलम् ॥

यदद्यकाच्चवृत्रहान् ।ऊदगाआभीसूराया

फी की कु टा त

सार्वान्तादिन्द्रतायेहिं ।वाशोहाइ . ॥४ ॥

की टि च ख ष्टु शा

॥आभरद्वसवेद्वेऐन्द्रकग्रेर्वा ॥

ययाहाबु ।आनायादानायात्पारा

ता त श टि टि का

वाताः ।सूनीतीतू सूनीतीतू र्वाशं

ख ण टीच् क टिच् का

यादूम् ।इन्द्रास्सानो इन्द्रास्सानो यू

ख ण टीच् क टिच् ट

वाऔहोवा ।साखा ॥५ ॥

ख शि ख श

यआनयत्परावाताः ।सूनीतितुर्वशां

षि ती त यू

यादूम् ।इन्द्रस्सनोयूवासाखा ।इन्द्रो

प श यू प श खा

ग्निः ।इन्द्राऔहोग्राइः ।

श क का ख ण श

आइन्द्रो ग्रायाऔहोवा ।ईन्द्राः. ॥६ ॥

किट ख शि ख ण

॥तान्वेद्वे ॥

मानइन्द्राभ्यादाइशाः ।सूरोआत्तु ष्वायामा

षी ती की टा ख

तुवायूजा ।वानाइमाता त् ।ओइळा ॥७ ॥

खा ता टी खण् प शा

मानाइन्द्रा भ्यादिशः ।सूरोआत्तु

ण फ खा शि खि श

ष्वायामात् ।त्वायुजावानौहोमातौ

खा ण कि टा थ का

हूवादौहोवा ।एययूः ॥ ८ ॥

कि ख त्र त टाख्

॥रौहितकूलियेद्वे ॥

एन्द्रसा ।नासिरयिसजित्वानं सादासाहाम् ।

ति षी की टि त

वार्षीष्ठामू तयाआउवाए ।भारा ॥९ ॥

ट त का ता भी ख श

एन्द्रसानसा ।इंरायाइंसजित्वानंसादासाहाम् ।

तु टि कु टि त

वार्षीष्ठामू तायोबाभारोहाइ ॥१० ॥

टा टाच्च प फ़ फ़ा शा

॥इन्द्राण्यास्सामनीद्वे ॥

इन्द्रामिन्द्रंवायामाहामहाधानाइ ।इन्द्रा

दू दू श

मिन्द्रंमर्भाइहावाहवामाहाइ ।यूजायु

दू ष दू श

जंवृत्राइषुवाषुवज्रीणाम् ।ओइळा ॥११ ॥

दू पण् प शा

इन्द्रंवायाम् ।माहामहाधानाओऔहोइहा ।

ती दू का त ता

ईहीबालाउवोवा ।ई हा ।इन्द्रमर्भाइ ।

टी खा श ख श शू

हावाहवामाहाओऔहोइहा ।ईहीबाला

दू का त ता टी

उवोवा ।ई हा ।युजंवृत्राइ ।षूवाषूवज्रीणांओऔहोइहा ।ईहीबालाउवोवा ।ई हा ॥१२ ॥

खा श ख श शु दू का त ता टी खा श ख श

॥इन्द्रस्यसहस्रबाहवियम् ॥

अपिबत्काद्रूवस्सुताम् । इन्द्राहोइसा
तु ति मि का

हाहोवास्त्रावांभे । तत्रादादीष्टापौ
क कि य ट टि त क ट

हौहुवाईयाम् । सीयामौहोबाहोइळा. ॥ १४ ॥
ट टा ट त त पा प्ला प्ला शा

॥धृषतोमारूतस्यसामनीद्वे ॥

वयमाइन्द्रा । त्वाया वाऔहोवा ।
पि णा टाट् ख शि

आभिप्रनोनुमोवृषान् । विद्धाइटुवा ।
टि खी खा ति

स्यानाऔहोवा । वासो ॥१५ ॥
टट् ख शि ख श

वयमिन्द्रात्वायावाः । आभिप्रनोनु
ती प्ला श

मोवार्षान् । विद्धितू वाआओहा
प्लू प श खि प्लू खा ण

इ । स्यानोबावासोहाइ. ॥१६ ॥
श पि प्ला प्लू श

॥भारद्वाजस्यदारसन्तित्रीणि ॥

वयमौहोइन्द्रा । त्वायावाः । आभिप्रनोनुमोवा
तू प्ला श यू प

र्षान् । विद्धितुवोहाइ । स्यानोहाइ ।
श खी ण श प्ला शा

वासाऔहोबाहोइळा ॥ १७ ॥

क टा ख षू षू शा

वायामौहोवाहा । इन्द्रत्वाऔहोवाहायावाः ।

खा शी खि शू

आभीप्रानो । ओइनुमोवार्षान् । वा

ट त ट त टु त ट

इद्धीतूवा । स्यानोऔहोवा ।

ता ट त ट ख शि

वासो ॥ १८ ॥

ख श

हाबुवयमिन्द्रात्वावायाः । आभिप्रनोनुमो

तू ट टा टू

वार्षान् । विद्धाइटुवास्यानोवा सा

टा टा टि टिट्ख

औहोवा । अस्माभ्यङ्गातुवित्तमाम् ॥ १९ ॥

शि चा क त किख

॥ ऐधमवाहानि त्रीणि ॥

आघायेआग्निमिन्धाताइ । स्तृ

षु ता त श क

णन्तिबर्हिरानुषाग्येषामिन्द्रो युवा ।

टि कु चि शा

इहाउवाउवोबासाखोहाइ ॥ २० ॥

पु षू षू शा

आघायेइहा । ग्रीमाइन्धाताउवोवा । ई

तु टु खा श ख

हा । स्तृणन्तीबर्हिरानुषाउवोवा ।

श कि त टी खा श

ई हा । एषामाइन्द्राउवोवा ।

ख श क टी खा श

ई हा ।यूवायुवासाखा ।ई हा. ॥२१ ॥

ख श टि ख त्र ख श

औहोआघायाए ।ग्रीमाइन्धाताऔहोवा

तु त टु खा श

स्तृणन्तीबर्हीरानुषाऔहोवा ।ए

कि थ टी खा श क

षामाइन्द्राऔहोवा ।यूवासाखाउवाहाबु ।बा ॥२२ ॥

टी खा श का प फ़ी श श

॥अहेःपैण्वस्यसाम अहिहनोवाबैल्वस्य ॥

भिन्धियोहाइ ।वाइश्वा आपाद्वाइषा

ति त श किच् का टि

उवोवा ।पारा

खा श टा

उवोवा ।बाधोजहाइमार्द्धाउवोवा ।वासुस्पार्हन्तदाभरा . ॥२३ ॥

खा श षु टा खा श कि कि खा

तृतीय खण्डः

॥ऐषञ्च ॥

ईहेवाश्रुण्वएषाम् ।काशाहस्तेषुया

पि शी यू

द्वादान् ।नियामैश्रीत्रामृ न्जताइ ।

प श खी कि क फ श

नीयामैश्चाइत्रामान्जाताइ ।एहियाऔ

षि टी ख ण श खि

हो ।एहियौहोए हियौहोवा ।एहि. ॥१ ॥

ता क की की ख श

॥पौषञ्च ॥

इमाउत्वाविचक्षते सखायाः ।इन्द्रसोमाइ

षी खी खा श भी

ना ।होयेहोवा ।पुष्टावान्तो ।

ता टा ट त टि त

होयेहोवा ।याथोबापाशुम् ।हाइ ॥२ ॥

टा क त क प छू प्ला शा

॥मरूताञ्चसंवेशीयम् ॥

सामस्यामान्यावेवीशाः ।विश्वेनामान्ताकृष्टायाः ।सामुद्राये वासिन्धावाः ।ओइळा. ॥ ३ ॥

टी त चि टी त चि टीचक टा खण् प शा

॥हाविष्मतेद्वे ॥

देवानामिदाउवोवा ।आवाउवोवा

फि खी श टा खा श

माहात् ।तादावृणाइमाहाउवोवावायम् ।

ख श ष टा खा श ख श

वृष्णामस्माभ्यामाउवोवाताये ॥४ ॥

टू खा श ख श

हाबुदेवानामिदवोमहद्वाबु ।तादावार्णाइ

षु तू श का टा

माहेवायम् ।ऐ हायाऐही

चा क ख ण ट च य ट ता

वृष्णामास्मा ।भ्यामूता याऔहोवा ।हावीष्माते ॥५ ॥

भि त टिट् ख शि टि ख

॥हाविष्कृतेद्वे ॥

देवानामिदवोहाबुमाहात् ।तादावृणाइ

षू ति त षु

माहाइवायाम् ।वृष्णांहोयास्मा ।

टी त टाच् य ट त

भ्यामूता याऔहोवा ।हाविष्कार्ते ॥६ ॥

टिट् ख शि टि ख

देवानामिदवोमाहात् ।तादावृणी मा

षू त त कीच् क

हाइवायाम् ।वृष्णामास्माभ्यामो

टि त भि तच् क प

बातायोइ . ॥७ ॥

प्ल प्ला शा

॥काक्षीवतञ्च ॥

सोमानांस्वरणम् । कृणूहि ब्रह्मणस्पाताये
 खा शी षि की टा
 ओहाहाइ । कक्षाइवान्ताम् । यऔ
 ख ळ त श भी त
 हो औहोबाशाइजोहाइ . ॥८॥
 तिच्क ख ळु ळि शा

॥उषसश्च साम ॥

बोधन्मनाः । इदास्तूनोवृत्रहा
 ती टा द् कि
 भूर्यासूतीः । श्रणोऔहो । तुशा
 द् ख ण खा ता चा
 क्राआशिषामौहोबाहोइळा . ॥ ९ ॥
 क पी ळा ळु शा

॥भारद्वाजस्यमौक्षेद्वे ॥

अद्यनोदेवसवितरौहोवाइ । इहश्रुधाइ
 षु तु त श षु
 प्रजावात्सा । वीस्सौभगाम्पारादूष्वा ।
 टि त टा चा य टा त
 होवाहाइ । मियंसूवा । दक्षाया ॥१०॥
 टा त श पि त्र ता टख्
 अद्यानोदेवसवितः । प्रजावत्सावीसौ
 खा शू का की
 भगाम्पारादूष्वा । मियंसुवाउवाओ
 टि खा ण कू टद्

वाऔहोवा ।अस्माभ्यङ्गातुवित्तमाम्. ॥११ ॥

ख शि चि त क ख

॥भारद्वाजानित्रीणि ॥

कोवस्यवार्षभोयूवा ।तुविग्रीवो

प फि शी चि क

आनानतोब्रह्माकास्ताम् ।ऐ हाया

क कि टि त टच् य ट

ऐही ।सापर्याता इ ।ओइळा ॥ १२ ॥

ता क टा खण् श प शा

कूवाकूवा ।स्यावृ षाभोयूवा ।ओहा

ती चा टी ख ण्

हाइ ।तुवीग्रीवो आनानताओहा

त श का थाच् टी ख ण्

हाइ ।ब्रह्माकास्ताऔहोवा ।सपर्याती

त श टिट् ख शि खी

ऐहीऐही ।क्वास्यवृषभोयूवाऐहीऐही ॥१३ ॥

ती पु तू

तुविग्रीवोआनानताऐहीऐही ।ब्रह्माकस्तंसपर्याताऐही

षू तू षू

ऐही ।आइहाऔहोवा ।

तू ट खा शि

आइही. ॥१४ ॥

ख शा

॥शौक्तसामनीद्वे ॥

उपाह्वारा ईगिरा ईणाम् ।स

चा का टिच् क च क

ङ्गमेचानादाई नाम् । धीयाविप्रो आ

थि टा क च टा टा च्

जायातायामायाआउवा । ऊपा ॥१५॥

का कि ता टि ख श

इदामीदंईदामिदकमीदामीदम् । उपहारे गीरा इणांइदामीदंईदा

खिश चा खू श ची चा टा खिश चा

मिदकमीदामीदम् । संगमेचानादाई

खू श ची

नाम्इदामीदंईदामिदकमीदामीदम् ।

टी खिश चा खू श

धियाविप्रो आजायाता । इदामीदंईदामिदकमिदामाइदाम् । गो

टा का च् का का खिश चा खू त्र च

ष्पादे प्रट्. ॥१६॥

चा श

॥वार्षाहरेद्वे ॥

प्रसम्नाजाम् । चर्षाणाइनाम् । आइन्द्राम्स्तोतानव्याङ्गाइर्भीः । नारान्ना

ती टा टि टि टा टा ख णा टा

र्षा हम्मोबाहाइष्ठाम् । हाइ ॥१७॥

टा च् क प ह्री शा

प्रसम्नाजोहाइ । चर्षाणीनाम् । आइन्द्रां

ती त श भि त

स्तोतानव्याङ्गाइर्भीः । नारमोइ

टी त टा ख णा णि श

चृषाहमोइ । मंहाइष्ठाहोइळा ॥१८॥

णी श ह्री ष्ठ शा

॥कूत्सस्यप्रतोदौद्वौ ॥

प्रसम्प्राजञ्चक्रुः ।षाणाइनाम् ।इन्द्रां

तू खा शा

स्तोतानव्यांगाइर्भीः ।नरनृषाह

भि त टा ख णा षी

म्मंहियाहाउवा ।ष्ठाम् ॥१९ ॥

फीप्लु शा ख

प्रसम्प्राजञ्चर्षणीनामिन्द्रंस्तोतानव्यं

षृ

गाइर्भीः ।इन्द्रंस्तोतानव्यङ्गाइर्भी

तू ता षी टि खा

न्नरनृषाहम्मांहिष्ठाम् ।साह मैहा

शृ चा का

इहोयाऔहोवा ।मंहीष्ठा म्. ॥२० ॥

टा ख शि थ टाख्

चतुर्थ खण्डः

॥सौश्रवसेद्वे ॥

आपादुशी ।प्रियन्धसास्सूदक्षास्या ।

ती ती टि त

प्रहोषीणाः ।इन्दोराइन्द्राः ।यावाशाइराः ।ऐहियाइहियाऔहोवा ।

का चा का ट ता टि ता क टा खि शि

ए ऊपा ॥१ ॥

तच् ट ख

अपादुशिप्रियान्धसाः ।सूदक्षस्या

फा खी शा षी

प्रहोषीणाइन्दौहौहुवाइन्द्रो

की टि पा

यवाशाइराः ।ऐहाणहिया

फीङ् शा कट ट खा

औहोवा ।एऊपा . ॥२ ॥

शि त टाच्

॥त्वाष्ट्रीसामच ॥

इमाउत्वा ।पुरोवसाबु ।आभिप्र

ती टा टा श

नोनवूत्गाइराः ।औहोइ ।गावो

दू टि थ च श था

वात्सान्नाधे ।नावो ।हाइ . ॥३ ॥

टा प श ख ण्ण शा

॥त्वष्टुरातिथ्येद्वे ॥

अत्राहागोरमन्वताउवाहाउवा

ता क ष दू टि

होइ ।नामत्वष्टुरपीच्यामुवाहाउवाहो

च श षी दु टि च

इ ।इत्थाचन्द्रमसोगृहाउवाहाउवाहोया

श षी टी टि टट्ख

औहोवा ।ऊपा ॥४ ॥

शि ख श

हावत्रा ।हागोर मन्वताउवाहोइयाहोवाउ

ति क षा दु टि था

वोइ ।नामत्वष्टुरपीच्यमियाउवाहोइयाहोवा

चाश षु दू टि था

उवोइ ।इत्थाचन्द्रमसोगृहाउवाहोइयाहोवा

चाश षू टी टि था

उवोयाऔहोवा ।ऊपा. ॥५ ॥

टा ख शि ख श

॥पौष्णेद्वे ॥

यदिन्द्रोया ।नायादोंओंओवा ।रीतो

ती टा च ट ख श

महीरापाओंओवा ।वृषावृषान्तमा

दू ट ख श टी खा

औहोवा ।तत्रापू षाभुवा ।त्साचा. ॥६ ॥

शि किच ता ट ख

यदिन्द्रोआनायद्रीताए ।माहीरापो माहीरा

षु ती त टीच क

पोवार्षान्तामाः ।तत्रापू षापू षा

टि काख ण टि टाट्ख

औहोवा ।भुवात्साचा. ॥७॥

शि ता ट ख

॥श्यावाश्वेद्वे ॥

गौर्धयाए ।तिमरूतां श्रावस्यु

ति त तीच् क

र्मातामघोनाम् ।युक्तावन्हाइ ।

टि खि श ची श

रथानामाऔहोवा ।ऊपा ॥८॥

का ट ख शि ख श

गौर्धयतिमरुतामे ।श्रावस्युर्मतामघोना मुहु

षी ति त टी टीच्

वाहाइ ।युक्तावान्हीरूहुवाहा

टि त श चि थ टि त

इ ।रथानामौहोबाहोइळा ॥. ॥ ९ ॥

श का पा प्ला प्ला शा

॥प्रजापतेस्सुतरयिष्ठीयेद्वे ॥

उपानोहरिभीस्सूतोवा ।याहिमदा

पि प्लि डा श टी

नाम्पाताउपनोहाओबाराइभीः

टि ति त प प्ल ख प्ला

सूतामौहोबाहोइळा ॥ १० ॥

पि प्ला प्ला शा

उपनोहाबुहोराइभीः ।सूताम् ।

षि ती ता ट त

याहिमदानाम्पाताउपानोहा ।

की टा खी ण

राइभाऔहोवा ।सूतं राइष्ठाः. ॥११॥

ट खा शि का च टाख्

॥आप्सरसञ्च इष्टाहोत्रीयंवा आपांवानिधि ॥

इष्टाहोत्राआसृक्षाता ।इन्द्रंवृधान्तो

ती च खा ण क टी

अध्वाराइ ।अच्छावाभार्थमोजा

खा ण श खि श खि

सा ।एऊदधिर्निधीः ॥१२॥

त्र त क टीख्

॥प्रजापतेर्निधन कामम् ॥

अहमिद्धाइपितुःपराइ ।मेधामृतस्यजग्रहा

फी कु श क षु

आहंसूर्याइवाहाहाइ ।

की पा ण् ड श

जनिहोइहोऔहोऔहोवाहाबु ।

कू का पा प्ला

बा. ॥१३॥

श

॥वाजिदापर्यञ्च ॥

रेवतीर्णाः ।सधामादाइ ।इन्द्रा

ती टा ख ण श टा

इसान्तू ।तूविवाजाः ।क्षूमान्तो

खा ण टि च ट त ट

या ।भिर्मोबादाइमोहाइ . ॥१४ ॥

क क प ल्ली शा

॥सोमापौष्णञ्च ॥

सोमःपूषा ।चाचाई ततूरया

ती षि की

वयोवा ।वाइश्वासांसुक्षीतीनामया

खाश की दू

वयोवादाइवात्राराथीयोर्हा

खाश च या टा खि

इताः ।गावोअश्वाः. ॥१५ ॥

त्रा था टाख्

पञ्चम खण्डः

॥वैतहव्यानि त्रीणि ॥

पान्तमावोअन्धसाः ।इन्द्रामाभिप्रागाया

षी ति क का

ताहाहाइ ।विश्वासाहं शाताक्रातू

टु त त श कीच् का टा

हाहाइ ।मंहाइष्ठाञ्चाहाहाइ

त त श क टी त त श

र्षणाइनामौहोवा ।उऊपा ॥१ ॥

टा खा शि खाश

पान्तमाओअन्धसइहा ।इन्द्रामभाइप्रगाय

षी तु थ कू

ताइहा ।विश्वासाहंशाता क्रातूमिहा

टा ता कि टिच् टा ता

मंहाइष्ठाञ्चाइहा ।र्षणाईनामिहा ॥२ ॥

क चि टि टाच् का टाख्

पान्तामावोअन्धसाः ।आइन्द्रामभाइप्र

णा फ ख शि षू

गायाता ।विश्वासाहम्

टा ख ण टा ख ण

शाताक्रातुम् ।मंहिष्ठञ्च र्षणाइ ना

त पा श कीथ चा श त

मा औहोवा ।ओकाः. ॥३ ॥

टख् शि त ख

॥शौक्तानित्रीणि ॥

प्रावाइन्द्रायामादानम् ।प्रवाइन्द्रा

टी खि ण टा

औहो ।यामादानम् ।हराअ
 पि श ख ण ख ण टा
 श्वाऔहो ।यागायाता ।सखा
 पि श ख ण ख ण टा
 यास्सोऔहो ।मापोबावान्नोहाइ ॥४॥
 पि श णा णा शा
 प्रवाइन्द्राऔहो ।यामादानम् ।
 टा पि श ख ण ख ण
 हराआश्वाऔहो ।यागायाता ।
 टा पि श ख ण ख ण
 सखायास्सोऔहो ।मापोबावान्नो
 टा पि श णा णा
 हाइ ॥५॥
 शा
 प्रावाई याईया ।इन्द्रोई याईया
 टित टत टित ट
 यामादानम् ।हाराईयाईया
 खा ण ख ण टत टत
 आश्चोई याईयायागायाता ।साखा
 टित ट खा ण ख ण
 ई याईया ।यास्सोई याईया ।
 टित टत टित टत
 मापोबावान्नो ।हाइ . ॥६॥
 पा णा शा

॥गौरीवितानित्रीणि ॥

प्रवौहोवाइन्द्राऔहोवा ।यामा
 का टा कि टा ख ण
 दानम् ।हरौ होवाआश्वाऔहोवा ।
 ख ण का का कि टा

यागायाता ।सखौहोवायास्सोऔ

ख ण ख ण का टा कि

होवामापोबावान्नोहाइ ॥७॥

टा पा ण णा शा

प्रावाददाऔहो ।इन्द्रोददाऔहो ।

चा टि त पु श

यामादानम् ।हारीददाऔहो ।

ख ण ख ण चा टि त

आश्वोददाऔहो ।यागायाता ।स

पु श ख ण ख ण

खाददाऔहो ।यास्सोददाऔहो ।मापोबावान्नो ।हाइ ॥८॥

चा टि त पु श णा णा श शा

प्रवप्रवाः ।इन्द्राएन्द्रायामादानाम्

ती ता क थ का य ट

हराइहरियश्वायागायाता ।साखा

ता टु च का य ट

यास्सो ।मापोबावान्नो ।हाइ . ॥९॥

भि त णा णा णा शा

॥काण्वेद्वे ॥

वर्यंवायामूत्वा ।तादीदार्तथाः ।

ती ख श खि ण

इन्द्रत्वायन्तस्सखायाः ।कण्वाऊ

षी खि ण ता प

क्थेभिर्जरन्तेएहियाहा ।होइळा ॥ १० ॥

णू शि ण शा

वयमू त्वातदिदार्तथाःऐहीहोइ ।

खि शु टि श

वायमुत्वातदिदार्तथाःइन्द्रत्वायन्तस्सखायाः ।

षू कू टि त

काण्वाः ।उक्थाइभीर्जोबा ।रन्ताया . ॥११ ॥

ख ण की प ण ता टाख्

॥सौमित्रेद्वै दैवोदासं तृतीयं श्रौतकक्षाणिवा ॥

इन्द्रायमद्वनाइ ।

तू श

सूतामिन्द्रायमद्वने सूताम् ।

षी ची शा

पाराइष्टोभा न्तूनोगिराः ।अर्कमा

च टि तिच् चा शा टि

र्चचान्तूकारावाः ।ओइळा ॥ ॥१२ ॥

तच् क टा खण् प शा

इन्द्रायमद्वनेहाबु ।ओइसूताम् ।

तू त श टि त

पारिष्टोभान्तूनोहाइगाराः ।पारिष्टोभान्तूनो

कि टि त ती दू

हाइगाइराः ।अर्कमार्चचाओहोवा ।ए

त टी टि ख शि त

न्तूकारावाः ॥१३ ॥

चा टाख्

इन्द्रायमद्वनेसुतमिन्द्रायमोवा ।

षू तू त

द्वानाइसूताम् ।पारिष्टोभाहाहा

त पि श कि ट त त

न्तूनोगाइराः ।अर्कमार्चचाहाहा

टा ख णा भि त तच्

न्तूकारावाः ।ओइळा. ॥१४ ॥

क टा खण् प णा

॥वैष्णवानि त्रीणि इहद्वाम दैवोदासन्तृतीयं और्ध्वसन्नानिवा ॥

अयन्तया ।

ती

द्रासोमोहोवाहोइ ।नीपू

टि का च श का

तोआधीबर्हाइषी ।आईहि

टा च खा णा च था

मस्याद्रा वाऔहोवा ।पिबा ॥१५ ॥

टिट् ख शि ख श

अयन्तइन्द्रसोहोमाः ।नीपूतोआधीबर्हाइ

तू त त की टि

षी ।ऐहाइमास्या ।द्रावापाइबा

टा टा चि का टि

आइहिमास्याद्रावापाइबा ।पीबा. ॥१६ ॥

षि की टि ख श

अयन्तइन्द्रसोमोनाइपूतोआधी

फू त प णि ण्य

बर्हिषी ।नीपूतोआधीबर्हाइषी ।

णि की टि ता

ऐहाइमास्या ।द्यावापाइबाई हा ॥१७ ॥

क टी त का प त्रा ख श

॥औदलेद्वे वैणवेद्वे वैणव औदलइतीवा ॥

सुरूपाकृत्तुमूतयाइ ।सुदूघा

ता च चि चा श चि

मिवगोदुहयाआउवा ।ऊपा ।जुहूमा

टि ति टि ख श टि

सी ।द्यवीद्यवियाआउवा ।उऊपा ॥१८ ॥

त चा ति टि खा श

सुरूहाहाइ ।पकृत्तुमू तायाइ ।
 तित श टीच् टा श
 सुदुघामिवगोदुहाऐहीऐही ।जुहौ
 चि टि तूच् टा
 हुवाइमासी ।द्यवीद्यवीऐहीऐही ॥१९ ॥
 टी ट चा चा तीच्
 सुरूपकृत्तुमूतायाइ ।ओइ सुरूपकृ
 तु पा ण श षा
 त्तुमूतायाइ ।ओइ सुदुघामिवागोदू
 यू टा श षा यू
 हाइ ।जुहू मसाइद्यविद्यावैही ।जुहु
 टा श का पा शू टा
 मासी द्याविद्यवीआबुहोआबुहोवा ।
 टाच् क पि श्रु
 एद्यवी ॥२० ॥
 त ताच्
 सुरूपकृ ।त्तुमूतायाइ ।सुदुघामी
 ती टा चा श कि ट
 वागो दूहाइसुदुघामा ।वागो दूहा
 टाच् ख कु श टाच् का
 इ ।जुहूमासी ।द्यावी ।द्यावो
 श टि त प श ख ष्ट
 हाइ ॥२१ ॥
 शा

॥दैवोदासानित्रीणिआर्षभाणिवायदिवावाध्यश्चानि ॥

अभित्वावृषभासूताइ ।सुतंसृजा मी
 षू ता श कीच्
 पाइतायाइ ।तृम्पावाया ।
 का या ट श का य ट

शुहाआउवाए मादम् ॥२२॥

ता भीख श

अभित्वावृषभासुतेभ्याहाबु ।

षू ति त श

त्वावृषाभासूताइ ।सूतंसृजा

तच् काय टा श कीच्

मीपाइतायाइ ।तृपाहोइविया

का या ट श का की

हो शुहीमादा म् ।ओइळा ॥२३॥

कथ् टि खण प प्ला

अभित्वावृषभासुतेसुतंसृजोवा ।मीपीता

षू तू त काट

याइ ।सुतंसृजा मीपीतायाइ

त श का काच्क टा त श

तृम्पावायाओहोवा ।शुहीमादाम्. ॥२४॥

ट त टट्ख शि था ट ख

॥कौत्सेद्वे पाञ्चवाजेवा ॥

याइ न्द्राचमसेष्वाइया ।सोमाश्चामूषु

था प शू का

ते सूतस्सोमश्चमू षुताइसूताः ।

कीच्क कुच्क टित

पाइबाहाइदास्योहाइ ।त्वामीशा

टित टित श टि

इषा इ ।ओइळा ॥ ॥ २५ ॥

खाण् श प शा

यइन्द्रचामासेष्वा ।सोमश्चमूषुताइसुताः ।

तु ता थू पा श

सोमश्चमूषू ।ताइसूताः ।ओइपिबेदस्यो

तीत पिश ट खु

हाइ ।

ण श

त्वमाइशा इ ।षाइ. ॥२६ ॥

स्वीणफपू श ख श

॥सौमेधानित्रीणि पौर्वतिथानिवा ॥

योगेयोगेतवस्ताराम् ।वाजेवाजेहवामहे

षी ती की चा काच्

साखायाई ।न्द्रामोबातायोहाइ ॥२७ ॥

टि त क प षि शा

योगेयोगेतवस्ताराम् ।वाजेवाजेहवा

षी ति त की चा

महे होवाहाइ ।साखायाई ।हो

काच् टा त श टि त

वाहाइ ।न्द्रामूतायाऔहोवा ।

टा त श टि ख शि

उऊपा । ॥२८ ॥

खा श

योगेयोगेतवहाबुस्ताराम् ।वाजेवाजेहवा

षी तु त की टा

माहाए हूवाऔहोवा ।साखा या

कि कि त त थाच् क

इन्द्रमूतायाए ।हूवाऔहोवा ।सखा

कि कि कि त त का

ययाहुवाऔहोवा ।न्द्रमू तये ॥२९ ॥

टा कि त त का टाख्

॥दैवातिथम्मैधातिथं वा ॥

आतू एतानिषीदाता ।इन्द्रामभाइप्रगा

खा प्लीङ श थ षु

यतासाखा यस्तोमवाऔहोमवाहा

कीच् का पि श टा ख

साः ।हायाईसाखायस्तोमवाऔहो ।

ण टुच् का पि श

हिम्माहासो ।हाइ . ॥३० ॥

टा ख प्ल शा

षष्ठ खण्डः

॥माधूच्छन्दसङ्गौञ्चसौपर्णवा घृतश्वन्निधनंआङ्गिरसानिवा ॥

इदामे ।ह्यनूओजासा ।सूतं राधा

ति टा भि का का

नाम्पाताइ ।पीबात्वस्यागीर्वाणाः ।

च य ट श यु पा

पीबातुवा ।स्यागाऔहोवा ।र्वाणाः ॥१॥

खा ता ट ख शि ख ण

इदं ह्याऔहो ।नूओजासा ।सूतं

ति ता क खा ण का

राधानाओंपाताइ ।पिबात्वस्या

का ट खा ण श पी

गाहाइ ।र्वाणाएहियाहाहो

ण्ड ङ श प ण्डी श ण्ड

इळा ॥ २ ॥

शा

इदं ह्यनूओजसा ।सूतं राधाना

ती ति का का च

म्पातौहोवाहाइ ।पीबात्वस्या

य ट ता त श चा

गाइर्वाणौहोवाहाइ ।पिबातुवौ

चि या ट ता त श टी

होवाहाइ ।स्यागाइर्वा णाऔहोवा ।घृताश्वताः. ॥३॥

ता त श टीट् ख शि ता टाख्

॥प्रैयमेधानित्रीणि शौक्त सामानिवा उत्गातृदमनंवातृतीयम् ॥

महंइन्द्राः ।पूरश्चनोमाहीत्वामा ।

ती की य ट य ट

स्तुवज्जिणाइ ।दायूर्णाप्रार्थी

क चि श य ट य ट क

नाशावाः ।ओइळा ॥४ ॥

ट खाण् प प्ला

महंहाइन्द्राः ।पूराश्चानाः ।महाइत्वा

तु त पा श टा खा

मा ।स्तुवौहौहाहोवाज्जीणाइ ।द्यौर्नाप्रार्थी

ण टा खि शी ती

नाशावाः ।द्यौर्नाप्रा

ति खा ण

थिनौहौहाहो

टा खि

बाशावो ।हाइ ॥५ ॥

कू प्ला शा

महंइन्द्राःपूराश्चानाः ।माहीत्वामा ।

फी की था टट् त

स्तुवज्जा इणाइ ।द्यौर्ना प्रा ।

च टाटट् ता श क टटट् त

थिनाशावाः ।ओइळा. ॥६ ॥

क ट ट खण् प प्ला

॥गौरीवितेद्वे ॥

आतूनया ।इन्द्रक्षुमान्ताम् ।चाइत्रंराभंहा ।

ती टी त टु त

इसङ्गु भायामाहाहस्तोहाइ ।दक्षा

कि टी खा ण श टाच्

इणाइना ।महाहा स्ताऔहोवा ।दक्षिणेना ॥७ ॥

का चा टिट् ख शि कि टख्

आतूनइन्द्रक्षुमान्ताम् ।चित्रंराभम्

षि ती त टा ख ण

संगृभायमाहाहास्ताऔहोवादक्षिणेना ॥८॥

क पा श ट त टट्ख शि स्त्री

॥आपालवैणवेद्वे ॥

आतूनइन्द्रक्षूमान्ताम् ।चित्रंराभंसङ्गु

षि ती त दू

भायाचित्रंराभंसङ्गुऔहोइभाया ।

क थ ष कृ खिण

ऐहाइमहाहस्तीदक्षाहोइ ।औहो

क षू टा च श क

वाहोबाणाइनोहाइ ॥९॥

काप प्ला प्ला शा

आतूनाइ न्द्राक्षुमान्तम् ।चित्रंराभंस

णा णा फ खाश

ङ्गुभायाचाइत्रंराभंसङ्गुई हाभाया ।

षे कृ खप्ल ख ण

ऐहाइमहाहस्तीदक्षाहोइ ।औहोवा

क षू टा च श क का

होबाणाइनोहाइ ॥१०॥

प प्ल ङ्गि शा

॥धुरश्शम्येद्वे ॥

अभ्येआभी ।प्रागोपातीङ्गीराः ।इन्द्रम

ती का था टा

र्चायाथाविदाइसूनुम् ।ओइसत्योहाइ

यू पा ति पी ण श

स्यासाऔहोवा ।पातीमे ॥११॥

ट ख शि च ट ख

अभ्येआभी ।प्रगोपतीङ्गिराः ।इन्द्रमर्चचा

ती की टा टी

याथा ।हिंहिंओईवीदाइसनुं

ख ण ट त प ण णा फि

सात्यास्यासात् ।हिंहिंओबापाताइं ।हाइ ॥१२ ॥

फा ता ट त प प्ल प्ला श शा

॥महागौरीवितं तृतीयम् ॥

आभीप्रगोपतीङ्गिराः ।इन्द्रमर्चचयथाविदाए ।सूनुंसात्याओस्यासा

फा खा खा शा षी टु की प श फ

त्पाताइं ।सूनुंसात्याओस्यासोबा

शि की प प्ला प्ल

त्पाताइं ।हाइ . ॥१३ ॥

प्ला श शा

॥वाचस्सामनीद्वे ॥

कयानश्ची ।त्रायाभूवात् ।ऊताइ

ती त पाश क

सदावार्धस्साखा ।कयाशाचाइ ।

कु खा ण टि त श

छायावार्तोहाइ ॥१४ ॥

प श ख प्ल शा

होवाइहोवाइकयानश्ची ।त्रायाभूवात् ।

षू ती त पाश

होवाइहोवाइऊतीस्सादा वृधास्साखा

षू चा काच् काप श

होवाइहोवाइकयाशचाइ ।छायावा

षू ता ता श टिट्

र्ताऔहोवा ।ऊपा. ॥१५ ॥

ख शि ख श

॥महावामदेव्यंतृतीयम् ॥

कायानश्चाइत्रायाभुवात् ।ऊती

ण फ फा खा शि का

स्सादावृधस्सखाऔहोहाइकयाशचाइ

का कु ता टि ता श

ष्ठयौहोहिम्मावार्तो ।हाइ ॥१६ ॥

ति टा ट ख त्र श

कास्त्वसत्योमादानाम् ।मंहिष्ठो

ण फ फा ख शा कि

मत्सद न्धसाऔहोहाइदृढाचिदा

की कि ता टि ता

रूजौहोहिम्मा ।वासो ।हाइ ॥१७ ॥

ति टा ट ख त्र श

आभीषूणास्साखीनाम् ।अविता

ण फ फा ख शा कि

जराइतृ णामाऔहोहाईशातांभवा ।सियौ

की कि ता टि ता

होहिम्मा ।तायो ।हाइ. ॥१८ ॥

ति टा ट ख त्र श

॥इन्द्रस्यसत्रासाहीयेद्वे ॥

त्यमूवाः ।सत्रासाहाम् ।विश्वासुगीरिषू

ति था टा दू

आयाताम् ।आच्यावा याऔहोवास्यूतये ॥१९ ॥

टि टिट्ख शि क टाख्

त्यामूवस्सत्रासाहम्मोवा ।विश्वासुगीरिष्वाया

ख श्रु षि टी

ताम् ।आच्यावाया ।सियौहोवाहा

च टि त टा खा ण

इ ।तायो ।हाइ . ॥२० ॥

श ख ण् शा

॥माहावामदेव्यञ्च ॥

सादा ।सस्पताईमात्भूताउवोवा ।

ता चि या टा खा श

प्रायाउवोवा ।आइन्द्रास्याकामायाम्

टा खा श कू ख त्र

सानिम्मेधामयासिषाम्. ॥२१ ॥

चि टि खा

॥वैर्यश्चञ्च ॥

हावाप्सूदाक्षाआप्सूदाक्षाः

खी श खि ण

एते पन्थाआथोदीवाःहावाप्सूदाक्षा

का थाच् टी खी श

आप्सूदाक्षाःएभिर्वया श्वामाइराया ।

खि ण का थच् टु

हाउताश्रोषान् ।तूनोभू वाऔहोवा ।ई ति. ॥२२ ॥

खी ण टिट् ख शि ख श

॥गौतमस्यच भद्रम् ॥

भद्रंभाद्राम् ।नाआभाराइषामूर्जम् ।

ति त क टा ख शी

शाताक्राताबूयादिन्द्रामृढाया

टि ख शुट ख

औहोवा ।सीनः. ॥२३ ॥

शि ख श

॥अश्विनोश्च साम ॥

अस्तिसोमोअयंसुतोअस्तेआस्ती ।

षू तू

सोमोअयंसुतःपिबन्त्यस्यामारुतोहाइ ।

षू फु ख ण श

उतस्वराजोअश्वाइनो ।हाइ . ॥२४ ॥

पु प्ली शा

सप्तम खण्डः

॥त्वाष्ट्रीसामच ॥

ईङ्क्षयन्तीः ।अपास्यूवाः ।आइन्द्रन्जा
 ती टा टा कीच्
 तामूपासाताइ ।वन्वानासाः ।
 चाय टा श क टा त
 सूवीर्याआउवा ।वृधे . ॥१ ॥
 कि शि ताच्

॥गोधासामच ॥

नकिदेवाः ।ईनाइनीमासाइ मासीया
 ती टू श का ख
 नक्यायो ।पायापयामासाइ ।मासी
 शि टू श का
 यामन्द्रश्रुत्यम् ।चाराचरामासाइ ।मासीया ॥२ ॥
 ख शी टू श खा ण

॥सवितुश्चसाम ॥

दोषोआगात् ।बृहद्गायद्युमत्तामा ।
 ती षी टि त
 अथ वर्णस्तुहीयौहोइदेवाम् ।
 चा टु ख ति
 सावोबातारां ।हाइ . ॥३ ॥
 क प ण्ण षा

॥उषसश्चसाम ॥

एषोऊषाः । आपू व्युव्यूच्छतीहो
ती का की

वाहाइ । प्रीयादाइवास्तुषाइवामा ।
टा त श टि खा खा ति

श्वीनोबाबृहात् । हाइ .. ॥४ ॥
क प ह्र प्ला शा

॥त्वष्टुरातिथ्येद्वे ॥

इन्द्रोदधीचोअस्थभिरीयाईया । वृत्राण्य
षु दु ट त षि

प्रतिष्कृतइयाईयाजघाननवतीर्नवइया
दू ट त षी दू

ईयाऔहोवाऊपा ॥५ ॥
ट ख शि ख श

इन्द्रोदधाइचोअस्थाभीः । वृत्राण्यप्रा
ती खी ण की

तिष्कृताः । जघानानावती र्नावाऔहोबा । होइळा ॥६ ॥
चि टि त काच् क टा ख ह्र ह्र शा

॥सौमित्रञ्च ॥

इन्द्रेहिमाहाबु । स्तीयान्धासाः ।
ती त श पि श

वाइश्वेभिस्सोहामापर्वाभीः ।
चि था त क खा ण

महं आभाऔहोवा । ष्टिरोजासा ॥७ ॥
टा ट ख शि टि ख

॥इन्द्रस्यचमाया ॥

आतू औहोआतू औहो ।नाइन्द्रवृ

खा प्ला खा प्ला

त्राहा न्नस्माकामार्द्धमागाही ।माहा

टु कथ् की टि त टा

न्माही भीरोबाताइभोहाइ . ॥८ ॥

टाच् क प प्लु शि शा

॥वैश्वामित्रेच ॥

हाहाउवा ।ओजस्तदस्यतिद्विषे हा

फ ति षी कीख् फ

हाउवाऊभेयत्सामवर्क्तया त् ।हाहाउवा ।

ति पु किख् फ ति

इन्द्राश्चर्मे वारोदासी ॥ ९ ॥

कीच् क टा ख

ओजस्तदास्यतिद्विषाइ ।ऊभेयत्समवर्क्त

फी की श षू

यादाइन्द्राश्चर्ममाऔहोवा ।ए वारो

टूट् ख शि तच्

दासी. ॥१० ॥

टी ख

॥शौनश्शेषञ्च ॥

आयामूता इसामातसाइ ।कापोताइ

णा णाफ् खा शी

वागार्भाधीम् ।वाचास्ताची न्ना

कु च य ट टा टाच् क

ओबाहासो ।हाइ . ॥११ ॥

प ऋ ऌ शा

॥प्रतीचीनेषञ्च काशीतम् ॥

वातआवातुभाइषजाम् ।शंभूमयो

तू ति क किञ्

भूनोहृदाइहाहाइ ।प्रानआयूं

का पा ऋ ऌ श

षितारिषादौहोबाहोइळा. ॥ १२ ॥

पु श पि ऋ ऌ शा

अष्टम खण्डः

॥सौमित्रञ्च ॥

यंरक्षन्तिप्रचेतसाः ।वारूणोमित्रो

षी ती षु

अर्यामा ।नाकाइस्सादा ।हिम्माइभ्या

टा त टी त टीद्

ताऔहोवा ।जानाः. ॥१ ॥

ख शि ख ऋ

॥श्यावाश्वेद्वे ॥

गव्योषुणोयथापुरा ।अश्वयो

षी ती कि

तरथायावारी वस्यामहोमाहोनाऔहोवा ।ऊपा ॥२ ॥

की का टु खा शि ख श

गव्योषुणोयथापुराए ।अश्वयोतरथा

षी ती त कि टि

या वारीवास्यामहोमाहोनाऔहोवा ।

कथ् टा टूट ख शि

ई ॥३ ॥

ख

॥शैखण्डिनञ्च ॥

इमास्तया ।न्द्रापृश्चयोधृतन्तूहाबु

ती की टि त

होहाहाइतयाशाइर म् ।एनामृ

टा त त टि ख णा खा

तास्यापोबाप्यूषाऽह ।हाइ . ॥४ ॥

ता क प ष्ट ष्टा श शा

॥वैतहव्यञ्च ॥

अयाधियाचगव्ययाए ।पुरूनामन्पू

षु ति त कि खा

रू ।ष्टूतौवा ।

ण का तत्

यत्सोमेसोमया ।यत्सोमे

तू टि

सोमयोबाभूवो ।हाइ ॥५ ॥

पि ष्ट ष्टा शा

॥भारद्वाजञ्च ॥

पावकानईया ।सारास्वाती ।वाजेभि

तू चा य ट चा

र्वा जीनाइवाती ।यज्ञांवा ष्टू

थाच् का या ट टिट् ख

औहोवा ।धियावासूः ॥६ ॥

शि ता ट ख

॥अरूणस्यचवैददश्वेस्साम ॥

कइम्मुहुवाहाइ ।ना हूषाइषूवा ।

तु त श तच् का या ट

आइन्द्रं सोमास्यातार्पायात् ।सनो

कि का यि ट टा

वसू नीयाभारात् ।सनोवसूनि

टाच् काय ट टा का

याभरा उवा ।आगह्येहीतइमे . ॥७ ॥

टा का ता षी टिख्

॥सौभरञ्च ॥

आयाहिसू ।षूमाहाइते षूमाहाइते ।

ती चाय टाच् काय टा

आइन्द्रा सोमं पिबा आइमां पिबा आइमां ।

चि था काय टाच् काय टा

एदम्बर्हाइस्सादोमामा ।ओइळा ॥८ ॥

कि कि टा खण् प प्ला

॥पाष्ठौहेच ॥

महाइत्राइणम् ।आवारस्तुद्युक्षार्मा

खी णा टा की ख

इत्रा ।स्यार्यम्नादुरा धार्षम् ।वा

णा ट टा का ख ण क

रोबाणास्यो ।हाइ ॥९ ॥

प प्ला शा

महित्रीणामवरस्तुए ।द्युक्षर्मित्रस्यार्यम्णा

षी ती त षी कि

दुराधार्षम् ।वारौहोवाहिम्माणा

टि त की टा

स्योयाओहोवा ।हाओवाओवा . ॥१० ॥

टाट् ख शि त टा टाख्

॥साकमश्वन्धुरांवासाम ॥

त्वावातोहाबुहोओइ ।पुरोवसो

कि किच श की

हाबुहोओइ ।वायमिन्द्रा हाबुहो

किच श की कि

ओइ ।प्रणेतऋहाबुहोओइ ।

च श की किच श

स्मसिस्थातऋहाबुहोओइ ।हारीणांहाबुहोओइळा ॥११ ॥

कु किच श कि किप शा

नवम खण्डः

॥यामञ्च ॥

उत्वामन्दन्तुसोहोमाः ।कृणौहो

तू त त कि

ष्वारौहोधोअद्रिवाः ।आवब्राह्मा ।

की चि कथ् टा त

द्विषाहोवाऔहोइजाहाऔहो

टा क थ ट य टाट्ख

वा ।एययूः . ॥१ ॥

शि त टाख्

॥आङ्गीरसञ्चइन्द्रस्यवा हरिश्रीर्निधनम् ॥

गिर्वणःपहिनस्सुतज्जिर्वणःपा ।हीनास्सुता म् ।माधो

षू तू टीच् का

धारा भीराहोवाज्यासेहाउवा ।इन्द्रत्वादा

का की टा ति टि त

तामाइद्याशाऔहोवा ।

टीट्ख शि

हारिश्रीः. ॥२ ॥

च टाख्

॥वैरूपञ्च ॥

सादा ।वइन्द्रश्चकृषाता ।उपोनुसा ।

ता खू श ती

सापर्यन्नदेवाः ।ऋताश्शूरा ।इन्द्राः ॥३ ॥

कु च णा फ ख श त्र

॥असीतञ्चसिन्धुसामवा ॥

आत्वाविशत्विन्दावाः ।सामुद्रमीवासिन्धावाः ।

तू त की की

सामुद्रमीवासिन्धावाः ।नत्वामिन्द्रा

की क टा त षी

तिरिच्यते ।नत्वामाइन्द्रातिरिच्याता इ ।ओइळा. ॥४ ॥

की का ट ता टि खण् श प शा

॥यमस्याकौद्वौ ॥

इन्द्रमित्गा ।थीनोबृहादिन्द्रमार्के ।भी

ती षी टि तच् क

रकीणाः ।इन्द्रंवाणी ।रानू षता

चि क टा त का

इळाभा ।ओइळा ॥५ ॥

टी खण् प प्ला

इन्द्रा मित्गाथिनोबृहात् ।इन्द्रामर्का

फा खी शा क

इभीरकीणाः ।आइन्द्रंवाणीर्हाहा ।

कु टि टु त त

आनू षताहोइळा ॥७ ॥

फा फ्लि शा

॥सौमित्रेद्वे ॥

इन्द्रइषे ददातुनाए ।ऋभुक्षाणामृभूं

षी ती त की खाणफ्ल

रायिम् ।वाजीददातू वोबाजाप्ला)

ट त च थ कि प

इनाम् ।हाइ ॥८॥

प्ला शा

इन्द्रइषेददातुनओहा ।ऋभुक्षणामृभुरा

षी तू त च टि खि

यीम् ।वाजीददातुवा ।वाजीददातुवो

ण तू क टि पा

वाजाइनाम् ।हाइ . ॥९॥

प्लु प्लि शा

॥इन्द्रस्याभयम् ॥

इन्द्रोअङ्गामाहात्मायाम् ।आभीषाद

ती टि त का चा

पाच्युच्यावात्सहाइस्थिराः ।वीचो

टि ख खा ति क प

वार्षाणाइ ।हाइ . ॥१०॥

प्लि श शा

॥त्वाष्ट्रीसामनीद्वे ॥

इमाउत्वा ।सूताइसूताइ नक्षन्ताइ

ती ता षी टि

गीर्वाणोगाइराः ।गावोवात्सा

खा प्लु ख णा भि तच्

न्नाधोबानावो ।हाइ ॥११॥

क प प्ला प्लु शा

इन्द्रानूपू ।षाणावायाम् ।साख्या

ती टि त का

यसूवस्तायाइ ।हुवे मावा जा

टी त श का टाच् क

सोबातायो ।हाइ . ॥१२ ॥

प ण् ण् शा

॥इन्द्राण्यास्सामा ॥

नक्येनाकी ।आइन्द्रत्वदुत्वरान्ना

ती च चू क

ज्यायोअस्ताइवृ ।हिंहिंन्नाहन् ।

था पा शा ट खा ण

नक्येवय्याथा ।हिंहिंतूवां ।हाइ . ॥१३ ॥

टा पा प श ख ण् शा

दशम खण्डः

॥श्यावाश्वञ्च ॥

तरणिंवाः ।जनानामम् ।त्रादंवाजाहा ।

ती टा त टी त

स्यागोमाताः ।समानामूप्रशांसिषाः

का ख ण टि त प्ली

होइळा ॥१ ॥

प्लु शा

॥वैरूपञ्च ॥

असृग्रमाइन्द्रातेगिराः ।प्रातीत्वामू

तू ति टा टा

दहासता ।साजोषावृषभां ।

का शा टा टा काच्

पातिमोइळा ॥२ ॥

पि प्ला

॥सौमित्रञ्च ॥

सुनीथोघासमार्कृत्याः ।यम्मरूतो

फी शा क टीच्

यम र्यामामित्राःपान्त्यद्रुहाउउवा

चा चा चि टि टिच्

हाउवा ।आतिद्वीषाः. ॥३ ॥

य टा थ टिख्

॥स्तौभञ्च ॥

औहोवाऔहोवाओहाइ ।यद्विळावी
 खु श प्ला श खी
 न्द्रायास्थीरा इ औहोवाऔहोवाओहा
 कि फा श खु श प्ला
 इ ।यत्पर्शानेपारा भृतं औहोवाऔहोवा
 श खु का फा खु श
 ओहाइ वसुस्पार्हान्तादाभारा ।
 प्ला श खी का फ
 औहोवाऔहोवाओहाइ ।होइळा ॥४ ॥
 खु श प्ला श प्ला शा

॥श्रौतञ्च ॥

श्रूताम्बोवृत्रहन्तमंप्रशद्धञ्चक्रषाणा
 ता पू कु टा
 इनान् ।आशाइषाइरा ।धसे मा
 ता का टा ता काचुक
 हाऔहोवा ।होइळा ॥५ ॥
 टा ख प्ला प्ला शा

॥आभीशवञ्च ॥

अरन्तइन्द्रश्रवसेए ।गमाइ माशूर
 पू तित चा श थ
 त्वावतोहोवाहाइ ।आरांशाक्राहोवाहाइ ।पारेमाणा इ ।ओइळा ॥६ ॥
 कि टा टा त श चाय ट टा त श टि खण्श प प्ला

॥ऐषञ्च ॥

धानावन्तङ्कुरा म्भिणम् । आपूपवन्तमू
 फा खी शा यू
 त्थीनाम् । इन्द्राप्राता ओहाइ ।
 प श खि शङ्ख ण श
 जुषोबास्वानो । हाइ ॥७॥
 ह्नि प्ला शा

॥इन्द्रस्यचक्षुरपवी ॥

अपाम्फेनेननमुचेः । शीरइ न्द्रोदवा
 षी ती चि टि
 कृतायाः । वाइश्वाया दाओहोवा ।
 ख ण टीट् ख शि
 जयास्पर्धाः ॥८॥
 ता ट ख

॥सौमित्रे ॥

इमेतया । न्द्रासोमोहोवाहोइ ।
 ती टि का च श
 सूतासोये । चासोतूवाः । तेषां
 क टि का ख ण ख प्ल
 हाहाइ । मात्स्वप्रभू ओबावासोहाइ ॥९॥
 त त श की प प्ल प्ला शा
 तुभ्यांहाबु । सूतासस्सोमास्तीर्णा
 ता त श पु
 बार्हीवीभा होइवासो । स्तोतृ
 टि त टा च्च य टा त पा

आभ्याइन्द्रमृ औहोवा ।डाया ॥१० ॥
श ट खि शि ख श

एकादश खण्डः

॥कौत्सञ्च ॥

आवइन्द्राम् । कृवीयथावाजयान्ताशशाता
 ती षी टि तच् चा
 क्रातुं । मंहिष्ठांसी । ज्ञायाउवा । दूभिः ॥१॥
 शा टि त टा ता खल्ल

॥ऐषञ्च ॥

अतश्चिदिन्द्रनउपाए । आयाहिशातावा
 षू ता त चा श
 जायाईषासहा । स्रावोबाजायो । हाइ ॥२॥
 टी ख खा ता क प ल्ल ला शा

॥उषसश्चसाम ॥

आबुन्दंवृ । त्राहाददाइजाताः । पाच्छद्विमा
 ती च कू क टि
 तारम् । काउग्राके । हाश्रुण्विराइळा
 ख ण टि त चा टी
 भा । ओइळा ॥३॥
 खण् प शा

॥बार्हदुक्थञ्च ॥

ब्रबदुक्थंहावामहाइ । सप्राकारास्ना
 तु ति श टा टा

मू तायाइ ।साधाःकार्णवा न्ता

का चा श टा टाच्च क

मोबावासो ।हाइ ॥४॥

प क्ल क्ला शा

॥वरुणसामच ॥

ऋजुनीतीनोवरूणइहा ।मित्रोनाया

षु तु चा चा

तीविद्वांसाइहा ।अर्यामादाइवाइहा ।

टि ति था टा ती

साजोषाउवा ।ई हा ॥५॥

टि ता ख श

॥उषसश्चैवसाम ॥

दूरा दीहेवयत्साताः ।आरूणाप्सूराशि

का प शु चा च

श्वाइतात् ।वीभानूंवी ।श्वाथा

टी ता टि त चा

तनादिळाभा ।ओइळा ॥६॥

टी खण् प क्ला

॥मित्रावरुणयोश्चसंयोजनम् ॥

आनोमित्रावरुणाओहोवा ।घृतै

कू था टा ता

गव्यूतिमुक्षातामौहोवा ।माध्वाराजां

कु था टा था टा

सीसुऔहोवा ।कृतू इळाभा ।ओइळा ॥७॥

क था टा का टा खण् प प्ला

॥ऋतुसामच ॥

उदुत्येसूनावोगिराः ।काष्ठा यज्ञा

तु ति थाच् का

इषुवात्नाता ।वाश्राआभी ।जू

टि ख ण क टा त प

यातावो ।हाइ ॥८॥

श ख प्ल शा

॥विष्णोश्चसाम ॥

इदामे ।विष्णूर्विचाक्रामाइ ।त्राइ

ति टा खि ण श

धानिद धाइपादाम् ।समूहो

चि काच याट टाय

ढामा ।स्यापाऔहोवा ।एंसूले ॥९॥

ट त ट ख शि त ताच्

द्वादश खण्डः

॥कौत्सञ्च ॥

अतीहिमा ।न्यूषावाइणां ।सूषूवां
 ती टा टि चि
 साहोउपै राया ।आस्यरा ताबु
 टचक या टा कि
 सूताऔहोवा ।पीबा ॥१॥
 टिख शि ख श

॥काश्यपञ्चआप्सुरसंवा ॥

कदूप्राचेतासे ।महाइवाचो
 चिक फ ता पा श
 देवाहाबुवचोदेवा ।याशस्याताइतदाइधिया
 श्रु टि ख खि ति
 स्यावोवार्धानां ।हाइ ॥२॥
 क प प्ल प्ला शा

॥बार्हदुक्थेद्वे ॥

उक्थञ्चनोहाइ ।शस्यमानान्नागोरा इराचिके ता ।नागायात्रांगीयामा
 ती त श षी टिच् चा खाश टि त क टा
 नाऔहोवा ।ऊपा ॥३॥
 ख शि ख श
 इन्द्रउक्थाइ ।भ्यर्मन्दाइष्ठोवाजाना
 ती शु क टी खि
 आ ।वाजपातिर्हराईवान्सू ।
 ण च चा टि खाण

तानां साखाऔहोबा ।होइळा ॥४ ॥

काच् क टा ख ण् ण् शा

॥और्ध्वसन्ननेद्वे प्रहितोर्वा संयोजने ॥

ब्राह्मणादी ।न्द्ररा धसाःपिबासोमामृतं

ती का की टा का

रनू ।तावे दूसाख्यामा ।स्तार्त्ताहाइ ॥५ ॥

चा का टा प श ख ण् शा

वयङ्गाते अपीस्मसाइ ।स्तो

फी शा का श क

तारइन्द्रगिर्वणाउवउवाहोइ ।तूवान्नो

षृ टी च श च य

जीउवउवाहो न्वासोमा पाऔहोवा ।एऊपा ॥६ ॥

टा टी कथ् श टाट् ख शि त टाख्

॥कौत्सानिचत्वारि ॥

आयाही ।ऊपानास्सूतं होवाहाइ

ति च चा शा टा त श

वाजेभिमाहणीयथाहोवाहाइ माहं ईवायुवाहोवाहाइ

कि कि ता टा त श चा टी टा त श

जानाऔहोवा ।उऊपा ॥७ ॥

टट् ख शि खा श

ओहोइ ।कादावसोस्तोत्रां

टच् च श का फा टा

हर्यताया ।ओहोइ ।यावाश्माशारूधादू वाः ।ओहोइ ।

खि श टच् च श का फा खि ण टच् च श

दीर्घ सूतं वातापीयाया ।ई ॥८ ॥

का फा पा खात्र ख

कादा औहोवावासोस्तोत्रां हर्यताया ।

खा क था टी खि श

अवा औहोवाश्मशारूधादू वाः ।

खा क था का खि ण

दीर्घा औहोवासूतां । वातापीयाया ॥९॥

खा क था टा खा खा त्र

औहोवाइ कादावासोस्तोत्रां

च शि कि फ टा

हर्याताया औहोवाइ यावाश्मशारूधा

खि श च शि का फा

दू वाः औहोवाइ । दीर्घ सूतं वातापीयाया । ए ॥१०॥

खि ण च शि का फा पा खा त्र तच्

॥ अभिवादस्य च औदलस्य साम ॥

एन्द्रपृक्षुकासुचीदे । नृम्णातनू

षी ति त चा काच्

षूधाहाइनाः । सात्राजिदू

काय टा च श चा

ग्रापापुंसियाउवा । ऊपा ॥११॥

टा कि ता ख श

॥ सोमसाम च ॥

अयमेनं सचतां हाबु । ओइसूतोमन्दिमिन्द्रायमान्दाइनाइ । चक्रांवा इश्वा औहोवा । नीचाक्राये ॥१२॥

षी ति त श टि त कि टि ख णा श टीट् खा शि टि ख

बृहतिपाठः

प्रथम खण्डः

॥इन्द्रस्यार्कोद्वौ ॥

अभित्वाशू ।रानोनूमाओनूमाः ।
 ती टि त टा त

आदुग्धाइवाधाइनावाओइनावाः ।
 कि चा टि ख टि त

आइशा नमस्यजगतास्सूवाद्रशामोद
 किच्चू चा का टा

शाम् ।आइशाकि)नमिन्द्रातस्थूषाः ।ओस्थूषाओहोवा ।स्थूषास्थूषाः ॥१ ॥
 त का चि क टाट्ख शि ता टाख्

आभित्वाशू रानोनूमाः ।आदुग्धाइवाधा
 खी प्ली चि काट

ईनावाः ।आइशानमस्यजगतास्सुवा
 टा त कि चू टा

द्रशाम् ।ईशानामी ।द्रातास्थुषा
 खण क टा त चा

इळाभा ।ओइळा ॥२ ॥
 टी खण् प प्ला

॥भारद्वाजेद्वे ॥

त्वामिद्धी ।हवामाहाआओहोवाहाउवा ।ऊपा ।सातौवाजस्याकारा
 ति टा चाच क शु ख श चिक टा

वाआओहोवाहाउवाऊपा ।त्वांन्रत्राइ
 टा च क शु ख श

षूइन्द्रासात्पातीमाओ
 टुथ ट ट काच क

होवाहाउवाऊपा ।णरस्त्वाङ्का
 शु ख श कि कथ्

ष्ठासुवार्वाताआऔहोवाहाउवा ।उऊपा ॥३॥

टि काच क शु स्वाश

त्वामिद्धिहवामहेसातौवाजोवा ।स्याका

षू तु त च य

रावाः ।त्वांन्रत्राइषूइन्द्रासात त्पातीन्नाराः

टा षु कीच य टा

तूवाङ्गाष्ठा ।सूवर्वाताः ।ओइळा ॥४॥

टि त टि खण प प्ला

॥सन्नतेद्वे ॥

अभिप्रवाः ।सूराधासाम् ।इन्द्रमर्चयाथावि

ती टि त यू

दाइयोजारितृभ्योमघवापूरोवासूः ।

पा खि ता यू टा

साहस्राइणाऔहोवा ।वाशीक्षाती ॥५॥

टिट् स्वा शि टि ख

आभाइप्रवास्सुराधासम् ।इन्द्रमर्चाया

टु खि ण टुट्

थाऔहोवावीदे ।योजरितृभ्योमाघ

ख शि ख श कुच्

वापुरोवासूः ।सहाश्रेणेवाशाइ

टि ता टाख् ताक का

क्षाताऔहोवा ।सुभूतये ॥६॥

टिट् ख शि का टाख्

॥शैतन्त्रतीयम् ॥

अभिप्रवस्सुराधसाऔहोवा ।आइन्द्रा

फू खा ण फ प्ला

मार्चायाथाविदाओहाइ ।योज

टी चि टा ख ण श च

रीतृभ्योमाघावापुरोवासूः ।

का चा पा श टा ख ण

साहस्रेणाइवाशा ।हिम्माइक्षाताऔहोवा ।वासू ॥७॥

फि त पा श टीट् ख शि ख श

॥नाविकञ्च ॥

तंवएदास्माम् ।ऋतीषाहांहोवाओऔ

तु का चा का का

होइहावासोर्मन्दा नमन्धसाओऔ

त ता कीच् की का

होइहाआभीवत्सन्नस्वासरे षुधे नवा ।

त ता की टी चा टा

ओऔहोइहा ।इन्द्रं ओऔहोइहा ।गीर्भाइर्ननाओहोवा ।वामाहे ॥८॥

का त ता का का त ता खी शि टा ख

॥प्रजापतेश्चाभीवर्तः ॥

तंवोदास्मामृतीषाहोवा ।

णा फ ख णि डा

वासोर्मन्दा नामान्धासा ।आभीवत्सा

कीच् क्य य ट की

ओनास्वासरे ।षूधाइनावाः ।

प फ फाड् चा या ट

इन्द्रा ज्ञाइर्भिर्नवामा ।हाइ ॥९॥

का य टा ता खणफड् ख श

॥भागञ्च ॥

तंवोदस्ममृतीषहाउवोवा ।वासोर्मन्दान
 फू खी श की
 मन्धासा ।आभीवत्सन्नस्वसराइषूधाइना
 चा का षू यु प
 वाः ।ओवाइ न्द्रङ्गाइर्भी चवामाहाइ ।भगाया ॥१० ॥
 श कि टा ताच् ता प त्र श ता टख्

॥इन्द्रस्याभीवर्तः ॥

तंवोदस्मामृतीषहांवासोर्मन्दानमन्धासा ।
 फू ता प छु ड श
 आभीवत्सन्नास्वासारे षूधाइनावाः ।
 षी कीच् का पा श
 इन्द्रङ्गीर्भाइर्नावा ।हिंहिंहिंहिं ।
 यी पा श ट त ट ख
 नवानवोवामामो ।हाइ ॥११ ॥
 प्ली प्ला शा

॥नौधसम् ॥

तांवोदस्मामृतीषाहाम् ।वासोर्मन्दानाम
 प छु ड श टी ट
 न्धासा ।आभीवत्सन्नस्वसराइषूधे
 पा श ट त षू या क
 नावाः ।आइन्दूरा ।गाइर्भिर्नावोओबा ।माहे ॥ १२ ॥
 ख ण ट ता की प प्ला ख श

॥लौशेद्वे ॥

ताराःभाइर्वोविदाआउवाटि)द्वासुम्

ता च का ता ख श

इन्द्रां साबाधऊतयेबृहात्बृहा

टाच् च कि टा चा ता

आउवा ।गायन्तास्सूतासोमेआध्वा

टा चा क कि चा

रे ।हुवेभारा ।न्नाकारिणामिळा

चा टि त चा टी

भा ।ओइळा ॥१३ ॥

खण् प प्ला

ताराः ।भाइर्वोविदाआउवा ।द्वा

ता च शा ता टि ख

सुम् ।इन्द्रा साबाधऊका)तये बृहा

श टाच् चा टाच् चा

त्गाया ।न्तस्सूतासोमेआध्वराइ ।हुवे

य ट टी त चिश

भारान्नाकारिणामिळाभा ।ओइळा ॥१४ ॥

टि त चा टी खण् प प्ला

॥धानाकेद्वे ॥

तरोभिर्वोविदद्वासुम् ।इन्द्रामिन्द्रं

षी ति त ता चा

सबा धाऊतायाइ ।बृहा

काच् क च य ट श ता

त्वृहत्गायन्तस्सूतसो मायाध्वाराइ ।

तू काच् च य टा श

हूवाइ ।हूवेभरन्नाकारिणामिळाभा ओइळा ॥१५ ॥

चा श चू टी खण प प्ला

तरोभिर्वोविदाओद्वासूम् । इन्द्रंसबाधऊ

षी तु ची टा

तायाइ । बृहात्बृहाआउवा ।

ख ण श चा ता टि

गायन्तास्सूतासोमेआध्वारे हूवे

चि चि चा चा का

होइभारान्नाकारिणामिळाभा । ओइळा ॥१६॥

टि त चा टी खण् प प्ला

॥ कालेयानित्रीणि ॥

तरोभिर्वोविदाद्वसूम् । इन्द्रंसबाधाऊ

टा खी शा ची ट

तायाओवा ओवा । बृहत्गायन्तः

चा क ख शष् ख ण षु

सूतसोमायाध्वाराओवा ओ

कि च य टा ख शष् ख

वाहूवाइभरन्नाकाराइणम् । ओवा । ओइळा ॥१७॥

ण चू क ख णा ख शष् ख शा

तारोभिर्वोविदाद्वसूम् । इन्द्रं सबा

टी खा शा चा काच्

धाऊताया । औहोवा औहोवा

काय ट ट त टा त त

बृहत्गायन्तस्सूतसोमायाध्वारा औहो

षु चि क य टा ट त

वा औहोवा । हूवाइभारा औ

टा त त चा या ट ट

होवा औहोवा । नाकारिणामिळाभा । ओइळा ॥१८॥

त टा त त चा टी खण् प शा

तरोभाइर्वोवीद्वसूम् । इन्द्रंसबा

खु प्ली क चि

धऊ तायाइबृहात्गायान्तासूतासोमेआध्वाराइ ।हूवा
 काच् क प णि ता प णि फा त त श चा
 इभरौवाओवा ।नकारिणां ।होइळा ॥१९॥
 कि ख ख ण णी प्ल शा

॥ऐषिरेद्वे ॥

तरणिरीत् ।सिषासाती ।वाजांपुरा
 ती खि ण क च चा
 न्धियायुजा ।आवाइ न्द्रम् ।पुरूहू
 ता टा टा ख ण
 तान्नमे गाइराः ।नाइमिन्ताष्टे ।वासुद्रूवा म् ॥२०॥
 ची का टि टि ख ण क टिख्
 ताराहाबु ।णीरित्सीषासतीहायाइहा
 ता त श ची कु
 याइ ।वाजंपुर न्धीयायुजौ ।
 ति श चा काच् चा य ट
 होवाहाइ ।आवइन्द्रंपरुहूतन्नामाइ
 ता त श कू था का
 गाइरौहोवाहाइ ।नेमिन्ताष्टे वा
 या टा ता त श चा काच्
 साओहोवाहाओहोवा ।द्रूवम् ॥२१॥
 चा क खि शि ख श

॥गौश्रुङ्गेद्वे ॥

तरणिरित्सीषासतीवाजम्पुरन्ध्यायूजा ।
 फू ता प णी ड श
 वाजंपुर न्ध्यायूजावाइन्द्रां पुरुहूतन्नमे गाइराः ।नेमाइन्ताष्टेवसूद्रू वामिळा
 षी टी खा फूडू त ता क टि त चि टि

भा ।ओइळा ॥२२ ॥

खण् प प्ला

तरणिरित्सीषासतीवाजंपुरन्ध्यायूजा ।

फू ता प प्ली ड श

वाजंपुरन्ध्यायूजावइन्द्रपुरुहूतन्नमाइगाइराहोवाउउवोइ इ ।नेमिन्तष्टेवसाउवाओबा

बै टे कु त ची श चू का प प्ला

द्रूवां ।हाइ ॥२३ ॥

प्ला शा

॥प्रष्ठमेकम् ॥

पिबा सुतस्यरसिनाः ।मत्स्वानइन्द्रगोमता ।

ताच् चू षि दु

होइया ।आपिन्नोबोधिसधमाद्येवृधा

क चा क षी कि टि

होइया ।अस्मंआवा ।न्तूताइधा याः ।ओइळा ॥२४ ॥

क चा टि त टीद् खण् प प्ला

॥शुक्लएकम् ॥

पिबासुतस्यरसिनोहाबु ।मत्स्वानइ

तु त श ची

न्द्रागोमातोहाउवोवा ।आपिन्नोबो

टि खी श क कि

धीसाधमाद्येवार्धेहाउवोवा ।अस्मंआव

की टा खी श ची

न्तूतेधायोहाउवोवा ।ई ॥२५ ॥

टि खी श ख

॥जमदग्नेरभिवर्तएकम् ॥

पिबासुतस्यरसिनोमत्स्वाहाबु ।नाइन्द्रा

षी तू त श टा

गोमतोहाबु ।आपिन्नोबो धी

टि त श क किच्च क

सधमाद्येवृधाहाइ ।अस्मंअवाहान्तु

टि टि त श चा चा

तेहोयाओहोवा ।धियऊ ॥२६ ॥

टिट ख शि खि

॥कौन्मुलबर्हिषेद्वे ॥

तूवां हाएहिचेरवाइ ।वीदाभागंवसूक्ताया

णाफ् ख शू टू पा

उद्गावृषस्वमाघवान् ।ऐहाइगाविष्टयाइ ।

शृ क टि चि श

ऊदिन्द्रोअश्वमाउवाओवाष्टायो ।हाइ ॥२७ ॥

षि कु प छि शा

त्वंह्येहीचेरावाइ ।वीदाभागंवसूक्ताया

तु त श यू पा

उद्गावृषस्वमाघवान् ।आइहीओइ गविष्टयाइ

शृ च चि श टी श

याइ ।ऊदिन्द्रोआश्वमीओंओंओवाष्टायो ।हाइ ॥२८ ॥

टि चित च ख प्ल प्ला शा

॥वसिष्ठस्यजनित्रेद्वे ॥

नहिवाश्चरामन्चाना ।हुवेहोवाइ ।

ची प्ली टा का श

वसिष्ठः पराङ्मांसाताइ । अस्माकामद्यामरू

षि यी टा श षु

तास्सूताइसाचा । वाइश्वेहोइपिबा

टि खि ण कि की

हो न्तूकामा इना औहोवा । जनित्रा म् ॥२९॥

कथ् टिट् खा शि त टाख्

नहिवाश्चरामञ्चनावसिष्ठाः । होइहोइ पराङ्

फू खा कि षी

मांसाताइ । आस्माकामाद्यामारूतासुताइसाचा । वाइश्वेपीब न्तू

यी पा श फा फा फा फा खि ण कि टाक्क

कौहोमाइना औहोवा । जनित्रा म् ॥३०॥

ट त टट् खा शि त टाख्

॥मैधातिथम् ॥

माचिदन्यदोहाइ । विशांसाता ।

तु त श खि ण

साखायो होइमा औहो । राइषाउवा

टिच्च य पि श कि का

ण्याताउवा । इन्द्रमित्ततोतावृषणा औहो ।

का का षु पी श

साचाउवासूताउवामुहूरुत्था औहो ।

का का का का पु श

चाशा औहोवा होबांसातो । हाइ ॥३१॥

कि का ख ण्ण शा

द्वितीय खण्डः

॥वैखानसम् ॥

नकिष्टाङ्गार्म्माणानाशात् ।यश्चकारा सदा वृधांसदावृधाम् ।इन्द्रा
 खी प्ली खी काच् क प प्ला ता क च
 न्नयाज्ञैर्विश्वागू र्तामृ भ्वासान्तामृ भ्वासाम् ।
 चा की का पा फा ता
 आधारिष्टन्धाष्णुमो जासाष्णुमोजसा ।ओइळा ॥१ ॥
 चु काच् पा प्ला खण् प प्ला

॥प्राकर्षम् ॥

नकिष्टङ्गार्म्माणानशद्धोइ ।यश्चकारा सादावृ
 षू ति श खी
 धाम् ।आइन्द्रान्नायाज्ञैर्विश्वागू र्तामाभ्वासाम् ।
 प्ली टि टा यू टा
 आधृ होष्टान्ध्र हाओवा ।ष्णुमो ।जासा ॥२ ॥
 टाच् खि शि ता ट ख

॥सात्यम् ॥

याक्ताइचीदाभीश्रीषाः ।पुराजात्रू
 खु प्ली टा टा
 भ्याआतृदाहोवाहाइ ।सन्धातासा
 ची टा त श टा टा
 न्धाइमाघवापुरोवासुहोवाहाइ ।नाइष्काटि
 टु चि टि त श
 र्तावीहुतम्पूनाहोहाओहोवा ।ऊपा ॥३ ॥
 टा कि टा ख शि ख श

॥भारद्वाजानिचत्वारि कण्वब्रह्मद्वितीयम् ॥

आत्वासहा ।सामाशाताम् ।युक्तारथे
 ती चा य ट चा काच्
 हिरण्यये ब्रह्मायूजो ।हारयइ न्द्राका
 ची का य ट किच क्य
 इशाइनाः ।वाहान्तूसो ।मापा
 या टा काय ट ट ख
 औहोवा ।ताये ॥४ ॥
 शि ख श

औहोआत्वासाहाए ।सामाशातांहाहाइ ।
 षा ती त चा य प प्ल ड श
 युक्तारथे हिरण्यये ब्रह्मायूजो
 का का कीच् का य प
 हाहाइ हारयइ न्द्राकाइशाइनाः
 प्ल ड श कीच् का या प
 हाहाइ ।वाहान्तूसोहाहाइ ।
 प्ल ड श चाय प प्ल ड श
 मापीतायाउहुवाहाबु ।बा ॥५ ॥
 का प प्लीप्ल श श

आत्वासहस्रमाशतमा ।युक्तारथेहिरण्ययेब्रह्म
 षू ति
 यूजोहरयइ न्द्राकेहाशाइनाहाउवा ।वाह
 षो ची टि टि ति
 न्तुसोमपौहोहिम्मा ।तयाओबा ।ऊ ॥६ ॥
 ची कात टा ता प प्ल ख

आत्वासहस्रमाशतामात्वासाहा ।सामाशतमा
 फ खा शी टु

इहियोहाइ ।युक्तारथे हिरण्यये ब्रह्मायूजो ।आइहियोहाइ ।हारय
 खिण श चा का कीच् का य ट ट खिण श
 इ न्द्राकाइशाइनाआइहियोहा
 कीच् का या टा ट खिण

इ ।वाहान्तूसोआइहियोहाइ ।मापीताया इ ।ओइळा ॥७॥

श चाय ट ट खिण श टि खण् श प प्ला

॥वाम्राणित्रीणि ॥

आमन्द्रैराइन्द्रहरिभाइः ।याहीमयू रारोमाभाइ र्मात्वाकाइचीत् ।नीयेमू र्वी ।नापाशिनोतीधन्वे वातंआइ

ती तु श क किच् क क पा श कि शा खि श क चि टिच् क ट ट

हाऔहोवा ।वायाः ॥८॥

खा शि ख प्ला

आमन्द्रैरिन्द्रहरीभाइः ।याहीमयू रारोमभाइ र्मात्वाकाइचीत् ।नीये मुर्वी

तू ता श क चि क षि टी ता का का

न्नापाशाइनाः ।आताइधान्वे ।वातंआइहाऔहोवा ।वयोभीः ॥९॥

क टा ता टी तच् क ट ट खा शि ता ख

आमन्द्रैरिन्द्रहरीभीः ।याहिमयू रा

तू ता क चि क

रोमभीराउवा ।मात्वाकेचिन्नियेमुर्विन्नापाशिनोउवा ।आतीधन्वेवतंआउवा ।ई हि ॥१०॥

शू टाच् क कु टू टा चा ता टि ख श

॥गौङ्गवम् ॥

त्वमाङ्गाप्राशंसीषाः ।दाइवाश्शविष्टमार्कृतायम् ।नत्वादन्योमाघव न्नास्तिमार्धाइता ।आइन्द्रा बृवाऔहो ।मीतो

खि प्ली चि खु ण ची चिट खि णा खि श पा श क प

बावाच्यो ।हाइ ॥११॥

प्ला प्ला शा

॥साध्राणि त्रीणि ॥

त्वमिन्द्रा ।याशायसीऋजीषीशवा

ति ची का चि

सस्पताइ । त्वं वृत्राणीहं स्या । प्रातीनाये

चि श ती ता कीच्

काईत्पूरूरानू । होक्ताश्चार्षाणा

कि भ टा टि टट् ख

औहोवा । धार्कृतिः ॥१२॥

शि ख ण्

त्वमाइन्द्रा याशायसाइ । ऋजाइषीशावासा । स्पातिः । त्वं वृत्राणी

खी णी श क कि ट खाणफण् ख श क कि

हं स्याप्रातिन्येकाई त् । पुरूरानाउवोवा । क्ताश्चाउवोवार्षणाइधृतिः । होइळा ॥१३॥

चा चा श चा भी खा श टा खा श ण् ण् शा

हाबुत्वमिन्द्रा । याशायसीहाबु ऋजीषीशा

तु खि शि खि श

वासस्पातीर्हाबु । त्वं वृत्राणीहं स्याहाबुप्रातीनाये । काईत्पूरूर्हाबु

खि शि क का भी श खि ण पि ण् ङ श

आनुक्ताश्चार्हाबु । षाणाऔहोवा । धार्कृतिः ॥१४॥

पि ण् ङ श ट ख शि ख ण्

॥ विरूपस्य समिचीन प्राचीनेद्वे ॥

हाबुत्वमिन्द्रायाशायसीहोइहोइहोये

तु चा का पू

हाबुहाबुहाबु । ऋजीषीशवासस्पाति

शू का चि चि

होइहोइहोयेहाबुहाबुहाबु । त्वं वृत्राणि

पू शू की

हं स्याप्रातीन्येकाई त्पूरूर्होइहोइ

चा चा श चा का

होयेहाबुहाबुहाबु । आनुक्तश्चर्षाणिधृतीर्होइहोइहोयेहाबुहाबुहाउवा । स्वर्महाः ॥१५॥

पू शू कू चक पू ण् शा क टाख

होत्वमिन्द्रा । याशायसीहोयेहो ।

ती चा का टाख

ऋजीषीशवासस्पातिर्होयेहो । त्वं

का चि चा ट टाख

वृत्राणीहंस्याप्रातीन्येकाई त् । पुरुर्होयेहोआनुक्तश्चर्षाणिधृतीर्होयेहोहाउवा । स्वर्मयाः ॥१६॥

की चा चि चा का टाख षि टु टाख ति क टाख

॥यौक्तास्रजमिन्द्रस्येन्द्रियंवा ॥

इन्द्रमिद्देवता । तायाइन्द्रप्रायातीयध्वाराइ ।

तू कू टि त श

आइन्द्रासमीकेवानीनोहावामाहाइ । आइन्द्राधानास्यसोबा । ताये ॥१७॥

टि का ची टि त श टि पी प्ल ख श

॥आत्राणित्रीणि ॥

इमाउत्तवापुरोवसोगिरणगिराः । वार्धन्तुया

षू तु ता की

ममा । पावकवर्णाश्शुचयोवीपा । हिंहिंश्चाइताः । आभिस्तोमै रनू हूवाएहोवा । षाताऔहोबा । होइळा ॥१८॥

टा तु पी श ट खा णा की टाच् काक टा क टा ख प्ल प्ल शा

इमाउत्तवापुरोवसोहाबु । गीरोवर्ध

षी तु श चा का

न्तुयाममा । इहाहाहोइहोवा । पावाकवर्णाश्शुचयोवीपश्चीतो ।

च य टा ता त च खा श थ की कि ची

आभिस्तोमै रिहाहाहोइहोवा । आनू

की ता त च खा श

षा ताऔहोवा । ऊपा ॥१९॥

टिट्ख शि ख श

इमाउत्तवापुरोवसाबुगाइरोवर्धन्तुयामामा । पावाकवर्णाश्शुचयो वीपश्चिताऔ

फू ता पा फू ड श थ की टिच् भू

हो । आऔहो । आभिस्तोमै रनू हूवा

त टा त ची टाच् का

एहोवा ।षाताऔहोबा ।होइळा ॥२० ॥

ट का टि ख ळ ळ शा

॥वासिष्ठानित्रीणि ॥

उदुत्येमा ।धूमक्तमागाइरास्तोमा ।साईरताए ।सात्राजाइतो ।धानासा

ती क टि खी ण क भी खि शा खि

या ।क्षीतोतयोवाजायान्ताः ।रथा

ण क टि खि ण

आइवा ॥२१ ॥

खि त्रा

उदुत्येमाधुमाक्तमाः ।गीरस्तोमासयाईरा

फी की टू टा

ताइ ।सत्राजितोधनासायाक्षितोतायो ।

शा टू की टा

वाजयन्तोरथाआउवा ।ई वा ॥२२ ॥

तू ति ख श

हाउदुत्येमधूमाक्तमोहाइ ।गाइरस्तोमा

त फू खा शा च टी

सया इ ।राते ।सत्राजितोधना

खाणफडू श ख श कू

सायाक्षितोताया ।हावाजयन्तोरथाइवोहा

की खा त फू खा

इ ।वाजयन्तोरथा ई वाऔहो

शा की ताचू क टा ख

बा ।होइळा ॥२३ ॥

ऴ ऴ शा

॥वत्सस्यकाण्वस्य सामनीद्वे गौतमस्यवामनार्ये ॥

Thisisthecurrentswaraposition ।

याथागौरोअपाकृताम् ।तृष्यन्येतीयावेराइणाम्

पि शु की टि ता

आपित्वेनप्रपित्वेतु यामागाही ।कण्वे

क षि ची टि त टाच्

षूसूसाचाऔहोवा ।पीबा ॥२४ ॥

क टाट् ख शि ख श

ओवायोवायाथा ।गौरोआ

खि शि था च

पाकृतामोहाहाइ ।तृष्यन्नेती

का खा ण्ण त श ची

यावाइरि णामोहाहायापी

चा शा खा ण्ण खा ण

त्वेनप्रपित्वेतूयामागहिओहाहाइ ।

चू क च शा ख ण्ण त श

कण्वे षूसूसाचाऔहोवा ।पिबा

टाच् 2 क टाट् ख शि ता

ई ॥२५ ॥

टख्

तृतीय खण्डः

॥हारायणानि त्रीणि ॥

शग्ध्यूषू ।शाचाइपाता ।ईन्द्रा ।

ति चीक ख श

विश्वा भीरूतीभाइर्भागम् ।नहित्वायाशा

थाच् की खाश ची

संवासूवाइद म् ।आनूशू रा

चा काख शा टिट्ख

औहोवा ।चरामसी ॥१ ॥

शि टा खा

शग्ध्यूषौहोशचीपताइ

फी कीश

आइन्द्रंविश्वाभीरूतीभीर्भगान्नाही ।त्वायाशासं

षू टू त चा का

वासूहाइवाइदाम् ।आनूशूरचराउवाका)ओबामासो ।हाइ ॥२ ॥

टात टी षू प प्लु प्ला शा

शग्ध्यूषुशाचीपताइशग्ध्युषू ।शाचाइपाता

फु खा शी टु

इहिमाहाइ ।आइन्द्रंविश्वा भीरूतीभीराइहिमाहाइ ।भागन्नहीत्वायाशासं

खिण श कुच का टि खिण श पी कीच्

वासूवीदामाइहिमाहाइ ।आनूशू

का टि खिण श चाय

राइहिमाहाइ ।चारामासा इ ।ओइळा ॥३ ॥

ट खिण श टि खण् श प शा

॥वाम्राणित्रीणि ॥

यायाहोइ न्द्रा ।भूच)जाआभारा ।

ता खा श का य ट

सुवाहर्वयासूरा इभायाः ।स्तोता

ता चि का या ट टा

हा रामिन्मघवन्नस्यावार्धाया ।याइचा

तच्च क चू य टा टि

हाइ ।त्वेवृ क्ताबर्हाइषाः ।ओइळा ॥४ ॥

त श चा टि खाण प शा

याइन्द्रभुजाआभाराः ।स्वर्व आसूरे

टू त त थाच् ट टा

भाया ।हाहोहाइस्तोता रामाइन्माघव न्नास्यवार्धायाहाहोहा

ख श खाण श थाच् ची का टि ख श खाण

इयेचत्वाइवृ हाहोहाइ ।

शक का ता खाण श

क्ताबर्हाइषाः ।ओइळा ॥५ ॥

टि खाण् प शा

याइन्द्रभुजआभरउहुवाहाइ ।स्वर्व आ

षु तू त श थाच् ट

सुरे भ्याउहुवाहाइस्तो

टाच टि त शक

तारमिन्मघवन्नस्यवार्धाया उहुवाहाइयेचत्वाइवृ उहुवाहाइ ।क्ताबर्हाइषाः ।ओइळा ॥६ ॥

षू यि टाच् टि त शच टा ताच् टि त श च टा खाण् प शा

॥वरुणसामानित्रीणि ॥

प्रमित्रायप्राहाबु ।आर्यम्नाइसचा

तु त श ट चा टि

हो धियौहुवार्तावसाबु ।वरौहो

कथ् टा टि चा श टाकथ्

धीयौहूवाइ वरूणेछान्दीयंवचाः ।स्तोत्रां

टा षि कु चि टा

होइराजौहूवासूगायाताआउवा ।ऊपा ॥७ ॥

टिट कि टि टि ख श

प्रमित्रायप्रौहोवा ।अर्यम्णाबुहो औहोवा

तू त कुच क का

साचाथ्यमृ तावासाबुहो औहोवावारूथ्येवरूणेछन्दीयंवाचाबुहो औहोवा

की चा किच क का चू क कि किच क का

स्तोत्रंरा जाबुहो औहोवा ।सूगायाताबु

क का किच क का

हो औहोवाः ।ओइळा ॥८ ॥

किच क पाण् प शा

प्रमित्रायप्रार्यम्नोवाओवासाचाथ्यमृ तावासाबु ।वारूथाया ।इवरूणे

षी ति ता त चा चा या ट श ट त ट त कीच

छन्दायांहाइवचोआ ।स्तोत्रंरा

क टा त टि त क का

जसुगायतस्तोत्राम् ।राजसूगौहोओबायातो ।हाइ ॥९ ॥

चि टि त कच कट त प प्ल शा

॥वषट्कारनिधनञ्च साकमश्वम् ॥

अभित्वापूर्वपीतयेआभीत्वापू र्वापीतयाइ ।

पु फु खा प्ली श

इन्द्रास्तोमै भिरायवोभीरायावाओमोवा ।समीचीनासात्रुभावासमास्वरान्सामास्वारानोमोवा ।रुद्रागृण न्तापू र्वाया न्तापू र्वायामो

थीच का चा काय ट कि षी ची का टा चाय ट कि चा काच् का टाच् चाय ट

मोवाऔहोवा ।ऊपा ॥१० ॥

का ख शि ख श

॥बृहतश्चमारूतस्यसाम ॥

प्रवइन्द्रायब्रहतेप्रवाः ।इन्द्रा ।याबृ हाते

पु तु थाच् चाय ट

ओमोवा ।मरूतोब्र ह्याआर्चाताओमो

कि ची काय ट

वा ।वृत्रंहानातीवृत्र हाओमोवा ।

कि टी चिट कि

शाताक्रातु वर्ज्जे ।णशाहाहा ।तपार्वणा ।होइळा ॥११ ॥

कीख ण ता त त प्ली प्ल शा

॥संश्रवसे वीश्रवसे सत्यश्रवसे श्रवस इतिवार्यानां सामानिचत्वारि सांशानानिवा ॥

सन्त्वाहिन्व न्तीधाइताइभीस्ताइभीः ।बृहादिन्द्रा

चा थाच् का या टा टी का थाच्

यागायातायाता ।मरूतोवृ त्राहान्तामा

काय ट टा ची काय ट

न्तामाम् ।येनज्योतिरजनय नृतावार्धा

टा चि कुच् काय ट

वार्धाः ।देव न्देवा याजागृवीङ्गवीम् ।सन्त्वाहिन्वन्तीधाइताइभीस्ताइभाओहोवा ।

टा का थाच् काय ट टा चा था टी टि खा शि

संश्रवसे ॥ १२ ॥

च खि

सन्त्वारिण न्तीधाइताइभीस्ताइभीः ।बृहादिन्द्रा यागायातायाता ।मरूतोवृ त्राहान्तामान्तामाम् ।येनज्योतिरजनय नृतावार्धावार्धाः ।देव न्देवा याजागृवीङ्गवीम् ।स

कीच् का या टा टी का थाच् काय ट टा ची काय ट टा चि कुच् काय ट टा का थाच् काय ट टा

वीश्रवसे ॥१३ ॥

च खि

सन्त्वाताताक्षुर्धाइताइभीस्ताइभिः ।बृहादिन्द्रा

का चा का या टा टि का थाच्

यागायातायाता ।मरूतोवृ त्राहान्तामा

काय ट टा ची काय ट

न्तामाम् ।येनज्योतिरजनय नृतावार्धावार्धाः ।देव न्देवा याजागृवीङ्गवीम् ।सन्त्वाताताक्षुर्धाइता इभीस्ताइभाओहोवा ।सत्याश्रवसे ॥१४ ॥

टा चि कुच् काय ट टा का थाच् काय ट टा चा टख टि खा शि चा टिख्

सन्त्वाशिश न्तीधाइताइभीस्ताइभीः ।बृहादिन्द्रा यागायाता

कीच् का या टा टी का थाच् काय ट

याता ।मरूतोवृ त्राहान्तामान्तामाम् ।येनज्योतिरजनय नृतावार्धावार्धाः ।देव न्देवा याजागृवीङ्गवीम् ।सन्त्वाशिश न्तीधाइताइभीस्ताइभाओहोवा ।

टा ची काय ट टा चि कुच् काय ट टा का थाच् काय ट टा कीच् टी टि खा शि

श्रवसे ॥१५॥

टिख्

॥वासिष्ठानि त्रीणि भार्गवं वा तृतीयम् ॥

इन्द्राऔहो ।क्रतु न्नाआभारा ।

भि त चा का य ट

पिताऔहो ।पुत्रे भीयोयाथा ।शिक्षा

भि त थाच् काय ट

औहो ।णोअस्मिन्पुरुहूतायामानी ।

भि त कू काय ट

जीवाज्योताऔहोवा ।अशीमही ॥१६॥

टि ख शि खी

इन्द्रक्रतु न्नआभरा ।पितापुत्रे भीयोयथाशाइक्षाणोआ ।स्माइन्पुरुहू ताया

फी की की षी टी त क कीच य

मानी ।औहौहूवाऔहोवा ।

टा ट ट कि त त

जीवाज्योयातीः ।अशीमाहाइ ।ओइळा ॥१७॥

टि त टि ख ण प प्ला

इन्द्रक्रतु न्नआभराउवोवा ।पितापुत्रे

फू खी श खा

भीयोयाथा ।हापितापुत्रेभियोयाथा ।

चा प्ला त चू क प

हाबुशाइक्षाणोआस्माइ न्पुरुहू तयामानीहाबुजीवाज्योतीः ।आशोवामाहो ।हाइ ॥१८॥

शृ का कि चा पा शू क प प्लि शा

॥स्ववस आज्ञीकस्यसामनीद्वे ॥

मानइन्द्रा ।परावार्णाश)त् ।भावानस्साधमा

ती पि यू

दीयाः । त्वन्नऊतीस्त्वमिन्नआपीयाम्

प श षी यु प श
मानइन्द्रा परावृ णाआउवा । ऊपा ॥१९॥

की कित टि ख श
मानइन्द्रापारावृ णान्मानइन्द्रा । पारावा

फू खा शी टि
र्णात् । भवानस्सधामादायाः । त्वन्नऊती

त कु टा त टी

स्वामिन्नाआपियाम् । मानाइन्द्रापारावा

टि चि ता ता टि
र्णाआत् । ओइळा ॥२०॥

ख ण प शा

॥काण्वम् ॥

वयङ्गात्वासुतावन्ताः । आपोनवृक्ताबार्हिषाउवा । पावित्रस्याप्रस्त्रावाणाइ ।

खि शु कु ट का ता ची चा चा श

षूवृत्राहान् । पारीस्तोतारआसाता

टि त ट त की प त्र

इ । आर्ष ॥२१॥

श च श

॥वैष्टम्भेद्वे ॥

औहोवाइवयङ्गात्वासुतावन्तऔहोवा ।

षू तू त

औहोवायापोवृक्तबर्हिषःपवाइत्रास्या ।

षे पी श

प्रस्त्रवणेषुवात्राहान् । औहोवा ।

यू प श ता त

औहोवाइपरिस्तोरआसतेपराइस्तोता ।रआसाताऔहोबा ।होइळा ॥२२॥

वयङ्गत्वोहाइसुतावन्तोवा ।आपोनवृक्ताबार्हाइषाहोवाहाइ ।पावित्रस्य
षो टी त का क टा ख ण्ण ण्ण शा
ती तू त कु च य टा टा त श की

प्रस्रवणे षूवात्राहान् ।होवाहाइ ।

पराइस्तोताहोवाहाइ ।रआसा
कीच् काय ट टा त श टिट्

ताऔहोवा ।दीशाः ॥२३॥

ख शि ख श

॥काण्वञ्चैव ॥

औहोहोहाआइहिवायाम् ।घात्वा ।

ता त तु त ख श
सूतावान्तो ।आपोनावृक्ताबर्हि
खि श खि ण क

षाए ।हायाइहि ।पावित्रास्या ।

कि क खा शा खि श
प्रस्रावाणे ।षूवृत्रहानैहायाइही ।
खि ण क कि खि शा

पारीस्तोता ।रआसाताइ ।आभि ॥२४॥

खि ण खि त्र श ख श

॥श्रुष्टिगवञ्च ॥

ओहाइयदिन्द्रनाहुषीषू वा ।ओजोनृम्णाञ्चाकृष्टिषु ।ऐहीआइहीहोवा उउवोइ ।यद्वापञ्चाक्षितीनामैही

त षू तित टा टा क चि ट शी क थच् चि श टा टा टा श टा
ऐहीआइहीहोवा उउवोइ ।द्युम्नमाभ
ट शी क थच् चि श

राऐहीआइहीहोवा उउवोइ ।सात्रावाइश्वा नीपौँस्याऐहीआइहीहो
कु ट शी क थच् चि श टा टिच् का टि कि क
वा उउवो याऔहोवा ।ऊपा ॥२५ ॥
थच् टिट् ख शि ख श

चतुर्थ खण्डः

॥इन्द्रस्यचवृषकम् ॥

सत्यमित्थावृषाइदसाइ ।वृषजूतिनोर्विता
तू ति श षु टा

वृषाह्युग्राशाण्विषाइपरा वाताइ
चा चा य टा कि चा श

वृषोआर्वा ।वाताइश्रुताः ।ओइळा ॥१ ॥
टि त टीख प शा

॥द्वैगतेच ॥

यच्छाक्रासीपारावाती ।यादर्वावा तीवा
खी प्ली टीच् का

त्राहान् ।अताऔहोवा ।स्त्वागीर्भि
य ट ता ट त त टि

द्युगदिन्द्राकेशीभीः ।सूतावंआआ
कि या टा चा ट ख

औहोवा ।एविवासती ॥१ ॥
शि त टा खा

यच्छक्रासिपरावतियदोवा ।अर्वा वाताइ
षी तू त थाच् का

वात्राहान्नतास्त्वगाइ ।भाइद्युग
या पा खा ता श क

दिन्द्राकेशीभीः ।सूतावं आऔहोवा ।विवासती ॥२ ॥
की या टा टा ट्ख शि टा खा

॥कार्तवेशञ्च ॥

आभीवोवीरमन्धसा ।मदे षुगायागी

षु ति काच् क टा क

रामाहावीचेतासम् ।इन्द्रन्नामाश्रुत्यं

टि काख ण ती का

शाकाइनामौहोवा ।

टा खा शि

वचो ।ऊपा ॥३ ॥

ता ट ख

॥इन्द्रस्यच शरणम् ॥

इन्द्रत्रिधातुशारणाम् ।त्रीवरूथंस्वस्तया

फी शी पी चि

इछर्दिर्याच्छा ।माघवत्भ्याश्चामह्या

टी त की क टा

ञ्चायावयादी ।द्यूमे भ्याऔहो

त क टा त का टा ख

वा ।होइळा ॥४ ॥

हू हू शा

॥श्रायन्तीयञ्च ॥

श्रायन्तईवसूओरायाम् ।विश्वाइदिन्द्रा

षू तात टा टि

स्यभाक्षातावासूनिजातोजनिमा नीयो

टा टा की कीच् का

जासा ।प्रातीभागन्नादीधीमःप्राती ।

य ट कि कि टि त

भागान्नादाहिम् ।धिमाओबा ।हे ॥५॥

पि शा ता प छ ख

॥आक्षीलन्चबाभ्रंवा ॥

नसीमादेवायाहाहाइ ।पा

चि क फ छ त त श प

तत्पतोवा ।इषंहो ।इदीर्घाहोयोमा

शी टि भी च य

र्कृत्याः ।आइतग्वाची ।द्यायाइताशो

ट टी त का कि

यूयोउवा ।ऊपा ।जाताआइन्द्रो

की ख श टा टि

हारी यूयोजाजाताओहोवा ।

टाच् क टा ट ख शि

उऊपा ॥६॥

खा श

॥शौक्तानि त्रीणि शुक्लानिवा आश्वानिवा ॥

आनएविश्वा ।सुहाओव्याम् ।आइन्द्रंसमात्सूभूषाताऊपा हाहाइ ।ब्रह्माणीसवनानीवृत्रहान्पारामाज्याः ।आर्चा

तु टा टा कू कि ख श छ त त श का ची ची क टा त टा

हाइ ।षामाओहोबा ।होइळा ॥७॥

त श क टा ख छ छ शा

आनोविश्वासुहाहाव्याम् ।इन्द्रंसमात्सू

तू त त क की

भूषाताऊपब्राह्मा ।णीसवनानिवृत्रहान्

कि टि त ची ची

पारमाज्याः ।आर्चाहाइ ।षामा

क टा त टा त श क

औहोबाहोइळा ॥८॥

टा ख ष्ट ष्ट शा

आनोविश्वासुहाव्याम् । इन्द्रंसमात्सुभुषाता

तू त षु चि

ऊपाब्राह्मणीसवनानिवृत्रहान्पारा

काय ट षु चि का

माज्याः । ऋचिषामा । ओइळा ॥९॥

य ट टि खण् प शा

॥प्रजापतेर्निधन कामम् ॥

तवेदिन्द्रावमंवसू । त्वंपुष्यसिमाध्यामंसा

फी की कु

त्रावाइश्वा । स्यापरामस्यराजसी

टी ख णा क षु का

नकिष्ट्वागो । षूवृण्वाताइ । हो

खिण ट टा त श

वाहोइहोवा हा बु । बा ॥१०॥

टा च टिक्कच् श ख

॥गौतमस्यमनार्याणित्रीणि ॥

क्वेयथा । क्वेदसाऔहोवाऔहोऔ

ति क टा कि कि

होवा । पुरूत्राचाइद्धिते मना

ख श का का कि टा

औहोवाऔहोऔहोवाआलार्षीयूध्मा

कि कि ख श का कि

खजक्रत्औहोवाऔहोऔहोवा । पुर

शि कि कि ख श का

न्दराप्रगायात्राऔहोवाऔहोऔहोवा

की टा कि कि ख श

अगासाइषू औहोवा ।प्सूशंसाः ॥११ ॥

ता ट खा शि टा ख

कूवाकूवा ।ईयाथाक्केदसाउवाऔहो ।

ती की शा टि त

पुरूत्राचाइद्धिते मनाउवाऔहो

की कि का टि त

आलार्षियूध्माखजकृत्तुवाऔहो ।

का कि शि टि त

पुर न्दराप्रगायात्राउवाऔहो ।अगा

का की टा टि त ता

साइषू औहोवा ।प्सूशंसाः ॥१२ ॥

ट खा शि त ट ख

क्केयथा ।कूवाइदासी ।पुरूत्राचीद्धीता

ति पी ण ती चा

इमानाः ।आलार्षियूध्माखजकृद्धाउवा ।

पा ण कु टि ता

पूरन्दारा ।प्रगायात्रा अगासा

पि ण का टाच् काट

इषू औहोवा ।प्सू । ॥१३ ॥

खा शि ख

॥वैरूपाणित्रीणि ॥

वयमेनाम् ।आइदाऔहोवा ।हीयो

ती ट खा शि ख श

अपीपेमेहावज्जिणन्तास्माऊआद्यसवना

चा था कू टा षी

इसूतांभारा ।आनूनांभू ।षाताश्रुताइ

यि टा क टा त का

ळाभा ।ओइळा ॥१४ ॥

टी खण् प शा

वयमेनाम् ।इदाहायाः ।आपौहोइपे

ती टा टा कु

मौहोइहावज्जिणांतस्माऊआद्यासवनाइसू

की चि था कि कु

तंभरा ।आनौहोनांभौहोषाताश्रूताआउ

शि क कि कि कि

वा ।ऊपा ॥१५ ॥

टि ख श

वयमेनामिदाहीयाउवोवाइयाहाइ ।हुवेहोवा

फु खी शु की

यपिपेमेहावाज्जीणां ।तस्माऊआद्यसवनाइसूतांभा

यू टा पु यू

राइया ।आनूनांभू षाताश्रू

टा ट त क था तच् का प

ताइ ।श्रावासाइ ॥१६ ॥

त्र श च ट ख श

पञ्चम खण्डः

॥पौरुहन्मनञ्च ॥

योरजाचार्षाणाइनाम् ।यातारथे भीरा
 खी प्ली कीच् का

ध्राइगूःध्राइगूः ।वाइश्वासान्तरूता
 य टा टि टी टि

तारूतापार्तानानाम् ।ज्याइष्ठायोवात्राहागार्णाइ ।त्रहागृणाइ ।होइळा ॥१ ॥
 टि का ख ण टी कि ख ण श प्ली श प्ल शा

॥प्राकर्षञ्च ॥

योरजाचक्रषाणाइनाम् ।यातारथे भीराध्रा
 तु खा शा की टि

इगूः ।विश्वासान्तरूतापृतनानाम् ।ज्याइ
 ता षू टि त ट

ष्ठाय्योवृ त्राहाउवा ।ओबागार्णो ।हाइ । ॥२ ॥
 ता का की प प्लि शा

॥इन्द्रस्यचाभयङ्करम् ॥

यतआन्द्रा भायामहाइ ।तातो नो
 खी प्ली श कि

अभायङ्गार्द्धी ।माघवन्शग्धितवत त्राऊता
 टि त षु कि टि

याइ ।विद्वाइषोवी ।मार्धो
 त श टी त का

जहिइळाभा ।ओइळा ॥३ ॥
 टी खण् प शा

॥कावर्षेद्वे ॥

वास्तोष्पताइ ।ध्रूवास्थूणाउवोवा ।

ती श टी खा श

अंसत्रं सोम्यानाम् ।द्रप्सःपुरांभेक्ताशश्वता

किच्च क टा धू टि

इनामाइन्द्रा ।मूनीनांआउवा ।साखा ॥४ ॥

खि णा कि टि ख श

वास्तोष्पतेध्रूवास्थूणांसत्रंसोम्यानाम् ।

फू त प छि ड श

द्रप्सःपुरांभेक्ताशश्वताइनाम् ।आइन्द्राः ।

धू टि ता ट ता

मूनीना म् ।साखा ॥५ ॥

टा खणफळू ख श

॥सूर्यसामच ॥

बण्महं असिसूर्या ।बाळादित्या माहं आ

खि शी कीच् का य

साई ।माहस्तेसातोमाहिमापा

प ण णि फा फा प्ला

नीष्टामा ।मन्हादाइवा ।माहो

प त त टि ता क प

बाआसो ।हाइ ॥६ ॥

प्ल प्ल शा

॥नैपातिथेद्वे वाशेवा ॥

यदिन्द्रप्रागपात् ।ऊदान्याग्वाहूयासेनृभाइः

तू का कु टा श

सिमा पूरूनुषूतोअस्यानवे ।आसी

टाच् चा थि टी टा

प्राशा द्धातोबार्वाशो ।हाइ ॥७॥

टाच् क प प्ला शा

यदिन्द्रप्रागपागुदागे ।नायग्वाहू यासाइनृभि

षी ती त कीच् क टी

हर्बाहुहाइ ।सिमा पूरूनुषूतोअस्यानवे

खि ण श टाच् क च थि टी

हर्बाहुहाइ ।आसाइप्रा

खि ण श

शार्हाहुहाइ ।द्धातूऔहोवा ।

टुच् खि ण श टट् ख शि

वार्शे ॥८॥

ख श

॥कौन्मुदेद्वेस्वर्जोतिषीवा ॥

कस्तमिन्दूरा ।तुवावासाबु ।आमर्कृत्योदधर्षताइ ।श्रद्धाहाइतेमाघव

ती टा टा श षी ची श था टि कि

न्यार्याइदाइवी ।वाजीवाजांसीषासा

यी टा टा टा क टाट्

ताऔहोवा ।उऊपा ॥९॥

ख शि खा श

कस्तमिन्द्रात्वावसाबूआमत्तर्योदधर्षताइ ।

फु ता पा श्रु

श्रद्धाहाइतेमाघव न्यार्याइदाइवाउवोवा

था टि कि टू खा श

वाजीवाजां सीषासाताऔहोवा ।उऊपा ॥१०॥

था टाच् क टाट् ख शि खा श

॥अनूपेद्वे ॥

अश्वीअश्वीरथी सूरूपायूः ।गो

ती काच् काय ट क

मय्यदिन्द्राते साखाश्वात्राभाजावयसा

कि या टा टा टा चि

सचातेसादा ।चन्द्राईर्याती ।साभाऊ

टि त भी त प श ख

पो ।हाइ ॥११ ॥

प्लू शा

अश्वीरथीसूरूपायूः ।गोमय्यदिन्द्रातेसखा

तू त कि कि की

उवाहाउवाहोवा

टा टि क थ

इया ।श्वात्राभाजावय

चा षी

सासचातेसदाउवाहाउवाहोवाइया ।चन्द्राईर्याती ।साभाऊपाइळाभा ।ओइळा ॥१२ ॥

कि कु टा टि क थ चा चा या त का टी खण् प प्ला

॥वैरूपञ्च ॥

यद्यावाइन्द्रतेशताम् ।शातंभूमीरूतास्यूः ।

पि शु की टि

नत्वावज्जिन्साहसंसूर्याआनू ।नाजातामा

षी कु टा टा टाच्

ष्टारोबादासो ।हाइ ॥१३ ॥

क प प्लू प्ला शा

॥वाचश्चसाम ॥

इन्द्राग्नीयपादियामे ।पूर्वागात्पद्मादाइ

षी ती त टि चि

भायाः ।हित्वाशिरोजिह्वायारारापाश्चरात् ।

या ट टी यू टा

त्रिंशत्पदान्याक्रामाऔहोवा ।उऊपा ॥१४ ॥

क टुट् ख शि खा श

॥आक्षीलेद्वे ॥

इन्द्रनेदीयएदिहाइमितमेधा ।भिरूतिभिराश

ष ती तु षी

न्तामा ।शन्तमाभीराभिष्टिभिरास्वापे ।

टा त कु टु त

स्वाऔहो ।पिभिरो इळा । ॥१५ ॥

पा श खि शा

इन्द्रनेदीयएदिहाइमितमेधाभिरूतिभाइः ।

षी तृ षी ती श

आशन्तमशन्तमाभाइराभीष्टीभीरास्वापाइ ।

क टू यी चु श

स्वाहा ।पिभिरो इळा ॥१६ ॥

प श खि प्ला

षष्ठ खण्डः

॥गौरीवितेःप्रहितौद्वौ ॥

इतऊतीवोओजारामौहोवाऔहो

ती त टा टा त टा त

वा ।प्रहेता रामप्राहीतामौहो

त थिच्क्क भि टा त

वाऔहोवा ।आशुञ्जेतारंहाइतारामौ

टा त त कि थ टी टा

होवाऔहोवा ।राथाई तममतूर्तान्तू ।

त टा त त षि टू त

ग्रीयावार्धाऔहोवा ।स्तुषे ॥१ ॥

ता टट्ख शि ताच्

इतऊतिवोआजाराम् ।प्रहे तारमप्राहिता

षी ति त का षू

मुहुवाहोआशुन्जेतारं हेतारमुहुवाहोइ ।

टि का षी टू च श

रथितमामतूर्कतान्तू ।ग्रीयावा

का टा खि ण ता टट्

र्धाऔहोवा ।स्तोषाइ ॥२ ॥

ख शि त ख श

॥आत्रेद्वे ॥

मोषुत्वावाघाता श्वाना ।आरेअस्मि

ती पाणफप्पू ख श क

न्निरीरमन्नाराक्ताद्वा ।साधमादान्नायग

क च य टा टी कि

ह्याइहवासान् ।ऊपाश्रूधीइळाभा ।

टु का का टा खण्

ओइळा ॥३॥

प शा

मोषुत्वावाघाताचनाए ।आरेअस्मिन्निरीरमन्

षु ती षी टी

होवाउउवाऊ ।आराक्ताद्वा ।साधमादांहोवाउउवाऊनायागा

क थ टि ट च य टा टी क थ टि ट खि

ही ।आइहवासन्नाउवोवा ।ऊपश्रू

ण कु खिण टि

धी ।ओइळा ॥४॥

खण् प शा

॥गौतमेद्वे ॥

सुनोतसोमपान्नाए ।सोममिन्दूरा होवा

तु त की टा

हा यावज्जाइणाइ ।पचता

तच्च क टा ता श किच्च

पक्ताइरवसे कृणूध्वामीद्धाइ ।

कूच्च काय ट त श

पृणान्नाइत्पृहाइ ।णाताइमा

चा य टा त श टी

याः ।ओइळा ॥५॥

खण् प शा

सुनोतसोमपान्नाउवोवाइयाहाइ ।सोममिन्दूराहुवेहुवेहोयावाज्जिणाइ ।

फू खि शु टी टी वि टा श

पचतापक्ताइरवसे ।कृणूध्वामीद्धाइ ।पृणान्नाइत्पृहाइ ।णाताइमा

चि दू काय ट त श चा य टा त श टी

याः ।ओइळा ॥६॥

खण् प शा

॥वामदेव्यञ्च ॥

यस्सत्राहाविचर्षणिरिद्रंतांहू माहेवयम् ।

षी फू खा प्ली

इन्द्रन्तंहू माहेवायाम् ।साहस्रमन्योतुविनृ

की टि त षु कि

म्णासत्पाताइ ।भावासामात्सूनो

टि त श टि त चा

वृधाइळाभा ।ओइळा ॥७ ॥

टी खण् प शा

॥अश्विनोश्चसाम ॥

शचीभिर्ननाशशचीवसू ।दिवानक्तन्दिशस्यतम्मा)

फी की षी टु

वांरातिरुपदसात् ।कादाचनास्माद्रातीःकदोबा ।चाना ॥८ ॥

क क चु क शी पी ल्ख ख श

॥वसिष्ठस्य वज्राणि त्रीणि ॥

यदाकदा ।चामाओहोवा ।दूषे ।

ती टट्ख शि ख श

स्तोताजरे तमार्कृत्याआदीद्वन्दतवारूणां

की कि षी खी

विपागिरा ।धर्कृतारंवि ।व्राताओहोवा ।नाम् ॥९ ॥

खा ता टा टा टट्ख शि ख

यदाकदाचमाहाबु ।दूषाइस्तोताजराइ ।तमार्कृत्याः ।आदीद्वन्दौहोहोहाहा

तू त श टा टि ता श चि टु ट त त

इ ।तवारूणम् ।विपागिरा

श टा ख ण का का

धर्त्तारं वियौहोहाहाइ ।व्रतानामिळा

कु ट त त श का टि

भा ।ओइळा ॥१० ॥

खण् प शा

यादाकादाचामीदूषाइस्तोता ।जराइ ।तामार्कतायाः ।आदीद्वन्दाईतवारू

णा णा फा खी ण ता श यि ट की टि ख

णम् ।वीपागिरौवाउवोवा ।धर्त्तारं

ण फा खु श फि

वियौवाउवोवा ।व्रतानां ।होइळा ॥११ ॥

खु श छि प्ल शा

॥सौबभ्रवेद्वे ॥

पाहीगाया ।न्धासामादाइ ।आइन्द्रायमे

ती टि त श कुच्

धीयाताइथाइ ।यस्सम्मिश्रयोहयोर्योहाइ

क टा ता श टी

राण्यायाः ।इन्द्रोवाज्जि ।हीरो

यू टा भि तच् क प

बाण्यायोहाइ ॥ १२ ॥

प्ल प्ला शा

पाह्येपाही ।गायान्धासामादाइ ।

ती था ता ट त श

इन्द्रायमे धीयाताइथाइ ।यस्सम्मि

कीचक टा ता श

श्रयोहयोर्योहाइराण्यायाः ।आइन्द्रोवाज्जी

टी यू टा भी तच्

ही ।रोबाण्यायो ।हाइ ॥१३ ॥

क प प्ल प्ला शा

॥वैर्यश्वम् ॥

उभयंश्रुणवचनाए ।आइन्द्रो अर्वा गी

षु ति त टिच् ताच् क

दंवचाहोवाहाइ ।सत्राच्यामा

कि टा त श टा चाक्

घवसोमापाहाइतायाइ ।धीयाशविष्टया

टु खि ण श टु

होइ ।गमादौहोवा ।होइळा ॥१४ ॥

च श पि प्ला प्ल शा

॥इन्द्रस्यसहस्रायुतेद्वे प्रजापतेर्वा महोविशीये ॥

महेचनोवा ।त्वाद्राखा)इवाः ।पारा

ती त णा चा

शुल्कायादाइयासाइ ।नासाह

काच् का या प श प्ला

स्त्रायानायूतायावाज्राइवोनाशा

ता की काय पा प्ल

ताया ।शाता ।माघोहाइ ॥१५ ॥

ता प श ख प्ल शा

महेचनात्वाआद्रीवाः ।पारा शुल्काया

खी प्ली चा था

दाइयासाइ ।नासहस्रायानायूतायावा

का या ट श की यू

ज्रीवाः ।नाशाताया ।शातामाघाऔहोवा ।माहोवीशे ॥१६ ॥

टा टि त टि ख शि टीच्

॥इन्द्राण्यास्साम ॥

वस्यंइन्द्रासिमेहाबुपितूः ।उताभ्रातूः ।

षू ती खिप्ल

आभुन्जातौवाउवोवा ।माताचामौ

की खि श क कि

वाउवोवा ।छदयाथास्सामावासौवाउवो

खि श कु कि खि

वावासूत्वानौवाउवोवा ।यारो

श क कि खि श क प

बाधासो ।हाइ ॥१८ ॥

प्ल प्ला शा

सप्तम खण्डः

॥सौभरञ्च ॥

इमाइमइन्द्रायसुन्वाइराइ सोमासोदध्या
 खा षू ड शि षु
 शिरा स्तं ।आमदायवज्रहस्तपीतायाइ ।
 का ख षी षु ड शा
 हराइहोभ्याइयाओइहीओकाया
 टा टु कि टाट् ख
 औहोवा ।रूपा ॥१ ॥
 शि ख श

॥गात्समदञ्च ॥

इमइन्द्रा मदायताइ ।सोमाश्चिकित्रउक्थिनोमा
 फी की श षु
 यी)धोःपापानाउपानोगिराः ।शार्णू
 ट य ट शु य टच्
 रास्वास्तोत्रा ।यागिर्वाणाः ।ओ
 क टा त टि खण् प
 इळा ॥२ ॥
 शा

॥वाचश्चसाम ॥

आत्वाद्यासाबर्दुघाम् ।हूवेगायत्रवेपसम् ।
 ती ति कि कु
 आइन्द्रान्धनू ।सूदूघामानियामाइष म्
 टी त चि टि ख णा

ऊरूधारा ।मारङ्गार्कतां ।ओइळा ॥३॥
 टि त टि खण् प शा

॥बार्हदुक्थञ्च ॥

नत्वाबृहन्तोअद्रियाः ।वारन्तइ न्द्रावीळावाः ।
 तु ति की टि त
 याच्छिक्षासिस्तुवताइमा वाते वासू ।
 च य टा टुच् चा चा
 नाकिष्टादा ।मीनाताइता इ ।
 टि त टि खाण् श
 ओळा ॥४॥
 प शा

॥नैपातिथञ्च ॥

कईवेदा ।सूताइसाचा ।पिबन्तःकद्वायो
 ती चा या ट यू
 दाधूः ।आयंयःपुरोविभिनक्तायोजासा ।
 टा पु यु टा
 मन्दानाइशी ।प्रायाऔहोवा ।
 क टा त ट ख शि
 न्धासा ॥५॥
 ख श

॥तौरश्रवसञ्च ॥

यादिन्द्राशासोव्रताम् ।च्यावयासादसास्पा
 पि शी ची का

रौवा ।अस्माकामौवा ।अंशुर्माघव न्पूरूस्पहौवा ।वासाव्यायौकी)वा ।
 का तत् की तत् चि का की तत् तत्

धीबोबार्हायो ।हाइ . ॥६॥
 क प प्ल प्ला शा

॥त्वष्टार्याश्चसाम ॥

त्वष्टानोदैव्यं वचाः ।पर्जन्यो ब्रं ह्याण
 खा शु की

स्पातीः ।पुतैर्भात्रभिरादीतिर्नूपातूनाः ।
 टि त पी की टि त

दुष्टारान्त्रात) ।माणंवाचाः ।ओइळा ॥७॥
 टि चि खण् प शा

॥अदितेश्चसाम ॥

कदाचनास्तारीरसाइ ।नाइन्द्रंसाश्वा
 तु ति श खी श

साइदाशूषाइ ।उपोपेन्नुमघवन्भूयाइद्धो
 खी ण श पी कु टा

इनू ताइ ।दानन्दाइवा ।स्याप्रोवा
 खा शा खि णा पा प्ल

च्यातो ।हाइ ॥८॥
 प्ला शा

॥आजीक्तञ्च ॥

आइहीआइहीहोइ ।युंक्ष्वाहिवृ त्राहन्ता
 टि टि च श खी कि

मा ।हारीइन्द्रा पारावाताअर्वाची
 फ कीच् काय प खा
 नाः ।माघवन्सोमापाइतायाउग्रारिष्वा ।
 ता कि यी प चा ता
 भीरोबागाहोहाइ . ॥९ ॥
 प प्ला प्ला शा

॥माधुच्छन्दसञ्च ॥

त्वामीदा होइहियोनराए ।
 च क फाळ् खी शि
 आपाइप्यन्वाज्राइन्भूर्णायाः ।साइन्द्र
 षी की ख ण क थ
 स्तोमवाहासा ।इ हाश्रूधाऔहोवा
 टी चा क टि काफ
 हाइ ।ऊपास्वासाऔहोवाहाइ ।
 ण श टी काफ ण श
 रामागाहा इ ।ओइळा ॥११ ॥
 टि खण् श प शा

अष्टम खण्डः

॥उषसश्चसाम ॥

प्राताई हाईहावोदर्शियायतीयायती ।उच्छाई हाईहान्तीदूहीतादी
 टिच् य ट का था टि टि टिच् य ट का थ
 वाआदीवाः ।आपाई हाईहामाहिब्रणु
 टी टि टिच् य ट
 तेचाक्षुषातमाआतमाः ।ज्योताई
 चूच टी टि का टच्
 हाईहाकृणोतीसूनारीओनारी ।
 य ट च का टी पिण्
 ओइळा ॥१ ॥
 प शा

॥अश्विनोश्चसाम ॥

इमाउवान्दिविष्टयाऐही ।उस्नाहवन्तेअश्वि
 षी खु प्ला पु
 नाऐही ।अयंवामह्वयवसेशचीवसूऐही
 खि प्ला पू खू प्ला
 विशंविशंहीगच्छथाऐही ।होइळा ॥२ ॥
 षी खी प्ला प्ला शा

॥अश्विनोश्चसंयोजनम् ॥

कुष्ठःकोवामश्वीना ।तापानोदे वामर्त्ताया ।
 षी ति की टी
 होवाहा ।इघ्नतावामाअश्रायाहोवा
 का ख खि ता टि का

हा ।इक्षपामाणाः ।अंशूनाहोवाहा

ख खि ता टि का ख

इत्थामुवादुवान्यथा औहोवा ।ऊपा ॥३॥

खा ता टा खा शि ख श

॥अश्विनोश्चैवसाम ॥

अयामयं वाम्मधू माक्तामाः ।सूतस्सोमो

खा ह्री डा श टी

दिविष्टिषु ।ओहाओहातामाश्विनाषी)

का टा ट ख ता

पिबतन्तीरोअन्ध्यामोहाओहाधर्तारा

कू टा ख ता चा य

त्नाओहाओहा ।नीदाशू षा औहोवा ।

ट ट ख ता टिट्ख शि

ऊपा ॥४॥

ख श

॥सोमसामच ॥

आत्वासोमा ।स्यागाद्वा या औहोवा ।सदा

ती टिट्ख शि टा

याचन्नाहञ्ज्याभूर्णाउवोवा ।मृग

का कि टा खाश का

न्नसवनेषुचुकूधं कईशाना ।न्नायाचिषादि

ची कीच् टि त चा

ळाभा ।ओइळा ॥५॥

टी खण् प शा

॥आजामायवञ्च ॥

आध्वर्योअद्रावयातुवाम् ।सोमामिन्द्राः

फु की चा था

पीबासाती ।ऊपोनू नंयुयुजे

का य ट चि क किच्

वृषाणाहारी ।आचाजागा ।मावृ

का य टा क टा त चा

त्राहाऔहोबा ।होइळा ॥६ ॥

क टा ख ण् ण् शा

॥समुद्रस्यच प्रैयमेधस्य साम ॥

आभीषतस्तदाहाबु ।भाराइन्द्राज्यायःकानी

तू त श कु

यासाः ।पूरो वसुर्हिमघवन्बभूवाइथा ।

टि त का कू टि ता

भाराइभारे ।चाहान्याइळाभा ।ओइळा ॥७ ॥

टी त चा टि ख ण् प शा

॥वैरूपेच ॥

यादिन्द्रायावतस्त्वाम् ।एतावदहमीशीयास्तोतारा

पि क षी दू

मीत् ।दाधिषे रादावासाबु ।नापा

त किच् क टा त श

पात्वा ।यारौ वाउवोबांसाइषो

टि त का खि ण् ण्

हाइ ॥८ ॥

शा

यादिन्द्रा यावतास्त्वम् । आइतावादा
 फि खि श टि टा
 हमीशीयाओवा । स्तोतारामीत्दधिषे
 का था का टा टा चि
 रदावासाओवा । नापापात्वाया
 का का का टा टा च्क
 रोबांसाइषो । हाइ ॥९॥
 प ण्ण णि शा

॥वैश्वदेवञ्च ॥

त्वमिन्द्रो । हाइप्रतूर्तिष्वोवा । आभिविश्वा
 ति तू त कीच्
 आसाइस्पर्धाः । आशस्तिहाजनिता
 का या ट णी किच्
 वृत्रातूरासाइ । तूवान्तूर्या । तारूण्याताओहोवा । होइळा ॥१०॥
 काय टा श चाय ट चाक टा ख ण्ण ण्ण शा

॥पुरीषञ्चाथर्वणम् ॥

प्रयोरिरिक्षओजसाए । दीवास्सदो भ्यस्पारि
 षु ति त टीच्
 नत्वाविंव्याओहोवा । चाराजाओहोवा ।
 षू कि का की का
 इन्द्रापार्थिवामतिवाइश्वाम् । वावाक्षिथाइ
 कु टि ता का
 लाभा । ओइळा ॥११॥
 टी खण्ण प शा

असाविपाठः

प्रथम खण्डः

॥प्राकर्षञ्च ॥

असौहोवाहावीदे ।वाङ्मोऋजीक
 ता ता खाश की
 मान्धाः ।नियौहोवाहास्मीनि ।
 खाप्ल ता ता खाश
 द्रोजानूषे मुवोचा ।बोधौहोवाहामा
 की खाश ता ता खा
 सि ।त्वाहारीयाश्वयाज्ञैः ।बोधौहोवा
 श की खाप्ल ता ता
 हनास्तो ।मामन्धासामादाइ ।षू ॥१॥
 खाश कि ख खाश त्र

॥वसिष्ठस्यचनिहवम् ॥

आइहिआइहिहियाउवोवाहाइ ।
 टि टि खुप्ल त श
 असाविदेवङ्मोऋजी कामन्धोअन्धोअन्धाउवोवाहाइ ।न्यस्मिन्निन्द्रो जनुषे मूवोचावोचावोचाउवोवा
 चू काचक टा टा टा खप्ल त श ची किचक टी टा टा खाप्ल
 हाइ ।बोधामसित्वाहरिया श्वायाज्ञैःर्याज्ञैर्याज्ञाउवोवाहाइ ।बोधानस्तोमा
 त श चु किचक टा टा टा खाश त श चु
 मन्धासा मादाइषूदाइषूदेष्वाउवो
 किचक टि टि टा खा
 वाहाइ ।आइहिआइहिहियाउवो
 श त श टि टि खु
 वाहाऔहोवा ।ई ॥२॥
 प्ल ख शि ख

॥गृत्समदस्ययोनिनीद्वे ॥

योनीः ।तआइन्द्रासादानायकारीतामा ।

ता टी कि खा शि

नृभाइःपूरूहूताप्रयाहीआसाः ।यथानोआवीतावृधाश्चिदादाः ।वसूनिमीमदाश्चासो ।माइः ॥३ ॥

कू खि शि मि कि खा शि भी पा खा त्र श

योनिष्टआइन्द्रसदनाइहोवा ।आकाराइतमानृभिर्होवा ।पूरूहूताप्रयाहीहोवा ।

च खि शृ का ख शृ का ख खि शि

आसोयथानोविताहोवा ।वार्धश्चाइत्तदोवसूहोवा ।नाइमामादश्चसोमैर्होवा ।

का खा शु क खा शृ भु खा शि

होइळा ॥४ ॥

फु शा

॥औरूक्षयेद्वे ॥

अदर्दरूत् ।समसृजो वीखानित्वामर्णा

ती कीच क का टि

वान् ।बलबधानं आराम्णाः ।माहान्तामि

त चा था मि टि त

न्द्रपर्वतं वीयाद्वासृजाद्वाराः ।अवयद

की क का टि त

दा नावान्हा ।ओइळा ॥५ ॥

कुच क ट खण् प शा

अदर्दरूत्समसृजाः ।वीखानित्वमर्णवान्बलबधानं

तृ पू कु

आराम्णाः ।माहान्तमिन्द्रपर्वतं वीयाद्वाः ।

टा त ष की टा त

सृजाद्वारा ।अवयददा नावोयाऔहो

टि त कुच क ट ख

वा ।हान् ॥६ ॥

शि ख

॥पाथेद्वे ॥

सुष्वाणासाः । इन्द्रास्तुमसीत्वा । सनिष्यन्तश्चित्कू
ती खु श षु

न्विनृम्णावाजम् । आनोभराउवोवा ।
खु श ख श खी ण

सुवितय्यस्यकोनातानात्मना । सहामातूवो । ताः ॥७॥
षु तू खि खा त्र

ओहोहोइसूष्वा । णासाइन्द्रास्तुमसी
त त खि ण का खु

त्वा । ओहोहोइसानी । ष्यन्ताश्ची
श त त खि ण मि

तूवीनृम्णावाजम् । ओहोहोआनो ।
खु श त त खा ण

भरासुवितय्यस्यकोना । ओहोहोइता
का खू श त त खि

ना । त्मनासह्यमातूवो ॥८॥
ण का पि खा । ताः(त्र

॥सौमित्रेद्वे ॥

जगृह्णातेदक्षिणमोहाओहाए । इन्द्रहास्ताम् ।
ते त टि त

वसूयवोवासूपाताइवसूनांओहाए
का यि पा शु त त त

विघ्नाहित्वागोपातिंशूरगोनांओहाए ।
यु पा शी त त त

अस्माभ्यञ्चाइत्रांवार्षाणंरायिन्दाओहाए । रायाइन्दाउवा । ऊपा ।
टू चा काफ श त त त टू ता ख श

औहोऔहोवाहाउवा । ई ॥९॥
क का पा शि ख

जग्रह्मातेदक्षिणमौहोऔहोवाहाइ ।इन्द्रहास्तम् ।वसूयवोवासूपाताइवसू

षू तू त श खि श का यि पा

नौवाउवोवाहाइ ।विद्वाहित्वागोपातिंशूरगोनौवाउवोवाहाइ ।अस्मभ्यञ्चाइत्रांवार्षाणंरायिंदौवाउवोवाहा

शु खिष्ठ त श यु पा शी खि श त श दू चाक फा स्वीष्ठ ख

औहोवा ।ई ॥ १० ॥

शि ख

॥वात्सप्राणित्रीणि ॥

होयेहोयेहोये ।जगृह्मातेदक्षिणामि न्द्राहास्तांहास्तांहास्ताम् ।वसूयवोवसुप

टा टा टा थी कीच् क टा टा टा षी

ते वासूनांसूनांसूनाम् ।विद्वाहित्वागोपतिंशू रागोनांगोनांगोनाम् ।अस्मभ्यञ्चित्रंवरषणं रायाइ

कीच्क टा टा टा कीच् कीच्क टा टा टा कि कूच्क

न्दाआइन्दाआइन्दाः ।होयेहोयेहोयावा

टि टि टि टा टा टा ख

औहोवा ।ई ॥११ ॥

शि ख

हाबुहाबुहाबु ।ओहोहोवाओहोहोवाओहोहोवा ।जगृह्माताइदा क्षीणामिन्द्रहस्तन्द्रहस्तन्द्रहस्तम् ।वसू

तु श की की की कि किच्क ख शे का

यवोवा सूपाताइवसूनांवसूनांवसूनाम् ।विद्वाहित्वागो पातींशूरगोनांरगोनांरगोनाम् ।अस्मभ्यन्चाइत्रांवार्षाणंरयिन्दारयिन्दारयिन्दाःहाबुहाबुहाबु ।ओहोहोवाओहोहोवा

टिच्क ख शो कुच्क ख शे दूच् चाख शे तु श की की

आबुहोआबुहोआबुहो ।वाऔहोऔ

षू ति टा टा

होवा ।जग्रह्माताइदा क्षीणामिन्द्रहस्तन्द्र

त त कि किच्क ख

हस्तन्द्रहस्तम् ।वसूयवोवा सूपाताइवसूनांवसूनांवसूनाम् ।विद्वाहित्वागो पातींशूरगोनांरगोनांरगोनाम् ।अस्मभ्यन्चाइत्रांवार्षाणंरयिन्दारयिन्दारयिन्दाः

शै का किच्क ख शो कुच्क ख शै दू काख शै

आबुहोआबुहोआबुहो ।वाऔहोऔहोवाऔहोवा ।ई ॥१३ ॥

षू ति टा टा टट ख शि ख

॥वैदन्वतञ्च ॥

इन्द्रन्नारोनेमाधाइता । हावन्ताइयत्पा
 खि श खि णा टि
 रा यायूनाजान्ताइ । थियास्ताशूरोना
 खी श खि ण श टि खि
 र्षा । ताश्रावासाः । चाकामाइयागोमाति
 श खि ण टि खी श
 ब्रजाइभाजा । तूवन्नाउवा । एऊपा ॥१४ ॥
 खी ण टि ता त टाख्

॥सौपर्णञ्च ॥

वयोहाहाबु । सूपर्णाउपसेदूराइन्द्रं ।
 ति त श षि चु का
 प्रियमेधाऋषायोनाधामानाः ।
 षी कि क टा त
 आपध्वान्तमूर्णूहिपू र्धीचाक्षूः । मू
 षी की टा त च
 मुग्धियोहोआस्मान्निधयेवाबा । र्द्धान् ॥१५ ॥
 टि त टा पि खा त्र

॥यामञ्च ॥

आयामयायमौहोवाऊ । नाकेसुपर्णा
 की टा था ट षु
 मुपयात्पतन्तंपत न्तमौहोवाऊ ।
 कु कि टा था ट
 आयामयायमौहोवाऊ । हृदावेनन्तो
 की टा था ट षु

अभ्याचाक्षतत्वाक्षतत्वौहोवाऊ आयामयायमौहोवाऊ ।हिरण्यपक्षंवरूणास्य
 कि टि टि था ट की टा था ट षु
 दूतंस्यदू तमौहोवाऊ आयामयायमौ
 कु कि टा था ट की टा
 होवाऊ ।यामस्ययोनौशकुनांभुर ण्युंभुर
 था ट षु कु कि
 ण्युमौहोवाऊ ।आयामयायमौहोवा
 टा था ट की टा था
 ऊ ।वा हाउवा ।एदिवमे दिवमे दि
 ट टच् य टा त कि कि
 वा म् ॥१६ ॥
 टाख्

॥ऋतुसामनिच ॥

ब्रह्माब्राह्मा ।जज्ञानं प्राथमं पुरास्तात् ।
 टि त चि कि मि
 वीसाइवाइसी ।मतस्सुरूचोवे नआवात् ।
 टि ता की था मि
 साबूसाबू ।धन्याउपामाआस्यवाइष्ठाः ।
 टि त चिक ट भी
 सातास्साताः ।चयोनीमासाताश्चवाइवाः
 टि त चु कि पाण्
 ओइळा ॥१७ ॥
 प प्ला
 हुवे हाइहुवे हाइहेषाया ।ब्रह्मजज्ञा
 टा त टि त टि त की
 नांप्राथमं पुरा स्तात् ।वीसीमतास्सुरूचो
 ट कि खा श की
 वे नआवात् ।साबुधन्याउपमाआस्य
 की खा श कु कि

वाइष्टाः ।सातश्वयोनीमासातश्ववी

खा प्ला कु का खि

वाः ।हुवेहाइहुवेहाइहेषाया

प्ल टात टित टिख

औहोवा ।एऋतममृतमेऋतममृतमे

शि त कू कू

ऋतममृताम् ॥१८॥

दुख

॥इन्द्रस्यवारवन्तीयम् ॥

आपूर्व्याबुहोहोहाइ ।पूरूतमानियास्मै ।

तू त त श खू श

माहेवीरायातावासाइतुराया ।विरण्शीना

टु कि खिश खी

इवज्जिणेशान्तमानि ।वाचांस्यास्माइस्थावीरा

खु खाश टी की

यताक्षूः ।स्थविरायतक्षुस्थविरायाता

खाप्ल पू खि खा

क्षूः ।स्थावीरायाताक्षूः ॥१९॥

त्र कि क खा

द्वितीय खण्डः

॥इन्द्रस्यचक्षुरपविनीद्वे ॥

आवाद्राप्सोअंशूमातीम् ।आताष्टादीयानाःकाष्णोदाशाभीः ।साहा

खि श खि ण का ख खि श खि ण का

साइरा वार्कतामीन्द्राशशीया ।धामान्तामापास्त्रीहीतिनृमाणाः ।

ख शा खा श खि ण का ख खि श खि ण

अधाद्राऔहोवा ।आधद्राः ॥१॥

टा ख शि च टाख्

अवद्रप्साए ।अंशुमतिमतिष्ठादीयानाः ।कार्षणादाशाभीसाहासाये ।आवक्तामीन्द्राशशीयाधामन्ताम् ।अपास्त्रीहीती नृमणा

ती त की टि चि चा कि टी ची क कट कुचक पा

अधाद्राः ।होइळा ॥२॥

ह्लि फ्ल शा

॥सौरश्मेद्वे ॥

अवद्रप्सोअंशुमतीमौहोऔहो ।

षी ची ट ख ता

आतीष्ठादौहोऔहो ।इयानःकृष्णाऔ

का टा ख ता चु ट

होऔहो ।दाशाभीस्साहसैरौहोऔ

ख ता की था ट ख

हो ।आवाक्तामिन्द्रा औहोऔहो ।

ता चि चा ट ख ता

शाच्याधामन्तामौहोऔहो ।अपास्त्रीहीतिनौ

चु ट ख ता चु ट

होऔहो ।नृमाणाऔहोवा ।आ

ख ता टाट् ख शि च

धद्राः ॥३॥

टाख्

अवद्रप्सोअंशुमतीमेऔहोवा ।आता

षी तु खात्र प

इष्ठात् ।इयानाःकृष्णोदाशाभीस्साहस्रै

त्रा चि चा चि चि

रावाक्तामाइन्द्रोशाचीयाधमा

कच का टा कि खा

न्तमपास्त्रिहीतिनृमाणाओवा ।अधद्राः ॥४ ॥

षू शु तिच्च

॥बृहतोमारूतस्यसामनीद्वे ॥

हाओहाओहाहा इ ।वृत्रस्य

क टच् क च त तच् श

त्वाश्वासथादीषमाणाः ।विश्वेदेवाआजाहुर्येसखायाः ।मारूत्भिराइन्द्रा

की की खाप्लू टी का खी प्लू दू

साखीय न्तेस्तु ।आथेमावाइष्वाः ।पार्त्ताना

किख श दू कि

जयासि ।हाओहाओहा

खाश क टच् क ट त

हाओहोवा ।ओओहो ओहो ॥५ ॥

ख शि का टच् क ख

होये हायायेहयाओहोवाहा

टाच् काट चि क फ त

इ ।वृत्रस्यत्वाश्वासथादीषमाणाः ।विश्वेदे

श ची की खाप्लू

वाआजाहुर्ये सखायाः ।मारूत्भिराइन्द्रा

टि की खाप्लू दू

साखिय न्तेस्तु ।आथेमावाइष्वाःपार्त्तानाज

किख श दू कि

यासि ।होये हायायेहयाओहोवाहाओहोवा ।ओओहो ॥६ ॥

खाश टाच् काट चि क फ ख शि का ख

॥सोमसामनीद्वे ॥

वीधूम् ।दद्रादद्राणांसामानाइबहू नांयुवा ।

ता टु कि खि शि

नंसानंसान्तापालीतोजगारादेवा ।स्यपास्यपा

टु कि खा शि

श्याकावीय म्महीत्वाद्या ।ममाममारासह्यास्सामा ।ना ॥७ ॥

टु कि खा शा टु पा खा त्र

आआहाहाइ वीधुन्दद्राणांसामाना

त ख प्ल त श क टी कि

इबहू नाम् ।यूवानंसान्तापालीतोजगा

खि श टु कि खा

रा ।देवस्यपाश्याकावीय म्महीत्वा

श क टी कि खा श

आआहाहात) ।अद्याममारासहीयास्सा

त ख प्ल टू पि

मा ।ना ॥८ ॥

खा त्र

॥इन्द्रस्यवज्रेद्वे ॥

औहोइत्वम् ।हत्यास्सप्तभ्योजायमानाः ।

ती चा कि कि ख

औहोअशा ।त्रभ्योअभावशत्रूरिन्द्रा ।

ती का का की ख

औहोइगूढे ।द्यावाप्रथिवीअन्वविन्दाः ।

तु कु कि ख

औहोइविभू ।मत्भ्योभुवनेभ्योरणन्धाः ॥९ ॥

तु का की का ख

त्वोहाइहत्यौवाउवोवा ।सप्तभ्योजाय

त शी खि ण कि

मानाउवाओवाअशोहाइ ।

कि कि पा शा ङ श

त्रभ्यौवाउवोवा ।अभाव इशत्रूरिन्द्राउवाओ

खु ण कि कि कि

वागूढे हाइ ।द्यौवाउवोवा ।पृथि

पा शा ङ श खु ण

वीअन्वविन्दाउवाओवाविभू हा

कि कि कि पा शा ङ

इ ।मत्र्यौवाउवोवा ।भुवने भ्याउवा

श खु ण कि कि

ओवारणान्धाः ।होप्ल)इळा ॥१० ॥

पा प्लि शा

॥भृष्टिमतस्यस्सौर्यवर्चस्यसामनीद्वे ॥

मेळीम् ।नत्वावज्जिणंभृष्टीमान्ताम् ।पूरू

ता कू टा त चा

धास्मानंवृषभंस्थीराप्सून् ।कारोष्यर्य

क कु टा ता चा

स्तरूषीर्दूवास्यूः ।आइन्द्र न्द्युक्षंवृत्राहा

टु टा त कि टुट

णाऔहोवा ।गृणीषे ॥११ ॥

ख शि का टख

मेळिन्नत्वावाऔहो ।ज्राइणंभृष्टाइमौ

खु ता की की

वान्तंपूरूऔहो ।धस्मानंवृषभंस्थाइरौवाप्सुनुम् ।कारो औहो

त ख खा ता कू कित ख श खा ता

ष्यर्यस्तरुषाईर्दूवौवास्यूः ।इन्द्रा औहो

षू का ख प्ल खा ता

द्युक्षंवृत्राहाणाऔहोवा ।गृणीषे ॥१२ ॥

टुट ख शि खि

॥वसिष्ठस्यां कुशौद्वौ ॥

प्रवाः ।माहे माहेवृधे भाराधूवाम् ।

ता का क चि भि त

प्राचातसाइप्रासूमातीम् ।कृणूध्वामीहा

षी कि ख ण चि

वाइशाः ।पूर्वीः ।प्रचाराचा ।र्षा

खि णा ट त भि त

णाइप्राऔहोबा ।होइळा ॥१३ ॥

का टि ख ण्ण शा

हाप्रवोमहाइमाहे ।वृधा इभरा ध्वम्

ख खू श णाफ् खि श

हाप्राचेतसाइप्रासू ।माता इङ्कणु

ख खू श णाफ् खि

ध्वम् ।हाविशःपूर्वाइप्राचा ।राचा र्षा

श ख खू श णाफ्

णाइप्राः ।हाबुहौहोवाहाउवा ।ई . ॥१४ ॥

खा ण्ण ख ण्ण शा ख

॥भारद्वाजञ्च ॥

शुनंहुवे मघवानमिन्द्राम् ।अस्मिन्भरे नृतमंवा

षी तू षी की

जसातौ ।श्रण्वन्तमुग्रमूतये सामात्सू ।

टा त षु कि टा त

घ्नन्तांवार्तरा ।होवाहाइ ।नीस

भि त टा त श का

न्जीतन्धनानी ।होवाहा इ ।ओइळा ॥१५ ॥

की त टा खण्ण श प शा

॥वासिष्ठञ्च ॥

दीवयाहोवाऔहोवा ।ऊदुब्रह्माणी
 कि काट त कथ दू
 ऐरातश्रवास्या ।इन्द्रंसमार्येमाहाया
 खु श क टी कि
 वसीष्ठ ।आयोर्विश्वानीश्रवासातता
 खा श क टी कि खा
 ना ।दीवयाहोवाऔहोवा ।
 श कि काट त कथ
 ऊपश्रोतामाइवतोवाचां ।साइ ॥१६ ॥
 टु पि खा त्र श

॥पुरीषञ्चाथर्वणम् ॥

चक्रंयदस्यप्सूआनिनिषक्ताम् ।
 षू तु
 ऊतोतदस्मैमध्वीचच्छाद्यात् ।पृथिव्यामतिषीतं
 षु टी त षी कि
 यादूधाः ।पायोगोषू ।आदधाओषा
 टात टि त टि च
 धीषूइळाभा ।ओइळा ॥१७ ॥
 था टि खण् प शा

तृतीय खण्डः

॥आदित्याः सामनीद्वे ताक्ष्यसामनिवा ॥

त्यमूषू वाजिनान्देवजू तम् ।सहो

खि खि खि खा श का

वान न्तरूतारंरथानाम् ।अरिष्टनाइमीं

था कि खि श खी शा

पृतनाजमाशूम् ।स्वस्तयाइताक्षमिहा

खि खा श कु खि

हूवाइ ।माम् ॥१ ॥

खा श त्र

इयइयाहाइत्यमुषुवाजिनान्देवजू तम् ।

ती पु खि खि खा श

ईयाईयाआहाइ ।सहोवान

फा फा ण्ण त श का था

न्तरूतारंरथानाम् ।इयइयाआरिष्टनाइ

कि खि श ती क

मिंपार्तानाजमाशूम् ।ईयाईयाआ

टु कि खा श फा फा ण्ण

हाइ ।स्वस्तयाइताक्षमिहाहूवाइ ।मा. ॥२ ॥

त श कु खि खा श त्र

॥इन्द्रस्यचत्रातम् ॥

त्रातारमिन्द्र मवितारामीन्द्राम् ।हावेहवेसू

क षी कि टा त षु

हावंशुरामीन्द्राम् ।हूवाइनुशक्रंपुरूहू

कि टा त षू कि

तामीन्द्राम् ।ईदं हावाइ माघवावाइतूवा

टा त था चा श पी खि

इ ।न्द्राः ॥३॥

श त्र

॥वाक्तत्रतुरम् ॥

यजामहोवा ।आइन्द्रंवाज्रादक्षाइणाम् ।

ती त की टि ता

हारीणां रथ्याविव्रतानाम् ।प्राश्माश्रूभिर्दोधूवादूर्ध्वाधाभूवात् ।वीसा

किच् च टि त का टु कि ख ण चा

इनाभिर्भयमानोवाइराधासो ।हाइ ॥४॥

कि भी प शा ख ण शा

॥द्युतानस्य मारूतस्य सामनीद्वे ॥

सात्राहणाऔहोवा ।दाधृषींतूममीन्द्रा

फा खा ण फ ण् टि टी

उवोवा ।माहामपारंवृषाभंसूवज्रा

खा श क कि की टि

हन्तायोवृ ।त्रंसनितोतावाजाम् ।

टा ख ण पी खा त्र

दाता माघानिमाघवा सूरधाः ॥५॥

थाच् क कि टाच् का टख्

सात्राहणन्दाधृषीइन्तूममीन्द्रम् ।मा

फा फि फा खी श क

हामपारं वृषाभंसूवज्राहन्तायोयो ।

कि क चि टि खि ण

त्रंसनितोतावाजाम् ।दाता माघानिमा

पी खा त्र थाच् क कि

घवा सूरधाः ॥६॥

टाच् का टख्

॥आन्नम् ॥

यो नो वनुष्यन्नभिदातिमार्क्ताः । ऊगणावामन्यमानास्तुरोवा । क्षीधीयूधाशवसावातामाइन्द्राम् । आभाइष्यामावृषमाणास्तुवो

ताः । ओइळा ॥७॥

खण् प प्ला

॥गृत्समदस्यसमिधौदौ ॥

हाबुयंवृत्रेषू । क्षितयस्पर्धमानाः । धामाना

ईयाइ याहाबुयंयुक्तेषु । तुरयन्तोहवा

न्ताइ । हावान्ताईयाई याहाबुयंशूरसाः ।

तौयमपामुपाज्मान् । ऊपाज्मानीयाई या

हाबुयंविप्रासाः । वाजयन्ताई सई न्द्राः ।

साइन्द्रो ईयाई याहाउवा । ई ॥८॥

यय्यया । हाबुयंवृत्रेषूक्षितयस्पर्धमानाः ।

धामानायै यय्यैयय्यया । यय्ययाहाबुयंयुक्तेषू ।

तुरयन्तोहवान्ताइ । हावन्तायै । यय्यैयय्यया ।

यय्ययाहाबुयंशूरसाः । तौयमपामुपाज्मान् ।

उपाज्मान्यैयय्यैयय्यया । यय्यया

उपाज्मान्यैयय्यैयय्यया । यय्यया

हाबुयंविप्रासाः ।वाजयन्ताईसई न्द्राः ।

साइन्द्रोयै यय्यैयय्ययाहाउवा ।ई ॥९ ॥

॥वैश्वामित्रम् ॥

इन्द्राहाबु ।हाहोइपर्वताबृहतारथा

इनाउवाऊपा ।वामीर्हाबु ।

हाहोइष आवहतंसुवाइरा उवा ।ऊ

पा ।वीतांहाबु ।हाहोइहव्यान्यध्वारेषुदा

इवाउवा ।ऊपा ।वर्धेहाबु ।हा

होथांगीभिर्लिळायामदान्ताहाउवा ।ऊऊपा. ॥१० ॥

सावित्राणिषट्त्रैय्यमेधानिवा ॥

हाहाइ न्द्रायगाइरोआनीशीतसार्गाः ।आपःप्रैरायात्साग रस्यबू ध्नात् ।

योआक्षेणाइवाचाक्रीयौशचीभिःवीष्वक्तस्तंभाःपार्थीवीमूता ।द्याम् ॥११ ॥

असावासाविन्द्रायगाइरोआनीशीतसार्गाः ।

आपःप्रैरायात्साग रस्यबू ध्नात् ।योआक्षेणाइवाचाक्रीयौशचीभिःवीष्वक्तस्तंभाःपार्थीवीमूता ।द्याम् । ॥१२ ॥

कूवाकूवाइ न्द्रायगाइरोआनीशीतसार्गाः । आपःप्रैरायात्साग रस्यबू धात् । योआक्षेणाइ

ता क था दू कि खा ण्ण दू का खि श

वाचाक्रीयौशचीभिःवीष्वक्तस्तंभाःपार्थीवीमूता । द्याम् ॥१३॥

दू कि खा ण्ण दु पि खा त्र

अयामायामिथा)न्द्रायगाइरोआनीशीतसार्गाः ।

ता क दू कि खा ण्ण

आपःप्रैरायात्साग रस्यबू धात् । योआक्षेणाइवाचाक्रीयौशचीभिःवीष्वक्तस्तंभाःपार्थीवीमूता । द्याम् ॥१४॥

दू का खि श दू कि खा ण्ण दु पि खा त्र

अविदादविदविन्द्रायगाइरोआनीशीतसार्गाः । आपःप्रैरायात्साग रस्यबू धात् । योआक्षेणाइवाचाक्रीयौशचीभिःवीष्वक्तस्तंभाःपार्थीवीमूता । द्याम् ॥१५॥

कि की दू कि खा ण्ण दू का खि श दू कि खा ण्ण दु पि खा त्र

ईहाई हान्द्रायगाइरोआनीशीतसार्गाः । आपःप्रैरायात्साग रस्यबू धात् ।

टा ख ण दू कि खा ण्ण दू का खि श

योआक्षेणाइवाचाक्रीयौशचीभिःवीष्वक्तस्तंभाःपार्थीवीमूता । द्याम् ॥१६॥

दू कि खा ण्ण दु पि खा त्र

॥कूतिवारस्यवैरूपस्यसाम ॥

आत्वासखायसख्यायववृत्यूः । तीरःपुरूचिदर्नवाजगम्याबुहोऔहोवा । पीतुर्नापातमादधीतवाइधाबुहोऔहोवा । अस्मिन्क्षये

षु तू षी दू चिक का षी दू चीक का षी

प्रतरान्दीदियानाबुहोऔहोवा । औहो

दू चिक का क

वा । ईहा.. ॥१७॥

का ट ख

॥वामदेव्यम् ॥

कोअद्ययुंक्तेधुरिगाऋतस्याए । शिमीवतोभामी

षु तू त षी

नोदु हणायून् ।आसन्नेषामप्सुवाहोमा
 किं टा त षी की
 योभून् ।याएषांभृत्यामृणाधात्साजाइ
 टा त षु किं टा
 वाउवा ।रूपा ॥१८ ॥
 का ता ख श

चतुर्थ खण्डः

॥शैखण्डिनेद्वे ॥

गायाओन्तित्वाओगायान्नाइणाः ।

ता च ता प प्ला त ता

अर्चाओन्तियाओर्कामार्काइणाः ।

ता च ता प प्ला त ता

ब्रह्माओणस्त्वाओशाताक्राता

ता च ता प प्ला त त

बु ।उद्वाओंशमाओवयाइमिरा

श ता च ता प प्ला णि

इ ।होइळा ॥१ ॥

श प्ल शा

गायान्तित्वोहाइगायान्नीणाः ।अर्चन्त्यर्कमा

ती खु ण यु

कीणाः ।अर्चन्तीयोहार्कमार्कीणाः ।

प श खी श खि ण

ब्रह्माणस्त्वाशताक्राताबु ।ब्रह्माणस्तोहाइ

यू प शा खी शा

शताक्राताबु ।उद्वंशमीवयाइमीरे ।उद्व

खि ण श यू पा श

शमोहाइ ।वयाइमा इ ।राइ ॥२ ॥

खी ण श खीणफप्ल श ख श

॥उद्वंशीयन्तृतीयम् ॥

गायान्तित्वागायान्निण्या ।अर्चन्त्यर्कमर्कइणाः ।

पी तु टू ता

ब्रह्माणस्त्वाहोइ ।शाताक्राताबु ।

टी च श टि त श

उद्वशमीवयाइमीरे ।उद्वशामी ।वयाउ
 यू पा श खि ण टा
 वा ।उप्माइरो ।हाइ ॥३॥
 ता टा खा त्र श

॥शैखण्डिनीत्रीणि ॥

इन्द्रविश्वाः ।अवीवृधान् ।सामुद्राव्या
 ती टा चा कि
 चा साङ्गिराः ।राथीतमाहाउवा रा
 टाच् चि का ता टिच्
 थाइनाम् ।वाजानांसात्पार्ती
 चा शा च टा त का
 पतिमिळाभा ।ओइळा ॥४॥
 टी खण् प शा

होइन्द्रंविश्वाः ।अवीवृधान्सामू द्राव्या
 तु का थि टच् य ट
 चसंगिराः ।राथीतामांराथाइ
 का चा य टच् य टच् का
 नाम् ।वाजानांसात्पार्तीपा
 चा य च य टच् का ट
 ती म् ।ओइळा ॥५॥
 खण् प शा

इन्द्रंविश्वाअवीवृधन्समूद्राव्या ।चासाङ्गीराः ।
 षू खु ण क पा श
 राथी तामाऊहोवाऊ राथा
 काथ् क ट ट था टच् चा
 इनाम् ।वाजानांसाऊहोवाऊ
 शा च था ट ट था ट
 त्पार्तीपाती म् ।ओइळा ॥६॥
 का ट खण् प शा

॥आष्टादंष्ट्रेद्वे ॥

इन्द्रंविश्वाअवीवृधन्नय्याहाइ ।सामूद्राव्यांचा

षू ती त श चा य टच् क

साङ्गाइराअय्याहाइ ।राथाइतामांराथाइ

क य टा टा त श चा या टच्

नामय्याहाइ ।वाजानांसात्पाताइम्पाती

की टा त श चा य टच् का टा ट

मय्याहा इ ।ओइळाह ॥७ ॥

टा खण् प शा

इन्द्रंविश्वाअवीवृधन्नय्यादौहोवा ।समुद्रव्याचसंगाइराअय्यादौहोवा ।रथीतमांराथाइ

षू खूत्र कू टि टा ट त त ची क क

नांअय्यादौहोवा ।वाजानांसात्पतींपातीमय्यदौहो

टा टा ट त त च था कि टा टि ट

वाः ।ओइळा ॥८ ॥

खण् प शा

॥महावैश्वामित्रेद्वे ॥

हयाइहयाओहाओहाहयाइहयाओहा

खु फा फा खु फा

ओहाहयाइहयाओहाओहा ।इन्द्रंविश्वा ।

फा खु फा फा ती

अवीवार्धान् ।समुद्रव्याचसङ्गाइराः ।

चा टा ती चा टि

रथीतमांराथाइनाम् ।वाजानांसात्पातीं

ती का टा ती चा

पातीम् ।हयाइहयाओहाओहाहयाइहया

टा खु फा फा खु

ओहाओहाहयाइहयाओहाओहा ।होइ

फा फा खु फा फा

ळाह होइळा होइळा ॥९॥

फि फिळ्ख शा

हायाये हायायेहयाहाआ ।इन्द्रंवि

टिच्क टा ता त प

श्वा अवीवृधानन् ।सामुद्राव्याचस ज्नि

कीच् फा ता प णुफ्

राः ।राथीतामंरथी नाम् ।वाजानांसात्पा

ता प णुफ् त प

तीं पताइ ।हायाये हायायेहया

णुफ् ता श टिच्क टा ता

हाआ ।होइळाहोइळा होइळा ॥१०॥

त प फि फिळ्ख शा

॥गृत्समदस्यवीकानिचत्वारिवसिष्ठस्यवाप्रियाणी ॥

इममाइन्द्रा ।सूतांपा इबाऔहोवा ।

पि णा टिट् खा शि

ज्येष्ठाममात्तर्यम्मदं शुक्रास्यत्वाभी

टी कि ता था क

याक्षाराऔहोवा ।धाराऋतस्यसादा

टाट् ख शि क ट टु

ने ॥११॥

ख

इममी न्द्रसुतांपिबा ।ज्येष्ठाममा

णिफ् खि शा क कि

त्तर्यम्मदं ।शुक्राउवोवा ।स्यत्वा

टि खी श का

भ्यक्षरन्धाराउवोवा ।ऋताउवोवा ।स्यसाद

पु खा श खी श

नाइ ।होइळा ॥१२॥

प्ली श फ़ शा

इममिन्द्रसुतम्पीबा ।ज्येष्ठामामर्कृत्या

फी णि फ च का का

माम्मादामौहौहुवाऔहोवा ।

य टा ट ट कि त त

शुक्रास्यत्वाभायाक्षारानौहौहुवाऔ

ची क य ट ट ट कि

होवा ।धाराऋताऔहौहुवाऔ

त त था टा ट ट कि

होवा ।स्यासादाना इ ।ओइळा ॥१३ ॥

त त टि खण् श प शा

इममिन्द्रसुतंपिबज्येष्ठाम् ।आमर्कृताया

पि श्रु च का य

म्मादाम् ।शुक्रासियात्वाभियाक्षारन् ।धा

टा की टि ख ण

राउवोवा ।आर्कृताउवोवा ।

टा खा श टा खा श

स्यसादनाइ ।होइळा ॥१४ ॥

ल्ली श प शा

॥वसिष्ठस्यर्वीकानिचत्वारिइन्द्रस्यवाप्रियाणिआकूपाराणिवा ॥

यदिन्द्रोहाइ ।चीत्रामाईहना

ति त श च चा ट पा

अस्तित्वादा होइ ।तामद्राइवोरा

फीष्टु त श चि टा प

धस्तन्नोवीदा होइ ।वासाउभयाहस्ति

णि फाष्टु त श टु

याउवा ।भारोहाइ ॥१५ ॥

कि ता प्ला शा

यदिन्द्रचित्रमौहोवाइहाना ।अस्तित्वादातमा

षू ता खि श षी

उवाआउवाद्राइवाःराधस्तन्नोविदाउवा

की कि ख प्ला षी की

आउवाद्वासो ।उभयाहस्तयाउवाआउवा

कि ख श षू का कि

भारो ।हाइ ॥१६ ॥

प्ला प्ल श

यादिन्द्राचित्रामाइहानाअस्ताइत्वादाकि)

पि प्ला खिण टा

तामद्राइवोराधस्तन्नोवीदद्वसाबु ।ऊभा

बु थ टि च चि श चा

याहास्तायाभारो ।हाइ ॥१७ ॥

टा प श ख प्ल शा

यदिन्द्रचित्रमाई हनास्ति ।त्वादातमद्रिवोराध

षू फा खा श षू

स्तान्नो ।वीवीदद्वसाबु ।ऊभायाहा

दू त टा चि श चा टा

स्तायाभारा ।ओइळा ॥१८ ॥

टा ट खण् प शा

॥तिरश्चेराङ्गिरसस्यसामनीद्वेदेवानांवादेवपुरे ॥

श्रुधीहावांहावान्तीरश्चयाः ।इन्द्रया

का टा टा चि क टा

स्त्वसपाहार्यातीया ।सुवीर्यस्यगोमतो

त टा त टा त षी

रायास्पूद्धी ।महंयसिया ।ओइळा ॥१९ ॥

की टा त टा खिण् प शा

श्रुधीहावान्तीरश्चयाः ।इन्द्रायस्त्वासपर्याताएटा)

ख प्लि क कू

सुवीर्यास्यागो ।माताःरायास्पूद्धीहाहा

खी ण टा टी त त

इ ।महंयसी ।होइळा ॥२० ॥

श णी ण शा

॥वैश्वामित्रम् ॥

असाविसोमइन्द्राते शवाइष्ठाधृ ।ष्णावागाहि ।आत्वापृणाहात्तूवीन्द्रायम् ।

चू फा स्वीश त पाश टी त टा खण

राजस्सूर्यौवाउवोवा ।नराश्मिभीः ।

की खिश णी

होइळा ॥२१ ॥

ण शा

॥काण्वेद्वे ॥

एन्द्रयाहीहहरीभाइः ।उपाकण्वास्यासूष्टु तिम् ।देवाअमूष्या

खिश णीश ता ता च खाण ता ता

शासाताः ।दाइव ययाआउवा ।

का ख ण कि ता टि

दाइवावासो ।हाइ ॥२२ ॥

ख शाख ण शा

एन्द्रयाहीहरिभीरूहुवाहाइ ।ऊपाकण्वा

षी तू त श का

स्यासुष्टुतिमुहुवाहाइ ।देवाअमूष्या

कि तू त श क कि

शासाताः ।दाइवय्ययाउवा ।दी

का ख ण कु शा ख

वा ।वसोहा ।होइळा ॥२३ ॥

श णि ण शा

॥वैश्वामित्रञ्च ॥

आत्वागाइरोराथीरीवा ।अस्तुस्सुते षुगिर्वा

खु प्ली ची क य

णा ।ओवा ओवा ।अभित्वासा

टा ख शङ्ख ख ण किच्

मानूषाताओवा ओवा

का य टा ख शङ्ख ख ण

गावोवात्सान्नाधोबानावो ।हाइ ॥२४ ॥

भि तच् क प प्ल प्ला शा

॥इन्द्रस्यशुद्धाशुद्धीयेद्वे ॥

एतोन्विन्द्रंस्तवामा ।शुद्धंशुद्धे नासाम्ना ।

तू त की टा त

शुद्धैरुक्थैर्वावृद्ध्वांसाम् ।शुद्धैराशी ।

कु टा त टि त

वान्ममाओहोवा ।तू ॥२५ ॥

च खा शि ख

एतोन्विन्द्रंस्तवामा ।शुद्धंशुद्धे नासाओ

तू त की च क

म्ना ।शुद्धाइरूक्थाइर्वावृद्ध्वांसाम् ।

टा भी त चा खा ण

शुद्धैराशी ।वान्मामातूइळाभा ।ओइळा ॥२६ ॥

टि त च चा टि खण् प शा

॥गौतमस्यरयिष्ठेद्वे ॥

योरयिवोरयाहाबु ।तामाः ।

कू त श ख प्ल

योद्युमैद्युम्रवाक्तमासोमस्सुतस्सायाहोइन्द्रता

षि कु दू टी

इ ।आस्तिस्वधापाताइहोये ।मदोइळा ॥२७ ॥

श दू टि खा प्ला

योरयिंवोरयिन्तमोहाइ ।योद्युमैद्युम्रवाक्तमोहाइ ।सोमसुतस्सइन्द्रतोहाइ ।

फू खा शा फू खा शा फू खा शा

अस्तिस्वधापातेमदोहा ।होइळा ॥२८ ॥

ची क फ खा प्ला प्ला शा

पञ्चम खण्डः

॥कौलमलबर्हिषेद्वे ॥

प्रत्यस्मैपीबाहाबु ।ओइषाताइइ ।

तु त श तित श

वाइश्वानी वाइदूषेहाइभारा ।आ

कि चक् टीत तात

रा ज्ञमायाजाहा ।ग्मायायपाश्चा

टाच् का टात था टिट्

द्वाऔहोवा ।ध्वनेनराः ॥१ ॥

ख शि टा खा

प्रत्यस्मैपीपीषताइ ।वाइश्वा नीवाइदूषे

ती ति श किचक् टि

भारा ।आरा ज्ञामायजग्मायायपश्चाद्घ्वना

टा टाच् क पू टू

होइ ।नाराऔहोबा ।होइळा ॥२ ॥

च श टि ख ळ ळ शा

॥नानदन्तृतीयम् ॥

प्रत्यस्मैपीपीषताइवाइश्वानिविदुषेभा

फु ता पा षूड

रा ।अरङ्गमायाजग्मयोहायापाश्चाद्वाः ।घ्वा

श फू खा टु क

नोबानारो ।हाइ . ॥३ ॥

प ळ ळा शा

॥शाकपूतञ्च ॥

आनोवयोवयश्शायाम् ।माहान्तङ्गह्वराइष्ठाम् ।

षी ति त खू शा

माहान्तंपूर्वीनाइष्ठाम् ।उग्रंवाचोअपावा ।धीः ॥४ ॥

खू णा टि खी त्र

॥कौल्मलबर्हिषेद्वे ॥

आत्वारथंयथौहोवा ।तायाइसूम्ना ।

षी तित का खा ण

यावर्त्तयामसीतुविकूर्मीमार्कती ।षहां

षू टु टच्च ख ण का

माइन्द्रं शावी ।ष्ठासात्पार्ती ।ओइळा ॥५ ॥

कि ख ण टि खण् प शा

आत्वारथंयथोतायाआत्वारथाम् ।याथोताया

फू खा शी टी

औहोवा ।ई हा ।सुम्नायावा

खा श ख श चि क

र्त्तायामसीयौ होयौहोवा ।ई हा

कुच्च य ट ख श ख श

तुविकूर्मीमृताइषहमौ होयौहोवा ।

ची क कुच्च य ट ख श

इन्द्रंशवीष्ठासात्पतिमौ होयौहोवा ।

ची कुच्च य ट ख श

ई हा ॥६ ॥

ख श

॥मधुश्चुन्निधनञ्च प्राजापत्यम् ॥

सपूव्योमहोनामे ।वेनाःक्रातूभाइरानाजे

तू त चि क टु

हाहाऔहोवाआइही ।यस्याद्वारा

त टा त टा ता का था

मानूःपीताहाहाऔहोवाआइही ।दा

टी त टा त टा ता

इवाइषूहाहाऔहोवाआइही ।धीया

टु त टा त टा ता का

आना जाऔहोवा ।मधूश्च्युताः ॥७ ॥

टाट्ख शि ता टाख्

॥उषसश्चसाम ॥

यदीवहन्त्याशवोयद्येयादी ।ओइवहन्तायाशावाः ।

षू तु यू टा

ओइभ्राजमानारथाइषूवा ।ओइपिबन्तोमदीराम्मा

षू येट षु यी

धू ।ओइतत्रश्रावांसिक्राउवाओबाण्वातोप्ला

ट षू की प प्ल

।हाइ ॥८ ॥

शा

॥गौतमम् ॥

त्यमुवोअप्राहाणम् ।गृणीषेशवासस्पाताइमिन्द्रावाइश्वा ।साहं होये ।नारमोइ ।शचाइष्ठांवी ।श्वावाहोबादासां ।हाइ ॥९ ॥

षि खी ण का कि टू ख णा का पा ति श पी ण टा ख प्ल प्ला शा

॥अग्रेष्वदधिक्रम् ॥

ओहाइदधिक्राविण्णोअकार्षामोहाइ ।

त षू तू त श

ओहाइजिण्णोरश्वस्यवाजिनाओहाइ ।

त षी दू चा श

सुराभीनोमुखाकारात् ।प्रणा होआ

का का टि त टाच् य

यूंहोषीताराइषा त् ।ओइळा ॥१० ॥

टाय टि खाण् प शा

॥मारूतंवैश्वामित्रंवा आङ्गीरसानांवा साम मैधातिथंवा ॥

पूरांभिन्दुर्युवाकविः ।आमीतौजाआजा

फा खी शा की

याता ।आइन्द्रोविश्वास्याकर्माणाः ।

टि त टु का ख ण

धर्त्तावाञ्जौवाउवोवा ।पुरूष्टु ताः ।

की खि श ण्णि श

होइळा ॥११ ॥

प्ल शा

षष्ठ खण्डः

॥वामदेव्यञ्च ॥

प्रप्रवस्त्रष्टुभमिषमोहाओहाए ।वन्दद्वीरा
 पु तू त का थाच्

याआइन्दवा ।ओहाओहाए ।
 का टि ट त ट त त

धीयावोमेधसातायेओहाओहाए ।
 यू प शट त ट त त

पुरान्धीया ।वीवोबासातो ।हाइ । ॥१ ॥
 भि त क प प्ल प्ला शा

॥काश्यपञ्च ॥

कश्यपस्यस्वर्विदाए ।याआहुस्सायूजा
 षी ति त ची का

वाइतीयायोर्वीश्वा ।मापीव्रताइ ।
 य पा फा फा फा ता श

यज्ञान्धीरो ।नीचाया याओहोवा ।ऊपा ॥२ ॥
 भि त टिट् ख शि ख श

॥अग्नेर्वैश्वानरस्यसामनीद्वे ॥

विश्वानरा ।स्यवास्पातीम् ।आनानतस्या
 ती टा टा कु

शावासाः ।एवैश्चचर्षणा ईनाम् ।
 च य ट कच टीच् चा

ऊतीहूवाइरथानाम् ।हाइ ॥३ ॥
 का का पि प्ल शा

विश्वानरस्यबौहोस्पातिम् ।आनानता

खा षू ड श टी

हा ।स्याशावासाः ।एवैश्चर्षणा

त का ख ण क च पी

इनाम् ।ऊतीहूवाइरथानाम् ।हाइ ॥४॥

त्रा का का पि ष्ठ शा

॥शाकपूतेद्वे ॥

साघायास्ताए ।दिवोनाराए ।धियामार्क्ताए

टी त टी त टी त

स्याशार्म्माताए ।ऊताइसाबृए ।हातोदीवा

टी त टु त टी

ए ।द्विषोआंहाए ।नातारातिइळाभा ।

त टी त चि टि खण्

ओइळा ॥५॥

प ष्ठा

सघायस्ताइ ।दीवोनरोधियोमार्क्तास्या

ती श का की टा

शर्म्माताः ।ऊतीसाबृहातोदिवाः ।

का चा था टा का चा

द्विषोआंहो ।नातारातिइळाभा ।ओ

का टा चि टि खण् प

इळा ॥६॥

ष्ठा

॥प्रैय्यमेधञ्च ॥

अर्चतप्रार्चतानाराः ।

षू ख ष्ठ

प्रियमेधासोआर्चाता ।अर्चन्तुपूत्राका
 खी चा फा खी चा
 ऊता ।पूरमिद्धाणुवार्चा ।ताः ॥७॥
 क फ क टि खि त्र

॥बार्हदुक्थञ्च ॥

उक्थमिन्द्रा ।याशंसायाम् ।वार्धानं
 ती टि त कि
 पुरूनिष्ठाइधाइ ।शक्रोयाथा ।सूते
 टी ता श भि त का
 षूनाः ।रारणात्सा ।खीया
 खण क टा त का
 इषूचा ।ओइळा ॥८॥
 टा खण् प शा

॥वरूणान्याश्चसाम ॥

विभोष्टइन्द्राधासाः ।विभवीरातिश्शतोक्तो
 षि ति त टी कु
 शताक्रताबु ।आथानोविश्वचर्षणे
 टा चा श का चू
 श्वचार्षाणाइ ।द्युम्नसूदत्रमंहयत्रमांहा ।या ॥९॥
 टा चा श कू खु त्र

॥उषसश्चसाम ॥

वयश्चाइक्तेपतत्रिणाः ।द्विपाश्चतूष्पदर्जू
 खि शू षी कि

नायेउषःप्रारान् । ऋतूं रनूदिवोआन्ते ।

पा शी का की टा

भायास्पारो । हाइ ॥१०॥

प श ख ण् शा

॥देवानाञ्चरुचिरोचनंवा ॥

आमियेदेवास्थना । मध्येयेरोचनेदिवाःका

षि ती पी चु

द्वाऋताङ्गादमार्कता । काप्रत्नावाआहू

की टि कि टि

तीः । ओइळा ॥११॥

खण् प शा

॥ऋक्सामयोस्सामनीद्वे ॥

ऋचंसामयजा । महाइयाभ्याङ्गर्माणीकृण्वा

तू षु कि टि

ताइ । वीतेसद सिराजाताः । यज्ञान्दाइ

त श की टि त टि

वे । षूवाक्षताइळाभा । ओइळा ॥१२॥

ता का का टा खण् प ण्

ऋचंसामायाजामहाइ । याभ्यांकर्मा

खी षी श चा थाच्

णीकाण्वाताइण्वताइ । वाइतेसद सी

का य ट टि श कुच्

राजातोजाताः । यज्ञान्दाइवेषू

का य ट टा का य टा

वाक्षताइळाभा । ओइळा ॥१३॥

का का टा खण् प शा

ऐन्द्रपाठः

प्रथम खण्डः

॥त्रैशोकम् ॥

विश्वोहाइ ।पार्त्तनाआभिभूतर चाराः ।

ता त श टि कि काच् क च

साजूस्तातक्षूराइन्द्र न्जजनुश्चराजासोहाइ ।ऋत्वौहोइवारौहोइस्थेमन्यामू

चा चि कि का चि पा ण श कु की टा ख

रीम् ।उतोहाइ ।उग्रामोजिष्ठन्तारा सम् ।ओइतरा स्वीनमोवा ।ओइजीवा ॥१ ॥

ण ता त श पि श खि ण खि शि खि श

॥शैखण्डिनेद्वे ॥

श्रक्तेहोश) ।दधाहो ।मिप्रथमायमान्यावा

ता त टा त टी काय ट

इन्यावाइ ।अहन्होइ ।यददाहो ।स्युन्नर्यविवे रापाआपाः ।उभेहोइ ।यत्वाहो ।रोदसीधावतामानूआनू ।भ्यसा

श टा श ता त श टि त टि चाय ट टा ता त श टा त टि किय ट टा ता

द्धोइ ।तेशुहो ष्मात् ।पृथिवीचीदाद्रीवोद्रीवाः

त श काथच् क टि चाय ट टा

द्री ।वाऔहोवा ।हाहाउवा ।ई ॥२ ॥

टट् ख शि क ति ख

श्रक्ताइ ।दधा मिप्रथमायमान्यावाइन्यावाइ ।अह न्यददा स्युन्नर्यवीवे रापाआपाः ।उभाइ ।यत्वारोदसीधावतामानु

ता श थाच् टी काय ट श टा श का थिच् टि काय ट टा ता श था टि किय ट

आनु ।भ्यसाक्तेषु ष्मात्पृथिवीचीदाद्रीवोद्रीवाः ।द्रीवाएहियाहा ।होइळा ॥३ ॥

टा ता थाच् क टि चाय ट टा काख प्ला श प्ल शा

॥अत्रेर्विवर्त्तोद्वौ ॥

आयोवाआयायोवा ।श्रक्ताइ ।दाधा ।मिप्रथमायमान्यावाइन्यावाइ ।आयोवाआयायोवा ।

चाट चिट प शा ख ण टी काय ट श टा श चाट चिट

आह न्याददा ।स्युन्नर्यविवे रापाआपाःआयोवाआयायोवा ।ऊभाइ यात्वा ।रोदसीधावतामानूआनूआयोवाआयायोवा ।भ्यासाक्ताइशू ।ष्मात्पृथिवीचीदा
प श ख ण टि चायट टा चाट चिट प शाख ण टि कियट टा चाट चिट प श ख णा क टि चा

द्रीवोद्रीवाःद्रीवाऔहोवा ।हाहाउवा ।द्रिवऔ
य ट टा टटख शि त ति चि

होह म् ॥४ ॥

ट तच्
ईयोवाईयायोवा ।श्रा
चाट चिट प

क्ताइ ।दाधा ।मिप्रथमायमान्यावाइ न्यावाइ ईयोवाईयायोवा ।आहन्याददा ।स्युन्नर्यवीवे रापाआपाः ।ईयोवाईयायोवा ।ऊभाइ या
शा ख ण टी काय ट श टा श चाट चिट प शख णा टि चायट टा चाट चिट प शाख
त्वारोदसीधावतामानूआनूईयोवाईयायोवा ।भ्यासाक्ताइशूष्मात्पृथिवीचीदाद्रीवोद्रीवाःद्रीख)औहोवा ।हाहाउवा ।द्रीवई योह म् ॥५ ॥
ण टि कियट टा चाट चिट प श ख णाक टि चायट टा टट् शि त ति चिट तच्

॥महासावेदसेद्वे ॥

आयाम् ।श्राक्ताइ ।दाधा ।
त त प शा ख ण

मिप्रथमायमान्यावाइ
टी काय ट श

न्यावाइ ।आयाम् ।आहन्याददा ।स्युन्नर्यवीवे रापाआपाःआयाम् ।ऊभाइ यात्वारोदसीधावतामानूआनूआयाम् । ।भ्यासाक्ताइशूष्मात्पृथिवीचीदाद्रीवोद्रीवाःद्रीख)औ
टा श त त प शख णा टि चायट टा त त प शाख ण टि कियट टा त त प श ख णाक टि चायट टा टट्

द्रिवोद्रीवाः
चाट ख

अयय्याः ।श्रक्ताइ ।दधा ।
ति चा शा थाच्

मिप्रथमायमान्यावाइ
टी काय ट श

न्यावाइ अयय्याः ।अह न्याददास्युन्नर्यवीवे रापाआपाःअयय्याः ।
टा श ति चा थि टि चायट टा ति

उभाइ यत्वारोदसी
चा श थाच् टि

धावतामानूअयय्याः ।भ्यसाक्तेः शुष्मात्पृथिवीचीदाद्रीवोद्रीवाः द्रीख)

किय ट ति चा थाक्क टि चाय ट टा टट्

औहोवा ।हाहाउवा ।द्रीवाई ॥७॥

शि त ति टा ख

॥शैरीषेद्वे ॥

औहोहोहाइ ।श्रक्ताइ ।दाधामिप्रथामा

ता त त श ख शा फा फी

यमन्यावेयमन्यावाइ ।अह न्याददास्युन्नर्यं

खि श खि ण श णा फि फि

वीवेरा पोवीवेरा पाः ।उभाइयात्वारोदसीधावतामानूवतामानू ।भ्यसाक्ताइ

खि श खि ण णा फि फी खि श खि ण णा

शूष्मात्पृथिवीचीदाद्रीवोचिद्रद्राइवाः ।द्रीवा

फि फी खि श खि णा टट् ख

औहोवा ।हाहाउवा ।एद्रीवाईहा ॥८॥

शि क ति त काटख

श्रक्ताऔहोहोहाइ ।

टि त त त श

दधा मिप्रथमायमान्यावाइ न्यावाइ ।अहाऔहोहोहाइ ।यददा स्युन्नर्यंवीवे रापाआपाः ।उभाऔहोहोहाइ ।

थाक् टी काय ट श टा श टि त त त श थिक् टि चाय ट ट टि त त त श

यत्वारोदसीधावतामानूआनूभ्यसाऔहोहोहा

थाक् टि किय ट टा टि त त त

इ ।ताइशूष्मात्पृथिवी

श थिक्क टि

चीदाद्रीवोद्रीवाः ।द्रीवाऔहोवा ।हाहाउवा ।द्रीवए द्रीवाः ॥९॥

चाय ट टा टट् ख शि क ति चि टाख

॥इन्द्रस्येन्द्रियाणीत्रिणि ॥

समोहाइ ।आइतविश्वाओजासापतिमोइदिवाहाहाइ ।यआइकाईत् ।भूरातिथिर्जनानांहाहाइ ।सापूर्वीयोनूतानमाजिगाइषान्हाहाइ ।
ता त श षु कि कि पि ष्ठ ड श चा या ट च चा टि ख ष्ठ ड श टी का चा टा खा ष्ठ ड श

तंवार्कृतानी रानुवा

क या टच्क टा

वृतआएकयाउवा ।

चि ट का ता

वृधे ॥१० ॥

ताच्

समेतविश्वाओजसापतिमेपातीम् ।दिवयाहौहौहोवाई या ।यआईकाईत्भूरातीथिर्जनानांहौहौहोवाई या ।सापूर्वीयोनूतानमाजिगा

षृ तु किट ट त टात त या टट था टि क ट ट त टात टि का चा चा

इषान्हौहौहौहोवाई या ।तंवार्कृतानी रा

काट ट ट त टात क या टच्क

नुवावृताआयेकया

टा चा च ट का

उवा ।महे ॥११ ॥

ता ताच्

समेतविश्वाओजसापतिमेपातीम् ।दाइवायाऔहौहो

षृ तु चिट ट ट त

वाओमोवा ।यआइकाई ।त्भूरातीथिर्जनानाऔहौहोवाओमोवा ।सापूर्वायोनूतानमाजिगाइषान्हौहौहोवाओमोवा ।तंवार्कृतानी रानुवावृत

चि श चा या ट च चा टि टा ट त चि श चाय ट का चा टा टि ट त चि श का य टच्क टा

आएकयाउवा ।धर्माणे ॥१२ ॥

चि ट का ता टा ख

॥वैरूपाणित्रीणि ॥

इमेतया ।न्द्रातेवयम्पूरूष्टूता ।येत्वारभ्यचरामसिप्रभूवासाबु ।नाहित्वादन्योगिर्वणोगिरा

ती दू टा षी दू टा श षु दु

स्साघात् ।क्षोणीरिवप्रतितद्वय

टा क षि

नोवाचावचाउवोवा ।होइळा ॥१३॥

दू पा णु ण्ण शा

इमेतया ।न्द्राते वयम्पुरुषूतायाइत्वा ।रभ्या ।चारामसीप्रभूवासाबु ।नाही त्वादा न्योगिर्वणोगिरा स्साघात् ।क्षोणीराइत्वाप्रातीतद्धरी यानोवाचा ।ओइळा ॥१४॥

ती का कू य टाच् य टच् कू टा श य टच् य टच् ची का चा य टच् य टाच् का कि टि खण् प ण्णा

इमेताइन्द्रतेवयं)पुरुषू तोवा ।येत्वारभ्याचरामसीप्राभूवासाबु ।नाहित्वादा

पि णु ण्ण्डि श टी खी चा फा श टी

न्योगिर्वाणोगीरा साघात् ।क्षोणीराइवा प्रातीतद्वार्यनोवाचाः ।होइळा ॥१५॥

खी चा फा टुच् टी ण्णी ण्ण शा

॥बार्हदुक्थञ्च ॥

चर्षणीधृतांहाबु ।माघवानामुक्थायाम् ।इन्द्रङ्गीरोबृहतीराभ्यानूषाता ।वावृधाना

तु त श कि टि त णु की टि त टी

म्पूरूहू तांसुवाक्ताइभीः ।आमा तीयाजरमाणान्दाइवे ।दाइवोहाइ ॥१६॥

टिच् टि ख णा टाच् का टी प शा ख ण्णा शा

॥त्रासदस्यवेच ॥

अच्छावइन्द्रम्मतयस्वर्यूवाए ।सङ्गीचीर्विश्चउशतीरनूषाता ।पारीष्वजन्तजनयोयथापातिं ।मर्यन्नाशू ।न्ध्यूर्मघवानमू औहोवा ।तया ई ॥१७॥

णु तू त णु कु टा णु कु टा टि त टी खा शि ताच् ख

आच्छावइन्द्रम्मातयाः ।सूवार्यूवा साध्रीचीर्विश्वाऊ

प णु डा क टि प णु

शतीः ।आनूषतापारिष्वजन्ताजनयाः ।या

डा क टि प णु डा क

थापताए मार्यन्शुन्द्र्युर्ममाघवा ।नामूतायाबु ।बा ॥१८॥

भी प णु डा क का च श टक्

॥सौभरेद्वे ॥

अभित्याम्मेषम्पूरूहू ।तामृग्मायाम् ।ईन्द्राङ्गीर्भाईर्मदतावस्वोअर्णावामोहाहाइ ।यस्यद्यावोनविचरन्तीमानूषामोहाहाइ ।

खि ङ्गि ड श चा टा ता ता चू का पा प्ल त श ची कीच श किप प्ल त श

भुजेमंहिष्ठमभिविप्रमर्चतादुरातिनाऔहोवा ।ऊपा ॥१९॥

षू कू टा खा शि ख श

त्यंसूमेषम्माहयासूवर्वाइदाम् ।शतांयस्यसूभुवस्साकामाइराताइ ।अत्यन्नवाजंहावानस्यादांराथां ।आइन्द्रं ववृ

खा ङ्गि डा टि ता ता चि चि का याट श षू चा का च य ट किच का

त्यामवसाइसूवृ औहोवा ।क्तीभीः ॥२०॥

टूट ख शि ख श

॥वरूणसामनीद्वे द्यावापृथिव्योर्वासामनी ॥

घृतवतीभुवनानामभाइश्रिया ।

षू ती ति

उर्वीपृथ्वीमधुदुघेसुपेशासाद्यावापृथिवीवरूणास्याधर्मणा ।वाइष्कभीतायाजरे भूरिराईतसाउवा ।इन्दुस्समुद्रमूर्वीयाविभाती ॥२१॥

षु कू च षू की चि की च कि टि कि ता का कु किख

घृतावाताइभुवनानामभाइश्रियाउर्वीपृथ्वीमधुदुघेसुपेशासाहोइ ।द्यावापृथ्वीवरूणास्याधर्मणाहोइ विष्काभाइते ।आजरे

णा फा खी शू षू टू च श षी की टि च श टि ता कि

भूरिराईतसाउवा ।एइन्दुसामूद्रमूर्वीयावीभाती ॥२२॥

चि कि ता त का कु किख

॥इन्द्रस्यचश्येनः ॥

उभेयदिन्द्रोदसाइ ।आपाप्राथाइषाआउवाईवा ।माहान्तन्त्वामहाइनाम् ।सम्राऔहो ।जञ्चक्रुषणाआउवाए ।नामा ।देवीजनत्रयाजीजानात् ।भद्राऔहो ।जानित्रयज

तू ता श टा का ता टि ख श टी टी पि श कि ता भी त ख क यू टा पि श टि त

आउवा ।एजनादा ॥२३॥

टि त काख

॥वैरूपम् ॥

प्रमन्दाइनाइ ।पितुर्मदार्चातावाचाः ।याःकृओवा ।ष्णागर्भानीराह नृजाइश्वानाअवस्यावाः ।वृषाणंवाज्रादक्षा
 खि शि खी चा फा टा ख ण चि कि टु खि ण कि का खा

इणम् ।मारौवाउवोवा ।

णा का खिश

त्वन्तंसख्यायउहुवाइमहाबु ।बा ॥२४ ॥

षु ळि ळिश श

द्वितीय खण्डः

॥यामम् ॥

स्वादोरित्थाविषूवतोमाधोःपिबन्तिगौर्याः ।

फू ता प श्रू

याइन्द्रेणासायावारी ।वृष्णामद न्तीशोभा

की टि त चा काचूक टा

था ।वस्वाइरानू ।स्वारा ज्यामिळाभा ।ओइळा ॥१ ॥

त चा याट का टि खण् प शा

॥गृत्समदस्यमदौद्वौ ॥

इत्थाहिसो ।माइम्मादाः ।ब्रह्माचाकारावर्द्धानाम् ।शाविष्ठवज्जिन्नोजासा ।पृथिव्यानिश्शशाआहीमर्चचान्नानू ।स्वारौहोवा ।जीयमोइळा ॥२ ॥

ती टि त की च टा त कु टा त कि कि का चा य टच् चिकच् क प्ला शा

इत्थाहिसोमइम्मदाः ।ब्रह्माचाकारावर्धानाम् ।शवाइष्ठावाज्जिन्नोजासावपृथिव्यानिश्शशा

फी की की टि ख खीश खिण कि कि

आहीमर्चचान्होइनोहोइस्वारा ज्यामिळाभा ओइळा ॥३ ॥

क कि टि की टि खण् प शा

॥आभीशवेद्वे ॥

न्द्रोमदा ।यवावाद्धाई ।शवसेवृ त्रहानृ भीः ।तमिन्महत्स्वाजा

ती खि शा की खि प्लू खू

इषू ।ऊतिमर्भेहवामाहाइसावा ।जाइषुप्रनोबावाइषाद्धाई ॥४ ॥

शा पी खि शी पु प्लू प्लू शा

इन्द्रोमदायवावृधाई ।शवसेवृ त्राहानृभीस्तामिन्माहात्साहाबुजाइषु ।ऊतिमर्भेहवा मा

फी कीश की कायप शु शु क टुच् ख

हाइसावा ।जाइषूप्रनोबावाइषा ।द्धाई ॥५ ॥

शी पु प्लू प्लि शा

॥आभीकेद्वे ॥

इन्द्रोमदायवावृधाइ ।शवसेवृत्राहानृभीराऔहोऔहोवाहा ।तामिन्महत्स्वा

फी कीश किच टा काश टिचक ट ख टु

जिषु आऔहोऔहोवाहा ।ऊतिमर्भे हवामाहाआऔहोऔहोवाहा

काश टिचक ट ख क कि टा काश टिचक ट ख

सावाजेषूप्रानो ।वाइषा ।द्धाइ ॥६ ॥

यीप श ख प्ला शा

इन्द्रोमदायवावृधेशवसेवृत्राहानृभीः ।तामिन्महत्सुआजिषुऊतीमार्भाइ ।हवामा

षू तू चायट का टि टि काख ण श टा

हाइ ।सावाजेषूप्रानो ।वाइषा ।द्धाइ ॥७ ॥

चाश यीप श ख प्ला शा

॥बार्हगिराणित्रीणी ॥

इन्द्रो ।मदायावावृधेशवासाइवृ ।त्राहाऔहोवाऔहोवानृभाइः ।तामिन्महत्स्वाजिषूतिमार्भाइ ।हावाऔहोवाऔहोवामहाइ ।सावाजेषुप्रनाऔहोवाऔहोबावाइषा ।

ताप् ता दू ख णा टा तातद् खा शी की दू त श टा तातद् खा शी दू तातद् खा प्ल ङ्गि

इन्द्रो मदायवावार्द्धाइ ।शवसेवृत्राहानृभीः ।हाबुहौहोवा ।तामिन्महत्सूवाजिषूऊतिमर्भे हावामाहे ।हाबुहौ

खा प्लीङ शा की कायप फित त कु ट पाक कि कायप फि

होवा ।सावाजेषूप्रानोवाइषाद्धाइ ॥९ ॥

त त यीप श ख प्ला शा

ओहाइन्द्रो मदायवावार्द्धाइ शवसेवृत्राहानृभीः ।

फा खा प्लीङ शा कीच् कायप

आबुऔहोवा ।तामिन्महत्सू

फि त त कु

वाजिषु ।आबुऔहोवा ।ऊतिमर्भाइहवौहोवामाहे ।सावाजेषुप्रानो ।वीषादौहोवा

ट पा फि त त क कू था टा यप श पि प्ला

होइळा ॥१० ॥

प्ल शा

॥इन्द्रस्यचस्वाराज्यम् ॥

इन्द्रतुभ्यमिदद्रीवाए ।आनुक्तंवज्रि न्वीर्य्य व्यद्धात्याम्मा ।याइनम्मृगा न्तावात्याम्मा ।यायावधी रर्चचान्नानूस्वारा ज्यामिळाभा ।ओइळा ॥११ ॥
 षी ती त कुच् का का य ट कुच् का य ट कीच् का य ट का टि खण् प शा

॥कश्यपस्यचधृष्णुम् ॥

प्राइहि आभिहिधृष्णुहाऔहो ।नाता इवज्रो नियंसताऔहो ।आइन्द्रो नृम्णांहितेशवाऔहोहानो वृत्रन्जयाअपाऔहो ।आर्चचान्नानूस्वारा ज्यामिळाभा ।ओइळा ॥१२ ॥
 टिच् क कु ट त टाच् षि टु त टिच् षी टि त टाच् षी टि त टा टा का टि खण् प शा

॥वैदन्वतम् ॥

यदुदीरातआजयाः ।धृष्णवेधी याताइधानम् ।युद्धामदच्युताहारी ।कंहनःकंवसा
 फी शा का कीच् का या ट क टु ख ण क टु
 बुदाधाः ।अस्मंइन्द्रा
 खा ण ता ता
 वासौदाधाः ।ओइळा ॥१३ ॥
 टि खण् प शा

॥यामेद्वे ॥

अक्षन्नामीमादन्तहीयावप्रियाधुषता ।आस्तोषतस्वभानवोविप्रान्नावीष्टायामतीयोजानू
 ची क फ ता प शु का कू भि त की टि
 वा ।इन्द्रा ताऔहोवा ।हारी ॥१४ ॥
 त टाट्ख शि ख श
 उपोषुश्रुणुहीगिरए औहोवा ।माघवन्मातथाइवाकदा
 धू ति खात्र क टि प्ला खा
 नस्सु ।नार्कतावतःकरा इदर्था
 ता का की चि

यासाई द्योजान्वाइन्द्राताऔहोवा ।हारी ॥१५॥

य पा खा ता टा ख शि ख श

॥त्रैतानित्रीणि ॥

चन्द्रमायाउवा प्सूअन्ताराउवा ।सुपर्णोधाउवा ।वातेदिविनवोहाइरा उवा ।ण्यानाइमायाउवा ।पादंविन्दाउवा न्ति

क कुच क कु क कुच क पु किच का क कूच कूच क

विद्युतोवित्तम्मायाउवास्यारो दासा इ ।ओइळा ॥१६॥

कि कू का ट खण् श प शा

चन्द्रमाया ।प्सूअन्तारा ।सुपर्णोर्धा वाताइदीविया ।नवो हिर ण्यने मयःपादंविन्दन्तिविद्युतोहाइ ।वित्तंहोइमायाहो स्यारोदासा इ ।ओ

ती त पा श कीच क ट चा ता टाच का का कू पी ण श टू कथ् टि खण् श प

इळा ॥१७॥

शा

चन्द्रमायाप्सूअन्तरा ।सूपणोर्धा वाताइदाइवि ।नवो हीर ण्यने मयःपादंविन्दन्तिविद्युताः ।वित्तंहोइमायाहो स्यारोदासा इ ।ओइळा ॥१८॥

खी श छि कीच यी टा टाच का का षी कि टि टू कथ् टि खण् श प शा

॥सौपर्णेद्वे ॥

चन्द्रमायप्सुआ ।न्तारासुपर्णोर्धा

तू कूच

वातेदाइवी ।नवोहोइ ।

टि ता टा च श

हिर ण्यने मयःपादंविन्दन्तिविद्युताः ।वित्तंहोइमायाहो स्यारोदासाऔहोवा ।उऊपा ॥१९॥

का का शा कु टि टू कथ् टि ख शि खा श

चन्द्रौहोमायप्सुअन्तराओवा ।सुपर्णोर्धावातेदाइवाएहोवाहो

षू तु का का टू का ख

इहुवोइ ।नावोहाइरण्यनाइमायाहोवाहोइहुवोइ ।

ति श षू टी का ख ति श

पादंविन्दन्तिवाइद्युताहोवाहो

षु टी का ख

इहुवोइ ।वित्तम्मेअस्यरोदासाए होवाहोइहुवोवा ।उऊपा ॥२० ॥
 ति श षू टि का ख खि त्र खा श

॥लौशम् ॥

प्रातिप्रयतमंराथाम् ।वार्षणंवासूवाहानाम् ।स्तोतावामाश्विनावार्षीः ।स्तोमाभीः
 प षु ड श क कि टि त भि त टा ख ण भी
 भूषातिप्राती ।मध्वाइमामा ।श्रूतां ।हाआवांहाइ ॥२१ ॥
 का खा ण भी त प श ख प्ला शा

तृतीय खण्डः

॥इन्द्रस्यसञ्चयेद्वे सेनुदेवा वामदेव्येवा ॥

आतेअग्रइधीमाहाइ ।द्यूमन्तन्दे वाआजरामा ।

प षू ङ श तीच क ट च ता

यद्ध्यास्याताइ ।पानीयासी ।सामीदिद यताइद्याविया ।ईषंस्तोतृभ्याया ।भारो ।हाइ ॥१॥

भि त श काख ण की टा चा ता टि त प श ख ष्ट शा

आतेअग्रइधीमाहाइद्युमन्तान्देवाआजर म् ।यद्धस्यातेपनीयसीसमिदिदयताइ ।हिंहिन्द्यावी ।ईषंस्तोतृभ्याया ।हिंहिंभारो ।हाइ ॥२॥

फू खा ष्ठी ख ष्ठी ष्ट तू श ट खा ण टि श प श प श ख ष्ट शा

॥अङ्गिरसान्निवेष्टौद्वौ ॥

आबुऔहोवा ।अग्निन्नस्ववृक्तिभीः आबुऔहोवा

फि त त षी किख् फि त त

होतारन्त्वावृणीमहे आबुऔहोवा ।शीरम्पावा

षी कीख् फि त त क थाच् क

काशोचिषं विवोमादाइ आबुऔहोवा ।यज्ञाइषुस्ती

की खि ण श फि त त कु

र्णाबर्हिषां आबुऔहोवा ।विवक्षसे ॥३॥

कीख् फि त त च खि

अग्निन्नस्ववृक्तिभिः ।इहइहाहाइ ।होतारन्त्वावृणीमहे इहइहाहाइ ।शीरम्पावाकाशोचिषं इहइहाहा

का कु ती त श षी का का ती त श क थाच् क की ती त

इ ।विवोमादाइ ।इहइहाहाइ ।यज्ञाइषुस्तीर्णा

श खि ण श ती त श षु

बर्हिषं इहइहाहाइ ।वाइवाऔहोवा ।क्षासे ॥४॥

की ती त श ट खा शि ख श

॥सत्यश्रवसोवार्यश्चसाम ॥

महाइमहोनोअद्यबोधाया ।ऊषोराये दिवित्माती ।यथाचीन्नो ।आबोधायाः ।सत्याश्रावासिवाय्याइ ।सुजाते आ ।श्वासु ।

खा पी ङ्गि ड श कीच् क टा त भि त का ख ण भि त टा ख ण् श भि त प श
नार्कृतो ।हाइ ॥५॥
ख ण् शा

॥उषसश्चसाम ॥

भद्रन्नोअपिवातया ।मानोदक्षामूताक्रातूम् ।आथाते सख्येअन्धासावीवोमादाइ रणागावो

पि शु टा की ख ण च था का टि खि ण श टा टाच्
नायवसाइवाइवाऔहोवा ।क्षासे ॥६॥
क टुद् खा शि ख श

॥लौशञ्च ॥

कृत्वामहं अनुष्वाधाए ।भीमाआवा वृताइशावाः ।श्रीयाऋष्वाऊपाकायोः ।नीशिप्रीहारीवान्दाधाइ ।हस्तायोर्वा ज्रामोबायासां ।हाइ ॥७॥

पी ती त चा थाच् का या ट ता ता का ख ण ची का य ट श भि तच् क प ण् शा

॥यामञ्च ॥

सघातंवृषणंरथाऔहोवा ।आधीतिष्ठा

फा फी खा ण फ श क चि
तीगोवाइदाम् ।यःपात्रं हारियोजानम् ।पूर्णाभिन्द्राचिकेताती ।योजानूवा ।इन्द्रा ता
का य टा कि टि ख ण क कु ख ण भि त टाद् ख
औहोवा ।हारि ॥८॥
शि ख श

॥अङ्गिरसाञ्चैवनिवेष्टः ॥

अग्निन्तम्मान्येयोवासूः । अस्तंयय्यान्तीधेनावाः । अस्तामर्वान्तायाशावाः । अस्तान्नित्यासोवाजाइनाः । इषंस्तोतृहाहो
 स्त्री स्त्री टी टा ख ण टी टा ख ण टी टा ख णा टी खा
 हाइ । भ्यायाभारो । हाइ ॥९॥
 ण श प श ख ण शा

॥गौरयश्चाङ्गिरसस्यसाम ॥

नतमंहोनदुरितमियइयाहाइ । दाइवासोअष्टामार्कृत्यामियइयाहाइ । साजोषसो
 षू तू त श की कु टि त श की
 यमर्यामाइयइयाहाइ । माइत्रोनायान्तिवारूणाः । आतिद्वीषाः ॥१०॥
 की टी त श की टि ख त्र थ टा ख

चतुर्थ खण्डः

॥वसिष्ठस्यसङ्गमौद्वैसौहविषाणित्रीणि सर्वाणिवासौहविषाणि ॥

परिप्रधवन्वा । इन्द्रायसोमास्वा

तु

यू

दूर्हाइ । मित्रायापू

प ण श

चि क

ष्णेभाहाइ । गायो ।

पा ण श

प ण

हाइ ॥१॥

शा

परिप्रधन्वाइन्द्रायसोमाओहाओहाइ । स्वादुर्मित्राया

तु

टू त ट त श

टू

ओहाओहाइ । पूष्णा

ट त ट त श

खा

औहोवा । भगाया ॥२॥

शि

ता ख

परीहोइ । प्रधान्वा ।

ता च श

खा श

इन्द्राहोयसोमा ।

ता च

खा श

स्वादूर्होइ मित्राया । पूष्णेहोइ भगाया ।

ता च श

खा श

ता च श

खा श

पूष्णेभगायपूष्णेहोइभगाया । एस्वर्वाते ॥३॥

षु

टा ख

खि त्र

त

खि

हाहाइपारी प्राधन्वाए

त

ची

टि ख

हियाहाहाइ । हाहाइ न्द्रायसोमाए

प्ला त त श

त क कथ्

कि ट ख

हियाहाहाइ । हा

प्ला त त श

त

हाइस्वादू मित्रायाए हियाहाहाइ ।हाहाहाइ पूष्णे भागायाए हियाहाहा इ ।ओइळा ॥४॥

कि थच् काट ख प्ला त त श त त का थाच् काट ख प्ला त खण् श प शा

पर्येपारीप्राधन्वाहोवाहोइ न्द्रायसोमाहोवा ।होइस्वादुर्मित्रायाहोवाहोये ।पूष्णौवाउवो

ती कु का कु कि कू टा का खि

वा ।भगायाबु ।बा ॥५॥

श प्लि श श

॥वाकानित्रीणि ॥

पर्येषुप्रधन्वावा ।जसाताया ।ओइपारी ओइवृत्रा णीसर्क्षणीद्वाइषास्तारा ।धीयाऋणायाना ।ईरासाआइरासा इ ।ओइळा ॥६॥

षि ती की की टीच् क यू टा टा भि क भि ट खिण् श प प्ला

पर्येषू ।प्राधन्वावाजसातायाइ ।परिवृत्राणिसाक्षाणिद्विषास्तारा ।धिय्याऋणायानाईहिं ।रासो ।हाइ ॥७॥

ति टी का ख ण श पु चा कि प श चा या पा श च ख प्ल शा

पर्येपारी ।ऊषुप्रधन्वावाजसातये

ती षे

परिवृत्राणिसाक्षाणिद्वाइषास्तारा ।धीयऋणया

कू टि ता ट त पु

नयाउवाओबारासो ।हाइ ॥८॥

की प प्लि शा

॥प्रजापतेर्धर्मविधर्माणिचत्वारि ॥

पवस्वसोमा ।माहान्सामूद्राः ।पीतादेवानां

तु च क कि

वाइश्वाऔहोवा ।

टू खा शि

भीधामा ॥९॥

टा ख

औहोवाऔहोवाऔहोवाऔहोवा ।पावास्वसोममाहा

कु था ट ख शि ची चि

न्सामुद्राः ।पीतादेवानां

चि का टि

विश्वा भिधामाऔहोवाऔहोवाऔहोवाऔहोवा ।एधर्मा ॥१० ॥

काच्क ट ख कु था ट ख शि तट ख

ओहोवाओहोवाओहोवाओहोवापावस्वसोमामाहेदक्षायामाहोनानित्तोवा

कु था ट ख शि कू चि का चि ट

जीधनाया ।ओहोवाओहोवाओहोवाऔहोवा ।

कि ख कु था ट ख शि

एविधर्मा ॥११ ॥

त का ख

पवस्वसोमा ।माहेदक्षायामाहोनानित्तोवाजा

तु क थ टि कु खा

औहोवा ।धनाया ॥१२ ॥

शि ता ख

॥भागञ्च ॥

इन्दुःपविष्टा ।चारूर्मादायाअपामुपास्थाइ ।

तु ट कि कि टा त श

कावाऔहोवा ।भगाया ॥१३ ॥

टट ख शि ता टख

॥वाजिनाञ्चसाम ॥

अन्वनू ।हाइत्वासूतंसोमामदामसिमदा ।मासाएमहाइसामा ।रीयाराज्येवाजं आभीपवमानपवमानाः ।प्रागा हासाऔहोवा ।होइळा ॥१४ ॥

ति कि कि चि कीच् का ट खी ण चा टा टाच्क शु कि च टाच्क टा ख ण ण शा

॥प्रजापतेर्हिकनिकविकानित्रीणि ॥

कईव्यक्ताः ।नारस्सानाइळारूद्रस्यमर्यायाथाऔहोवा ।स्वश्वाः ॥१५ ॥

ती ची टाच् दूट्ख शि त टख्

काई वियाक्ताः ।

णाफ् खाफ्

नारा स्सानाइळारूद्रस्य

णाफ् ख ऋ

मर्यायाथाऔहोवा ।

दूट्ख शि

सुवाश्वाः ॥१६ ॥

ता ख

काई वियाओवाक्तानाराः ।सनाओवा

था टा क ख शि टा क ख

इळारूद्रा ।स्यमाओवार्यायाथा ।सुवाओवा

शी टा क ख शि टा क ख

श्वाः ।होइळा ॥ 17 ॥

फ् फ् शा

॥आश्वेद्रे ॥

अग्नेतमद्या ।अश्वन्नस्तोमाइःकृतू न्नाभाद्राम् ।

तु था कृच् क टा

हार्ददिस्पृशामृद्भ्या माऔहोवा ।ताओहैः ॥१८ ॥

टा क च टाट्ख शि टा ख

आग्ने होइतमाद्या ।अश्वन्नस्तोमाइःकृतु न्ना

फाफ् खिश था कृच् क

भाद्रां ।हार्ददाओइ ।स्पृशामृद्भ्या मा

टा था च श चा टाट्ख

औहोवा ।ए ताओहैः ॥१९ ॥

शि तच् क ट ख

॥वाजिनाञ्चसाम ॥

आविर्मर्याः ।आवाजंवाजिनोग्मान्देवा ।स्यसवीतुस्सावाइ ।स्वर्गाअर्वान्ताः ।जयता ॥२० ॥

क पा ण षि टु च टु त श टा खात्र क टाख्

॥आदित्यानाञ्चपवित्रम् ॥

पवस्वसोमा ।द्युम्नी सूधाराः ।माहीनामानूपूर्वीयो इळा ॥२१ ॥

तु णाफ् खाफ् टि टि खाफ् शा

पञ्चम खण्डः

॥इन्द्रस्यक्रोशानुक्रोशेद्वे ॥

इन्द्रा ।सूतेषुसोमेषूहोयेहू होइक्रतुंपुनिषउक्थ्यां ।वीदाइवार्द्धास्या ।दक्षस्यामहंहिषाः ।ओइळा ॥१ ॥

ता कु टि सद् षी चु चा या ट त पा श टा खाण् प शा

इन्द्राहोइहवे होइ ।सूतेषुसोमेषुकृतुंपुनीषउक्थ्याम् ।वीदाइवार्द्धास्या

ता की च श ष्ट्र चू चा या ट क

दक्षस्यामहंही ।षाः ॥२ ॥

चि फि ख

॥कौत्सन्तृतीयम् ॥

इन्द्रसूतेषुसोमेषू ।क्रातूंपूनाइषाउक्थ्यांवीदे

षु ता त टा की चा का

वार्द्धास्यादक्षस्या ।महंहाइषाः ।महंहिषाः ।ओइळा ॥३ ॥

टा क चि टु टा खाण् प शा

॥प्रहितोःसंयोजनेद्वे ॥

तामूआभिप्रगायता ।पुरूहूतंपूरूष्टूताम् ।इन्द्रा ज्ञाइर्भीस्ताविषामा ।वीवा

ण फ खी शा टू टा टाच् कि टि त

साताऔहोवा ।ओकाः ॥४ ॥

टिट् ख शि ख प्ल

तामूअभिप्रगायतेदाम् ।पुरूहूताम्पूरूष्टूताम् ।आइन्द्रज्ञी र्भिस्तविषमा वीवासाताआइन्द्रा ज्ञाइर्भी स्ताविषामा ।वाइवाऔहोवा ।सतए ॥५ ॥

ण फ ची शि टू टा टीच् कुच् काय ट किख ताच् क टा त ट खा शि खि

॥दैवोदासेद्वे ॥

हाबुतमूअभी ।प्रगायताहाबु ।पुरूहू तम् ।पुरूष्टुतांहाविन्द्राङ्गाइभी
 तू का भि श खि ण का भि खि ताच्
 स्ताविषामाहाबु ।विवासाता ।दीवि ॥६ ॥
 क पा फ ण श खि त्र ख श
 तामू अभी होइप्रगा
 फा णाफळ् खी
 यताए ।पुरूहू ताम् ।पुरूष्टु ताम् ।पुरूष्टु तम् ।इन्द्रा
 छि भि त भि त टा ख ण
 ज्ञीर्भाइ स्तवाइषामा ।वीवासा ।विवा
 भि तच् श भी त भि त टा
 साता ।आइन्द्रज्ञीर्भाइ स्तविषमाविवावाहा
 ख ण की तच् टृ त त
 सताउवोवा ।ऊ ॥७ ॥
 टा खा श ख

॥हारिवर्णानिचत्वारि ॥

तन्तेमदङ्गुणिमासी ।वृषाणंपृक्षुसा
 दू चा दू च
 साहाइम् ।ऊलोकाकृत्नुमद्राइवोहारी ।श्राया म् ।ओइळा ॥८ ॥
 क च श पु टा ता ट त ट ख ण् प शा
 तन्तेमदङ्गुणीमसीए ।वृषाओहोणंप्रक्षुसासहीम् ।ऊलोओहोकृत्नुमद्रिवाः ।
 पी ती त कि ख यी शा कि ख शु
 हारोबाश्रायां ।हाइ ॥९ ॥
 क प ळ् ळा शा
 तान्तेहोइमदांगृणीमसीए ।वृषाहो
 ण फळ् खी पु टि
 णंप्रक्षुसासाहिं ।ऊलोककृत्नुमद्रिवोहा
 यी टा पु यी

री श्रीयामौहोवा ।होइळा ॥१० ॥

टच्च क पा प्ला प्ल शा

तन्देमदांगृणीमसाइ ।वार्षाणंप्रक्षूसासा

फी की श कु टा

हींहोवाहाइ ।ऊलोकाकृहोवाहाइ ।

त टा त श टि त टा त श

त्नुमाद्रा इवाऔहोवा ।हारिश्रीया म् ॥११ ॥

टिद् खा शि च टिख

॥त्रैतानिचत्वारि ॥

औहोयौहोवा ।यत्सोममीन्द्रावीष्णावाइ औहोयौहोवा ।यद्वाघत्रीतायासीयाइ औहोयौहोवा ।

च य ट ख श स्त्री कि फ श च य ट ख श स्त्री कि फ श च य ट ख श

यद्वामरूत्सूमन्दसाइ ।औहोयौ

स्त्री कि फ श च य ट

होवा ।सामिन्दुभीः ॥१२ ॥

ख त्र टि ख

हायोहायत्सोममान्द्रा वाऔहोवा ।ष्णावे ।

षु ता ट्द ख शि ख श

यद्वाघात्रीतआसीये ।यद्वामरूत्सुमाहोन्दसाइ ।

टा का चा का टू टि श

समाहोये ।न्दुभिरो

टा टा खि

इळा ॥१३ ॥

शा

यत्सोममिन्द्रविष्णावाइ ।यद्वाघत्रीतआप्तायाइ ।

षु ता त श षी ची श

यद्वामरूत्सूमन्दासोहाइ ।सामाऔहोवा ।

चू पा ण श ट्द ख शि

एन्दुभीः ॥१४ ॥

त टाख

यत्सोममाइन्द्रवीष्णवाइ । ।यद्वाघत्रीताआसे ।यद्वामारूत् ।सूमान्दासाइ ।सामाऔहोवा ।न्दुभिः ॥१५ ॥
 फी कु श टा च चा का टि त टा ख ण श तट्ख शि ख ण

॥सराधसःप्रराधस्यश्चाङ्गिरसयोस्सामानित्रीणि ॥

एदू माधोर्मदाइन्तार म् ।सिञ्चाध्वर्योअन्धसाधासा ।एवाहिवीरास्तवताइवाताइ ।सदावार्धाः ॥१६ ॥
 फा फा खा खा श क टू ख ण क पी टि खा ण श खि त्र
 एदुमधौहोर्मदिन्तरा म् ।सिञ्चाहोअध्वर्योअन्धासाआइवाहिवीरास्तवताइ ।सदा वृधाऔहोबा ।
 पु की भि टि भि यि टा च चि श टाच् वृ टा ख ण

होइळा ॥१७ ॥

एन्दुमिन्दूरायसीञ्चता ।पिबातसोम्यम्माधू प्राराधांसी ।चोदयतामा
 फि फा खा शा टा चा कि टि त यी प
 ही ।त्वानाऔहोबा ।होइळा ॥१८ ॥
 श टि ख ण ण शा

॥वैश्वमनसम् ॥

एतोन्विन्द्रंस्तवामा ।साखा यस्तोम्या
 तू त काच् टा खणफण्
 नारमाकृष्टीयोर्विश्वा ।आभियास्त्याइकाई त् ।आऔहोवा ।ऊ ॥१९ ॥
 षु चि टी टि ख शि ख

॥सौमित्राणित्रीणि ॥

इन्द्रायसा ।मागायतावाइप्रायाबृहाते बृहात् ।ब्रह्माकृते वीपाश्वाइताऔहोवा ।पानस्यवे ॥२० ॥
 ती कि चि टा का चा टीच् क टाट् खा शि च टिख्
 इन्द्रा यसामगायाता ।वाइप्रा याबृहता
 खा ण्नी ड श किच् टा खाणफण्

इबृहात् ।ब्रह्माकृते वीपाश्विते ओइपा ना

श ख श थ टि च टी टि ट् ख

औहोवा ।स्यावे ॥२१॥

शि ख श

औहोऔहोऔहोवा ।इन्द्रा यासामगायाताविप्रायाबृ हातेबृ हात् ।ब्रह्माकृते वीपाश्विते ।औहोऔहोऔहोवा ।

क की ख त्र टा च् क टि क टि चा क का श थ टि ची टि क की ख त्र

एपानस्यवे ॥२२॥

त च टि ख्

॥त्रैककूभानित्रीणि ॥

याएकाइद्वीदयाताइ ।वासुमर्कताहाया

ख ष् ख खी ण श च टि त

दाशूषाइ ।आइशानोअप्राताहाइष्कृताः ।

का ख ण श कि टी खि ण

आइन्द्रो अङ्गायाऔहोवा ।ईन्द्राः ॥२३॥

कि टा ट् ख शि ख ष्

यएकइदिहाहाइ ।वीदयताइवसुमार्कतायादा

तू त श षु टि त च् चा

शूषाइ ।ईशानोआप्रातिष्कृताआउवा ।ईन्द्राः ।अङ्गाऔहोवा ।होइळा ॥२४॥

शि भि त क कि टि ख ष् क टा ख ष् ष् शा

यएकइद्विदयाताइ ।वासुमर्क्तायादाहिंशूषाइ ।आइशानोअप्रताइ ।ष्कृताः ।आइन्द्रो अङ्गायाऔहोवा ।ईन्द्राः ॥२५॥

षी ति त श पु शा त त श यी चि श त त कि टा ट् ख शि ख ष्

॥औक्षोरन्धराणित्रीणिऔक्षोनिधनानिवा ॥

सखाययाहाबु ।शिषामहेहाबु ।ब्रह्माइन्द्राहाबु ।यावज्रणास्तुतऊषुहाइ ।वोनृतमाहा याधार्षणावाऔहोवा ।ऊपा ॥२६॥

ती त श खा शी खा शी टू त श टी त च् क टा ट् ख शि ख श

सखाययाशिषामहेब्रह्मेन्द्रायवज्रिणोवा ।आइतिवाहोवाहाइ ।स्तुषऊषुवोहोहाइ ।नार्कतामाहोवाहायाधार्षणावा
 षे तू त टि त टा त श चि प प्ला ड श मा त टा त च टाट्ख

औहोवा ।ई ॥२७॥
 शि ख

साखाययाशिषामाहाइ ब्रह्मेन्द्रायवज्रिणो
 फ णि फि ख श फू ट

हाइ ।स्तुषऊषूवोनार्त्तामायाधृहाहाइवोनार्त्तामायाधृहाहाइष्णावाऔहोऔ
 ड श चि का कि ख प्ल त च का कि ख प्ल त च टि ता

होवाहा धृष्णावाऔहोऔहोवाहाहा
 ता त कथ् टि ता ता त त ख

औहोवा ।उऊपा ॥२८॥
 शि खा श

षष्ठ खण्डः

॥इन्द्राण्यास्सामनीद्वेइन्द्रस्यवासांवर्ते संवर्तस्यवाङ्गीरसस्य ॥

एन्द्रनाः ।गधिप्राया ।सात्राजिता ।गोहायागिराईर्नवाइ ।श्वाताःपार्थूःपा र्ताऔहोवा ।दीवाः ॥१॥
ति क टा ख की टा खा ति श ति टाट् ख शि ख प्ल

॥दैवोदासानिचत्वारि ॥

यस्याओत्याच्छाओंबर म्मादाइ ।दिवोओदासा
ता प ता प प्लात त श ता क ता
ओयर न्धायायान् ।अयाओंससोओमइन्द्राताइ ।
प प्लात त श ता क ता प प्ल तात श
सुताःओःपिबाओबा ।ऊपा ॥३॥
ता क ता प प्ल ख श

यस्यात्यच्छांवरम्मादाइ ।दीवोदासायरन्धायन्ना
फी की श षी
यां सासोमइन्द्राताइ ।सूताऔहोवा ।
कूच क ख तित श ट ख शि
पीबा ॥४॥
ख श

यस्यात्याच्छांवरम्मादाइ दीवो दासायरन्धयन्नयां सासोमइन्द्राताइ ।सुताओःपा इबाऔहोवा ।ई ति ॥५॥
खी प्ली श टाच क षि कीच क ख तित श का टाट् खा शि ख श
यास्यात्याच्छद्दोइशंवराम्मदाए दीवोदासायरन्धय न्नयांसासोमइन्द्राताऔहोवा ।सूताःपिबो ।इळा ॥६॥
फ प्ला खू प्लि षी ची भि ख खी शि ख प्ल खा शा

॥रेवञ्च ॥

हाबुगृणाइ ।तदाइन्द्रो ताइ ।शवाओवा
ती श खी ण श टा का

उपामान्दे ।वातातयाइयद्धंसाइवात्रमोजसाशाची ।पाताऔहोवाहाऔहोवा ।द्युभीः ॥७॥
 खि ण पु टि खा शू टा ट खि शि ख ण

॥आक्षारञ्च ॥

गृणेतदाऔहोइन्द्रते शवाः ।उपामान्देवातातायाइयद्धांसिवात्रमोजसाशाचीपा ।ताइ ॥८॥
 खी खा चि णा चा था काट ख चि ता का चा चा फ ख श

॥रेवञ्चैव ॥

गृणेतदौहोइन्द्रते शवाः ।उपामान्दे वातातायउपामान्देवातातायाइ ।यद्धंसी
 फु शि का चा टाच् का चीट थच् काट त श कि
 वृत्रमोजसाउवा ।शाचीपाताइहोइळा ॥९॥
 टि का ता ख ण ख खि शा

॥आक्षारञ्चैव ॥

याइन्द्रसो ।मापातामाः ।मादश्शवाइष्ठचेतताइ ।याइनाहांसी ।नीयत्रिणान्तामीमा ।हाइ ॥१०॥
 ती टा ख ण षी कि चा श टि ख ण की च क फ ख श

॥यामम् ॥

तुचेतुनायतात्सूनाः ।द्राघीयआयूः ।जीवा
 षी खि ण का खा ण चा
 साआदित्यासास्सम्महसाः ।कृणोता ।ना ॥११॥
 टि टा टी खि त्र

॥भारद्वाजस्यशुन्ध्यु ॥

वेत्थाहिनिऋतीनां ।वाञ्जहास्तापारी ब्रजामाहारा

षि ती की का कि का

हाशुन्ध्युःपारी पदा ।माइवा ॥१२ ॥

का कि टा ख त्रा

॥आदित्यानाञ्चापामीवम् ॥

अपामीवामपा ।स्त्रीधामपसे

तू शु

धतादुर्ममातीम् ।आदीत्यासो यूयोतनानाआउवा ।ओबांहासो ।

का टा त टा टाक् क षी कि प प्ल प्ला

हाइ ॥१३ ॥

प्ल शा

॥वसिष्ठस्यचवैराजे ॥

पीबा ।सोममिन्द्रमन्दतुत्वा ।

ता शु टि

यन्तेसुषावहर्याश्वाद्रीः ।

क कू ट त

सोत)र्बाहुभीयाम् ।सूया ताऔहोवा ।ए नार्वा ॥१४ ॥

ट टि त टाट्ख शि तच् टाख्

हाबुपिबा ।सोमामिन्द्रमन्दतुत्वादतुत्वा ।य

ती शु कि चि क

न्तेसुषावहर्याश्वाद्रीश्वाद्रीः ।

यू टा टा

सोतुर्बाहुभ्यांसूयतास्सूयतो नार्वाऔहोवा ।ई ॥१५ ॥

क की कि किट्ख शि ख

सप्तम खण्डः

॥इन्द्रस्याभ्रातृव्यम् ॥

आभ्रातृव्योअनातुवाम् ।आनापिराइन्द्रा जनुषा
 फी की कूच क टा
 सना दासी ।यूधे दापित्वामिच्छसे ।युधा ॥१॥
 खाणफड्ख श चा क कु ताच

॥शार्करेद्वे ॥

योनोहाबु ।ईदामिदम्पूराहाबु ।प्रावाप्रवस्ययाहाइ ।नीनानीनायतमुवो
 ता त श दू त श दू त श षी टी
 हाबु ।स्तुषाइ सखाययाहाइ ।न्द्रामूताया इ ।श) ।ओइळा ॥२॥
 त श षि टी त श टि खण् प शा
 योना इदमिदाम्पूरा ।योनइदमिदाम्पूरा ।
 णाफ् खी शा यू प श
 प्रावस्ययानीनायतामूवास्तुषाइ ।नीनायता
 कू खा कि फ श च खि
 मूवास्तूषाइ इ ।साखायायाइन्द्रमूतायाइ ॥३॥
 कि फा श टि ट खीत्र श

॥बृहत्कम् ॥

आगन्ता ।मा रीषण्या
 ति तच् क टा
 ता ।प्रस्थावानोमापा
 त का का चा
 स्थातासामान्यवाः ।द्रढाश्चीद्या ।मयोवा
 था च य टा भि त ष्णि

ष्णावो ।हाइ ॥४॥
 प्ला शा

॥सौयवसानिचत्वारिपुनरींळवातृतीयम् ॥

आयाही ।आयमिन्दवेश्वपाताइ ।गोपाताउर्वरापाताइसोमाम् ।सोमापा ताऔहोवा ।पीबा ॥५॥
 ति पी टि त श कि काय पा ति टिद्व ख शि ख श

अयाहिया ।यामाइन्दावे ।आश्वपते गोपताउर्वराहाइपाताइ ।सोमंहाइ ।सोमपतेहाइपाईबाए हियाहा ।होइळा ॥ ६ ॥
 ती त पि श की कि टि खिण श प णाश टीत पा फ्लि शि प्ल श

आयाह्ययमिन्दावाइ ।
 तू त श

अश्वापाताइगोपाता
 चा य ट ची

उर्वरापाताइ ।सोमंसोमाओपाताइपीबाओबा ।ऊपा ऊपा ॥७॥
 टि ख ण श की का की प प्ल ख श प्ल ख ण

त्वयाहस्वीत् ।यूजावयं प्रातीश्वासान्तंवृ षाभ ब्रूवीमाहाइसंस्थाइ ।जानास्यगोबा ।माताः ॥८॥
 ती की या टा का का या पा ति श पी प्ल ख प्ल

॥मरुताञ्चसंवेशीयंककूभंवा ॥

गावश्चित्वासामन्यवाः ।सजात्येनमरूतस्सबन्ध
 तु ति पु

वाहोइ ।रीहते काकुभो ।मीथाऔहोबा ।होइळा ॥९॥
 टू च श कि पा श टि ख प्ल प्ल शा

॥इन्द्रस्याभरेद्वे ॥

त्वन्नई ।न्द्राभारा ।ओजोनृम्णांशताक्रातो
 ति टा त चा था टीच्

वीचर्षाणाइ ।आवीरांपृ हाइ ।ताना

क खा ण श क भित श ट ख

औहोवा ।साहाम् ॥१० ॥

शि ख श

त्वन्नइन्द्रा ।आभारा ।ओजोनृम्णांशाताक्रातो

ती टा त चा था टी

वीचर्षाणाइ ।आवीरांपाक्ताना साहामौ

खि ण श क टा त काच क पा

होबा ।होइळा ॥११ ॥

प्ल प्ल शा

॥ऐषिराणित्रीणि ॥

अथाहिया ।न्द्रागिर्वाणाः ।उपत्वाकामाई मा

ती टि त कि तच् काट

हाइ ।सासृग्माहाइ ।ऊदे वाग्मान्ताः ।

त श क टा त श का टा त

उदाभिरिळाहभीः ।

पा पु

होइळा ॥१२ ॥

प्ल शा

अधाहीन्द्रगिर्वाणाः ।ऊपत्वाकामाई माहाइसासृग्माहाइ ।ऊदेवाग्मान्ताओबादाभो ।हाइ ॥१३ ॥

तू त की या टा चा य टा श च य टाच क प प्ल प्ला शा

अधाहीन्द्रर् गिर्वणाए ।ऊपत्वाकामाईमाहाइसासृग्माहाइ ।उदौहोइवाहाग्मान्ताओहोवा ।ऊद भिरे ॥१४ ॥

षी ति त चि य ट टि चा खा ण श टा त टा त ट ख शि चा टाख

॥प्रजापतेस्सीदन्तीयेद्वे ॥

साईदन्तस्तेवयोयाथा ।गोश्राइस्तेमधो र्म्मादिरोवाईवाक्षणाः ।आभीत्वामाइन्द्रानोनूमाः ॥१६ ॥

प प्लू ड श क कि काच क पि प्ला ता ची किफ ख

॥पथस्यसौभरस्यसामनीद्वे ॥

वाया मुत्वामापू र्विया ।स्थुरन्नकश्चीत्भरा ताआवास्यावाः ।वज्रिंश्चित्रां ।हावामाहो ।हाइ ॥१७ ॥

णाफ् स्त्री शा क कूच का य पा ती प श प्रवप्ला शा

वयमुत्वमपूर्वस्थूरन्नकश्चित्भरन्तओवा ।हाहाअवास्यावाः ।हाहाइवज्रिंश्चित्राम् ।हा

षो तू त त चिप श त दू त

हाइहवामाहाउहुवाहाबु ।बा ॥१८ ॥

चीप षु श श

अष्टम खण्डः

॥वसिष्ठस्याभरेद्वे ॥

विश्वतोहाबु ।दावन्विश्वतो नया ।हाओहा ।

ति त श क थ कि ता खा ण

आभराभारा ।यन्त्वाशवीष्ठामाइ ।माहा

किट त टा का चा श टा

औहोऔहोवा ।ऐहीऐही ॥ 1 ॥

खी श तीच्

विश्वतोदावन्विश्वतो नया ।भराभारा ।यन्त्वाशवी

षु तु काट त टा का

ष्ठामाइ ।माहाऔहोवा ।होइळा ॥२ ॥

चा श टि ख ण्ण ण्ण शा

॥वासुमन्देद्वे ॥

एषाः ।ब्रह्माययाआउवा ।एत्वियाया ।आइन्द्रानामश्रूताआउवा ।एगृणाया ॥३ ॥

ता का ता टि त ता ख ट ता क ति टि त ता ख

एषाएषाः ।ब्रह्मा ब्रह्मा याऋत्वियाउवाआउवा ।आइन्द्रोआइन्द्रोनामश्रूता

ती टाच् टाच् क कू कि टि टि क कि

उवाआउवा ।गृणाऔहो

का कि टि ख

बा ।होइळा ॥४ ॥

ण्ण ण्ण शा

॥कावर्षाणित्रीणि ॥

एषाओवा ।ब्रह्माया

ती का ट

ऋत्वियाः । आइन्द्रोहाइ ।

चि टित श

नामा । श्रूतो । गृणाओहोबाहोइळा ॥५॥

त त प श टि ख ण ण शा

ओहाओहा । ए

ट ख ख ण क

षब्रह्मायाऋत्वियाःओहाओहा । इ

पि श खि ट ख ख ण क

न्द्रोनामाश्रूतो गृणाइ

पि श खि श

ओहाओहा । ए

ट ख ख ण त

स्वर्वते ॥६॥

टिख्

एषब्रह्मौहोयाऋत्वियाः ।

थ कु चि

इन्द्रोनामौहोश्रूतो गार्णाआउवा । ऊपा ॥७॥

था की कि टि ख श

॥ प्रजापतेः श्योकानुश्योकानित्रीणि ॥

हाबुस्वरता । ब्रह्माणाओवा । इन्द्रम्माहयान्तोर्केः । आवा धर्धान्नहयेह न्तावाऊ । श्योकाः ॥८॥

तु टि का कि टा ख ण टाच् चा की खात्र ख ण

हावभिस्वरता । ब्रह्माणआइन्द्रा माहयान्तोर्केः ।

तू टूचक टा ख ण

आवर्धान्नहयेह न्तावाऊ । श्योकायताः ॥९॥

चिट की पात्र तच् क टाख्

हाबुस्वरता । स्वारातस्वाराता । आनावस्तेरथमश्वायाताक्षूर्हाबुस्वरता ।

तु चा टित की की च य प शु

स्वारातस्वारातात्वष्टा

चा टित का

वज्रम्पुरुहू ताद्युमान्तांहाबुस्वरता ।स्वारातस्वारा
 का कि पी शु चा टि
 ताऔहोवा ।शि) ।स्वाराता ॥१० ॥
 ख चाटख्

॥वाचस्सामनीद्वे ॥

औहोइशम्पादम् ।माघंरायाओईषीणाइ ।
 ची क फ की प ति श
 नाकाममव्रतोहिनोतिनस्पृशा ।द्रयिमोइळा ॥११ ॥
 षू कृ खि शा
 सादागावश्शुचयोविश्वाधायासास्सादान् ।दाइवा
 ता कु टी खा त्र टि
 अरोबा ।पासाः ॥१२ ॥
 पा ष्ठ ख ष्ठ

॥मरुताञ्चसाम् ॥

आयाही ।वनासासहा ।गावस्सचन्तावार्तानीम् ।यादू ।धभिरोइळा ॥१३ ॥
 ति टा च शा की च य टा टा खि शा

॥वैश्वामित्रञ्च ॥

ओवाउपप्रक्षेमधुमतिक्षियन्तओवा ।ओवाइपुण्ये
 षे ती त षु
 मरइन्धीमहेताआइन्द्रा ।ओवायाउवाओवा हाउवा ।ऊपा ॥१४ ॥
 कू टा ता कु टा च य टा ख श

॥मारूतञ्चैव ॥

अर्चन्तिया । कर्मरूतास्सूवार्काः । आस्तोभाताइ । श्रूतोयुवासआइन्द्रा उवा । ऊपा ॥१५॥
 ती की टा त टा चा श क कु का ता ख श

॥उद्वंशपुत्रञ्च ॥

प्रवाःआइन्द्राय वृत्रहान्तमा
 ता षी टु

या । विप्रायगाथाज्ञायाता । यञ्जुजोउवा । उपषातो । हाइ ॥१६॥
 त यू प श कि कि टि ख त्र श

नवम खण्डः

॥धुरशम्येद्वे ॥

अचेती ।अग्निश्चीकाइतीर्हान्यावाण्णाऔहोवा ।सूमाद्राथाः ॥१ ॥

ति टी ता ट त ट्ख शि टि ख

अचेतिया ।ग्राइश्चाइकाइतीर्होऔहो ।हान्यावा ण्णाऔहोवा ।ए सूमाद्राथाः ॥२ ॥

ती षि टी टि त टिद्ख शि तच् टि ख

॥प्रजापतेर्गूर्दः ॥

ओग्राइ ।त्वनोयाहिम्मान्तामाः ।ऊतत्राता

त त श पा श खि ण्

शिवोभूवाः ।शिवोभुवावारोबाथायो ।हाइ ॥३ ॥

कू खा पी ण्णा ण्णि शा

॥विश्वामित्रस्यचार्दः ॥

अग्रौहोइत्वौहोइ ।न्नोआन्तामाआउवा ।

तू श त कि टि

ऊतात्राताउवोवा ।शिवोभूवाः ॥४ ॥

ख श खी ण टीख्

॥प्रजापतेश्चैवगूर्दः ॥

अग्नेतूवान्नोअन्तामाः ।ऊतत्राताशिवोभुवोवरबुहौहाहोबाथायो ।हाइ ॥५ ॥

खी ण्णी षी की की खा ण्णा ण्णा शा

॥विश्वामित्रस्यचैवात्यर्दः ॥

अग्नेहोइतूवान्नोअन्तामाः ।उताहोवाऔहोइत्राताशिवो ।भूवाः ॥६॥
 खू पु टा था टच् य टि खाणफ्ळ ख ण्ळ

॥प्रजापतेस्सन्तनीकेद्वे ॥

भागाः ।नाचित्रोअग्निर्महोनान्दाधाऔहोवा ।
 ता षि टी त टट् ख शि

तीरात्नाम् ॥७॥
 टा ख

भगोनचित्राः ।अग्निर्महोनान्दाधाऔहोवा ।ए
 तु टी त टट् ख शि तच्

तीरात्नाम् ॥८॥
 टा ख

॥प्रजापतेर्धनधर्मेद्वे ॥

विश्वस्या ।प्रस्तोभापुरोवासान्यदिवे हानूना माऔहोवा ।धानम् ॥९॥
 ति कि टी तिक टाट् ख शि ख श

औहोइविश्वस्या ।प्रस्तोभापुरौहोवाहाइ ।वासा न्यादिवे हानूना मा
 तू टि ती त श टाच् क का टिट् ख

औहोवा ।धार्मा ॥११॥
 शि ख श

॥उषसश्चसाम ॥

उषाअपा ।स्वासुष्टामाः ।संवार्कतायतिवार्कतानीम् ।सूजाऔहोवा ।एताता ॥११॥
 ती क खाण टा क टि ख ण टट् ख शि तट् ख

॥वैश्वामित्रञ्च ॥

इमानूकम्भूवनासीषधाईमाउवा ।ई हा ।इन्द्राश्चवाइ उवाई हाचदे वाया
 तु ता क टा का ता ख श थ कु ता ख श का टट् ख
 औहोवा ।वीशाः ॥१२ ॥
 शि ख प्ल

॥भारद्वाजञ्च ॥

ऊर्जा ।मित्रोवारूणःपिन्वातआइळा ।पिबारीमिषङ्गुहीनआइन्द्राउवा ।ऊपा ॥१३ ॥
 ता कू टि ता षू खू ता ख श

॥इन्द्रस्यचरातिः ॥

विसूविसू ।तायास्ताया
 ती टा टा
 यथापाथाः ।आइन्द्रा
 का चा टि
 त्वाद्या न्तूरोबातायो ।हाइ ॥१४ ॥
 टाच्च क प प्ल शा

॥भारद्वाजञ्चैव ॥

अयावाजाम् ।दाइवा हीतं ।सने मा ।मादेमा
 ती किच् चा खा श कि
 शशाताहिम्माशशाताहा इमाऔहोवा ।सूवीराः ॥१५ ॥
 चा टा क टाट् खा शि का टख्

॥इन्द्रस्यचवैराजे ॥

इन्द्रो विश्वस्यराजतीहोइळा ॥१६ ॥

खा प्ली शाख शा

इन्द्रो होइवाइश्वास्यारा जतीहोवा ।होइळा ॥१७ ॥

टाच्चय टा चा काच्च ती ख शा

दशम खण्डः

॥प्रजापतेर्वाजसनी ॥

ओई त्रीकाद्रूकाइषू माहिषोयाव शीर न्तूवी

चाक फ टी चि काक फ

शूष्माः ।ओइत्रं पात् ।सोमामपीबद्वीष्णूनासूतंयाथावाशं ।ओइसाईम् ।ममाद माहिक

क फ खि ण कू चाक फ चाक फ खि ण चि कि

मर्माकार्कृतावेमाहामू रूम् ।ओइसाइन म् ।सश्वादे वोदे वाम् ।सत्यइन्दूस्सत्यामिन्द्राबु

चा क फ कि फ खि णा टि का च टू क थ श

बा ॥१ ॥

ख

॥गौराङ्गीरसस्यसामनीद्वे ॥

अयंसहोहाइ ।समानावाः ।दशाःकवीनाम्मति

ती त श खि ण की

जोतिर्विधार्मा ।ब्रध्नस्समाइचीरूषासस्सामा

की खि श टू का चि

इरायात् ।अराओवापासस्सचेतसाः ।स्वास

याट ता काख ङ्गि ता

रे मन्यूमान्ताः ।चितायाओहोवा ।गोः ॥२ ॥

कि टि त खि शि ख

अयंसहस्रमानावाः ।दशाःकवीनाम्मतिजोतिर्वि

षु ता त षी की

धार्मा ।ब्रध्नस्समाइचीरूषासस्सामाइरायात् ।

टि त टू चा चि याट

ओवाअरे पासस्सचेतसस्वासरे मन्यूमान्ताः ।

का टाक कि कु टि त

ओवाचितागोराओहोवा ।वो ॥३ ॥

का काट्ख शि ख

॥प्रयस्वच्चप्राजापत्यम् ॥

एन्द्रयाह्युपनाः ।परावाताः ।नायमच्छावीदथा

तू टा ख ण की

नाइवासत्पाताइः ।अस्ताराजेवासत्पा

कू खा ण श भित क खा

ताइः ।हावामहेत्वाप्रयस्वन्ताः ।सूताइषू आ

ण श षु ती टी कथ्

पुत्रासोनापीतरंवाजासातायाइ ।मंहाइष्ठांवा ।जासातायोहाइ ॥४ ॥

की कू ख ण श भित प श ख ण शा

॥अक्षय्यञ्चरेवत् ॥

तमिन्द्रन्जोहवीमीमाघवानाम् ।ऊग्रम् ।सत्राहोइदधानामप्राताईष्कृतम् ।श्रवांसाइभू रिम् ।मंहिष्ठोगीर्भिराचायाज्ञायाः ।वावर्कृतारायेहोइनोविश्वासुपा था ।कृणोतूवाऔहो

षू तु ख श षू टी खा ण टा ट खा श षु टि ख ण कि ट की खी श ता ट ख

॥सवितुश्चसाम ॥

अभित्यन्देवंसवितारमौहोऔहोवाहाइ ।ओणायोः ।काविक्रातूम् ।औहोऔ

षृ तू त श पा ण पि ण क का

होवाहाइ ।अर्चामीसात्यासावांरा ।त्नाधामाभीप्रीयम्मातीम् ।औहोऔहोवाहाबु ।ऊर्ध्वा

पा शा खि श खि ण पि ण पि ण क का पा शा

यास्या ।आमातीर्भाः ।आदीद्यूतात् ।सावीमानी ।औहोऔहोवाहाइ ।हीराण्यापाणीरा

खि ण खि ण पि ण पि ण क का पा शा खि श

मीमी ।तासुक्रातूः ।औहोऔहोहाउवा ।ए कृपास्वाः ॥६ ॥

खि ण चि ण का पा शि तच् क ट ख

॥वाक्रतुरञ्च ॥

तावत्यन्नार्यवृताबु ।आपाआइन्द्रा प्राथम
 प श प्ला डि श टुचक
 म्पूर्वीयं दीवीप्रवाच्यकृतम् ।योदेवास्या
 पि चाक फ चि क फ टीच
 स्याशावसाप्रारीणायासूरीणान्नापाः ।भूवो
 क पि चाक फ चाक फ
 विश्वामाभ्यदाइवमोजसा ।वीदे दूर्जशता
 टु पा चि क फ चाक फ
 क्राताबु ।विदाइदिषाबु ।बा ॥७ ॥
 खि ण श षु श श

॥ऐषञ्च ॥

अस्तुश्रौषाट् ।पूरोअग्निन्धीयादधे होऔ
 ति त षी की का

होवा ।अनुत्यच्छर्धो दिव्यंवृणाहाइमाहाइ ।इन्द्रांवायूवृणीमाहाइ ।यद्धाक्राणाविवास्वाताइ ।नाभासन्दायानाव्यासाइ ।अधप्रनूनमुपयन्तीधीतायोहोऔहोवा ।दाइवंअ
 त त कुचक टि खि ण श भि त टा ख ण श दू ख ण श क टु ख ण श षी कू टा का त त टि

॥यामम्मरूताञ्चसाम ॥

प्रावोमहेमतयोयन्तुविष्णावोहाइ ।मरूत्वताइगिरिजाहाहाए वयामारूत् ।प्राशाद्धायाप्रायाज्यावाइ ।सूखादायाइ ।तवासेभन्ददिष्टये धुनाइब्राता ।याशाऔहोवा ।वासे
 प पू प्ली ड शा ती टी त था खि ण च य टा च य टा श का ख ण श का था की भी त टट् ख शि ख श

॥भारद्वाजस्यविषमाणित्रीणि इन्वकंवातृतीयम् ॥

आया ।रूचाहारिण्यापुनानाः ।विश्वाद्वेषांसितरतीसायुग्वाभिः ।सूरो नासायूऔहोवा ।ग्वाभिः ॥१० ॥
 ता कु खा श षी पी कि ष्ट का टाट् ख शि ख ष्ट

आयारूचाहारी ण्या । पुनानोविश्वाद्वाइषाम् । साइतरत्यौहोवाहाइ । सायूग्वाभीः । सूरुोनासयूग्वाभाइः ॥११॥

फा खीश का टी ता कु ता त श टाख ण टा खी त्र श

अयारूचाहारीण्यापूनानोविश्वाद्द्वेषाम् । साई तारा तीसायूग्वाभीः । सूरुो नासायूग्वाभिर्धारापृष्ठा ।

की थि प शू चा का का य टा का टा ख शू

स्यारो चाताइ ।

टाचूक च श

पुनानोआरूषोहारिर्विश्वायद्रू । पापरियासायाक्वाभीः । सप्तासीये । भाइराक्वाभोहाइ ॥१२॥

टी काख शू क कि यि ट भि त प शाख फ़ शा

॥पारूच्छेपेद्वे ॥

अग्रिंहोता । रम्मन्ये

ती क था

दास्वन्तमोवा । वासो

क ता त का

स्सूनुम् । सहासाजातावेदासाम् । विप्रान्नजा

ख ण का था च य टा ती

ओवा । तावेदासम् । याऊर्ध्वायासूआध्वाराः ।

त त टाख ण चीक भि

देवोदेवाओवा । चीयाकृपा । घृतोओवा ।

ती त त चाख ण ता त त

स्याविभ्राष्टिमनुशुक्रशाओवा । चीषआजुह्वाना

टि तू त त दू

स्यसाओवा । र्पाइषा औहोवा । ऊपा ॥१३॥

ता त त ट खा शि ख श

अग्रिंहोतारं मन्येदास्वन्तंवसोस्सूनुम् । सहासाजातावेदासाम् । विप्रान्नजातावेदासाम् । याऊर्ध्वायासूआध्वाराः । देवोदेवाचायाकृपा । घृतास्यविभ्राष्टीमानूशुक्राशो

कु था च शू का था च य टा ची च य टा ची भी का था च य टा ता चू का य

चिषाः । आजुह्वानास्यासार्पाइषो । हाइ ॥१४॥

टा टि त प श ख फ़ा शा

॥बार्हस्पत्येद्वेअग्नेर्वाराक्षोघ्ने ॥

अहावोहावोअहावोहावोअहावोहावाः ।अग्निष्ठापातीप्रतिदहा त्यग्निंहोतारम्मान्येदास्वन्तम् ।वासोस्सूनुंसहसाजातावेदसम् ।याऊर्ध्वयासूआध्वाराः ।देवोदेवाचीयाकृ
 खी ण् खी ण् खी ण् टुच् कीख् की खा चाक फ की की ख चाक फ चा खा चा क फ क ख चा क

शोचीषाः ।आजुह्वान्वास्यासार्पिषाः ।

चा क फ कि ख चा क फ

अहावोहावोअहावोहावोअहावोहावाः ।अग्निष्ठापातीप्रतीदहा आताइ ।एविश्वंसमत्रीणन्दहा ।एविश्वंसमत्रीणन्दहा ।एविश्वंसमत्रीणन्दहा ॥१५ ॥

खी ण् खी ण् खी ण् टुच् कीख् त्रा श त का खू त का खू त का खू

त्यग्नाइःप्रतिदहातीहाबुहोहाबु ।अग्निंहोता

खा श फि ण् खि शा की

रम्मान्येदास्वन्तम् ।वासोस्सूनुंसहसाजातावेदसम् ।याऊर्ध्वयासूआध्वाराः ।देवोदेवाचीयाकृपा ।घृतास्याविभ्राष्टिमनुशू

खा चाक फ की की ख चाक फ चा खा चा क फ क ख चाक फ का कि खी

क्राशोचीषाः ।आजुह्वान्वास्यासार्पिषाः ।त्यग्नाइःप्रतिदहातीहाबुहोहाउवा ।एविश्वंसमत्रीणन्दहा ।एविश्वंसमत्रीणन्दहा ।

चा क फ कि ख चा क फ खा श फि ण् खि शि त का कूख् त का कूख्

एविश्वंसमत्रीणन्दहा ॥१६ ॥

त का कूख्

पवमानपाठः

प्रथम खण्डः

॥आजीकञ्च ॥

उच्चा ।तेजातामान्धासा ।

ता था च य टा

दिविसत्भूम्याददाउग्रंशार्ममा ।माहा

षु का टि त टट्ख

औहोवा ।उप्श्रा वाः ॥१ ॥

शि खाप्ल

॥आभीकञ्च ॥

उच्चातेजा ।तामान्धासा ।दिवाइसा

पिण पि ण पी

त्भू ।मियाददाउग्रंशार्ममा ।माहाइश्रा

ण चा शा पि ण टीट्

वाऔहोवा ।वाइ ॥२ ॥

ख शि खश

॥ऋषभश्पपवमानः ॥

हाहाउच्चातेजा ।हाहाइतमान्धासा ।

तू त त टि ख ण

दिविसत्भूमियादादे ।उग्रंशार्ममा ।ओं

यू प श खि ण च

ओंमहोबाश्रावोहाइ ॥३ ॥

ट खाप्ल प्ला शा

॥आभीकञ्चैव ॥

ऊच्चातेजा तमौहोन्धासा ।दिविसत्भूमि

प शिष्ट् डी श

यादादे ।उग्रंशार्ममा ।महाउवाइश्रा

यू प श खि ण टा खी

वोहाइ ॥४ ॥

प्लु शा

॥बाभ्रवेद्वे ॥

उच्चातेजा ।तामन्धासाओमोवा ।दिविसत्भू

ती टी कि कुच्

मियादादेओमोवा ।उग्रांशार्ममा ।

काय ट कि चाय ट

ओमोवा ।माहाऔहोवा ।श्रवाई ॥५ ॥

कि टट्ख शि ता टख्

उच्चातेजा ।तामन्धासा ।दिविसत्भूमीयादा

ती टि त की टि

दाइ ।ऊग्रांहाइशर्ममोहाइ ।

त श टा त टि त श

महाहोइश्रावाऔहोवा ।ग्वामीः ॥६ ॥

का टिट्ख शि ख प्लु

॥इन्द्राण्यास्साम ॥

उच्चातेजातमा ।न्धासाओमोवा ।दिविसत्भू

तू टा कि कु

मियादादेओमोवा ।उग्रं शकर्ममा

काय ट कि चाय ट

ओमोवा ।महाइश्रावाऔहोवा ।ऊ
 कि टीट् ख शि खा
 पा ॥७ ॥
 श

॥शैशवेद्वे ॥

उच्चातेजातमन्धासा ।दिविसत्भूम्याददाउग्रं
 षी ति त पु का
 शार्ममा ।महाइश्रावाः ॥८ ॥
 पि ण खीत्र
 उच्चातेजातमन्धासा ।दिविसत्भूम्यादादा
 षी ति त टु था
 उग्रंशार्ममा ।महाहोवाऔहोइश्रवा
 टि त टा था टच् य टि
 होवा ।औहोइया होइयोवा ।ऊ ॥९ ॥
 था टच् य टाच् क खात्र ख

॥प्रजापतेदोर्होदोहीयेद्वे ॥

उच्चाऔहो ।तेजातमा ।न्धासा
 खा ता टा खाणफप्लू ख श
 दिविसत्भूम्याददे आउग्रंशार्ममा ।माही
 पु काथ टि त चा
 श्रावाऔहोबा ।होइळा ॥१० ॥
 काट खप्लू प्लू शा
 उच्चातेजातमन्धसादोहाइदोहाए ।
 षी तु ति त त
 दिविसत्भूम्याददे दोहाइदोहाए ।
 पु काट त टा त त

उग्रंशर्ममादोहाइदोहाए ।माहि

टि त ट त टा त त

श्रावाः ।ओइळा ॥११ ॥

टि खण् प शा

॥इन्द्राण्याश्चैवसाम ॥

उच्चातेजा तमान्धासा ।दीवाइसा

णा णाफ् खा शा पी

त्भू ।म्याददाओवाओवाउवउवा

ण ट टा ट त ट त टी

होइ ।उग्रंशर्ममाओवाओवा

च श टि त ट त ट त

उवउवाहोइ ।माहीश्रावो याऔहो

टी च श चा टाट् ख

वा ।ययुरे ॥१२ ॥

शि खि

॥आमहीयवञ्च ॥

उच्चाताइजातमन्धसा ।दीवाइसात्भूमि

खि शू चा या ट

याददाइ ।उग्रं शर्ममा ।माहा

टा ता श चा क च क ट

इश्रवाउवा ।स्तौषे ॥१३ ॥

कि खा त ख

॥आजीकञ्च ॥

स्वादाइष्ठायामादाइष्ठायाम् ।पावास्वसोमाधारा
 कु कु की टि
 या ।इन्द्रायपातावाइसूताः ।ओइळा ॥१४ ॥
 त की टी खण् प शा

॥सूरूपेद्वे ॥

स्वादिष्ठयाइयाइयामदिष्ठायाम् ।पा
 थ टि टा की टा च
 वास्वसोइयाइयामधारायाम् ।इन्द्रायपा
 टि टा की टा था टा
 इयाइया ।तावाइसूताः ।ओइळा ॥१५ ॥
 टा चा टी खण् प प्ला
 स्वादिष्ठयौहोवाइयामदिष्ठायाम् ।पावस्वसौ
 थ कु का टी च
 होवाइयामधारायाम् ।इन्द्रायपौहोवा
 कु की टा चा की
 इया ।तावाइसूताः ।ओइळा ॥१६ ॥
 चा टी खण् प शा

॥जमदग्नेश्शिल्पेद्वे ॥

ओइस्वादी ।ष्ठायामादिष्ठायाम् ।उवो
 खि ण का था टा स्वा
 वा ।पावास्वसो माधारायाम् ।ओई न्द्रा ।
 श कीच् का टा स्वा श
 यापाओहो ।तवेसुताः ॥१७ ॥
 ट ख वाशि तीच्

उहुवाइस्वादी ।ष्ठयामादीष्ठायाऔहो

खु ण का या टा खा

वा ।पावास्वसोमाधारयाउहुवाइन्द्रायापा ।

श की चा खा शृ

तावाऔहोवासूताः ॥१८ ॥

टट् ख शि ख ण्

॥संहितञ्च ॥

स्वादाइष्ठायामदिष्ठया ।पावास्वासो

ता ति ती टा ख श

मधारया ।आइन्द्रा यापाहाबु ।तवा

ती क खा शी ण्

इसुताबु ।बा ॥१९ ॥

णि श श

॥वसिष्ठस्यशकूनः ॥

स्वादिष्ठयामदिष्ठयापवस्वसोमधारयाइन्द्रायपा ।

षौ तू ता

तावाऊतावाऊतवाउवाऔहोवा ।

टा ट च क ट खी शि

सूताः ॥२० ॥

ख ण्

॥जमदग्नैश्चगम्भीरम् ॥

औहोहिंभाएहियाहाहाइ ।स्वादाइष्ठया

कु ता त त श कु

मादीओइमादी ।औहोहिंभाए
 ख श खि ण कु
 हियाहाहाइ ।ष्टायापवास्वासो ।
 ता त त श क किख श
 ओस्वासोऔहोहिंभाएहियाहाहाइ ।
 खा ण कु ता त त श
 माधारयाई न्द्रा ।ओई न्द्राऔहोहिंभाए
 क किख श खा ण कु
 हियाहाहाइ ।यापातवाइसू ता ।
 ता त त श क कि खा श
 ओइसू ताः ।औहोहिंभाएहियाहाहा
 खि ण कु ता त ख
 औहोवा ।ई ॥२१ ॥
 शि ख

॥संहितञ्चैव ॥

स्वादिष्ठयामदाइष्ठया ।पावास्वासोम
 तू ति टा ट त
 धाराया ।आइन्द्रायापातवा
 टा च श ट ता ट टि
 हाउवा ।सूताः ॥२२ ॥
 ति ख ष्ठ

॥सोमसामनीद्वे ॥

वृषापवा ।स्वधाराया मारू
 ती का टा च क ट
 त्वाताइचामत्साराः ।वाइश्वादा धाऔहोवा ।
 दू त टीट् ख शि

नाओजासा ॥२३॥

टि ख

वृषाहाबु ।पावास्वाधारा या ।

ता त श ख श खि ण

मारूत्वाताइचामत्साराः ।वाइ

ख ण ख श खी ण

श्वा दधानाओओहोवा ।जासा ॥२४॥

किच् काटट्ख शि ख श

॥आशुभार्गवंतृतीयम् ॥

वृषापवस्वधाराया ।मारूत्वाताइचा

षु ता त टी चा

मत्साराः ।विश्वादाधानओजा

खा ण चा य ट ता प

सोहाइ ॥२५॥

ण शा

॥वैश्वदेवेद्वे ॥

आइवृषा ।पावाई हाओहोस्वाधारा

ती टिच्च य ट थ टि

या ।मारूत्वतेहाइ चामात्सारा

त टी त श चा य प

हाइविश्वादधाहाबुनओजसाहाबु ।ओवा ओवाओ

शौ णाफ् ख

वा ।अस्मेरायाऊताश्रवाः ॥२६॥

शि की टा खा

वृषापवएहिया ।स्वधारायाओहो

खु णा टा खा क

वा ।मारूऔहोवा ।त्वातेचामात्सा

शा पा क था यी प

राः ।औहोयेऔहोवा ।विश्वाद

श टच् य ट खात्र चा

धा नाओजासा ॥२७ ॥

काच् क टा ख

॥इन्द्रसामनीद्वे ॥

वृषापावाहौहोऔहोस्वाधारायाहौहोऔहो ।

टी टि त टी टि त

मारूत्वातेहौहोऔहोचामात्साराहौहोऔहो ।

टी टि त टी टि त

विश्वादाधाहौहोऔहो ।नाओजासाहौहोऔ

टी टि त टी टि

हो ।ओइळा ॥२८ ॥

खण् प शा

वृषापावाऔहोऔहोवा ।स्वाधाराया

टी खी श टी

औहोऔहोवा ।मारूत्वाताऔहोऔहोवा ।

खी श टी खी श

चामात्साराऔहोऔहोवा ।विश्वादाधा

टी खी श टी

औहोऔहोवा ।नाओजासाऔहोऔहोवा ।

खी श टी ची प्ल

होइळा ॥२९ ॥

प्ल शा

॥यौक्ताश्वेद्वे ॥

औहोहोहाइवृषा ।पावस्वधाराया ।

ता त ती क टु

मारूत्वाताइ ।ओइचामाचा

च क ख ण श टि क

मत्साराः ।औहोहोहाइविश्वादधा

खा ण ता त ति टा

नाओजासाऔहोवा ।ओइज्वरा ॥३० ॥

ख श खा शि स्त्री

वृषाबुहोहोहाइ ।पावस्वधाराया ।मारू

ती त त श क टु टा

त्वाताइ ।चमा ओचामत्साराः ।

ख ण श ताच् का खा ण

विश्वाबुहोहोहाइ ।दधानाओ

ती त त श टा ख श

जासाऔहोवा ।ओइजूवा ॥३१ ॥

ट ख शि खि श

॥भासञ्च ॥

यस्ताइ ।मादोवाराउवोवाणीया

ता श टी खा श ख

स्ताइनाउवोवा ।पावास्वाआउवोवा ।

शी खा श टी खा श

न्धासादाइवा ।वाइराघशाउवोवा ।सा

ख शी टु खा श ख

हा ॥३२ ॥

श

॥सोमसामच ॥

यस्तेमदाः ।वराङ्गीयास्ताइनापावास्वा
 ती ता ति टु
 आन्धसा ।दाइवावाइरा हाबु ।
 ता ता की खा शा
 घशांसहा ।होइळा ॥३३ ॥
 प्ला शा प्लु शा

॥प्रजापतेश्वसहोरयिष्ठीयम् ॥

यस्ताओइमादाः ।वाराङ्गणायाउवो
 ता खिण टु खा
 वाहाउवोवाहाइ ।ताइनापावास्वा
 श खिश त श की का
 आन्धासाउवोवाहाउवोवाहाइ ।
 टि खाश खिश त श
 दाइवावाइराउवोवाहाउवोवाहाइ ।
 टु खाश खिश त श
 घाशाऔहोवा ।सहोरयिष्ठाः ॥३४ ॥
 टट्ख शि ता च टाख्

॥मादिलम् ॥

यस्तेमादोवाइया ।राङ्गणायाः ।ताइ
 खीश प्ला यि ट
 नापावास्वाऔहोवाहान्धासा ।दाइ
 कि का टा क था टा
 वावाइरा औहोवा ।घशांसहा ॥३५ ॥
 चिट खा शि तीच्

॥सोमसामचैव ॥

यस्ताइमादोवरेणीयाः ।ताइनापावास्वा

पी शु की च

आन्धासा ।दाइवावाइराघाशो

का य ट टि टिक प

बांसाहो ।हाइ ॥३६ ॥

हू ह्ला शा

॥प्रजपतेश्चैवसहोरयिष्ठीयंसोमसामवा ॥

यस्तेमदोवरेणियाए ।तेनापव स्वान्धसा

तू त क षि

दे वावीराहाइ ।घाशाउवासा

की पिण श का का

हाउवा ।उऊपा. ॥३७ ॥

का का खा श

॥वैष्टम्भेद्वे ॥

तिस्रोवाचाः ।उदाउदाआउवाए रातेगावोमिमा ।तीधाइतिधाआउवाए ।नावोहरिरेतिकनाइकनाआउवा ।क्रादात् ॥३९ ॥

ती चा ता भीख शु का ति भी ख शु चा ति ट ख श

तिस्रोवाचाः ।उदाइराते ।गावोमिमन्तिधाइनावाः ।हारिरेत्योहाइ ।कानाओहोवा ।

ती पी श यू पा श खी ण श टट ख शि

क्रादात् ॥ ३९ ॥

ख श

॥पाष्ठौहेद्वे ॥

तिस्रोवाचोहाउदीरताइ गावोमिमाहान्तीधे नवोहर राइतोहाइ ।कानाइक्रादाऔहोवा ।अस्माभ्यङ्गातुवित्तमाम् ॥ ४० ॥

था प्ला च का चाश था प्ला च का का शा पि ण श टीट् ख शि कि त खी

तिस्रोवाचाउदीरतोवाहाइ ।गावोमिमन्तीधे नावोहरिरेति ।कानाऔहोवा ।क्रादात् ॥ ४१ ॥

षी तु त श ती काख शु टट् ख शि ख श

॥वैष्टम्भश्चैव ॥

तिस्रोवाचा उदीरताइ ।गावोमिमा न्तीधाइनावाहोवाहाइ हाराइराइतीहोवाहाइ ।

ण णाफ् खा शि कीच् का या ट टा त श चा या टा टा त श

कानाइक्रादाऔहोवा ।दीशाः ॥ ४२ ॥

टीट् ख श ख प्ला

॥पाष्ठौहश्चैव ॥

तिस्रोवाचाउदीरताइ ।गावोमिमन्तीधेनवोहरिराइती ।कानौ हूवाएहोवा ।क्रादा

फी कीश क कि षी टि ता टाच् काट का टट् ख

औहोवा ।हाओवाओवा ॥ ४३ ॥

शि त टा टाख्

॥इषोवृधीयञ्च ॥

इन्द्रायेन्दाबु ।मारूत्वताइपावस्वमाधुमक्तमाः ।आर्कास्यायो नीमासादाऔहोवा ।

ती श का का टु ची थ टिच् टिट् ख शि

इषोवृधे ॥ ४४ ॥

टीच्

॥इन्द्रसाम ॥

आइन्द्रा येन्द्रोमारूत्वाताइ ।पावा स्वामा ।धूमात्तामाः ।आर्कास्यायो ।नीमासादाः ॥ ४५ ॥

ख शाष्ख णा कि ख श ख शष्ख ण कि ख ख शष्ख ण कि ख

॥वैश्वदेवेच ॥

इन्द्रा येन्द्रोहोऔहोवा ।मारूत्वतेहोऔहोवा ।पावास्वमा ।होऔहोवा ।धूमत्तामाहोऔहोवा ।आर्कास्यायोहोऔहोवा ।निमासादाहोऔहोवा ।ओइळा ॥ ४६ ॥

का का क त त क क त त च टि का त त च टि का त त थ टि का त त का टा का त खण् प शा

इन्द्रायेन्द्रोएमरू ।त्वाताइ पवास्वमधूमत्तामा ।हूवाएहोवा ।आर्कास्यायो हूवाएहोवा ।

तु ता षा कु टा तच् क ट त त टि तच् क ट त त

नीमासादाः ।ओइळा ॥ ४७ ॥

टि खण् प शा

॥इन्द्रसामचैव ॥

इन्द्रायेन्द्रोमारूत्वतओहाइ ।पवास्वामधूमत्तामाओहाओहा ।आर्कास्यायोनाइमाओहो

षी तु त श कि कु ट ख ख ण था टा ट खा

वा ।उप्सादाः ॥ ४८ ॥

शि खा ण्

॥आग्नेयानित्रीणि ॥

इन्द्रायेन्द्रोहाबु ।मारूत्वतेहाबु ।पावास्वमाहाबु ।धूमात्तामाहाबु ।आर्कास्य

ती त श टी त श की त श टी त श

योहाबु ।निमाहोबासादोहाइ ॥ ४९ ॥

टी त श टा ख ण् णा शा

इन्द्रायेन्द्रोवाओवा ।मारूत्वताउवाआउवा ।पावास्वमाउवाआउवा ।धूमात्तामाउवाआउवा ।अर्काहाबुस्ययोहाबु ।नीमाउवाहोबासादो ।हाइ ॥ ५० ॥

ती ता त का की कि का की कि का की खि श्रु की प ण् णा शा

इन्द्रायेन्दोमरूत्वाताइ ।पवास्वम धूमाक्ता
 षी ति त श की श च य
 माअर्कस्ययोनिमाहाबु ।सादो ।हाइ ॥ ५१ ॥
 प शृ प्ला शा

॥आश्वानिचत्वारि ॥

आसा ।व्यंशुर्ममाआउवा ।दायाप्सुदाक्षाः ।गिराआउवाएष्ठाः ।ख)श्येनोनायो ।निमा
 ता क ता टि ख शी ता भी का ट त ता
 आउवासादात् ॥ ५२ ॥
 टि ख श

असावियाशुर्मदा याप्सुदक्षोगाइरिष्ठाः ।श्याइनोनायो ।नीमोबासादात् ।हाइ ॥ ५३ ॥
 ती टि च्च क षि की यि टा च्च क प प्ला प्ला शा

असान्याउवोवा ।शुर्मदाया ।उवोवा ।आप्साउवोवा ।
 फा खि श क टि खा श टा खा श

दक्षोगिराइष्ठाउवोवा ।श्येनोनयोनिमासा ।दात् ॥ ५४ ॥
 दू खा श क दू ख

असान्यौवाउवोवा ।शुर्मदायौवाउवोवाआप्सुदक्षौवाउवोवा ।गीराइष्ठौवाउवोवा ।श्येनोनयौवाउवोवा ।नीमासादौवाउवोबाहोइळा ॥ ५५ ॥
 फा खी श क कि खि श फा खु श की खि श फा खु श की खि प्ला प्ला शा

॥च्यावनानिचत्वारि ॥

असान्युहुवाहाइ ।अंशुर्मदायाप्सुदक्षोगिरिष्ठाउहुवाहोइ ।श्याइनोनायोऔहोवा ।नीमासादात् ॥ ५६ ॥
 तु त श क षृ दू च श क ता ट ख शि टि च

असान्यंशुरौहोवाहाइ ।मदा याप्सुदक्षोगिरिष्ठाः ।श्याइनोनायोनाइमाऔहोवा ।
 षी ति त श टा च्च षी कि यि टा ट खा शि

उप्सादात् ॥ ५७ ॥
 खा श

इहाओवाइहाअसान्यंशुर्मदायेहा ।आप्सुदक्षोगिरिष्ठाः ।ई हा ।श्येनोनयोनिमाखाणफप्लू) ।ई हा ।आसदा त् ।ई हा ॥ ५८ ॥
 ता पा पु शु कू खणफप्लू ख श क टि ख श ट खाणफप्लू ख श

असान्व्यंशुर्मदायाहाबु । आप्सुदाक्षाः । गिराइष्ठोहाइ । श्याइनोनायो । नाइमाहा इ । सादात् । हाइ ॥ ५९ ॥
 खा प्ला खा शि खिण पी ण श भी त टि खण् श प प्ल शा

॥ प्राजापत्येद्वे ॥

पवास्वादौहो औहोवाहाइ । क्षासा धाना औहो
 फि फा फा त त श थाच्च क ट ता

औहोवाहाइ । देवे
 ता त त श क थ

भ्यः पाइतये हारा । औहो
 कुच्च क ट ता

औहोवाहाइ । मारूत्भूयोवा । औहो औहोवाहाइ श
 ता त त श चिट ता ता त त

यावा औहोवा । मादाः ॥ ६० ॥
 टट् ख शि ख प्ल

पवस्वदक्षसाधनओवा । देवेभ्यः पीतयाहोइहराइ । मारूत्भूयोवा ऊयवोबामादो ।
 पू ती त क टु टी श चिट प प्ला प्लि

हाइ ॥ ६१ ॥
 शा

॥ वैदन्वतानिचत्वारि ऋषभोवा वैदन्वतश्चतुर्थः ॥

पारी । स्वानोगीरिष्ठाः । पवाइत्रे सोमो अक्षारात् । मदाइषू साई या । र्वाधोबा आसो । हाइ ॥ ६२ ॥
 ता चु टा खा क थ टि की टा त क प प्ल प्ला शा

पर्येपारी । स्वानोगिरिष्ठाः । पवाइत्रे
 ती चु टा खा

सोमो अक्षारात् । मदाइषू साहा । र्वाधा औहोवा । एआसी ॥ ६३ ॥
 क थ टि टु त टट् ख शि त टाख्

पारी स्वानोगाइरिष्ठाः । पावित्रे सोमो
 फा फाख शि चाक का

अक्षरात् ।पावित्रे सोमोअक्षरातत् ।ओइमदौवाओवाषुवा ।सार्वाधायसाइमादाओहोवा ।ए षुसार्वाधायसी ॥ ६४ ॥

कि कि टा खा ण कीख ख शि थ दूख शि तच् का टि ख

ओहोइहाहा हाहोयौहोवा ।पराइस्वानोगीरा इष्ठाः ।पवाइत्रे सो ।मोअक्षा

ट चिकच् काट ख श खी श खा णा खीश खि

रात् ।मदाइषूखी)साश)र्वाधायसी ।ओहोइहाहा हाहोयौहोवा ।एऊपा ॥ ६५ ॥

ण खिण ट चिकच् काट ख त त टाख

॥रजेराङ्गीरसस्यपदस्तोभौद्वौ ॥

पर्येस्वानाः ।गाइरिष्ठाःइया हाहाउवाहोइ ।पावित्रे सोमोअक्षरात् ।इया हाहाउवाहोइ ।मदाइषू सा ।हाहाउवाहोर्वाधोबाआसो ।हाइ ॥ ६६ ॥

ती ट चि टाच् था टा च श कि टा चि टाच् था टा च श टा काच था टा ट क प छि शा

पयौहोवाहाइस्वानाः ।गाइरिष्ठा

षू ता ट चि

इया ओहा हाइ ।हाहाओवाओवा ।पावित्रे

टाच् ख शङ्ख त श था का का कि

सोमोअक्षरात् ।ओहाशङ्ख)हाइ ।हाहाओवाओवा ।मदाइषू सा ।ओहा हाइ ।हाहाओवाओवा ।र्वाधोबाआसो ।हाइ ॥ ६७ ॥

टा चि ख त श था का का टा काच ख शङ्ख त श था का का क प छि शा

॥और्णायवेद्वे ॥

परिप्रियादिवःकावीःवायांसिनस्योर्हितास्वानैर्याती ।आयाउवाइया ।ईया ।कावीःक्रातो याओहोवा ।ई ॥ ६८ ॥

षी ती षु कि टा त का शी ट त चा टाख शि ख

परिप्रियादिवःकवाइः ।वया हाउवांसिनस्योवार्हिताः ।स्वानैर्याती ।हुवा

फी शा काश टाच् क कि कीच क टा त का

होवाहोवाहुवाईया ।कावीःक्रातो याओहोवा ।

का का टा ट त चा टाख शि

ईया म् ॥ ६९ ॥

त टख्

द्वितीय खण्डः

॥सौभरेद्वे ॥

प्रसोमासाः ।मदच्यूताऔहोवा ।त)इश्रवासाइनाः ।ओइमघोनाम् ।सूतावा इदाऔहोवा ।थेअक्रमूः ॥ १ ॥

खि ण चि टा त टि ख णा टु टिट् खा शि खी

प्रसोमासाः ।वाइपाश्चीताआ

ती की श च

पोनायान्ताऊर्मयोवानानिमा ।ओऔहो ।हिषाई वाइळाभा ।ओइळा ॥२ ॥

य टा की च य टा का त चि टि खण् प शा

॥इन्द्रस्यवृषकाणित्रिणि ॥

पवस्वेन्दोवृषासुताः ।कृधीनोयशसोजनाएवाइश्वायापा ।द्वाइषाऔहोवा ।जाहि ॥३ ॥

फी शा का षु पि शु ट खा शि ख श

वृषाहिया ।ती)सिभानूना ।द्युमन्तत्वाहवामाहाइपावा ।मानासुवोओबा ।श)दृशम् ॥ ४ ॥

भित यू पा ति टी प ख श

वृषाहियासिभानुना ।द्युमन्तन्त्वाहवामहे ।की)होवाऔहोवा ।पावमानासुवदृशंहोवाऔहोवा ।हूवोइळा ॥ ५ ॥

फी की टी काट का टि च टी काट का खा प्ला

॥बभ्रोःकुम्भस्यसामानित्रीणि ॥

इन्दूरौहोवाहाइपावी ।ष्टचाईतनोहाइ ।हाहोएहोवा ।प्रीयाःकवीनाम्मतिरोहाइ हाहोएहोवा ।सृजादश्वांहाइ ।हाहोएहोवा ।राथाऔहोवा ।ई वा ॥ ५ ॥

खा श्रु टा खि ण श क टाट त की पी ण श क टाट त टा खा ण श क टाट त ट ख शि ख श

इन्दुःपविष्टचेतनःप्रियःकवाइ हिंहिन्नाम्मातीः ।सृजदाश्वाम् ।हिंहिंरा थाऔहोवा ।ई वा ॥ ७ ॥

षू तू शट खि ण पि श ट त टट् ख शि ख श

इन्दुःपविष्टचेतनःप्रियःकविनाम्मतिंसृजादश्वां ।ओवाओवारा थाऔहोवा ।ई वा ॥ ८ ॥

षो तु ता का काटट् ख शि ख श

॥बभ्रोःकार्तवेशानित्रीणि ॥

असृक्षताप्रावाजीनाः ।गव्यासोमासोआश्वया ।शुक्रासोवीरया शावओइळा ॥ ९ ॥

खी श ङ्गि टा टा त चि टा टा काचुक पा शा

असृक्षताप्रावाजीनाः ।गव्यासोमासोआश्वयाहोइ ।शुक्रासोवाहोइ ।रायाशाटाट्)वाओहोवा ।गवाभीः ॥ १० ॥

तु ति षु टि च श ता टा च श क ख शि ख श

असृक्षतप्रवाजिनएगव्यासोमा ।सोआश्वया ।शुक्रासोवी ।रायोबाशावो ।हाइ ॥ ११ ॥

षी खु शी त पा श टा ख ण क प ण्ण णा शा

॥शार्म्मदे द्वे ॥

पावास्वादे ।वयावाया

ती ता ट ख

औहोवा ।यूषागाइन्द्रङ्गच्छा ।तुताइतुताऔहोवा ।मादाः ।वायूं होआरोहधाहाधाऔहोवा ।र्ममाणा ॥ १२ ॥

शि ख शू ता टा ख शि ख ण्ण टाच्य ट त ता ट ख शि ख श

पवस्वदेवाऐहिऐहीया ।आयुषागैहीऐहीया ।इन्द्रङ्गच्छन्तुतेमदाऐ ।हीऐहीया ।वायूमारो ओहाधोबार्म्मणोहाइ ॥ १३ ॥

फु खी श टी टा ट त षी टु टा ट त की का प ण्ण णा शा

॥वसिष्ठस्यजनित्रेद्वे ॥

पावा ।मानोअजीजानात् ।दीवाश्चित्रान्यतान्यतूम् ।ज्योतीर्वै श्वानाराऔहोवा ।बृहात् ॥ १४ ॥

ता की ख ण चा चा शी कि टा ख शि ख श

पवमानाः ।अजाइजानात् ।दीवाश्चित्रांहाहाइ ।नात न्यातूम् ।ज्योतीर्वाइश्वा ।नरोबाबृहात् ।हाइ ॥ १५ ॥

ती पी श चा टा त त श काख ण ख श ख णा ण्ण ङ्गि शा

॥मरूताम्प्रकीळास्त्रयःसङ्गीळावानिक्रिळावा ॥

पारी ।स्वानासइन्दवोमदायाबर्हणागिरा मधोअर्षाम् ।तीधोबारायो ।हाइ ॥ १६ ॥

ता षू चि टि खा खा ता क प ण्ण णा शा

पर्येपारी ।स्वानासइन्दवाउवाहाउवाहोवाइया ।मदायबर्हणागिराउ

ती षू टा टि क थ चा षू

वाहाउवाहोवाइया ।माधोअर्षन्तिधारयाउवाहाउवाहोवाइयो याऔहोवा ।ऊपा ॥ १७ ॥

टी टि क थ चा षु टु टि क थ टाट् ख शि ख श

पारी स्वाना साइन्दवाः ।मदायाबर्हणागीरामधोआर्षान् ।ऊर्मिरिवाईया ।तिधा रा

फा णाफ् ख शि टा च चि क टी त टी ट त काच् क

याऔहोबाहोइळा ॥ १८ ॥

टा ख ळ ळ शा

॥औशनम् ॥

परिप्रासीष्यादत्कावीः ।सिन्धोरूम्मावाधीश्रीताः ।कारूम्बाइभ्राऔहोवा ।पूरूस्पृहा म् ॥१९ ॥

ती चि ट यू टा टिट् खा शि ता टाख्

तृतीय खण्डः

॥यामानित्रीणि ॥

इहा इहा ।उपोषुजातमासुरामिहा ।इहा इहा

टाच् क श टूच् क च शा टाच् क श

गोभिर्भङ्गम्परा इष्कृतामिहा ।इहाटाच्)इहा ।इन्दुन्देवाअयासीषूःइहा ॥ १ ॥

टूच् का च शा क श टूच् क च क श

आउपोषुजातमासुरामुपा ।गोभाइहो इ ।भङ्गम्पराइष्कृतामुपा ।इन्दुं होइदेवाअयासिषुराआउवा ।उऊपा ॥ २ ॥

ष टूच् क च शा टा काच् श टी चि शा टाच् क टु ति टि खा श

उपोष्वौहोइजाताम् ।आसूरा

षु ता टा त

मौहोवाइगोभिर्भागम् ।ओइपारीष्कृताम् ।इन्दून्देवाऔहोवा ।अयासिषूः ॥ ३ ॥

टा त चा खा ण यी टा टा खा शि खी

॥अङ्कतेवैररूपस्यसाम ॥

पुनानोया ।क्रामीदाभीः ।विश्वामार्द्धोवीचर्षाणाइः ।शुम्भान्तावी ।प्रान्धाऔहोवा ।

ती खि ण टा ख श खि ण श टा ख ण टट् ख शि

तीभीः ॥ ४ ॥

ख ळ

॥औशनेच ॥

आविशन्कालाशंसुताः ।वाइश्वाअर्षन्नाभाइश्रायाओहाओवाओहा ।इन्दूरा इन्द्रा औहोवायधीयते ॥ ५ ॥

तु ति कि क थ क टी ट त टा ख ण टिट् खा शि खी

आवीशङ्कालशं सुतोवाइश्वा ।अर्ष न्नाभाइश्रायाऔहोऔहोवा ।औहोऔहो इन्दू

फा फा फा ळ खि णा थाच् क टी खी श ट तिच् का

राइन्द्रा ।याधीया ताऔहोवा ।ऊपा ॥ ६ ॥

य टा टिट् ख शि ख श

॥सोमसामच ॥

असर्जिरा ।थियोयाथा ।पावित्रे चामुवोस्सूताः ।कार्ष्णन्वाजी ।नियक्रामाइदौहोवा ।होइळा ॥ ७ ॥
ती पि श चि टि ख ण क टा त चा क पि प्ला प्ल शा

॥कार्ष्णेच ॥

प्रयद्वाबु ।गावो नाभूर्णायास्त्वेषा ।अयासोअक्रामुघ्नान्ताःकार्ष्णाम् ।आपात्वचमौहोहाऔहोवा ।उऊपा ॥ ८ ॥
ति श थाच् काय प ता कु चा टा त कु टट् ख शि खा श
प्रयत्गावोनभूर्णायाः ।त्वाइषाअयासोअक्रमू घ्नातोहाइ ।कार्ष्णाऔहोवा ।आपत्वा ।चाम् ॥ ९ ॥
कि ख शी चि काट किप णाश टट् ख शि थ टा ख

॥भारद्वाजश्च ॥

अपघ्नन्होइपावा ।साइमार्धाः ।ऋतूवित्सोमामात्साराः ।नुदस्वादाऔहोवा
षु ता च या ट कीच् काय ट टिट् ख शि
वयु न्जना म् ॥ १० ॥
का टाख्

॥वैश्वामित्रश्च ॥

एआयापवा ।स्वधाराया हाउवा ऊपा ।यायासूर्यमरो चाया हाउवा ऊपा ।हिन्वानोमानुषाइर्हो ।यापयाआउवा ।उऊपा ॥ ११ ॥
तु का टाच् य टाच् ख श कि कि टाच् य टाच् ख श टू काच् क ता टि खा श

॥इन्द्रस्यवात्रघ्नम् ॥

सहोइपवस्वायायावीथाइ न्द्रवृत्रायाह न्तावाइ ।ओवाओवा ।वब्रीवांसांमाहीरापाऔहोवा ।होइळा ॥ १२ ॥
ता शी टा क था टि काख ण श टा ख ण टि त का क टा ख प्ल प्ल शा

॥सोमसामानित्रीणि ॥

अयावीती ।पारिस्त्रवायस्ताइन्दोमादाइषुवाअवाहान्ना ।वातोबानावो ।हाइ ॥ १३ ॥

ती क कु की टि भित त प ण्ण शा

अयावीताऔहोवा ।औहो औहोवाऔहोवा ।परिस्त्रवायस्तइन्दो औहोवाऔहो औहोवाऔहोवा ।मदे षुवाअवाहान्ना औहोवा ।औहो औहोवाऔहोवा ।

कि था टा थाच्क टट्ख शि का का कीच्क टा थाच्क टट्ख शि टाच् का का काच्क टा थाच्क टट्ख शि

वतीर्नवा ॥ १४ ॥

टीख्

आयावीता इपारिस्त्रवा ।यास्ताइन्दोमादाइषूवा ।अवाहान्ना ।वतीर्ननावाऔहोवा ।होइळा ॥१५ ॥

णा णाफ् खा शि चा थाच् का याट भित का क टा ख ण्ण शा

॥भारद्वाजञ्चैव ॥

परिद्युक्षाम् ।ओइसनद्रायीम् ।ओइभरद्वाजाम् ।ओइनोअन्धसास्वानोअर्षा ।वावोबान्नायो ।हाइ ॥१६ ॥

ती टू टू पू खा ता क प ण्ण शा

चतुर्थ खण्डः

॥वार्षाहरम् ॥

अचिक्रदादाची

ती काच

क्रादादचिक्रदादे ।वृषाहराइ

क ख पु ती श

वार्षा हाराइवृषाहराए ।महान्मित्रोमाहान्मित्रोमहान्मित्राए ।नदर्शतानाद र्शाता

काच क ख पु ती का क खा पु ती का क ख

नदर्शताए ।संसूर्याइसंसू रीयाइसंसूर्याए ।णदिद्युताइ णादी द्यूताइणादा

पु ति श काच क ख पु ती श काच क ख शि

इद्युतावू ।बा ॥ १ ॥

प्ली श

॥वार्शानित्रीणि ॥

आतेदक्षाम् ।मयोभूवाम् ।वन्हिमद्यावृणीमाहाइ ।पान्तामाईया ।पूरूस्पृहाऔहोवा ।उऊपा ॥ २ ॥

ती भित टू ख ण श का टा त टिट्ख शि खा श

आतेदाक्षांमायोभूवम् ।वन्हिमद्यावृणिमहोहाइ ।पान्तामाईया ।पू रूऔहोवा ।

खि श खि ण फू खा शा टा त ट त टट्ख शि

स्पृहम् ॥ ३ ॥

ख श

आतेदक्षम्मयोभुवांहाइ ।वन्हिमद्यावृणीमहोहाइ ।पान्तामाट)पूरूका)स्पृहामीळाभा ।ओइळा ॥ ५ ॥

फू खा शा फू खा शा या टी खण् प शा

॥वैरूपेचदेवानांवाञ्जसायिनी ॥

अध्वर्योआ ।द्रिभाइस्सूताम् ।सोमं पावी ।त्राआनाया ।पुनाहीन्द्रा औहोवा ।यापातावे ॥ ५ ॥

पि ण भी त का ख ण या टा टा खा शि टि ख

अध्वर्योऽौहोअद्रीभीः ।सूतमौहोवाइ ।सोमं पावी ।ओइत्रायानाया ।पुनाहा इन्द्रा औहोवा यापातावे ॥ ६ ॥
 षि तु च टा त त श काखण यी टा टिट् खा शि । ए(तच्च क टा ख

॥तरन्तस्यचवैददध्वेस्साम ॥

तरत्समान्दीधावाताइ ।धारासूता ।स्यान्धासाऔहोवा ।तारत्समन्दीधावती ॥ ७ ॥
 ती त या ट श टाखण टाट् ख शि कु खी

॥सोमसामच ॥

आपवस्वा ।साहस्रिणांहुवाइहुवाहोइ ।रथिंसोमासुवीर्यांहुवाइहुवाहोइ ।अस्मैश्रवांसिधारायाहुवाइहुवाहोयाऔहोवा ।ऊपा ॥ ८ ॥
 ती च टि टा टि च श का का टि टा टि च श था की टा टा टिट् ख शि ख श

॥सूर्यसामच ॥

आनुप्रत्नासआयावाः ।पादन्नवीयोअक्रमूः ।रूचेजनान्तासू ।हिम्माए ।रीयम् ॥ ९ ॥
 षी ति त षी ची पु श भि ख श

॥दाढ्यच्युतानित्रीणि ॥

आर्षाइहा ।सोमाद्युमाक्तामाइहा ।आभाइइहा ।द्रोणानिरो रूवादिहा ।सीदनिहा ।योनौवना इ ।षूवाइहा ॥ १० ॥
 चा शा टी चा शा चा श चा टीच्च क च शा क च शा टीच्च श चा शा

आर्षाहाबु ।सोमद्युमक्तमोअभिद्रोणा ।निरोऔहो ।रूवात्सीदाउवायोनौवानेहिम्माए ।षूवा ॥ ११ ॥
 का त श षू टि त भि त टा ती पि श भि ख श

अर्षासोमाद्युमाक्तमोअर्षासोमा ।द्युमक्तमोअभिद्रोणाहाहाइ ।नीरोरूवत्साइदन्योनौहाहाइ ।वानाइषुवा ।ओइळा ॥ १२ ॥
 फू खा शी की किट त त श चा कि टी त त श टीखण् प शा

॥इन्द्रस्यचवृषकम् ॥

वृषासोमा । द्यूमं आसाइ । वृषादाइवोहाइ । वर्षात्राताः वृषाधर्माइया । णाइद द्विषाइळाभा । ओइळा ॥ १३ ॥
ती चाय ट श टु त श का ख ण की ट त कि टी ख ण् प शा

॥ऐषञ्च ॥

इषेपवा । स्वधारयौहोवाहा औहोवा । मृज्यमानोमनीषीभीः । इन्दोरूचाभिगा औहोवाहा औहोवा ही ॥ १४ ॥
ती की खि शि की टीख् चा क फ शि खि शि । उपई(कि ख

॥श्यावाश्वञ्च ॥

मन्द्रयासो । माधारयावृषपावा । स्वादाइवायूः । अव्यावा रा औहोवा । भिरस्मयूः ॥ १५ ॥
ती षी टि तच् क टि त टिट् ख शि तीच्

॥सोमसामच ॥

आया सोमसूकृत्यया । माहान्सन्नाभ्यवार्द्धाथाः । मान्दानाईद्विषायासा । इ ॥ १६ ॥
णाफ् ख शु टू ख ण य ट य ट खि त्र श

॥आग्नेयञ्च ॥

आबुहौहोवाहा अयाविचा । र्षणाइर्हा
ख पु शी टी
इताः । आबुहौहोवाहा इपवमानाः । साचाइताताइ । आबुहौहोवाहा
खा ख पु शु टी ख श ख पु
इहिन्वानया । पियौहौहाहो बाबृहात् । हाइ ॥ १७ ॥
शु टा खि ष्ट प्ला शा

॥आयास्येच ॥

प्रणइन्दोऐहीऐहीया ।माहेतुनऐहीऐहीया ।ऊर्मिन्नबिभ्रदर्षसीऐटू)ऐहीऐहीया ।आभाइदा इवं औहोवा ।आयास्याः ॥ १८ ॥

फी खीश टु टट त क षी खीश टीद् खा शि टा ख

प्रणइन्दोइयाई या ।माहेतुनइयाईया ।ऊर्मिन्नबिभ्रदर्षसीयाईया ।आभाइदाइवं

फी खाखश टू टत क षी टी टत टी खा

औहोवा ।ए आया ।स्याः ॥ १९ ॥

शि तच्क ट ख

॥भारद्वाजञ्च ॥

होई याहोई याईयाहाइ ।अपघ्नान्पाहोई याहोई याईयाहाइ ।वाताइमा र्द्धाऔहोवा ।अपसोमोअराविण्णाःहोई याहोई याईयाहाइ ।गच्छन्नाइन्द्रा होई याहोई याईयाहाइ ।

खाप्ल खा शु टि ख खाप्ल खा शु टीद् ख शि कि टि खा खाप्ल खा शु टि खा खाप्ल खा

२० ॥

पञ्चम खण्डः

॥आयास्यञ्च ॥

पुनानस्सो ।माधाऔहोवा ।राया ।आपोवसानोअर्षस्यारात्नाधाः ।योनाइमार्क्तास्यासाऔहोवा ।दासी ।उत्सो
 ती ट्ख शि खश ती क थ टी त टी त ट्ख शि खश
 दे वोहाइरा औहोवा ।ण्याया ॥ १ ॥
 भित ट खा शि ख श

॥वसिष्ठस्यचापदासे ॥

पुनानस्सोमधारया ।आपोवसानोअर्षस्योहाओहाइ ।अरात्नाधायोनिमृतस्यासीदस्योहाओहाइ ।उत्सोदाइवाओहाओहाइ ।हिरण्याया ।ओइळा ॥२ ॥
 पु पु तृ की क थ टा त ट त श का कि ची थ टा त ट त श चा य टा ट त ट त श टि खण् प शा
 पुनानस्सोमधारया ।की)आपोवासानोअर्षसी ।अरात्नाधायोनीमार्क्तास्यासीदसी ।उत्सोदाइवो हीरण्याया ।ओइळा ॥४ ॥
 फी टा टा त चि टा टा था टा त चि टा टिचक टा खण् प शा

॥माण्डवञ्च ॥

पुनानस्सोमधारयापोवसोवा ।नोअर्ष
 पु तू त कि
 स्यारात्नाधाउवाओहाइ ।योनिमृतास्यसीदस्युत्सोदेवाउवाओहात)इ ।हीरण्याया ।ओइळा ॥ ४ ॥
 का कीट त श च ची थ टी किट श टि खण् प शा

॥उद्धञ्च ॥

पुनानस्सोमधाहोरया ।आपोवसानायाहोर्षासी ।आरत्नधायोनिमृतास्यासाहोइदासी ।उत्सोहोइदाइवो ।हीरोबा
 षी ति ता की टि टा पु कि टि टि टाच् य टा ता क प ण्
 ण्यायो ।हाइ ॥ ५ ॥
 ण्हा शा

॥माण्डवञ्चैव ॥

इयाईया ।पूनानस्सोमधारा या ।आपोवसानोअर्षासी ।आरत्नधायोनिमृतास्यासिदासी ।ऊत्सोदे वोहा इरा औहोवा ।
 टा ट त टी खिण की टि त शु कि टि त क था टाट् खा शि
 ण्याया ॥ ६ ॥
 त टख्

॥प्रजापतेश्वसदोविशीयम् ॥

पुनानस्सोमधारयाओहाओहा ।एऔहोऔहोवा ।आपोवसानोअर्षस्योहाओहाएऔहोऔहोवा ।आरात्नाधायो
 पू तू टा टा त त की क थ टा त ट त टा टा त त का कि
 निमृतास्यासीदस्योहाओहाएऔहोऔहोवा ।उत्सोदाइवाओहाओहाएऔहोऔहोवा ।हीरण्यायाऔहोवा ।सदोवीशाः ॥ ७ ॥
 ची थ टा त ट त टा टा त त चा य टि त ट त टा टा त त टिट् ख शि ता ट ख

॥जमग्रेस्सवासिनी द्वे ॥

ओहोवाओओहोवाओओहो वाओवाओवा
 ट य टा ट य टा ट कच्क काटट् ख
 औहोवा ।पुनानस्सोमधारया ।आपोवसानोअर्षस्यारात्नाधायोनिमृ तस्यासीदस्युत्सोदे वाःओहोवाओओहोवाओओहो वाओवाओवाऔहोवा ।एहिर ण्यया ॥ ८ ॥
 शि की की की क थ टि कि का चा थ टीच ट य टा ट य टा ट कच्क काटट् ख शि त का टाख्
 ओहोवाओवाओवाऔहोवा ।पुनानस्सोमाधारयापोवसानोअर्षस्यारा
 तच्च क काटट् ख शि की की कि क थ कि
 त्नाधायोनिमृ तास्यसीदसी ।ओहोवाओवाओवाऔहोवा ।उत्सोदे वोहिरण्यया
 कि का चि खा तच्च क काटट् ख शि कि कु
 इळाभा ।ओइळा ॥ ९ ॥
 टा खण् प शा

॥आयास्येद्वेसोमसामनीवा ॥

आयिपुना ।नास्सोमाधारयाअपोवासाओनोअर्षसी ।आरात्नाधाओयोनिमृतस्यासीदसी ।उत्सोदाइवाओइ ।हीरण्याया ।ओइळा ॥ १० ॥

ती कि कू का चि की कू चि कु च श टि खण् प शा
पुनानस्सोमधाहाबुहोवा ।रायापोवसानया ।र्षासी ।अराऔहोवात्नाधायोनिमृतास्यसा इ ।दासी ।उत्सोऔहोवा ।दाइवोहिरा ।ण्याया ॥ ११ ॥
षी तु त पा टि खाणफळ् ख श पा क था कि टि खाणफळ् श ख श पा क था टि खाणफळ् ख श

॥कण्वरथन्तरम् ॥

पुनानस्सोमधारयाआपोवसानोअर्षासी ।आरत्नधायोनिमृतस्यसीदसाऐही ।उत्सोदाइवोहिराआउवा ।एण्ययाया ॥ १२ ॥

षु ति कु पा श षू तू ता टि ता ता टि त ता ख

॥आयास्यञ्च ॥

पुनानस्सोमधारयाएऔहोवा ।आपोवसानया ।र्षासी ।आरत्नधायोनीमृतास्यासाओऔहो ।दासी ।उत्सोऔहोदाइवो

षु तु खात्र का टा खाणफळ् त टख् षू की पा श त टख् पि श चि
हिरा ।ण्याया ॥ १३ ॥
खाणफळ् त टख्

॥रौरवम् ॥

पुनानस्सोमाधाराया ।आपोवसानोअर्ष

तु पा ण

स्यारत्नधायोनिमृतास्यसाइदसा

षौ दू ति

ओहाउवा ।उत्सोदेवोहिराहाओहाउवा ।ण्यायाऔहोबाहोइळा ॥ १४ ॥

पा शा दू त पा शा क टा ख ण् ण् शा

॥यौधाजयञ्च ॥

पूनानासोमाधारा या । आपोवसानया । र्षासी । आरात्नाधायोनिमृतास्य
 च य प श ण्ण खा ण का का ट खणफण्ण ख श का कि टि
 सा इ । दासी । उत्सोदाइवोहिरा । ण्याया ॥ १५ ॥
 खाणफण्ण श ख श टा टि खाणफण्ण ख श

॥वसिष्ठस्यचप्लवम् ॥

हाउवाहाउवाहाहाउवोवाहाइ । पूनानास्सोमधारा या । आपोवासानोआर्षासी ।
 ति ति त खि ण्ण त श खि श खि ण खि श खि ण
 आरात्नाधायोनाइमार्क्ता । स्यासिदासी । उत्सोदाइवोहाइराण्याया । हाउवाहाउवा ।
 खि श खी श खि ण खि शा खी ण ति ति
 हाहउवोवाहाऔहोवा । एआतिविश्वानीदूरी तातरे मा ॥ १६ ॥
 त खी ण्ण ख शि त का का कि कि ख

॥अच्छिद्रञ्च ॥

परीतोषी । अज्ञताआउवा । सूतम् । सोमोयाऊक्तामं हावीः । सोमोयऊक्तामांआउवा । हावीः । दध न्वायोनर्यो अप्सवन्तरा । दधन्वायाः । नर्यो आप्सुआआउवा । न्तारा ।
 ती ता टि ख श टा चा चा चा ती ता ख श का टीच् ची ती टाच् च ता टि ख श
 द्राइभीः ॥ १७ ॥
 ख ण्ण

॥रयिष्ठञ्च ॥

परितोषी । अज्ञतासूतामौहोवाऔहोवायीयायीयाहाहाउवासोमोयऊक्तामं हावीः । सोमोयऊक्तामांहावीरौहोवाऔहोवायीयायीयाहाहाउवा । दध न्वायोनर्यो अप्सवन्तरा । दधन्
 ती भि टा त टा त टा त ट ख ण्ण ति टा चा चा चा ती भि टा त टा त टा त ट ख ण्ण ति का टीच् चा चा

॥भारद्वाजेद्वे ॥

औहोइ परितोषी ।अता सूतमौ ।होऔहो वाऔहोवा ।सोमोयउक्तामं हाविरौहोऔहो वाऔहोवा ।दध न्वायोनर्यो
 षि ती ताच् टि तिच् क क ख श टा चा का टी तिच् क क ख श का टीच्
 अप्सन्ताराऔहोऔहो वाऔहोवा ।सूषावसोमामा
 कि टा तिच् क क ख श चा ची
 द्विभिरौहोऔहो वाऔहोवाउहुवाहाबु ।बा ॥ १९ ॥
 टि तिच् क क प षी श श
 पर्येपरी ।तोषिञ्चता सूतमाउवाहाबुहाबुहोवा ।सोमोयउक्तामं हाविराउवाहाबुहाबुहोवा ।दध न्वायोनर्यो
 ती क टिच् पु ति कि टा चा चा फु ति कि का टीच्
 अप्सन्ताराउवाहाबुहाबुहोवा ।सूषावासो ।हाबुहाबुहोवा ।
 कि टि ति कि टि त ति कि
 मामद्राइभिरूहुवाहाबु ।बा ॥ २० ॥
 च फु पु शा श

॥आभिशवेद्वे ॥

परितोषिञ्चतासुतंए ।सोमोयाउक्तामंहाविर्दाहाहाइ ।न्वायोनर्योअप्सुआन्तारासूषाहाइ ।वासोमामोबाद्राइभो ।हाइ ॥२१ ॥
 पू ति चा क की खाफु त श दू किखफु त श का पा फु छि शा
 परितोषिञ्चतासुतंए ।सोमोयाउक्तामंहा
 पू तित चा क ती
 विर्दाहाहाहाइ ।न्वायोनर्योअप्सुआन्तारासूषाहाहाइ ।वासोमामोबाद्राइभो ।हाइ ॥२२ ॥
 खाफु त त श दू किखफु त त श का पा फु छि शा

॥अङ्गिरसामधीवासपरीवासौद्वौ ॥

परितोषिञ्चतासुतंइहाती) ।सोमोयउक्तामंहावीरिहा ।दध
 पू षि टी ति का
 न्वायोनर्योअप्सन्ताराईहा ।सुषावासोइहा ।मामाद्रा इभाऔहोवा ।ई हा ॥ २३ ॥
 षी टि ति टि ति टिट् खा शि ख श

इहापरीतोषिञ्चतासुतंइहा ।सोमोयउक्तमं

हावीरिहाउवा ।ऊपा ।दध न्वायोनर्योअप्सन्ताराइहाउवा ।उपा ।सूषावासोइहाउवा ।ऊपा ।मामद्राइभीरिहाउवा ।उऊपा ॥ २४ ॥
 टी कि शा ख श का षी टि कि शा ख श टि कि शा ख श च टा की शा खा श

॥माण्डवेद्रे ॥

परीतोषिञ्चतासुताम् ।सोमोयाउक्तमं हावाइर्दाधाउवोवा ।ऊपा ।न्वायोनर्योअप्सन्तारा ।सूषावासो ।मामाद्रिभिरिळाभा ।ओइळा ॥ २५ ॥

पू ता क क कीच् का टि खाश ख श षी टि त टि त का टी खण् प शा

परीतोषिञ्चतासुतंओवा ।सोमोयउक्तमं हाविर्दधान्वायोहाहाइ ।नर्यो अप्स्व न्तारा

पू ति त टि च चा चीय ट त त श टाच् चा चा

सूषावासोहाहाइ ।मामाद्रिभीरिळाभा ।ओइळा ॥ २६ ॥

चाय ट त त श का टी खण् प शा

॥वैनसोमकृतवेद्रे ॥

परीतोषिञ्चतासुताम् ।सोमोयउक्तमांहावीः ।दध न्वायोनर्योअप्सन्तारा ।सूषावासो ।मामोबाद्राइभो ।हाइ ॥ २७ ॥

तू ता दूट् टा का दूट् टा टि त क प ण् णि शा

पारीतोषाइञ्चतासुतामैहि ।ऐहीऐहिहोवाउवाईया ।सोमो यउक्तमंहावीरैही ।ऐहीऐहिहोवाउवाईया ।दध न्वायोनर्यो अप्स्वन्तारा

टी भु टा टा च थि टा ट त टाच् का भी टा टा च थि टा ट त का टीच् भी

ऐहि ।ऐहीऐहिहोवाउवाईया ।सूषावसोमामद्रीभीरैहीऐही ।ऐहीऐहिहोवाउवाईया ।ओइळा ॥ २८ ॥

टा टा च थि टा ट त टी क भि टा टा टा च थि टा ट खण् प ण्

॥प्रजापतेर्गूदौद्वौ गौतमस्यवाप्रतोद्वौ ॥

ऊपाऊपाउपाओऊपाऊपा ।परीतोषिञ्चतासुतमूपा ।ऊपाउपाओऊपाऊपा ।

चाच फ ता प चाक फ पू ची च फ ता प चाक फ

सोमोयउक्तमंहविरूपाऊपाउपाओऊपाऊपा ।दधन्वायोनर्योअप्स्वन्तराऊपा ।ऊपाउपाओऊपाऊपा ।सूषावसोममद्रिभिरूपाऊपा ।उपाओउपऊपा ।ऊपा ॥ २९ ॥

पू चीच फ ता प चाक फ पू चू च फ ता प चाक फ पू चीक फ ता प खि त्र ख श

हाबुहाबुहाउवा ।पारितोषिञ्चता

षी ति कृ

सूतामुपा हाबुहाबुहाउवा ।सोमोयउक्तमं हाविरूपा हाबुहाबुहाउवा ।दधन्वायोनर्योअप्स्व न्तराउपा हाबुहाबुहाउवा ।सुषावसोमाद्री भिरूपा ॥ ३० ॥

क टिख् षी ति कृच क टिख् षी ति षू काच क टिख् षी ति कू कच टिख्

॥मरूताङ्गोष्ठापुंसिनिद्वे ॥

हाबुहाबुहाउवा ।पारितोषिञ्चता

षी ति कृ

सूतामिहाउपा हाबुहाबुहाउवा ।सोमोयउक्तमंहविरिहाउपा हाबुहाबुहाउवा ।दधायोनर्योअप्स्वन्तरा इहाउपा हाबुहाबुहाउवासुषावसोममाद्रीभिरिहाउपा ॥ ३१ ॥

चा टीख् षी ति कृ चा टीख् षी ति षु चा टीख् षी ति कृ का टीख्

हाबुहाबुहाउवा ।पारितोषिञ्चता

षी ति कि टिच्

सूतं श्रवो बृहदुपा हाबुहाबुहाउवा ।सोमोयाउक्तमं हाविश्रवो बृहदुपा हाबुहाबुहाउवा ।दधन्वायोनर्योअप्स्व न्तराश्रवो बृहदुपा हाबुहाबुहाउवा ।सूषावासोममा द्री

का टाच् टीख् षी ति कि किच क टिच् टीख् षी ति कृ टाच क टिच् टीख् षी ति कि टिच क ३२ ॥

॥महारौरवञ्च ॥

हाबुहाबुहाउवा ।पारितोषिञ्चता सूतंसोमो यऊक्तामं हाविर्दध न्वायोनर्यो अप्स्व न्तरा सूषावसो ।हाबुहाबुहाउवा ।

षी ति कृच क किच का का की टीच् चा चा टीख् षी ति

ए मामाद्राइभीः ॥ ३३ ॥

तच् टि खा

॥महायौधाजयञ्च ॥

हाउवोवाहाउवोवा हाओवाहाउवा ।पारितोषिञ्चता सूतंसोमो यऊक्तामं हाविर्दध न्वायोनर्योअप्स्वन्तरा ।सूषावसोममाहाउवोवाहाउवोवा हाओवाहाउवा ।द्राइभीः ।

खि श खि शष्ट त प ण् ति कृच क किच का का की टी ची ची खा खि श खि शष्ट त प ण् ति त टाख्

३४ ॥

॥आश्वानिचत्वारि ॥

आसो ।मास्वानोअद्राइभा

ख ण क था टी

उवोवा ।तिरोवाराणि ।अव्ययाजानानापाउवोवा ।रिचामुवोर्वीशाद्धरीस्सादाउवोवाश) ।

खाश टीच टि टा टा खाश टीच टि टा खा

वानाउवोवा ।षुदाद्धिषाइ ।होइळा ॥ ३५ ॥

टा खाश प्लीश प शा

हावासोमस्वा ।नोअद्राइभिस्तीरोवारा ।णियाआउवा ।व्याया ।जनोनापूरीचामू वोः ।विशाआउवा ।र्द्धारिस्सादावाने ।षुदाआउवा ।धिषे ॥ ३६ ॥

तु खि शा खिण ता टि ख श खि श खिण ता टि ख श खिण ता टि ख श

आसोमस्वानोअद्रिभाइः ।तीरोवाराणियाव्याया ।जनोनपूरिचामूवोर्वीशार्द्धारीः ।सदा वानाइषूदधिषो ।इळा ॥ ३७ ॥

तु ति श षी यि ट षी यिट का य ट टाच् टी खिष् शा

आसोमस्वानोअद्रिभिस्तिरोवारा णीयव्यया ।जनोनपु रिचम्बोर्विशाद्धारीरौ ।हूवाए होवा ।सादावने षूदौ हूवाए होवा

षु फु खा प्ली षी कु टिच् टि चा की टाच् टि चा ।द्धिषाऔ(टि

होबा ।होइळा ॥ ३८ ॥

ख ण्ण ण्ण शा

॥आग्नेयञ्च ॥

प्रसोमदा ।इवावीत याइ ।

ती खी ण श

सिन्धुर्नपाइप्ययाआउवा ।र्णासा ।अंशोःपाया ।सामदाइरोनजाआउवा ।ग्रवीराच्छाकोशम् ।मधाआउवा ।श्रूतम् ॥ ३९ ॥

क कि ति टि ख श खिण क की ता टि ख श खिण ता टि च श

॥सोमसामच ॥

प्रसोमदेववीतयोहाइ ।सिन्धुर्नपिप्येआ

फू खा शा फू

र्णासोहाइ ।आंशाउवोवा ।पायाउवोवा ।सामदिरोनजाग्रवीहाइ ।आच्छाउवोवा ।कोशाउवोवा ।

खा शा टा खाश टा खाश फ णि फा खा ण श टा खाश टा खाश

मधूश्चूता ।होइळा ॥ ४० ॥

प्ली ऋ शा

॥द्विहिङ्गारञ्चवामदेव्यम् ॥

प्रासोमादेववीतयाइ ।साइन्धूर्नापिप्य

पि शू

अर्णासाअंशोःपयसामदिरोनजौहोहिम्मा ।ग्रवीराच्छाकोशंमधौहो

षौ कू त टा ट त कू त

हिम्मा ।श्रूतामौहोबा ।होइळा ॥ ४१ ॥

टा पि प्ला ऋ शा

॥अङ्गिरसामुत्सेधनिषेधौ द्वौ ॥

प्रसोमदेववीतयेसिन्धूर्नपाऔहोवा ।प्येअर्णासा हाउवा ।ऊपा ।अंशोःपयाऔहोवाहाइ ।सामदिरो नजागृ विर्हाउवा ।

षु फु खाण फ ऋ क टिच्य टा ख श शृ क कि कि या टा

ऊपा ।अच्छाकोशंऔहोवाहाइ ।

ख श शृ

मधूश्चूताम् ।ऊ ॥ ४२ ॥

खित्र ख

प्रसोमदाइवावीतयाइ ।सिन्धूर्नपाइप्येअर्णासाइहा ।आंशोःपाया ।हाहोहाइ

तू ति श चू थ टा ता टा ख श खाण श

सामदिरो नजागृवीरिहा ।आच्छाकोशाम् ।हाहोहाइ ।मधूश्चूताम् ।हे ॥ ४३ ॥

क कि टा ती टा ख श खाण श खित्र ख

॥सोमसामानिषट् ॥

हाबुसोमाः ।उष्वाणस्सोतृभीः ।आधिष्णुभीरावाइनाम् ।आश्वाऔहो ।येवहरितायाताइधाराया ।मन्द्रायायाहाओवा ।तीधाराया ॥ ४४ ॥

ती थाच् यिट कीचय टा टा ट त पू यि टा किख शि टिख

सोमउष्वाणस्सोतृभाइः ।आधीष्णुभीरावीनामाश्वयेवा ।हारितायातिधाराया ।मन्द्रायायाताइधा ।रायाऔहोबा ।होइळा ॥ ४५ ॥

स्त्री प्ली श की क था पिण यू प श खि श ख णा टि ख ण्ण ण्ण शा

सोमउष्वाणस्सोतृभिरे अधी ।ष्णुभिराआउवा ।वीनाम् ।आश्वयेवहारितायातिधाआउवा ।

पु ती ता ति टि ख श ट त कू ता टि

राया ।मान्द्रायायातिधा ।आउवा ।राया ॥ ४६ ॥

ख श ट त का ता टि ख श

सोमउष्वाणस्सोतृभिरे अधी ।

पु ती ता

ष्णुभिरवीनामाश्वये वाहरितायाताइधारयामन्द्रायौवा ।तिधा ।रायाऔहोबा ।होइळा ॥ ४७ ॥

की की कु कु शु ख श टि ख ण्ण ण्ण शा

सोमउष्वाणस्सोतृभाइःरधिष्णुभिरवीनाम् ।

षे तू

आधिष्णुभिरवीनामाश्वयेवाहारीतायाताइधा ।रयाआउवा ।मान्द्रा ।यायातीधा ।रायाऔहो

षू कू पी शा ता टि ख श खि ण णा च क

वा ।होइळा ॥ ४८ ॥

फ ण्ण शा

सोमउष्वाणस्सोतृ भिरौहोआधिष्णुभीरवीनाम् ।आश्वयेवाहारिताया तीधारायौवाउवोवा ।मान्द्रयायातीधाहिं ।रायोहाइ ॥ ४९ ॥

पु चा टा त प शू क की थि च्च क कि ण्णि श क पी श च ख ण्ण शा

॥विष्णोररणीद्वे ॥

तवाहंसोमरा राणारणा ।सच्यइन्दोदिवा इ ।दिवाइदिवे ।पूरूणिबभ्रोनिचरन्तिमामावाअवा ।पारीधीरतितंइहा इहा औहोबा ।ऊउ पा ॥ ५० ॥

ती टाच्चा शा दूच्चा चा शि षू टी चा शा कू टाद्वा शि स्वाश

तवातवा ।आहंसोमरारणसख्याइन्दो ।दिवाऔहोदाइवेपूरूणिबभ्रोनिचरन्तिमामावा ।पराऔहो ।धाइंरतीतोबा ।

ती षी दूत भि त टि षू यी प श भि त की प ण्ण

आइहो ।हाइ ॥ ५१ ॥

णि शा

॥आङ्गिरसानित्रीणि ॥

तवाहंसोमारारणा ।सख्याइ न्दोदीवेदाइवे ।पूरूणिबभ्रोनिचरन्तिमामावाहाइपरिधाइरा ।तीतोबाआइहो ।हाइ ॥ ५२ ॥

तु ति खि श खि णा पू चि प श्रु त प ल्ल णि शा

तवाहंसोमरौहोरणा ।साख्याइन्दोदिवा इ ।दीवे ।पूरूणाइबाभ्रोनिचरान्तिमा ।मावा ।पारीधाइरातितं आइहि ॥ ५३ ॥

तू ता च टि खाणफल्ल श ख श टा टि टी खाणफल्ल ख श टा टि खाणफल्ल ख शा

तवाहंसोमरारणसाख्याइन्दोदिदेदिवाइ ।सखयइन्दोदिवेदाइवे ।पूरूणिबभ्रोनिचर न्तिमामावा ।पाराइधाइरातीतं आइहा इ ।ओइळा ॥ ५४ ॥

षी फु खा शु की टि ता पू का टि त टी ता टाट खाण श प शा

॥औक्ष्णोरन्ध्राणित्रीणि ॥

मृज्यमानाः ।सुहस्तियासामूद्राइवा ।चमिन्वसाइ ।रार्यीपाइशाम् ।गम्बहुलाम् ।

ती ती टाख शा ती श टाख शा ती

पूरूस्पृहम् ।पावमानाऔहो ।भीयोबार्षासोहाइ ॥ ५५ ॥

टाख ण चि पा श क प ल्ल प्ला शा

मृज्यमानाः ।सूहस्ताया ।समुद्रेवाचामिन्वासाइरयाइंपिशंगम्बहुलम्पूरूस्पृहाम् ।

ती चि ट चा था या पा खि ति की चय टा

पावामा नाऔहोवा ।भ्यर्षासी ॥ ५६ ॥

टिट्ख शि टाख

मृज्यमानाः ।सूहस्तियासामू द्राइवाचमीन्वासाइ ।राइं पाइशांगम्बहुलं ।पूरू

ती च चिय टच्च टा का चा श य टच्च टा क चि

स्पृहाम् ।पावामानाभायाऔहोवा ।र्षासि ॥ ५७ ॥

ची य टच्च ट ट ख शि ख श

॥औक्ष्णोनिधनानित्रीणि ॥

मृज्याए ।मानस्सुहस्तियाऔहो ।सामुद्रेवाचमिन्वसाऔहो ।रायिंपिशंगम्बहुलम् ।पूरूस्पृहाऔहो ।पावमाना ।भीयोबा

ता त पू ट त कू भि त कीक कि भु त टि त क प ल्ल

र्षासोहाइ ॥ ५८ ॥

प्ला शा

मृज्यमानस्सुहस्तेयावाहाइ ।सामुद्राइ वाचमिन्वासी ।रायाइंपिशांगंबहुलम् ।पूरू
षी तू त श षी टि ख ण खा ति क कि या

स्पृहा ।पावामाना ।भीयोबार्षासो ।हाइ ॥ ५९ ॥
पा खा ता क प फ़ प्ला शा

मृज्यमानास्सुह स्तिया ।समूद्रेवाचमाइन्वासी ।रायिंपिशांगम्बहुलम् ।पूरूस्पृहाऔहो ।पावमाना ।भीयोबार्षासो
फी शा का टा टा टा टि की की भु त टि त क प फ़ प्ला
हाइ ॥ ६० ॥
शा

॥वाजजिच्चा ॥

मृज्यमानस्सुहा ।स्तियासमू होद्रेवाहोचामिन्वासाइ ।रया होइंपीशाहोगंबहुलांपूरूस्पृहाम् ।पवा होमानाहोभी ।अर्षासाआउवा ।वाजीजीगीवा ॥ ६१ ॥
तू टा टाच्य टा था चि श टाच्य टि था की चि टाच्य टा था कि टि क कि तच्

॥द्वभ्यासञ्चसौहविषंवसिष्ठस्यवापिप्पलि ॥

मृज्यमानस्सुहस्त्यासमुद्रेवोवा ।चामिन्वसीरायिंपिशाहाहागंबहुलंपूरूस्पृह म् ।पावामानाहाहाइ ।भ्यर्षासा इ ।ओइळा ॥६२ ॥
षू तु त की टी ट त त की कीच् का टा त त श टा खण् श प शा

॥वैश्वदेवेच ॥

हाहाअभीसोमा साआयावाः ।हाहाइपवन्तेमादीयाम्मादांहाहाइसमुद्रस्याधिविष्टपे
त कि थाच् का य ट त चू काय ट त षू ची
मा नाइषाइणाःहाहाइमत्सारासो मादा
कच्क या टा त की थाच् का
च्यूताः ।हाहा इ ।
य ट त खण् श
ओइळा ॥ ६३ ॥
प शा

अभिसोमासआयवाः ।पवन्तेमद्यम्मदामाऔहोआऔहो ।

कि ख की कि दू त टा त

सामुद्रस्याधिविष्टपे मणीषिणाऔहोआऔहो ।मात्सारासोमदच्युताऔहोआऔहो ।

की की भु त टा त थ कि भु त टा खण्

ओइळा ॥६४ ॥

प शा

॥इन्द्रसामच ॥

अभिसोमा ।सयाआउवा ।यावाःपवभाइमा ।दीयाआउवामादंसामूद्रास्या ।धिविष्टपे मना ।

ती ता टि ख शू ता टि ख शू की का

आउवाए ।षीणोमात्सारासाः ।मदाआउवा ।च्यूताः ॥ ६५ ॥

टि भ ख शु ता टि ख ळ

॥वैश्वदेवञ्चैव ॥

अभिसोमासआहोयवाः ।पवन्तेमद्यम्मदं पवन्तेमदियां होइमादाम् ।सामुद्रस्याधिविष्टपेमनी षिणोमना होषाइणाः ।मात्सारासोमदच्युतोमदा होच्यूताः ।ओइळा ॥

भु ता ता कि षी दूच्य टा त की श कुच का टाच्य ट ता थ श कु श टाच्य ट खण् प शा

६६ ॥

॥इन्द्रसामानित्रीणि ॥

औहोवाअभिसोमासआयवऔहोवा ।

षु तु त

पवान्तेमावा ।द्यम्मदंसमूद्रस्यावा ।धीविष्टपेमनी षिणाऔहोइमत्सारासोवा ।मदाच्यूताः ॥ ६७ ॥

टा खात्र क टी खात्र च कुच क टच्य टि खात्र ता टाख्

अभिसोमासआयावाः ।पवान्तेमावा ।द्यम्मदंसमूद्रस्यावा ।धिविष्टापेमनीषीणोमत्सारासोवा ।मदाच्यूताः ॥ ६८ ॥

भु ता त टा खात्र क टी खात्र कि कु टा खात्र ता टाख्

अभिसोमासआयावाः ।पव न्ताइमादियम्मादम् ।सामुद्रस्याधिविष्टपाइमनाइषाइणाः ।मात्सारा सोमा दाऔहोवा ।च्यूताः ॥ ६९ ॥
 पु ता त का टु ख ण की पु टा खा णा कि टाट् ख शि ख ण

॥स्वःपृष्ठमाङ्गिरसम् ॥

अभाइसोमाऔहोसआयवाः ।पवान्तेमाऔहोद्यम्मदम् ।समूद्रस्याऔहोधिविष्टपाइ ।ओइमा नाऔहोवाषीणाः ।ऊपा ऊपा ।मात्सारा सोमा दाऔहोवा ।च्यूताः ॥
 टा खि खा फा का टा खा खाक का टा खा खा फा का श टिट् ख शि ख ण ख शङ्ख ख ण कि टाट् ख शि ख ण
 ७० ॥

॥सोमसामच ॥

पुनानसोमजाजागृविरव्याः ।वारैःपारीप्रीयाः ।त्वंविप्रोअभवोगाइरास्तमाःमाध्वा यज्ञाणम्माइमाऔहोवा ।क्षाणाः ॥ ७१ ॥
 पू ती यी टा पू पि ता काच् का टट् खा शि ख ण

॥आदित्यानाञ्चपवित्रम् ॥

पवमान असृक्षतपवाइ त्रामतिधारयामरूत्वन्तोमत्सराइन्द्रीया हायामाइधाम् ।अभाइप्रा याऔहोवा ।सीचा ॥ ७२ ॥
 षी तू श षे टु तच टि ता टीट् ख शि ख श

॥सोमसामनीद्वे ॥

पवस्ववाजसाइहा ।तामाः ।आभिविश्वा नीनवार्यास्त्वंसामूऔहोवा ।द्राःप्रथामेवीधर्मन्दाइवाइभ्यास्सोऔहोवा ।ममत्सराः ॥ ७३ ॥
 पू ता ख ण कीच् क टीट् ख शि कि च थि टुट् ख शि तीच्
 इन्द्रायापा ।वाताइमादाः ।सोमोमरुत्वताइसूताः ।साहस्रधारोअत्यव्यमार्षाती ।तमा
 ती टा टि दू टि पु टु टा टा
 इमार्जा न्तीयायावाः ।ओइळा ॥ ७४ ॥
 टिच् क टा खण् प ण्णा

॥स्वःपृष्ठञ्चैवाङ्गिरसम् ॥

इन्दरायपा ।वते मदास्सोमोमारू त्वातेहोइसूताः ।साहस्राधारोअत्यव्यमार्षाता
 ती का चा था टाच्क टा टि षु दू
 उवोवा ।ऊपा ।तामीहोइमार्जा न्तियायावाः ।ओइळा ॥ ७५ ॥
 खाश खश टि टिच्क टा खण् प शा

॥सोमसामचैव ॥

इन्द्रायापा वाताइमादाःसोमोमरूत्वताइसू ताः ।साहस्राधारोअत्यव्यमार्षाती ।तमा
 खी पु दू खाण कीश टी खण
 औहोइमार्जाम् ।तायाऔहोवा ।यावाः ॥७६ ॥
 कि खिण टट्ख शि खप्ल

षष्ठ खण्डः

॥औशनानित्रीणि ॥

ओई प्रातू इहाओद्रवापारीकोशान्नीषीदा ।ओई नृभीरिहाओपुनानोआभीवाजमार्ष ।

चा फा ता कू खि श चा फा का की कि खा श

ओआश्वाइहाओनत्वावाजीनम्मार्जयान्ताइ ।ओआच्छाइहाओबर्हाइराशनाभाइर्नाया ।न्ताइ ॥१॥

चा फ ता टी कि खा शा चा फ ता का कि पि खि त्र श

हाओहाउहुवाओहा ।प्रातुद्रवापारीकोशान्नीषीदा ।नृभिःपुनानोआभीवाजमार्ष ।

का फ खि ण षी कि खि श टु कि खा श

अश्वन्नत्वावाजीनम्मार्जयान्ताइ हाओहाउहुवाओहाअच्छाबर्हाइराशनाभाइर्नाया ।

टु कि खा शा का फ खि ण कि कि पि खि

न्ताइ ॥२॥

त्र श

प्रातू ।द्रावापरिकोशान्नीषीदा ।नृभिःपुनानोआभीवाजमार्ष ।अश्वन्नत्वावाजिनम्मार्जयान्ताइ ।

ता षु टि थ टु कि खा ण षी टू त श

अच्छाबर्हाइराशनाभाइर्नाया ।न्ताइ ॥ 3 ॥

कि कि पि खि त्र श

॥प्रशस्यजानस्याभीवर्तौद्वौ ॥

प्रत्वेप्रतु ।द्रावाद्रवापारीकोशान्नीषीदा ।नृभिरे नृभीःपूनापुनानो

का ता षी कि खि श ति ता टु

आभीवाजमार्ष ।अश्वमेअश्वा'म् ।नत्वानत्वावाजीनम्मार्जयान्ताइ ।

कि खा श ति ता टु कि खा शा

अच्छये अच्छा ।बर्हाबर्हाइराशनाभाभाइर्नाया ।न्ताइ ॥ ४ ॥

ति ता कि कि पि खि त्र श

प्रतूद्रा ।वापरिकोशान्नीषीदा ।साइदा ।बुहो औहोवा ।नृभिःपुनानो

ति षी टू त कि काचक का षु

आभीवाजमार्षार्षाबुहो औहोवा ।अश्वन्नत्वावाजिनम्मार्जयान्ताइ ।

टु त का काचक का षु टू त श

यन्ताबुहो औहोवा ।अच्छाब ह्राइरा शनाभिर्नायाए हियाहाउवा ।

का काच्क का कि कि टि काख छि शा
न्ताइ ॥ ५ ॥
ख श

॥प्रजापतेर्वाजसनिनीद्वे वाजजितौद्वौ वाराहाणिवा ॥

प्राकाव्यामूशनेवाब्रूवाणाः ।देवोदेवानान्जनिमा विवाक्ती ।माहिब्राता श्शुछीबान्धूःपावाकाः ।

क टाच् भी टा त टी टीच् टा त टीच् भी टा त
पादावाराहोअभियाइतिरा औहोवा ।भान् ॥ ६ ॥
टी टी खि शि ख

प्रकाव्यामूशनेवाब्रूवाणाः ।देवोदेवानान्जनिमा विवाक्ति ।माहिब्राताश्शुचिबान्धूःपावाकाः ।

टिच् भी टि टी टीच् टि टी भी टि
पादावाराहोभियाऔहोवा ।तीरे भान् ॥ ७ ॥
टीट खा शि टाख

प्रकाव्यामुशनेवाब्रू वाणोदे वो ।देवानान्जनिमावीवाक्तिमाही ।वृतश्शुचीबन्धूःपवाकाःपादा ।वराहोअभ्येतिराहाउवा ।भान् । ॥ ८ ॥

चू शा काखश चि चाक कि खश थू कि खश चि का टा ति ख

हाबुहाबूहू ।प्राकव्यामूशनेवाब्रू

ति चा कि की
वाणाः ।देवोदेवानान्जनीमाविवाक्ति ।

खाप्ल क टी कि खाश

माहिब्राताश्शुचिबान्धूःपावाकाःहाबुहाबूहू ।पादावाराहोअभियाइतिरा इ ।भान् ॥ ९ ॥

की की खाप्ल ति चा च क टि पि खिश त्र

॥अङ्गिरसांसङ्गोशास्त्रयःदेवानांवा सामसुरसे द्वे ॥

होयेहोवाहाहोइ ।तिस्रोवाचाईरायातिप्रवान्हीः ।ओहा होहाओहा ।

टा टा त त श टु का खिप्ल णाफ् ख शि
ऋतस्यधाइतीं ब्राह्मणोमानीषाम् ।आहाहोइआहाहा हाहोइ ।
टू कि खाश का कि काच्क च श

गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छर्मानाः ।इहाहोई हाहा हाहोइ ।

क टु कि खाप्ल का कि काचूक च श

सोमय्यन्ताइमातयोवावाशा ।नाः ॥ १० ॥

क कु पि खा त्र

होइयाहोइ ।तिस्रोवाचाईरायातिप्रवान्हीः ।ओहा होहाओहा ।

टि च श टु का खिप्ल णाफू ख शि

ऋतस्यधाईतीं ब्राह्मणोमानीषाम् ।आहाहोइआहाहा हाहोइ ।

दू कि खाश का कि काचूक च श

गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छर्मानाः ।इहाहोई हाहा हाहोइ ।

क टु कि खाप्ल का कि काचूक च श

सोमय्यन्ताइमातयोवावाशा ।नाः ॥ ११ ॥

क कु पि खा त्र

हाहोइयाहो इ । ।तिस्रोवाचाईरायातिप्रवान्हीः ।ओहा होहाओहा ।

क टि कचू श टु का खिप्ल णाफू ख शि

ऋतस्यधाईतीं ब्राह्मणोमानीषाम् ।आहाहोइआहाहा हाहोइ ।

दू कि खाश का कि काचूक च श

गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छर्मानाः ।इहाहोई हाहा हाहोइ ।

क टु कि खाप्ल का कि काचूक च श

सोमय्यन्ताइमातयोवावाशा ।नाः ॥ १२ ॥

क कु पि खा त्र

॥वेणोर्विशालेद्वे ॥

होइयाई होइयाओहोइया ।तिस्रोवाचाईरायातिप्रवान्हीः ।ओहा होहाओहा ।

की टी किचू टु का खिप्ल णाफू ख शि

ऋतस्यधाईतीं ब्राह्मणोमानीषाम् ।आहाहोइआहाहा हाहोइ ।गावोयन्ताइगो

दू कि खाश का कि काचूक च श क टु

पातिम्पाच्छर्मानाः ।इहाहोई हाहा हाहोइ ।

कि खाप्ल का कि काचूक च श

सोमय्यन्ताइमातयोवावाशा ।नाः ॥ १३ ॥

क कु पि खा त्र

होइहाई होइहाओहोइहा ।तिस्रोवाचाईरायातिप्रवान्हीः ।

की टी किच् टु का खिप्ल

ओहा होहाओहा ।ऋतस्यधाइतीब्राह्मणोमानीषाम् ।

णाफ् ख शि टू कि खाश

आहाहोइआहाहा हाहोइ ।गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छर्मा

का कि काच् क च श क टु कि खा

नाः ।इहाहोई हाहा हाहोइ ।सोमय्यन्ताइमातयोवावाशा ।नाः ॥१४ ॥

प्ल का कि काच् क च श क कु पि खा त्र

॥गौतमस्यतन्त्रातन्त्रेद्वे ॥

ईहोईहाइहोइहा ।होवा होइ हा ।तिस्रोवाचाईरायातिप्रवान्हीः ।

चा फा ती काच् फण टु का खिप्ल

ओहा होहाओहा ।ऋतस्यधाइतीब्राह्मणोमानीषाम् ।

णाफ् ख शि टू कि खाश

आहाहोइआहाहा हाहोइ ।गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छर्मानाः ।

का कि काच् क च श क टु कि खाप्ल

इहाहोई हाहा हाहोइ ।सोमय्यन्ताइमातयोवावाशा ।नाः ॥ १५ ॥

का कि काच् क च श क कु पि खा त्र

इहाउवाइ हाइहा ।तिस्रोवाचाईरायातिप्रवान्हीः ।

टी ख प्लिङ् टु का खिप्ल

ओहा होहाओहा ।ऋतस्यधाइतीब्राह्मणोमानीषाम् ।

णाफ् ख शि टू कि खाश

आहाहोइआहाहा हाहोइ ।गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छर्मानाः ।

का कि काच् क च श क टु कि खाप्ल

इहाहोई हाहा हाहोइ ।सोमय्यन्ताइमातयोवावाशा ।नाः ॥ १६ ॥

का कि काच् क च श क कु पि खा त्र

॥अगस्तयस्ययमिकेद्वे ॥

इहाउवाइहाउवाइहाउवाई हाई हा । तिस्रोवाचाईरायातिप्रवाखि)न्हीः ।

का ता टी का त्र ख प्लाड टु का प्ल

ओहा होहाओहा । ऋतस्यधाईतीब्राह्मणोमानीषाम् । आहाहोइआहाहा हाहोइ ।

णाफ् ख शि दू कि खाश का कि काच् क च श

गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छामानाः । इहाहोइई हाहा हाहोइ ।

क टु कि खाप्ल का कि काच् क च श

सोमय्यन्ताइमातयोवावाशा । नाः ॥१७ ॥

क कु पि खा त्र

ई हाहाईहा । तिस्रोवाचाईरायातिप्रवान्हीः । ओहा होहाओहा ।

ख प्लड टु का खिप्ल णाफ् ख शि

ऋतस्यधाईतीब्राह्मणोमानीषाम् । आहाहोइआहाहा हाहोइ ।

दू कि खाश का कि काच् क च श

गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छामानाः । इहाहोइई हाहा हाहोइ ।

क टु कि खाप्ल का कि काच् क च श

सोमय्यन्ताइमातयोवावाशा । नाः ॥ १८ ॥

क कु पि खा त्र

॥मरूताङ्गालकाक्रन्तौ ॥

ओऔहोऔहोवाहा । तिस्रोवाचाईरायातिप्रवान्हीः । ओहा होहाओहा ।

का ख फात तच् टु का खिप्ल णाफ् ख शि

ऋतस्यधाईतीब्राह्मणोमानीषाम् । आहाहोइआहाहा हाहोइ ।

दू कि खाश का कि काच् क च श

गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छामानाः । इहाहोइई हाहा हाहोइ ।

क टु कि खाप्ल का कि काच् क च श

सोमय्यन्ताइमातयोवावाशा । नाः ॥ १९ ॥

क कु पि खा त्र

ओऔहो औहोऔहोऔहोवाहाहा इ । तिस्रोवाचाईरायातिप्रवान्हीः ।

टिच् क ख फा फात त तचश टु का खिप्ल

ओहा होहाओहा ।ऋतस्यधाइर्तीब्राह्मणोमानीषाम् ।

णाफ् ख शि टू कि खाश

आहाहोइआहाहा हाहोणइ ।गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छामानाः ।

का कि काच् क च श क टु कि खाप्ल

इहाहोईइ हाहा हाहोइ ।सोमय्यन्ताइमातयोवावाशा ।नाः ॥ २० ॥

का कि काच् क च श क कु पि खा त्र

॥वासिष्ठानिषट् ॥

अस्याऔहोवाप्रेषाहे मानापू यमानाः ।देवोऔहोवा

खा क था टि कि खाप्ल खा क था

देवाइभीस्सामापृ क्तरा सम् ।सुताऔहोवा ।पवाइत्रांपारीये तिरे भन् ।

टी कि खाश खा क था टी कि खाश

मिताऔहोवा ।वसाद्वापाशुमन्तिहोता ।पशुमान्तिहो ।ता ॥ २१ ॥

खा क था भि कि खाश पि खा त्र

उहुवायस्याऔहोवाप्रेषाहे मानापू यमानाः ।उहुवादेवोऔहोवादेवाइभी

खु क था टि कि खाप्ल खु क था टी

स्सामापृ क्तरा सम् ।उहुवासुताऔहोवा ।पवाइत्रांपारीये तिरे भन् ।

कि खाश खु क था टी कि खाश

उहुवामिताऔहोवा ।वसाद्वापाशुमन्तिहोता ।पशुमान्तिहो ।ता ॥ २२ ॥

खु क था भि कि खाश पि खा त्र

हाउहुवायस्याऔहोवा ।प्रेषाहे मानापू यमानाः ।हाउहुवादेवोऔ

खु क था टि कि खाप्ल खू क

होवादेवाइभीस्सामापृ क्तरा सम् ।हाउहुवासुताऔहोवा ।पवाइत्रांपारीये

था टी कि खाश खू क था टी कि

तिरे भन् ।हाउहुवामिताऔहोवा ।वसाद्वापाशुमन्तिहोता ।पशुमान्तिहो ।ता ॥ 23 ॥

खाश खू क था भि कि खाश पि खा त्र

हायौहोवायस्याऔहोवा ।प्रेषाहे मानापू यमानाः ।हायौहोवाइदेवोखा)

खू क था टि कि खाप्ल पु

औहोवादेवाइभीस्सामापृ क्तरा सम् । हायौहोवाइसुताऔहोवा ।

क था टी कि खाश पु खाक था

पवाइत्रांपारीये तिरे भन् । हायौहोवाइमिताऔहोवा ।

टी कि खाश पु खाक था

वसाद्वापाशुमन्तिहोता । पशुमान्तिहो । ता ॥ २४ ॥

भि कि खाश पि खा त्र

हाहायौहोवायस्याऔहोवा । प्रेषाहेमानापू यमानाः ।

पु खाक था टि कि खाक

हाहायौहोवाइदेवोखा)औहोवादेवाइभीस्सामापृ क्तरा सम् ।

पू क था टी कि खाश

हाहायौहोवाइसुताऔहोवा । पवाइत्रांपारीये तिरे भन् ।

पू खाक था टी कि खाश

हाहायौहोवाइमिताऔहोवा । वसाद्वापाशुमन्तिहोता ।

पू खाक था भि कि खाश

पशुमान्तिहो । ता ॥ २५ ॥

पि खा त्र

औहोवहाहोई हा । अस्यप्रेषाहेमानापू यमानाः ।

ट क था टाकथ टु कि खाक

देवोदेवाइभीस्सामापृ क्तरा सम् । सूतःपवाइत्रांपारीये तीरे भन् ।

टू कि खाश टू कि खाश

औहोवहाहोई हा । मीतेवसाद्वापाशुमान्तिहो । ता ॥ २६ ॥

ट क था टाकथ टु पि खा त्र

॥आश्वञ्च ॥

होहोअक्रान्तामुद्राः । प्रथामेविधर्ममान् । होहोइ जनय न्प्राजाभुवनस्यगोपाः ।

टी च चा चि शि कि कि का कु च

होहोइवृषा पावित्रे आधिसानोअव्याइ । होहोइ बृहत्सोमोवावृ

टुच् टिच् भि चा श कि टु क

धेस्वानोअद्रायौहोवाहाउवा । ए स्वानोअद्रीः ॥ २७ ॥

था टि ट ता ति तच् क टिख्

॥सोमसामनीद्वे ॥

कानी ।क्रन्तीक्रन्तीहरी रासृज्यमानासाइद न् ।वानावाना
 ता टा टा काथ टि खा णा टा टा
 स्यजठरे पूनानोनृ भीः ।यातायाताःकृणूतेनिर्निजांगामाताः ।
 की टा खाण टा टा का था टा खाण
 मातिम्मातिन्जन यतास्वाधाऔहोवा ।भीः ॥ २८ ॥
 टा टा का टि ख शि ख
 कनिक्रन्तीहाहोइहरिरासृज्यमानाः ।हाहोइसीदन्वनस्यजठरे पूनानाः ।
 फू त फु खाळ त षू कि टा त
 हाहोइनृभिर्यतःकृणुते निर्निजाङ्गा ।हाहोअतोमता
 त षू कि टि त त
 इजनयतास्वाधाऔहोवा ।भीः ॥ २९ ॥
 षू टुट् ख शि ख

॥ऐषञ्च ॥

एषाएषाः ।स्यताओइमधूमंइन्द्रसोमोवृषावृषाए ।वृष्णाओःपरिपवित्रेअक्षास्सहासाहाए ।स्रदाओइशतदाभूरिदावाशश्चच्छश्वादे ।तमाओंबर्हिरावाज्येहियाहाउवास्थात्
 ती ता प षू तू त ता प षु तू त ता प षु तू त ता प षु णि शाख
 ३० ॥

॥माधुच्छन्दसम् ॥

हाओहाइहाओपावस्वसोमामाधूमं ऋतावा ।आपोवसानोआधीसानोअव्याइ ।आवद्रोणानीघार्त्ताव न्तीरो हा ।हाओहा ।इहाओमदिन्तमोमात्सरयाइन्द्रापा ।नाः ॥
 खा ण ता च क टी कि खाश टु कि ख शि टु कि खाश खा ण ता च क टी पि खि त्र
 ३१ ॥

॥सोमसामानिचत्वारि ॥

सोमःपवतेजनिता माताइनाम् ।जनितादीवोजनीता पृथाइव्याः ।जनिताग्रेर्जनितासूरीयायास्या ।जनिते न्द्रास्याजनितोतावाइ ।ष्णोः ॥ ३२ ॥

चु किच् का टा ति चा किच् का टा षी की टा त कि टा पि खाश त्र

सोमःपवतेजनिताए औहोवा ।माताइ नाम् ।जनितादीवोजनीताप्रथिव्याः ।जनाइताग्रेः ।जनितासूरीयास्या ।जनिते न्द्रास्यजनितोतविष्णोः ॥ ३३ ॥

षु ती खात्र प शत्र कि का कि चि टा खाण खी खात्र कि कु टिख्

हाबुजनद्वाबुजनद्वाबुजनज्जनद्वाबुजन

षो

द्वाबुजनद्वाबु ।होइजनद्धोइजनद्धोइजनात् ।सोमःपवातेजानीतो

तो श षू चू क टी कि

मतीनाम् ।जनितादाइवोजानीतापृथीव्याः ।जनिताग्राइर्जनितासूर्यास्या ।हाबुजनद्वाबुजनद्वाबुजनज्जनद्वाबुजनद्वाबुजनद्वाबु ।होइजनद्धोइजनद्धोइजनात् ।जनिते

खाश कि टि कि खाप्ल कि कि किख श षो तो श षू चू कि

न्द्रास्याजानीतोतावाइ ।ष्णोः ॥ ३४ ॥

टा पि खाश त्र

जनद्वाबुजनद्वाबुजनद्वाबुजनदाबुजनदाबु

षौ

जनदाबु ।जनद्धोइजनद्धोइजनद्धोइ ।सोमःपवातेजानीतामतीनाम् ।जनितादाइवोजानीतापृथीव्याः ।जनिताग्राइर्जनितासूर्यास्या ।जनद्वाबुजनद्वाबुजनद्वाबुजनदाबुजन

तो श षू चु श क टी कि खाश कि टि कि खाप्ल कि कि किख श षौ

३५ ॥

॥मरूतांत्रतोपोहस्सम्पद्वा ॥

ओहाओहाओहाइयाओहाए ।आभिन्निप्राष्ठांवार्षाणंवयोधाम् ।अङ्गोषीणामावावाशन्तवाणीः ।वानावसानोवारूणोनसीन्धूः ।ओहाओहाओहाइयाओहाए ।वीरत्नधादयते

क टा क टा ट त त टु कि खाश च कि क कि खाप्ल टु कि खाप्ल क टा क टा ट त त की

३६ ॥

सप्तम खण्डः

॥कूत्सस्याधिरथ्यानित्रीणि ॥

होवाउहुवाहोवा ।प्रासेनानाइश्शूरोअग्राइरथानाम् ।गव्यन्नेताइहर्षतेआस्यसेना ।भाद्रान्कृण्वन्निन्द्राहावान्साखीभ्याः ।

ख श खि ण कि टि खु श कि टु खि श कि की खि ण

आसोमोवास्तरारभसानिदाक्ताइ ।होवाउहुवाहोवाहाबु ।बा ॥१॥

कि टा कि खात्र श ख श खी णा श श

औहोओवा ।प्रासेनानाइश्शूरोअग्राइरथानाम् ।गव्यन्नेताइहर्षतेआस्यसेना ।भाद्रान्कृण्वन्निन्द्राहावान्साखीभ्याःऔहोओवा ।आसोमोवास्तरारभसा

फात त कि टी खु श कि टु खि श कि की खि ण फात त कि टा पि

निदाक्ताइ ॥ २ ॥

खात्र श

ओहोओवा ।प्रासेनानाइश्शूरोअग्राइरथानाम् ।गव्यन्नेताइहर्षतेआस्यसेनाभाद्रान्कृण्वन्निन्द्राहावान्साखीओहोओ

फात त क था टी खु श क था टु खि श क था टी खि फात

वा ।आसोमोवास्तरारभसानिदा ।क्ताइ ॥ ३ ॥

त क था टा पि खाणफण्ण ख श

॥वैश्वज्योतिषाणित्रीणि ॥

हाबुहोहाइ प्रतेधारामाधूमा

ति शा भु च क

ताइरसृग्रान् ।हाबुहोहाइवारं यत्पूतोआतीयाइषीयाव्याम ।हाबुहो

टु ति षी बु टु ति

हाइ पवमानपावसे धामगोनाम् ।

शा बु का टी

हाबुहोहाइ जनयन्सूर्यामापाइन्वोअर्काइः ।हाबुहोहाबु ।बा ॥ ४ ॥

ति शा बु क टू खि ण श श

प्रागायताभ्यार्चचामदे वान् ।सोमंहिनोतामाहाते धनाया ।स्वादुःपवातामातीवारमा

टी का खाश क टी कि खाश क टी कि खा

व्यम् ।आसीदतू कालशान्दाइवायाइ ।न्दूः ॥ ५ ॥

श क कि पी खि श त्र

हाबुहोहाइ प्रहिन्वानोजनितारो द

ति शा षी खी

सीयोः ।हाबुहोहाइ रथोनवाजंसनिषान्नयासीत् ।हाबुहोहाइ

खाप्लु ति शा षु खि खाश ति शा

इन्द्रङ्गच्छन्नायुधासांशिशानाः ।हाबुहोहाइ विश्वावसुहस्तयोरा दधानाः ।दधानाबु ।बा ॥ ६ ॥

षी खी खाप्लु ति शा षी खी खाप्लु खाप्लु श श

॥वाचस्सामनीद्वे ॥

ताक्षाद्यादीहोइमनासावेनतोवाक् ।ज्येष्ठास्याधाहोर्ममद्युक्षोरनीकाइ ।आदीमा

फा फाफ णि फीफ फा फाफ ण फीफ श फा

यान्होइवरा मावावशानाः ।जूष्टं पातीहोइङ्कलशेगावइन्दाबु ।बा ॥ ७ ॥

फाफ णि फीफ फा फाफ षु शी श

तक्षाद्यादाओइमनासावेनतोवाक् ।ज्येष्ठास्याधाओर्ममद्युक्षोरनीकाइ ।आदाइमाया

कीप णि फीत कीप ण फीत श क की

ओन्वरा मावावशानाः ।जूष्टम्पाताओइङ्कलशेगावइन्दाबु ।बा ॥ ८ ॥

प णा फीत कीप षु शी श

॥दाशस्पत्यानिषट् ॥

साकाम् ।उक्षोमर्जयन्तस्वासाराः ।दाशाधीरस्यधीतयोधानूत्रीः ।हारीपर्यद्रवज्जास्सूर्यास्या ।द्रोणा न्नानक्षेअत्येनवाहाउवा ।

ता षा कु ट त टा कू टात टा कु टात टाक्क टू ति

जी ॥ ९ ॥

ख

साकमुक्षाए ।एएमर्जयन्तस्वासारोदशधीराए ।एएस्यधीतयोधनुत्रिर्हरिःपर्याए ।एए

ती त तप षु तूत तप षी तूत तप

द्रवज्जस्सूर्यस्यद्रोणन्ननाए ।एएक्षेअत्येनवाहाउवा ।जी ॥ १० ॥

षू ती त तप षू शा ख

इन्दूर्वाजी पावतेगोन्योघा इन्द्राइस्सोमाः ।सहइन्वन्मदाया हन्ताइराक्षाः ।बाधतेपरियरातिं वाराइपाःकृ ।ण्वान्वृजनास्यारा

था टाक् कूक्क टि त षी किक्क टित षि कुक्क ती थ टि पा

जौवाउवोवा ।होइळा ॥ ११ ॥

पु पृ शा

इन्दुर्वाजीपवतौहोऔहोवाहाइगोन्योघौवाउवोवा ।इन्द्रे स्सोमस्साहाइन्वन्मदायौवाउवोवा न्तीरक्षोबाधते परियरातौवाउवोवा ।वरिवःकृण्वन्वृजनास्यारा,जौवाउ

पु तू त श कि खि श का की कु खि श । ह(क दू च कु खि श की टी पा

१२ ॥

इन्दुर्वाजीपवतेगोन्योघाः ।इन्द्रेस्सोमस्सहइन्वन्मदाया ।हन्तिरक्षोबाधतेपर्यरातिम् ।वरिवःकृण्वन्वृजनस्यराजाराजाऔहोवा ।एस्यारा ।जा ॥ १३ ॥

षी तु त षी तू श पु तू श पु तु खि शि त टा ख

इन्दुरौहोवाहाईया ।वाजाउवा

पु तात ती

हाउवा ।पवातेगोन्योघाउवाहाउवा ।इन्द्रासोमास्सहइन्वन् ।उवाहाउवा ।मादाऔहोवा ।याहन्ताइ ।रक्षोबाधाताइपाउवाहाउवा ।रीया राऔहोवा ।तीम् ।

ति का था का ता ति क की की ता ति टट् ख शि ख क च श थि की ता ति टाट् ख शि ख

वाराइवःकृण्वन्वृजानाउवाहाउवा ।स्याराऔहोवा ।जा ॥ १४ ॥

चा कि की ता ति टट् ख शि ख

॥कश्यपस्यचशोभनम् ॥

अधीयदा ।ती)स्माइन्वाजिनी वाशुभाः ।स्पर्धन्ते धीयास्सूराईनविशाः ।आपोपृणानःपवताइकवी

टि काच् चि क थाच् कि ख शी पु दू

या न्नाजन्नपाशुवार्धनायामान्मा ॥ १५ ॥

कथ् टु पि खात्र

॥आत्रम् ॥

महत्तत्सोमोमहिषाश्चाकारा ।अपांयत्गर्भोवृणी तादाईवान् ।आदधादिन्द्रे पवमानाओजोअजनायत्सूर्येज्योतिरिन्दा

पु चि टि ता चि काच् का टा ति का चि का ट कि का ट क टा क

उवा ।एअजनायत्सूर्ये ज्योतिरिन्दूः ॥ १६ ॥

ता त कि कि खी

॥अपांसाम ॥

अपामीवेदूर्मयस्तौहोऔहोवाहाइ ।तुराणाहा हाहाइ ।प्रामनीषाई रतेसोमामाच्छाहाइ ।नामस्यन्ताइरूपचायन्तीसञ्चाहाहाआचविशन्तुशातीरूशन्तांहाहाऔहोवा ।वाह
 पू तू त श खि शङ्क त त श चि पा णि फ फाल्ल त श पु टि का फ त त त क चू क फ त त ख शि त ट
 १७ ॥

॥श्रौष्टाणित्रीणि ॥

औहोहाअयोहाइ ।पावापवस्वैना
 तु त श कु
 वासूनी ।औहोइहाईया ।मा श्रत्वइन्दोसरसीप्रधान्वान्वा ।औहोइहाईया ।
 टात ट च काटत कथ पी कि टात ट च काटत
 बृध्नश्चिद्यस्यवातो
 पु का
 नाजूतीम् ।औहोइहाईया ।पुरूमेधश्चित्तकवेनारा
 टात ट च काटत पा कू टा
 न्धात् ।औहोइहाई याऔहोवा ।एदीदिही ॥ १८ ॥
 त ट च काटट्ख शि त तिच्
 अयोहाइपवोहाइ ।पावस्वैनावसूनी ।
 ता ती त श ती टात
 इहोइहाईया ।मांश्चत्वइन्दोसरसीप्रधान्वाइहोइहाईया ।बृध्नश्चिद्यस्यवातो नजूतीम् ।इहोइहाईया ।पुरूमेधश्चित्तकवेनारान्धात् ।इहोइहाई याऔहोवा ।एदीदिया ॥
 का काटत पु कि टात का काटत पु का टात का काटत पि कु टात का काटट्ख शि त टिख
 १९ ॥
 हाउवोवाहाउवोवाहाओवाहाउवा ।आयापावापवस्वैनावसूनीहो इहियाईहोइहा ।मांश्चत्वइन्दोसरसिप्रधान्वाइहोइहियाइहोइहा ।बृध्नश्चिद्यस्यवातो नजूतिमिहो इहिया
 खिश खिश त प श ति चा चा कि कि काच्क टा टा टाख कथ की कू चा टि टा खा चा चा कि कुच् टि

॥वासिष्ठम् ॥

असाऔहो ।जीवाक्कारथ्याइयाथा ।जाबु ।धियाऔहो ।मानोता प्राधमामानीषा ।दशाऔहो ।स्वासारो धिसानोआ ।व्याइ ।मृजाऔहोन्तिवान्हींसादनाइषूवच्छाबु ।ब
 भि त क टा पी श ख श भि त टिच् क पि श ख भि त टिच् पि श ख श भि त टिच् क पी शि र
 २१ ॥

अष्टम खण्डः

॥नकूलस्यवामदेवस्यप्रेखौद्वौ ॥

पूरोजिती ।वोअन्धासाः ।सूतायमादयाआउवाए ।त्नावे ।आपश्चानंश्नथाआउवाए ।ष्टाना ।साखायोदीर्घजाआउवा ।ह्वीयम् ॥ १ ॥

ती खि ण टी ता भि ख श टी ता भि ख श टी ता टि ख श

पूरोजिती ।वोआन्धासाः ।सूता यामाऊहोवाऊ ।दायाइत्नावे ।आपश्चानाऊहोवाऊ ।

ती त पा श काच्क ट ट था ट त पि श च था ट ट था ट

श्नाथाइष्टाना ।साखायोदा ।ऊहोवाऊ ।र्घाजाऔहोवा ।एह्वीया म् ॥ २ ॥

त पि श च था ट ट था ट टट्ख शि त टाख्

॥महाकार्तवेशञ्च ॥

पूरोहा ।हाबुजाइती ।वोआऔहोअन्धासाः ।सूताऔहोयामाहाओवा ।दाइत्नावाऊपा ।आपश्चानंश्नथाइष्टाना ।साखाऔहोयोदाहाओवा ।र्घाजिह्वयमूपा ॥ ३ ॥

ति खि णा त का खि ण चाक ख शु च किक ख यू पा श चा क ख शु क टिख

॥और्ध्वसन्ननञ्च ॥

पूरोजितीवोअन्धसउवाहाइ ।सूतायमादइत्नवउवाहोआपश्चानंश्नथिष्ठनउवाहोइ ।साखायोदाइर्घाजिह्वायाम् ।सूवृक्तिभी नृमादनंभरे ।षुवा ॥ ४ ॥

षु तु त श षु टू च षी टू च श च था कि खात्र कीच्क ट ताच्

॥श्यावाश्वञ्च ॥

पूरो जीतीवोअन्धासए हिया ।सूतायमादाइत्नवाएहिया ।आपश्चानंश्नाथीष्टाना ।ऐहाएहिया ।सखायोदाइर्घाजीह्वायाम् ।हाइ ॥ ५ ॥

चाय प ण्खी णा कु टि टि कि पा श त त कट टि का पी श ख ण्ख शा

॥आन्धीगवञ्च ॥

पुरोजितीवयाओन्धासाः ।सूतायमादाया ।हिमा त्न्वे आपश्चानं श्रधिष्टना ।साखाउवा ।योदीर्घाजी ।ह्वीयाओहोबा ।

षी तू त पु श टाद् टाच् की ती पा शा ट टा त क टा ख ष्ठ

होइळा ॥ ६ ॥

ष्ठ शा

॥क्रौञ्चानित्रीणि ॥

अयं पूषौहोइरायिर्भगाः ।सोमःपुना

का कु चि ती

नोआर्षाताइ ।पातिर्विश्वौहोस्याभूमनाः ।व्यख्याद्रोदासी ।ऊभाइ ॥ ७ ॥

टा ख त्र श का की च शा ति टा ख त्र श

अयंपूषाअयंपूषा ।रायिर्भगास्सोमाःपूनानोअर्षताइ ।पातिर्वाइश्वाओस्याभूमानाः ।ओइव्यख्याद्रोदासीऊभाइळाभा ।ओइळा ॥ ८ ॥

षी तू क चि था टा क थ चा श चि टा यि टा टी त का टी ख ण् प शा

आयं पूषा होइरायिर्भगाए ।सोमःपुनानया र्षाति ।पातिर्विश्वस्यभूमनाः ।व्यख्याद्रो ।दासीउभा ।ओइळा ॥ ९ ॥

चा क फ ष्ठ खी ळि त टि खाणफ ष्ठ ख श चि टु ख टा त टि ख ण् प शा

॥गृत्समदस्यसूत्राणि चत्वारि ॥

आहाआवा ।रीयातायधृष्णवेधनू ओवा ।ष्टन्व न्तीपौंस्यम् ।शुक्राओवा ।वियन्त्यसुरायनिर्निजे ।विपांओवा ।अग्रे महीयुवाः ॥ १० ॥

था प ण का क टी का प ण का च् कि ता प ण टु चा टा ता प ण चा टा टा ख

हाहाआहर्यातायाधृ हाहाओहोवाण्णावे ।हाहाइधानुष्टान्वन्तीपौःहाहाओहोवा ।सीयम् ।

त त की ख श ष्ठ त ख शि ख श त त कु ख श ष्ठ त ख शि ख श

हाहाइशुक्रावियन्तायसुरायानी हाहाओहोवार्नूनीजे ।हाहाइवीपामाग्राइमाही हाहाओहोवा ।

त त कु टी ख श ष्ठ त ख शि ख श त त कि टा खा श ष्ठ त ख शि

यूवाः ॥ ११ ॥

ख ष्ठ

आहर्यतायधृष्णवाया ।धानू ष्टान्वातीपापुंसायां ।शुक्रावियन्तायसुरायानीर्नूनाइजाइ ।वीपामाग्राइ ।ओइमाही ।यूवो ।हाइ ॥ १२ ॥

षु तु चा य ट का या ट की की का ख णा श चा य ट श पि श ख ष्ठ शा

आहरी यातायाधृ णावे धनूष्टन्वान् ।तिपापुंस्त्र्यंशुक्राविय न्तायसुरा यनाउवार्ननीजे ।

फ णा फ्ला फा खा शी ता था की की शी ख श

वाइवांहाआग्रेहाइ ।माहीयूवाः ।ओइळा

टि त टा त श चा ट खण् प शा

॥आकुपारम् ॥

परित्यंहर्त्यतंहर्किा) ।पारित्यंऔहोर्त्यतंहराइम् ।बभ्रंपुनन्तिवारेथच्)

चू प फ्ली डी श कू

णाबाअभ्रंपुनौहौन्तीवारे णा ।योदेवान्विश्वंइत्पारीयो

पा फ्ल डिश बु चा क प

देवान्वौहोइश्वंइत्पराइ ।मदेनसहगच्छातीमादेनसौहोहगच्छातो ।हाइ ॥ १४ ॥

फ्ली डु श षि ची क प फ्ली फ्ली शा

॥त्वाष्ट्रीसामनीद्वे ॥

सुतासोमाधूमाक्तमाः ।सोमाइ न्द्रायमाएन्दिनाया ।पवाइ ।त्रवान्तयाएक्षर न्ना ।दाइवान्गच्छान्तुवाएमदाया ॥ १५ ॥

ती ता ता कि त ता त ता ख चा श ता ता त का ख चि ता ता त ता ख

सुतासोमधुमक्तमाः ।सोमाइन्द्रा ।यमा ।न्दीनाः ।पावित्रवान्तोअक्षरन्देवान् ।गच्छान्तुवोमादाः ।ओइळा ॥ १६ ॥

षी ती टा टा खाणफळ् ख फ्ल टी तू चा टि खण् प शा

॥सोमसामानिचत्वारि वासिष्ठानिवा मदाईनिधनानिवा त्वाष्ट्रीसामानी ॥

सुतासोमाधूमाक्तमाः ।सोमाइन्द्रायमन्दीनाः ।पावाउवोवा ।त्रवन्तोअक्षरन्देवान् ।गच्छान्तुवोमादाः ।ओइळा ॥ १७ ॥

खा फ्ली क कु का टा खा श पू ता चा टि खण् प शा

सुतासोमधूमक्तमस्सोमाइन्द्रा ।यमन्दीनाःपावी त्रावान्तोअक्षरन्दाइवान्गच्छाउवा ।तूवाः ।मदाऔहोबाहोइळा ॥ १८ ॥

पू तू यु टच् य ट कु की शा ख फ्ल टि ख फ्ल फ्ल शा

सुतासोमधुमक्तमस्सोमाहाबु ।इन्द्रायामान्दिनाः ।इन्द्राहोयमान्दाइनाः ।पावित्रवान्तोअक्षरान् ।त्रवाहोन्तोअक्षरन् ।देवान्गच्छान्तुवोमादाः ।देवान्होइगच्छोहाइ

षी तू त श था च य टा था टि ख णा की ट भि ता टा खा ण ची क य टा था खी ण श

तू वाऔहोवा ।मदाया ॥ १९ ॥

ट्ख शि ता ट्ख

सुतासोमधुमक्तमाए ।सोमाइन्द्रायामान्दिनादाइनाः ।पावित्रवान्तोअक्षरान्क्षारा ।

षि तु त ची क य टा टि की ट टि टा

देवान्गच्छन्तुवोमादामादाः ।देवान्होइगच्छोहाइ ।तू वाऔहोवा ।मादाई ॥ २० ॥

ची क य टा टा था पी ण श ट्ख शि ता ट्ख

॥त्वाष्ट्रीसामनीचैव ॥

सुतासोमाहाधु मक्तामाः ।सोमाइन्द्राहायमान्दाइनाः ।पावित्रवाहान्तोअक्षरान्देवान्गच्छाहान्तुवोहोबामादोहाइ ॥ २१ ॥

टी चा टि टी चि टि टी क थ टि टी त प्ला प प्ला प्ला शा

सूतासोमा हाहाधू मक्तामाः ।सोमाइन्द्रा हाहायम न्दाइनाः ।पावीत्रावा हाहा

णा च कफू त चा पि फा फाफू त चि पि णा फाफू त त

न्तोअक्षरा ।न्देवान्गच्छाहाहान्तुवोहोबामादो ।हाइ ॥ २२ ॥

थ पि फा फाफू त त प्ला ख प्ला प्ला शा

॥क्रौञ्चेद्वेशर्मदेवा ॥

हाबुसोमाः ।पव न्दाइन्दावा ।

ती का ट भि

उवाहाउवा ।अस्माभ्यङ्गातुवित्तामाउवाहाउवा ।मित्रास्वानाअरेपासाउवाहाउवा ।स्वाधियास्सूवार्वाइदो

ता ति का था भी ता ति का था ट भि ता ति फ ता प श ख प्ला

हाइ ॥ २३ ॥

शा

सोमाःपवन्तई न्दवाः ।अस्माभ्यङ्गातुवित्तामाः ।

फा खी शा की कि ख

माइत्राउवोवा ।स्वानाअरे पसाः ।स्वाधियाःसूवर्वा

टि खा श क कि टा ख तच् चा टि

इदाः ।ओइळा ॥ २४ ॥

खाण् प शा

॥सोमसामानि त्रीणि ॥

अभिनोवा ।जासाऔहोवा ।तामम् ।रयिमर्षशातस्पृहामिन्दोसहस्रभाहोर्णसाम् ।तुविद्युम्रंविभाहोए ।सहमोइळा ॥ २५ ॥

ती टट्ख शि ख श टि का कि दू टि दू टा खि शा

अभिनोवा ।जासातमं रायीमर्षाउवाओहाइ ।

ती की चा का काट त श

शतस्पृहामिन्दोसाहाउवाओहाइ ।स्रभर्णसन्तुवाइद्यु म्नाऔहोवा ।विभासाहाम् ॥ २६ ॥

चि टिच्क टि ट त श षी टीट्ख शि ता ट ख

अभीहोइनोवाजासाहोतामम् ।रयिंहोअर्षशाताहोस्पृहम् ।इन्दोहोइ सहस्रभाहोर्णासम् ।तुवाहोइद्यु म्रंविभाहोसाहाम् ॥ २७ ॥

टा कि शि खाश टा क च खाश खाश टा च श खि श खाश टा कि खु त्र

॥क्रौञ्चैव उद्धृवा ॥

आभिनोवाओजसातमाम् ।रायिमर्षाओशतास्पृहाम् ।इन्दोसहाओस्रभार्णसाम् ।

कीप प्ला ता कीप प्ला ता क किप प्ला ता

तूवाइद्युम्रंओविभासहा ।बु ।बा ॥ २८ ॥

कु प क्ली श श

॥सोमसामचैव ॥

अभिनोवौहोजसातमाम् ।रयिमर्षौहोशतस्पृहाम् ।इन्दोसहौहोस्रभार्णसाम् ।तुविद्युम्रौहोविभासहाम् ।सहन्तुविद्युम्रंविभाहाउवा ।साहामे ॥२९ ॥

तु ती तु ती कु ती कु ती पू क्लि शा चाटख

॥प्रैय्यमेधानि त्रीणि ॥

आभी ।ओइ नवन्तायादहाः ।ओइप्रियमिन्द्रस्यकामामायाम् ।ओइवत्सन्नपूर्वआयूनी ।ओइजातंरिहन्तिमोबा ।ताराः ॥ ३० ॥

ख ण षा युट षी यु ट षु यीट षी पी प्ल ख प्ल

आभीनवन्तयादहाः ।प्रीयामिन्द्रास्याकामायाम् ।

फा खी शा ता ता का ख ण

वत्सन्नपूर्वाआयूनी ।जातं होइरिहाहो न्तीमाताराः ।ओइळा ॥ ३१ ॥

ती का खण का कीकथ् टि खण् प शा

अभिनवन्तअद्रुहःओहाइ प्रियमिन्द्रस्यकामियमोहाइवत्सन्नपूर्वायुन्यौहोवाहाइ ।जातंरिहाउवा ।न्तीमा ।ताराऔहोबाहोइळा ॥ ३२ ॥

षु ती शा षू ति तू तु त श की शा ख श टि ख ण् ण शा

॥औशनंवैरूपम् ॥

प्रासुन्वानायआन्धासाः ।मात्तो

पि शु

था)नवाष्टतद्वाचाः ।आपश्चानमराधासाम् ।हातामाघन्नभ्रङ्गावाः ॥ ३३ ॥

टा खिण षि ती त टि खी त्र

नवम खण्डः

॥कावम् ॥

आभीप्रीयाणीपावाताइ ।चानोहितोनामानीयाहोआधीये ।षूवर्धताए आसूरी या ।स्याबृहाताः ।बृहन्नधाए रथांवाइश्वाम् ।चामारूहात् ।विचाआउवा ।क्षाणाः ॥
 खि श खि ण श क टि खि श खि ण क भि खि श खि ण क भी खि शा खि ण ता टि खि ण
 १ ॥

॥प्रजापतेर्वाजसनिनीद्वे ॥

एआभीप्रीयाओणीपावाताए ।चनोहीताए नामानीया ।ओहोअधीयाए ।षुवर्धाताए ।आसूरीयाओस्यबृहाताए ।बृहा
 त चाक फ त चि ता चि ता चाक फ त चि ता चि ता चाक फ त चि ता चा
 न्नाधी ।एराथांवीष्वा ।ओञ्चमारूहादे ।
 क फ त चाक फ त चि ता
 विचक्षणाःहोइळा ॥ २ ॥
 णु णु शा
 अभ्यौहोवाहाइप्रियाणी ।पावाता
 षू ति कि
 इचानो ।हितोनामानियहोअधियाइ षूवार्धाताइ ।
 खा ण टि की ति श चा चा श
 आसूरियास्यबृहातोबृह न्नाधाइ ।राथंवाइष्वाञ्चामारूहाद्विचाआउवा ।क्षाणाः ॥ ३ ॥
 ट कि ची चाक च श कू कि ता टि त टख्

॥वाजिजितौद्वौ ॥

आभिप्रयाणि पावताइ होइहोवाहोए ।चनोहिताहाइहोवाहाइ ।नामानियाहो आधियाइ होइहोवाहोए षुवर्धताहाइहोवाइ ।
 क कीच् शी की पा शै था किच् शी की पा शे
 आसूरियास्यबृहतोहोइहोवाहोए बृहन्नधीहाइहोवाहाइ ।राथं विष्वाञ्चा मारूहाद्वोइ
 था चि शि की पा शै का किच् कि
 होवाहोए ।विचक्षणाःहाइहोवा
 टी पा षी णी

हाउवा ।वाजीजीगीवा ॥ ४ ॥

शि क क तच्

आभिप्रियाणीपवताइचानोहिता ।होवाहोइ ।नामानियाहोअधियाइषूवर्द्धताइहोवाहोइ होइहोवाहोए ।आसूरियास्याबृहतो

क की कु शि का च श था कि कु कू च श की पा था कि

बृ हन्नधीहोइहोवाहोए ।राथं विष्वाञ्चामरूहाद्वीचक्षणाहोवाहो वाऔहोवा ।वाजीजीगीवाविश्वाधनानी ॥ ५ ॥

की शि की पा का कि की की टाट्ख शि क कि कि टा ख

॥कावञ्चैव ॥

अभ्योवा ।प्रीयाणिपवताइचनोहाइताः ।नामानियहोअधियाइषूवर्द्धताइ ।आसूर्यस्यबृहतोबृहन्नाधी ।राथांवाइष्वाञ्चमा

ता त पि कू टि शु कु टि श पी कु टा खि शा ता

रूहाद्वीचक्षणा ।णाः ॥ ६ ॥

टा टि ख त्र

॥सामराजानित्रीणि विशालानिवा उद्वन्तिवा सम्पद्वा तृतीयम् ॥

अचोदासोनो धानुवान्तूइन्दवाः ।प्रस्वानासोबृहद्वाइवेषूहारयाः ।वीचीदाश्राना इषयोआरातयाः ।अर्योनास्सान्तूसानाइषान्तूनोधीया बु ।बा ॥ ७ ॥

का टा कथ् च टा त चि था टा चि टा त चि चिट कथ् टि त चि था टा चा टि त किच् श टख्

आचोदासोनोधन्वान्तुविन्दवाः ।प्रस्वानासोबृहद्देवा इषूहरयाः ।वाइचीदश्राना

का खु शी का चूख् शु चु कच्

इषयोआरातयाः ।आर्योन्स्सन्तुसनीषन्तूनो

खि शी का पि की फ

धीयाबु ।बा ॥ ८ ॥

प्ला श श

हाबुहोहाअचोदासोनोनुवान्तुइन्दवाःहाबुहोहाइप्रस्वानास्सोबृहादे वाइषु हरयाः ।हाबुहोहाइविचिदश्रानाइषयोआरातयाः ।हाबुहोहाअर्योन्स्सन्तुसानिषान्तूनो

ति की था खाश चि ति की थाच् क काख शा खि ति चू क खिक खि ति चि काच् क च खा

धियाबु ।बा ॥ ९ ॥

शु ख

॥आङ्गीरसानित्रीणि ॥

अचोहाइ ।दासोनोधनुवान्तुविन्दावाः ।प्रस्वानासोबृहदे

ता त श षि कु टा षी कि

वाइषू हरयाः ।विचो

कि टि खा

हाइ दश्रोहाइ ।नाइषयोअरोहाइ ।तायाअर्योहाइ नस्सोहान्तुसानीषाम् ।

शा खा शा खू ण श का खा शा खा श खि ण

तुनाउवा ।धीयाः ॥ १० ॥

टा ता ख ण

अचौहोअवा ।दासोनोधनुवान्तुविन्दावाः ।प्रस्वनासोबृहदेवाइषु हारायाः ।वाइचीदाशानाइषायो ।होअरातायाः ।होआर्यो

ति त षि का ट षी कु टि टि ख श खि श खी ण त टा

नास्सान्तुसानीषा ।होन्तुनोधायाः ॥११ ॥

ख श खि ण खी त्र

अचौहोवाहाइ ।दासोनोधनुवान्तुविन्दावाः ।प्रस्वानासोबृहदेवाइषू हारायाः ।वा

ती त श षि कु टा षी कू टि ट

इचीदाशानाइषयोअरातायाः ।आर्योनास्सान्तुसानीषान्तुनोधा ।याः ॥ १२ ॥

ता ट ख ण फु त त ट त ट ख ण फि खि त्र

॥औशनम् ॥

एषप्रकोशे माधूमंअचाइक्रादात् ।इन्द्रास्यवाज्रोवापूषांवपुष्टामाः ।

क टी च्च क टा खी ण दु च्च क टा खि ण

अभाइमृतास्यांसूदूघाघृताश्रूताः ।वाश्राअर्षान्तीपायसाचधाइना ।वाः ॥ १३ ॥

दू च्च क टा खि ण क टी क टा खी त्र

॥प्रवत्भार्गवम् ॥

प्रोअयासाइदिन्दूरिन्द्रास्यानिष्कृताम् ।सखा

त चि फा टी चि का

सख्यूर्ध्वप्रमिनाताइसङ्गिराम् ।मर्याइवायुवा ।तिभाइस्सामर्षताइ ।सोमःकलाशेशतया
 का भु ची था का शा भी चि श थ की
 मानापाथाबु ।बा ॥ १४ ॥
 भी चा च श टख्

॥विरूपस्यचतन्त्रे ॥

प्रोअयासाइदिन्दूरिन्द्रास्यानिष्कृताम् ।साखा
 त चि था टी पि चा
 साख्यूर्ध्वप्रमिनातिसङ्गाइरम् ।मर्याइवा
 क फ चा क फ खि शा था का
 युवातिभाइस्सामर्षताए सोमाःकालाशेशातायामनापाथा ॥ १५ ॥
 शा भी पी चा क फ चा क फ खि त्र
 प्रोअयासीत् ।इन्दुरिन्द्रास्यानिष्कृत ।साखासाख्यूर्ध्वप्रमिनातीसङ्गीरम् ।मर्याइवायुवातिभाएसा ।मर्षताइ ।सोमाःकालाशेशतयामनापा ।था ॥ १६ ॥
 खि ण पी श का फ चा क फ पु श का फ चा क फ टी खि त्र

॥भार्गवञ्चैव ॥

प्रोअयासीदिन्दुरिन्द्रास्यनिष्कृताङ्कृताम्
 षू तू खा
 सखाओसख्यूर्ध्वप्रमिना
 ता पण् षू
 तिसङ्गिराङ्गिराम् ।मर्याओ
 ती खा ता पण्
 इवयुवतिभिस्समर्षताइषताइ ।सोमाओकलशेशतयामनापा ।
 षू ती खि श ता पण् षू खि
 था ॥ १७ ॥
 त्र

॥यामम् ॥

ओवाइया ।प्रोअयासीदिन्दुरिन्द्रा

था चा षू पा

स्यानीष्कृताम् ।साखासख्युर्ननप्रमिनातीसङ्गीरम् ।मर्यइवयुवति

चा फा षु पि चाक फ षी

भाएसामर्षाताइ ।ओवाइया ।सोमःकलाशेशतयामनापा ।था ॥ १८ ॥

पु चाक फ श था चा यु टि खि त्र

॥दार्शशीर्षेद्वे ॥

धर्त्तादाइवाअवाए ।पवते कृक)त्वियोरासाअवाए ।दक्षोदा

कि खा डि चि किख डि कि

इवाअवाए ।नामनुमा दियोनृभाइअवाए ।हाराइस्सार्जाअवाए ।नोअत्योनासाक्राभाअवाए ।वृथापाजाअवाए ।सिकृणुषाइनादाइषूवाअवाए ।होइळा ॥ १९ ॥

खा डि च किच् किख श डि की ख डि किच् किख डि किख डि ती का किख ङ्गि ण्ग शा

धर्त्ताबुहोहोहाइ ।दीवःपवताइकृओहोहाहाइ ।त्वियोरासोदक्षोदाइवाओहोहाहा

ती त त श चु थाट त त त श चा चा चा थ टि त त त

इ ।नामानुमादीयोनुभाइर्हारा

श की की चि

इस्सार्जाओहोहाहाइ ।नोअत्योनासक्राभाइवृथा

चा थ ट त त त श कि की चि

पाजाओहोहाहाइ ।सिकृणूषाओहोहाहाइ ।नदीषूवाओहोहाहाओहोवा ।ए नादीषूवा ॥ २० ॥

थ टा त त त श चाथ टा त त त श किक ट त त ख शि तच् का टाख्

॥सैन्धुक्षितानित्रीणि ॥

वृषामातीनाम्पावताए ।वीचक्षाणाए ।सोमोअन्हा

का टा कथ् टि त चि क ख था टा

म्प्राताराइताए ।उषसान्दीवा

चा टि त ची क

ए ।प्राणासाइन्धूनां ।कालाशं ।अचिक्रादादे ।इन्द्रास्याहार्घ्यावाइशान् ।मनीषीभीरे ।ओइळा ॥ २१ ॥

ख था टि कथ टि त चि क ख थ टा ट टी त चिक खण् प शा

वृषामताईनाम्पवतेवीचक्षाणाः ।सोमोअन्हाम्प्रतरीतोषासान्दाइवाः ।प्राणासाइन्धनाङ्गलशं ।आचिक्रादात् ।आइन्द्रास्याहार्घ्याविशन्मानिषाइभा इः ।ओइळा ॥

टा टा कु टि त टा टा की टि ता टा टि की टि त टि टा कि टि खाण् श प शा

२२ ॥

वृषामतीनांपवताइवाइचा

कु कि या पा

क्षाणाः ।सोमोअन्हाम्प्रतरी तोषासान्दिवाः ।प्राणासिन्धू नाङ्गलशंअचाइकृदात् ।आइन्द्रास्याहार्घ्याविशन्मानाइषीभाबु ।बा ॥ २३ ॥

ता का का कि या प का क किचुक टि पा ति की कीय प शाण श ख

॥यामानित्रीणि ॥

असाविसोमो आरूषोवृषाहराइः ।राजेवदास्मोआभीगाचीकृदात् ।पुनानोवारा मातिधाएषीयाव्ययाम् ।श्येनोनयोनी हृतवान्तमासदात् ।होइळा ॥ २४ ॥

का किचुक पा शा ताश था किचुक पा प्लु का का किचुक पि प्लु ता था किचुक पा प्ली प्लु शा

आसावीसोमोआरूषाः ।वार्षाहराए ।राजेवादास्मोआभीगा ।आचिकृदात् ।पुनानोवारामातीये ।षीअव्ययांश्येनोनायोनीङ्घ्रा

खिश खिण क भी खिश खिण क टि खिश खिण क टि खिश

र्कृतावां ।तमासादाऔहोवा ।देदीवी ॥ २५ ॥

खिण ता टट् ख शि त टाख्

असाविसोमोअरूषोवृषाहराइः ।राजेवदस्मोअभिगाअचिकृदा ।पुनानोवारमत्यप्यव्ययाम् ।श्येनोनयोनिंघृतवान्तमा ।सादाऔहोवा ।एदीवी ॥ २६ ॥

षु तू श पू तू षु तु पू ति ता टट् ख शि त टाख्

॥मरूतान्धेनुनीद्वे ॥

प्रादे ।वामच्छामधुम न्ताआइ न्दावाः ।आसिष्या

ता कूचुक ट कथ टा च खा

दन्तागावआ नाधा इनावाः ।बर्हिषादाः ।वाचानावान्ताऊ धाभाइःपारिखू तम् ।उस्रियानिर्णिजन्धाइराए धाइरा औहोवाधाइरा इ ॥ २७ ॥

कथ टिचुक टच् चि खिण चा टीचुक कि खाण षू टी खि शित टाख् श

त्राइरस्मैसप्तधेनवोदुदौहोहाइराइ ।सत्यामाशीरम्परमेव्योमानी ।चत्वार्यन्याभुवनानिनिर्णाइजाइ ।चारूणाइचाक्रेअद्रुताइ ।रावार्द्धाता ॥ २८ ॥

प षु प्लु ड शि षु की टा षी कु टि श खि णा क टि श टा ख त्र

॥वसिष्ठस्यापामीवेद्रे वायोर्वाभिकृन्दौ ॥

इन्द्रायसोमसुषुताः ।पारी स्रावा ।आपामीवाभवतुरक्षासासाहा ।माताइरसस्यमत्सताद्वायावीनाः ।न्द्रावाइ णस्वन्तइह
की खी चाक फ कि खु चाक फ का पी खि चाक फ चाश शु

सन्त्वाइन्दा ।वाः ॥ २९ ॥

खू त्र

इन्द्रायसोमसुषुतःपर्यौहोइस्रावा ।

षृ तू त

आपामीवाभवतुरक्षसासाहा ।मातेरसस्यमत्सतद्वयावीनाःद्रा

षी यू प श षु यु प श ख

वीणास्वा ।न्ताई हसाहोन्तुवाइन्दा ।वाः ॥ ३० ॥

कू ख ण का टा ट खी त्र

॥अञ्जतेव्यञ्जतेस्समञ्जतइति काक्षीवतानांसामानि त्रीणि शार्ङ्गाणिवा ॥

अञ्जताइव्यञ्जताइसमञ्जताइ ।ऋतुं रिहान्तीमध्वाभ्यञ्जताइ ।सिन्धोरूच्छासेपतया

क का षु टी श का कि कि टा श था कि कि

न्तामुक्षाणाम् ।हिर ण्यपावाः ।पशुमाप्सूगृष्णाताबु ।बा ॥ ३१ ॥

टी का कि की चि श टख

अञ्जाहोतयाहोइव्यञ्जते सामञ्जताइ ।ऋतुं होइ ।रिहाहोन्तिमध्वाभीयञ्जताइ ।सिन्धोर्होउच्छ्वाहोसेपतयान्तामूक्षाणम् ।हिराहोण्यपाहोवाः ।पशुमप्सूगृष्णाता ।इ ॥

ता च ता कि चा चाक फ श ता च श ता ट खि चाक फ श ता च ता का खि चाक फ ता च ता का खू त्र श

३२ ॥

हावञ्जा ।ताइ व्यञ्जते समञ्जताएहियाएहियाहाबुक्रातु म् ।राइह न्तिमध्वाभ्यञ्जताएहियाएहियाहाबुसाइन्धोः ।ऊच्छ्वासेपतयन्तमुक्षाणामेहियाएहियाहाबुहाइरा ।ण्यापाव

ति प श णि चि टा ता ट खा शी प णा चु टा ता ट खा शु प णा चू टा ता ट खा शु प ण

३३ ॥

॥आदित्यस्यार्कपुष्पे देवानांवा ॥

पावित्रन्तेविततं ब्रह्मणस्पते ।हुवेहुवे होवाहाहाइश) ।प्राभुर्गात्रा णीपर्येषीविश्वताहुवेहुवे होवाहाहाइ ।अतप्ततनूर्नतदामोअश्रुते हुवेहुवे होवा

की कि कु टा टा टा त त टीचक टा ची टा टा टा त त श कु कि की टा टा टा

हाहाइ ।श्रतासइद्वह न्तस्सन्तदाशता ।हुवेहुवेहोवाहाहाऔहोवा ।अर्कोदेवानां
 त त श का की कू टा टा टा त ख शि टि टा

परामे व्योमान् ॥ ३४ ॥

चिट ख

पावित्रन्तेविततं ब्रह्मणस्पते ।हूवाऔहोवा ।प्राभुर्गात्राणीपर्ये षीविश्वतो हूवाऔहोवा ।
 की कि कीच् काट टा की कि कीच् काट टा

अतप्ततनुर्नतदामोअश्रुते

कु कि कीच्

हूवाऔहोवा ।श्रतासइद्वह न्तस्सन्तदाशता ।हूवाऔहोवाऔहोवा ।अर्कस्यदे वाःपरामे व्योमान् ॥ ३५ ॥
 काट टा कू कू टि ट ख शि कि कच् चिट ख

दशम खण्डः

॥वसिष्ठस्यपदेद्वे ॥

इन्द्रमच्छा ।सूताईमाउवोवा ।वृषाणय्यन्तूहारयाउवोवा ।श्रूष्टाइ ।जातासइ
ती टी खाश का था टच् क टा खाश चाश

न्दावाः ।सूवर्वाइदाः ।ओइळा ॥ १ ॥

चू टि खाण् प शा
इन्द्रमच्छा ।सूताईमाइताई माइ ।वृषाणय्यन्तूहारयाहारायाः ।श्रुष्टे जातासाइन्दवाआइन्दावाः ।सुवरा औहोवाविदोवीदाः ॥ २ ॥
ती टी टित श का था च क टा क ट त का था ट टि ती टिख् शि ता ट ख

॥वसिष्ठस्यानुपदेद्वे ॥

इन्द्रमिन्द्रा ।आच्छासूताइमेआइमे ।वृषानय्यन्तुहारयारायाः ।श्रुष्टे जातासाइन्दवादावाःसुवरा औहोवा ।विदोवीदाः ॥ ४ ॥
ती च क या टा टि का था का टा टा का था ट टि टा किख् शि ता ट ख

इन्द्रमच्छसुताइमेवृषाणय्यन्तुहाहो
षृ फू त

रयायाः ।श्रुष्टाउवाजाता
ता ख का का का

उवासइन्दवास्सूवा हो ।विदोइळा ॥ ४ ॥
का ची क फळू त खा शा

॥पौष्कलम् ॥

इन्द्रमाच्छास्सूताई माइ ।वृषाणय्यन्तुहारायाः ।श्रुष्टाइ जातासइ न्दावाः ।
क पा प्ला खाण श चा की ख ण चाश टीख त्र

सुवार्विदाः ॥ ५ ॥
ता टाख्

॥ऐषिराणिपञ्च ॥

प्रध न्वासौ ।होऔहोवा ।मजाग्रवीःइन्द्रायेन्दौ ।होऔहोवा ।परीसावाद्युम न्तांशौ ।होऔहोवा ।ष्ममाभारासुव विदौहोऔहोवा ।ऊपा ॥ ६ ॥

का शा का च ण का टा था शा का ख ण चा टा का शा का ख ण का टा का की ख त्र ख श

प्रध न्वासौहोवाहोमजाग्रवीः ।इन्द्रायेन्दौहोवाहोइपरीसावा ।द्युम न्तांशौहोवाहोष्ममा

का की कि टा था की की टा का की कि

भारा ।सुव विदौहोवाहोवाऔहोवा ।ऊपा ॥ ७ ॥

टा का किट्ख शि ख श

औहोऔहोइ प्रध न्वासो ।औहोऔहोमजाग्रवीःऔहोऔहोइ ।इन्द्रायाइन्दोऔहोऔहोइपरीसावाऔहोऔहोइ ।द्युम न्तांशू औहोऔहोष्ममाभाराऔहोऔहोइसूवा

क चि श का टा क कु टा क चि श था टि च्क कू टा क चि श का टा च्क कु टा क चि का त

वाइदाऔहोवा ।ऊपा ॥ ८ ॥

तट् खा शि ख श

हुवाइहुवाहोइ ।प्रध न्वासोमजाग्रवीःइन्द्रायाइन्दोपारीसावा ।द्युम न्तांशू

टा टि शा का टा का टा था टि चा टा का टा

ष्ममाभारा ।हुवाइहुवा

का टा टा टि

होइ सूवार्वाइदा

शा क त ट खा

औहोवा ।ऊपा ॥ ९ ॥

शि ख श

प्राधन्वासोमजाग्रवीःइन्द्रायाइन्दो ।ओइपाराइसावा ।द्युमान्तांशू ।ओष्ममाभारा ।सूवार्वाइदाम् ॥ १० ॥

पि शु टा ख णा टि पि श टा ख ण टि ख त्र ता ट ख

॥शौक्तानिपञ्च ॥

सखायाया नीषीदतपुनाना

का टा च् टृ

या प्रागायता ।शिशुन्नायाज्ञै पाराइभू षाताश्राया इ ।ओइळा ॥ ११ ॥

तच् चा शा टि त कथ् टी च्क टा ख ण् श प शा

साखायाया ।नीषीदाता ।पूनानायाप्रागाऔहोवा ।याता ।शिशुन्नायाज्ञैःपरीभूषा ताऔहोवा ।श्रिये ॥ १२ ॥

ती खि ण टा ख ण टट्ख शि ख श चु का टा ट्ख शि ता च्

सखाययानीषीदाता ।पुनानायप्रगायताशिशुन्नायाज्ञैःपरा
षी टि त का षे टी

इभूषातानाया इ ।ओइळा ॥१३॥

टि त ट खण् श प शा

ओहाइसखाययानीषीदाता ।पुनानौहोइपुनानौहोए ।याप्रायाप्रा ।गायतौहोइ गा

त षू तित का कु पि शी क शीक

यतौहोए शाइशूंशाइशूम् ।नायज्ञौहोइ नायज्ञौहोए ।पारीपारा औहोवा ।ए भूषतश्रिये ॥ १४ ॥

पी शू तीश पु ता खा शि तच् तुच्

सखाययाउवोवा ।नीषाइदाताउवोवा ।पुनानायप्रगायताशाइशाउवोवा ।नायज्ञैःपारिभूषाताउवोवा ।श्रिये ॥ १५ ॥

फा खीश टु खाश का की ता टि खाश टू टा खीश ताच्

॥कार्णश्रवसानित्रीणिगौलोमानिवा ॥

तांवा स्साखा ।योमदाया ।पूनानामभीगाया ता ।शाइशून्नाहव्यैस्वदयान्तगूर्त्तभा इ ।ओइळा ॥ १६ ॥

ख शङ्ख ण क टा त कु टाट की का टि खीण् श प शा

ओइतंवस्सखा ।योमदायाउवोवापूनानमभिगाउवोवा

तू क भि खाश का टी खाश

यताउवोवाशिशुन्नाहव्यैस्वदयाउवोवा

शा खाश कि का टि खाश

न्तगाउवोवा ।र्क्तीभीः ॥ १७ ॥

शा खाश ख षू

तंवस्सखायोमदाया ।पूनानमभिगायाताशाइशू न्नाहव्यैस्वदयान्तागूर्क्ताइभो ।हाइ ॥१८॥

षी तित का टी चा टिचक खश तित प श ख ष्ठा शा

॥वैश्वदेवेद्वे ॥

प्राणाशाइशू म्माहाइनाम् ।हिन्वान्नार्क्ता ।

ता ख शाङ्ख खा णा टा ख ण

स्यादाइधीतिम् ।वाइश्वापरिप्रियाभुवादधद्विता ।ओइळा ॥ १९ ॥

त पित श कि की टा खीण् प शा

प्राणाप्राणा ।शाइशूश्शाइशूर्महाआउवाए नाम् ।हिन्वन्नार्कृतास्यदाआउवाए धीतिम् ।विश्वापरिप्रियाआउवा ।भूवात् ।अधौहौहुवाइद्वा इताऔहोवा ।उऊपा ॥ २० ॥
 ती टि टि ता भीख क कि ता भीख श का ती टि ख श टा ट टीद् खा शि खा श

॥इन्द्रसामनीद्वे ॥

प्राणाशिशूः ।महाइनमौहोवा ।हिन्वन्नृतस्यदीधितिं ।वाइश्वाउवापारा उवा ।प्रियाभुवदधाउवा ।एद्विता ॥ २१ ॥
 ती टा खीत्र क शी कि कि का का का टा की ता त ताच्

प्राणाहोइयाहाइ ।शाइशू र्महाइनामाबुहोऔहोवा ।हिन्वन्नृतस्यदीधिताइमाबुहोऔहोवा ।विश्वावारा ।बुहोऔहोवा ।प्रीयाभू वाऔहोवा ।आधाद्विता ॥ २२ ॥
 खि शी टिच् टी च काक का क षी टु काक का टी काक का टिट ख शि च तिच्

॥मरूताम्प्रेङ्गःवसिष्ठस्यवा ॥

प्राणाहाहोइशाइ शूर्हाहोइ ।माहीनांहोवा
 फा प्ल खि श प्ल ता श क टा का
 होएहिन्वान्नहहोयार्कृता हाहोइ ।स्यादीधिता
 पा प्ल खी श प्ल ता श चा का
 इंहोवाहोए ।वीश्वाहाहोइपारी हाहोइ ।प्रीयाभुवाद्वोवाहोए ।आधाद्वाइतो ।हाइ ॥ २३ ॥
 कि पा फा प्ल खि श प्ल ति श चा टा क क पा प श ख प्ला शा

॥आग्नेयञ्च ॥

पावास्वदाइवावीतायाइ ।इन्दोधाराभीरोजासा ।
 टी खीण श टी खि ण
 आकलशम्माधूमान्सो ।मानए मानाःसदाए ।होइळा ॥ २४ ॥
 कू ख ण चि पा प्लि प्ल शा

॥सोमसामच ॥

पवस्वदा इवावीतयाइन्दोधाराभिरोजसाए ।आकाहालाशाम्माधुहोमान्सो

तीच् षु का क ख षु टा त टा टात टाच्

मानोबा ।स्वादोहाइ ॥ २५ ॥

क प ळ ळा शा

॥सुज्ञानेद्वे ॥

सोमःपुना ।नऊर्मिणाव्यंवारंविधावताइ ।अग्रेवाचाःपावमानाऔहोवा ।कनीकृददेऊपा ॥ २६ ॥

ती का चा थ टा का चा श था टाच् क टाट् ख शि का ति ट ख

सोमःपूना ।नऊर्मिणा

ती का का

उवाओवाऔहोवा ।अव्यंवारंविधावत्यग्राउवा

का टट् ख शि टू ति का

ओवाऔहोवा ।वाचःपवमानःकनाउवाओवा

टट् ख शि क ष चू का टट् ख

औहोवा ।क्रादात् ॥ २७ ॥

शि ख श

॥चौतेद्वे ॥

सोमःपुनानऊ ।र्मिणाव्यंवारंविधावाती ।अग्रेवाचाः ।पावमानाः ।कानीक्रादात् ॥२८ ॥

तू कु टि त ची ची का फ ख

सोमःपुनानऊर्मिणाऐही ।अव्यंवारं विधावताऐही ।अग्रेवाचःपवमानाऐही ।कानीकृददेहियाहाहोइळा ॥ २९ ॥

षी खु ळा कीच् का खा ळा षी खी ळा ता षू ळ शा

॥आतीषातीयेद्वे ॥

सोमःपुनानऊर्ममीणा ।अव्यंवारं वीधावत्यग्राओइवाचाः ।पवाओमानाः ।कनाइक्रा ।दात् ॥ ३० ॥

षी खिण कीच् का टि खिण टा खाण खीणफळ ख
सोमाःपूना ओनऊर्मिणाए ।अव्यंवारंविधावाती ।अग्रेवा चाःपावमानाः ।काना
चा कफळ खि ङ्गि यू प श खिणफळ तच् क टा त टट् ख
औहोवा ।ऋददे ॥ ३१ ॥
शि खि

॥सोमसामानिचत्वारि ॥

प्रापुनानायवेधसाइ ।होइहोइ सोमायावाचाउच्याताइ ।भृतिन्नभरामातिभाइर्जुजोषाता इ ।ओइळा ॥ ३२ ॥

पि शू षी टु भि श कु कि टी खण् श प शा
प्रपुनानौहोयवेधसाइ ।सो
फु की श क

माऔहोयवचउच्यताइ ।भृता

का ख श्रु
औहोइन्नभरामातिभा
कि ख फ्ली ङि

इः ।जुजोआउवा ।षाते ॥ ३३ ॥

श ता टि ख श

गोमन्नो होइन्दोअश्ववादे ।सूतःसुदक्षधकनीवाः ।शुचिञ्चवा र्णामधिगोऔहो ।षुधारायाऔहोबा ।होइळा ॥ ३४ ॥

फिळ् खि ङ्गि श यू शा खीणफळ खी ता काक टा ख फळ शा

हावास्मा ।भ्यान्त्वा ।वासुवाइदम् ।अभाइवाणीरनाउवोवा ।षाता ।गोभिष्टे वर्णा माभिवासयामसि ।होइळा ॥ ३५ ॥

ति ख श खि णा टा खाश खी श ख श चि थाच् टि शी ख प्ला

॥सोमस्ययशांसित्रीणि ॥

पवतेहारीयातोहरिरौ ।होयौहोवा ।आतिह्वरं सीरंहीया औहोयौहोवा ।अभ्यर्षस्तोतृभ्योवाऔ होयौहोवा ।रा वाऔहोवा ।यशो याशाः ॥ ३६ ॥

ती चाट किच् य ट ख श टीच् क किच् श य ट ख श कू काच् य ट ख श टट् ख शि ताच् क टख

पवापवतेहा ।रीयातोहरिरौ होयौहोऔहो ।आतिह्वरां ।सीरंह्याऔहोयौहोऔहो ।अभ्यर्षस्तोतृभ्योवाऔहोयौहोऔहो ।रा वाऔहोवा ।यशो याशाः ॥ ३७ ॥
 खा शी चाट किच्चय ट खि टीच् क काश य ट खि का की काय ट खि टट्ख शि ताच् ट ख
 पवतेहर्यतोहरीरातीह्वरांसीरंह्या ।अभ्यर्षास्तोतृभ्योवा ।इरा राऔहोवा ।याशाः ॥ ३८ ॥
 फू ताप ह्नि डि पि प्ला ता टाट्ख शि ख प्ल

॥औशनंवासिष्ठंवा ॥

परीकोशंमधुश्चूतं ।सोमःपुनानोअर्षतीहोए ।अभिवा णीर्ऋषीणाम्सप्तानाउवोवा ।षाता ॥ ३९ ॥
 खि शु की टू खिणफट्ख त च था टि खाश ख श

एकादश खण्डः

॥वासिष्ठेद्वे ॥

पावास्वामाधुमाक्तामाउवोवा ।ईन्द्रा ।यसोमाक्रातूवित्तामामादाओइमाहाउवोवा ।द्युक्षातमोमादाः ॥ १ ॥

ता दू खा श ख श कि क क भि टा टी खा श चा ता टा

पवस्वमाए ।धुमाक्तमाइन्द्रायसोओऔहोवामाक्रातूवीत्ताओऔहोतमोमादाःमहाइद्युक्षाओहोवा ।तमोमादाः ॥ ३ ॥

तु का कि ति का त त टी त का ख खा ता टीट् ख शि ता ट ख

॥सभानित्रीणि ॥

पवस्वमधुमाइहा ।क्तामाइन्द्रायसोमःकृतुवीत्तमोमादाइहा ।महाइद्युक्षाइहा ।तामोमादाः ।ओइळा ॥३ ॥

षू ता षु कु टि ति टी ति टि खण् प शा

पावस्वमधूमाक्तामाः ।आइन्द्रायसोमाक्रातुवाइत्तामोमादाःमाहिद्युक्षातामोमादो ।हाइ ॥ ४ ॥

ख षु ड श दू क पी श त त पु श ख ण् शा

पावास्वामधू मक्तामाः ।इन्द्रायसोमाक्रातुवाइत्तामोमादाः ।महाइद्युक्षातामोमादो ।हाइ ॥ ५ ॥

पि ण्ना खा ण टुचक पी श त त पू श ख ण् शा

॥ऐषिराणिचत्वारिच्यावनानिवा ॥

अभाइद्युम्राम्बृहाद्याशाः ।

की ख कि फ

इळास्पतेदिदीहिदे वा ।देवायूम् ।वीकोशम्मद्ध्यमां ।

की खी श का फ कि कि

यूवा ॥ ६ ॥

ख त्र

अभ्येद्युम्राम् ।बृहाद्याशाः ।इळास्पताइदिदीहाइदे वादाइवायुम् ।विकौवाउवोवा ।शर्ममाद्ध्यमांआउवा ।यूवा ॥ ७ ॥

ती चा य ट षी कि ख शा खी श खु ण का ता टि ख श

अभिद्युम्राम्बृहदिहा ।याशाइळास्पतेदिदीहिदे

षी ती षू की

वादेवायूम् । विकौहोवाहाइ । शर्ममां द्वायमं यूवाइळाभा । ओइळा ॥ ८ ॥

टि त ती त श टाच् का का खिण् प शा

अभिद्युम्नम्बृहद्यशाः । ईळास्वताइदिदीहिदाइवादेवयूम् । वीकोशम्मद्वायमां होयूवाएहियाहा । होइळा ॥ ९ ॥

तु ति क कृ की चि दूच् य प प्ली श प्ल शा

॥ शौक्तानित्रीणि ॥

आसोतापा । राइषाऔहोवा । आता । अश्वन्नस्तोममसूरं रजस्तुरमोए वना

ती ट खा शि ख श था का की कि मि ता

ओए प्रक्षाऔहोवा । उदाप्रूताम् ॥ १० ॥

टा खा शि ता ट ख

आसोतापा । रिषिञ्चता । ऊहोवाऊ ।

ती का टा ट क थ ट

अश्वन्नस्तोममसुराऊहोवाऊ । राजस्तुराऊहोवाऊ ।

था का टीट क थ ट च टिट क थ ट

वानप्राक्षाऊहोवाऊ । उदाप्रूताऔहोवा ।

चिट ट क थ ट ता ट ख शि

उऊपा ॥ ११ ॥

खा श

आसोतापा । रिषाइञ्चता अश्वन्नस्तोममसूरम् । रजस्तूरं वनोहाबु । प्राक्षामूदाहिम्माए । प्रूतम् ॥ १२ ॥

टि त टु कृ ख श खि शु पि श मि ख श

॥ वाचस्सामानित्रीणि ॥

आसोतापा । रिषिञ्चता आश्वाऔहोवा । नस्तोममसुरम् । रजस्तुरं होइवनाऔहोवा । प्रक्षामुदाप्रूताम् ॥ १३ ॥

ती ती टा खा श का की षी टी खा श का ता ट ख

आसोऔहोतापाराइषीञ्चता । आश्वन्नस्तोममसूरम् । रजस्तूरं वनोहाबु । प्राक्षामुदाआउवा । प्रूतम् ॥ १४ ॥

खा ता यु टा कृ ख श खि शु का ता टि ख श

आसोतापा होरिषीञ्चताए । आश्वन्नस्तो

णा च फल्ल् खि ङ्गि चा थाच्

मामासूर म् ।राजस्तूरं वानाप्राक्षां ।ऊदां
च य टा की च य टा प श
प्रूतां ।हाइ ॥ १५ ॥
ख ळ शा

॥कौन्मलबर्हिषाणिपञ्च शंकुतृतीयंसीदन्तीयंवा तृतीयेतराणिपञ्चा त्यर्थः ॥

एताम् ।उत्यम्मदाश्चूतम् ।साहास्रधारंवार्षाभांटी)दीवोदूहम् ।विश्वाहोइहोइवासू ।
ता टी ख ण की टा ख ण टा टु त

नाइबाऔहोवा ।भ्रातम् ॥ १६ ॥
ट खा शि ख श

एतमूत्यम् ।मदाआउवाच्यूतम् ।साहास्रधारंवृषाभन्दिवोदूहांवाइश्वावसू ।
ती ता टि ख श की कि टि क ख शु

निबाआउवाए ।भ्रातम् ॥ १७ ॥
का भी ख श

एतमुत्यमेमदा ।च्यूतांसहस्रधारंवृषाभ न्दीवोदूहाम् ।वाइश्वावासु नीबोबाभ्रातां ।हाइ ॥ १८ ॥
कु ता पू की टि त टि टा च् क प ळ ळा शा

एतमुत्यमोहाइ मदच्युतमोहाइ ।साहास्रधारंवार्षाभम् ।दीवोदुहमोहाइ ।विश्वाहोइवासू ।नाइबा
कु षा तु त श खि श खि ण खु ण श टा टि त ट खा

औहोवा ।भ्रातम् ॥ १९ ॥
शि ख श

एतामुत्यम्मदाच्युत म् ।साहास्रधारंवृषाभन्दीवो
फा खी शा की टी टा च्

दूहमोइ ।विश्वावसूनिबा हो इभ्रातमाआउवा ।
चि श टू च् क च् का ता टि

उऊपा ॥ २० ॥
खा श

एतामुत्यम्मदाच्युत म् ।साहास्रधारांवृषाभन्दिवो
खा ळी शा टी चि टि

ओवा ।दूहाम् ।विश्वावसूनिबाआए ।भ्रातामेहियाहा ।होइळा ॥ २१ ॥
का प श दू टा प ळी श ळ शा

॥दीर्घेद्वे ॥

सासू ।न्वेयोवासूनाम् ।योरायामाने तायाइळा

ता का टा त टा चि थ टि

नाम् ।सोमाः ।यास्सूक्ष्मिताआइनां ।हाइ ॥ २२ ॥

त ट त का पा छि शा

ससुहाबु ।न्वेयोवासूनांहाबु ।योरायामाने तायाइळानांहाबु ।सोमोयास्सू

ति श टु त श चा चि थ टी त श टी

हाबु ।क्षितीनामौहोबा ।होइळा ॥ २३ ॥

त श का पा प्ला प्ला शा

॥सोमसामानिनित्रिणि ॥

सस्वेसासू ।न्वेयोवासाआउवा ।नांयोरायामाने तायाइळानांसोमौवाउवोवा ।यास्सूक्ष्मिताआउवाए ।नाम् ॥ २४ ॥

ती का ता टि ख टा चि थ टी खु ण का ता भि ख

ससून्वेयाएवासू ।नायोरायामाने तायाइळानाम् ।सोमाः ।यास्सूक्ष्मिता इ ।नाम् ॥ २५ ॥

षु ता क या प का थ टि ख ता का खाणफळू श ख

सासून्वेयोवसूनाम् ।योरायामाने तायाइळानाम् ।सोमोयस्सूक्ष्मितानाम् ।सोमाः ॥ २६ ॥

पि शी क य प का थ पि त्र टा की ख ट ख

॥शैतेष्याणिचत्वारि ॥

त्वंहियाम् ।गदाइव्यपवमानजनि

ति पी चू

मा निद्युमाक्तामाः ।आमार्क्तात्वायाघोबाषाया ।न्हाइ ॥ २७ ॥

कच् का ट टा टा टा क प प्ला प्ला शा

त्वंहियाम् ।गदाइव्यपवमानाहोवाहाइ ।जनिमानीद्युमार्क्तामाः ।आमार्क्तात्वाओहोवा ।यघोषाया न् ॥ २८ ॥

ति पी कि क टा त श टि ख पा त त टिट् ख शि का टाख्

त्वंह्यंगदा ।इव्यपवमानजनिमानिद्युमाक्तामाः ।आमार्क्तात्वायाघोबाषाया ।न्हाइ ॥ २९ ॥

ती षू कि टि ता टि तच् क प प्ला प्ला शा

त्वंहायांगादाइव्याम् ।पावमाना जनिमा नायेद्यूमाक्तामाः ।आमार्कतात्वा ।याघोबाषाया ।न्हाइ ॥ ३० ॥
 खि क्ली टि कथ् टिक्क प पा त त भि तच् क प प्लू प्ला शा

॥सोमसामानित्रीणि ॥

एषस्यधारायासूताः ।अव्यावाराइभाइःपवतेमदिन्तामाः ।क्रीळान्नूर्माइः ।आपा
 क यु टा थाक्क षी कु चा टि त श प श
 माइवो ।हाइ ॥३१ ॥
 ख प्ला शा

एषास्याधारयासुताः ।अव्याहोइ वारेभिःपवतेमदीन्तामाः ।क्रीळान्होऊर्ममीः ।अपामीवाओहोबा ।होइळा ॥ ३२ ॥
 क प शु भि श षि यु टा टाच्च ट त चाक टा ख प्लू प्ला शा
 एषस्यधारयासुताः ।अव्यावाराइभिःपवाताइमदीन्तमाः ।क्रीळान्नूर्मीरपाउवाओबामाइवो ।हाइ ॥ ३३ ॥
 फी की थाक्क कु प शि का षी कीप प्लू प्लि शा

॥गायत्रपार्श्वञ्च ॥

एषाः ।स्यधारयाआउवासूताः ।अव्यावारे भिःपवते मादिन्तामाः ।
 ता का ता टि ख प्लू षी कीक्क टा ख
 क्रीळान्नूर्मीरपाहिंबा ।माइपा ॥ ३४ ॥
 यि ट ता प श टिख्

॥सन्तनिच ॥

एषाहाबु ।स्यधारयाआउवा ।सूताःअव्यावारे भिःपवते मादिन्तामाः ।क्रीळान्हाबु ।
 ता त श का ता टि ख प्लू षी कीक्क भि ता त श
 ऊर्ममीरवाआउवा ।मीवा ।याउस्त्रियाअपियाआ
 का ता टि ख श षी कि च
 न्तारश्मानी ।निर्गाहाबु ।आक्रन्तदोआउवाजासाआभिवृजन्तन्तीषे
 खी ता त श का ता टि ख श षी की

गव्यमश्विया म् ।वर्ममीहाबु ।वाधृ ण्णवाआउवा ।रूजा ॥ ३५ ॥
दुख् ता त श का ता टि ख श